वार्षिक प्रतिवेदन

2013-2014

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(सम विश्वविद्यालय)

(मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के तत्त्वावधान में संस्थापित)

राष्ट्रिय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद् द्वारा 'ए' श्रेणी में प्रत्यायित

56-57, सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी,

नई दिल्ली-110058

प्रकाशक:
डॉ. बिनोद कुमार सिंह
कुलसचिव
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
(सम विश्वविद्यालय)
56-57, सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी,
नई दिल्ली-110058
ईपीएबीएक्स : 28524993, 28521994, 28524995
तार : संस्थान
ई मेल : rsks@nda.vsnl.net.in
वेबसाईट : www.sanskrit.nic.in

विषय-सूची

		पृष्ठ
1.	**पर्यवलोकन**	**7-10**
1.1	संस्था	7
1.2	भूमिका एवं कार्य	7
1.3	कार्यक्रम तथा क्रियाकलाप	8
1.4	अध्यापन	8
1.5	शिक्षक-प्रशिक्षण	9
1.6	शोध	9
1.7	आंतरिक छात्रवृत्ति	9
1.8	प्रकाशन	10
2.	**2012-2013 के दौरान सम विश्वविद्यालय के रूप में प्रमुख क्रियाकलाप**	**11**
3.	**2012-2013 के दौरान राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की अनुपम उपलब्धियाँ**	**12**
4.	**संरचना एवं क्रियाकलाप**	**14-17**
5.	**अनुभाग**	**18-38**
5.1	शैक्षणिक अनुभाग	18
5.2	शोध एवं प्रकाशन अनुभाग	18
5.3	छात्रवृत्ति अनुभाग	20
5.4	अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण एवं पत्राचार पाठ्यक्रम अनुभाग	21
5.5	परीक्षा अनुभाग	25
5.6	प्रशासन अनुभाग	27
5.7	वित्त अनुभाग	27
5.8	योजना अनुभाग	28
5.9	पालि एवं प्राकृत	33
5.10	परियोजनाएँ	35
5.11	पुस्तकालय एवं विक्रय इकाई	36
5.12	मुक्तस्वाध्यायपीठम्	37
6.	**परिसर**	**39-70**
6.1	श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश)	40
6.2	श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओडिशा)	43
6.3	श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर)	46

6.4	गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर (केरल)	49
6.5	जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)	52
6.6	लखनऊ परिसर, लखनऊ (उत्तर प्रदेश)	55
6.7	श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी (कर्णाटक)	57
6.8	वेदव्यास परिसर, बलाहार (हिमाचल प्रदेश)	59
6.9	भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश)	62
6.10	के.जे. सौमैया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)	67
6.11	दिल्ली परिसर, नई दिल्ली	70
7.	**योजनाएँ**	**71-80**
7.1	संस्कृत के प्रोन्नयन हेतु स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों, संस्थाओं तथा पाठशालाओं को वित्तीय सहायता	72
7.2	अखिल भारतीय संस्कृत शास्त्रीय स्पर्धा	74
7.3	शास्त्रचूडामणि योजना	74
7.4	व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना	75
7.5	संस्कृत शब्दकोश परियोजना	75
7.6	संस्कृत, पालि/प्राकृत, अरबी और फ़ारसी विद्वानों को राष्ट्रपति-सम्मान-पत्र प्रदान करने की योजना	76
7.7	संस्कृत वाङ्मय सृजन योजना	76
7.8	ग्रन्थ क्रय योजना	77
7.9	आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों के रूप में मान्यता-प्राप्त संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु योजना	77
7.10	शोध एवं उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्तियाँ प्रदान करने हेतु योजना	78
7.11	असहाय परिस्थितियों वाले प्रसिद्ध संस्कृत पंडितों को सम्मान राशि देने की योजना	79
8.	**वर्ष 2012-2013 की प्रमुख गतिविधियाँ**	**81-107**
8.1	सम्मान समारोह	81
8.2	राष्ट्रीय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद्, बैंगलूरु द्वारा निरीक्षण	84
8.3	राष्ट्रीय प्राकृत संगोष्ठी	85
8.4	अखिल भारतीय संस्कृत कवि समवाय	87
8.5	राष्ट्रीय प्राकृत संस्कृतच्छाया सम्पादन/संशोधन कार्यशाला	88
8.6	राष्ट्रीय संगोष्ठी	88
8.7	अखिल भारतीय ग्रीष्मकालीन प्राकृत भाषा एवं साहित्य अध्ययन कार्यशाला	89
8.8	संस्कृत सप्ताहोत्सव	90
8.9	हिन्दी पखवाड़ा	95
8.10	पण्डित परिषद् व्याख्यानमाला	95
8.11	संस्कृत अनुवाद लेखन कार्यशाला	96
8.12	स्थापना दिवस	97
8.13	युवा महोत्सव	97
8.14	दीक्षान्त समारोह	99

8.15	संस्कृत नाट्योत्सव	101
8.16	राष्ट्रीय संगोष्ठी	103
8.17	अखिल भारतीय संस्कृत शास्त्रीय स्पर्धा एवं अखिल भारतीय संस्कृत नाट्य उत्सव	104
8.18	अखिल भारतीय अन्तर संस्कृत विश्वविद्यालय युवा महोत्सव	105
8.19	व्याख्यानमालाओं का आयोजन	107
9.	**संलग्नक**	**108**
	क. प्रबन्ध-मण्डल के सदस्यों की सूची	108
	ख. वित्त-समिति के सदस्यों की सूची	110
	ग. संकाय-सदस्यों का परिसर-वार विवरण	111
	घ. विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) उपाधि प्राप्त शोध छात्रों का विवरण	125
	ङ. सम्बद्ध संस्थाएँ	127
	च. परीक्षाओं को मान्यता देने वाली सरकारें	136
	छ. परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालय	139
	ज. मुख्यालय में अनुभागवार कार्यरत स्टाफ संख्या	145
	झ. वार्षिक अनुदान स्वीकृत स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों की राज्य-वार संख्या का विवरण	148
	ञ. वित्तीय सहायता से प्रकाशित पुस्तकों का विवरण	149
	ट. प्रकाशन अनुदान हेतु संस्वीकृत प्रस्तावों का विवरण	149
	ठ. वार्षिक अनुदान प्राप्त आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों का विवरण	151
	ड. लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा तथा वर्ष 2012-2013 की लेखा-परीक्षा रिपोर्ट	154

1. पर्यवलोकन

1.1 संस्था

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (इसमे इसके बाद इसे संस्थान कहा जाये) की संस्थापना 15 अक्टूबर, 1970 में, सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम 1860 (1860 का अधिनियम XXI) के अन्तर्गत पंजीकृत एक स्वायत्त संगठन के रूप में, पूरे देश में संस्कृत के समग्र विकास तथा प्रोन्नयन हेतु हुई। अपने निर्माण काल से ही यह भारत-सरकार द्वारा पूर्णरूपेण निधि प्रदत्त है। यह संस्कृत के प्रसार तथा विकास हेतु शीर्ष निकाय के रूप में कार्यरत है तथा संस्कृत अध्ययन के विकास हेतु, विभिन्न योजनाओं तथा कार्यक्रमों के निर्माण तथा कार्यान्वयन में मानव संसाधन विकास मन्त्रालय की सहायता करता है। संस्कृत भाषा के प्रतिरक्षण, प्रसार तथा विकास और इसके सभी पक्षों की शिक्षा हेतु, 1956 में भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय द्वारा स्थापित संस्कृत आयोग के विभिन्न संस्तुतियों के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु इसने एक केन्द्रीय अभिकरण के रूप में निभाई है।

संस्थान के पारम्परिक संस्कृत शिक्षण के संवर्धन और सम्प्रसारण के क्षेत्र में योगदान, इसके श्रेष्ठ प्रकाशनों और 55,000 से भी अधिक दुर्लभ संस्कृत पाण्डुलिपियों के संरक्षण तथा प्रबन्धन को महत्त्व देते हुए भारत सरकार ने इसे 7 मई, 2002 से प्रभावी, सम विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया है, जो अधिसूचना संख्या एफ. 9-28/2000 यू 3 के अन्तर्गत है तथा जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अधिसूचना संख्या एफ 6-31/2001 (सी.पी.पी.-1), दिनांक 13 जून 2002 से अनुगत किया गया है। राष्ट्रीय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद् (नैक) बैंगलूरु द्वारा दिनांक 5.7.2012 के दिन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (सम.वि.वि.), नई दिल्ली को 'ए' श्रेणी से सम्मानित किया गया।

सम विश्वविद्यालयों की पुनरीक्षण योजना के अन्तर्गत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) ने संस्थान के मुख्यालय एवं सभी परिसरों का निरीक्षण किया। संस्थान द्वारा शैक्षणिक स्तर को बनाए रखने की भूमिका को सराहा है और आगे सम विश्वविद्यालय की स्थिति की संस्तुति की।

1.2 भूमिका एवं कार्य

संस्था के बहिर्नियम में निर्देशित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्य उद्देश्य संस्कृत शिक्षण और शोध का प्रसारण, विकास व प्रोत्साहन है जिनका पालन करते हुए;

i. उच्च शिक्षा प्रदान करना ताकि विश्वविद्यालय शिक्षा रिपोर्ट (1948) और भारत में उच्चतर शिक्षा के नवीकरण एवं पुनरुद्धार (2009) और समविश्वविद्यालयों के लिए समीक्षा समिति की रिपोर्ट (2009) के द्वारा विश्वविद्यालय के संदर्भ से पूर्णतया सहमत स्नातकोत्तर और अनुसंधान डिग्री स्तरों पर उचित मानी जाने वाली ज्ञान की ऐसी शाखाओं में उत्कृष्टता और नवाचार का प्रावधान करना।

ii. परंपरागत संस्थाओं द्वारा प्रदान किए जाने वाले कला, विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, डेंटल, फार्मेसी, प्रबंध आदि विषयों में परंपरागत डिग्रियों तक पहुंचने के लिए सामान्य स्वरूप के कार्यक्रमों से अकादमिक विनियोजन को अलग करने वाले - विश्वविद्यालय शिक्षा प्रणाली के लक्ष्यों में महत्त्वपूर्ण भागीदारी करने के लिए योग्यता वाले विशिष्ट क्षेत्रों में लगना।

iii. विभिन्न विषयों में पर्याप्त संख्या में पूर्णकालिक संकाय/अनुसंधान शिक्षाविदों (पी.एच.डी. और पोस्ट डॉक्टोरल) द्वारा विभिन्न इन - हाउस अनुसंधान कार्यक्रमों के माध्यम से उच्च गुणत्तापरक शिक्षण और अनुसंधान हेतु तथा ज्ञान की प्रगति और उसके वितरण हेतु प्रावधान करना।

iv. अकादमिक समुदाय के विशिष्ट व्यक्तियों के साथ विचार विमर्श की प्रक्रिया से विनिर्दिष्ट हमारी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए अथवा देश की प्रमुख आवश्यकताओं के लिए महत्त्वपूर्ण समझे जाने पर राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकार अथवा केन्द्र सरकार द्वारा अध्ययन और अनुसंधान के विशिष्ट क्षेत्रों में प्रायोजित - "नए" वर्ग के अंतर्गत ऐसे विशेष और उभरते क्षेत्रों में जिन्हें परंपरागत अथवा वर्तमान संस्थाओं द्वारा कार्य में नहीं लाया जा रहा है, के अंतर्गत समविश्वविद्यालय संस्थाओं के सृजन में सहायता करना।

v. संस्कृत अध्ययन की सभी शाखाओं में शोध कार्य

करवाना, उस हेतु सहायता-प्रदान करना, प्रोन्नति और समायोजन करना जिसमें शिक्षक-प्रशिक्षण, पाण्डुलिपि विज्ञान आदि संदर्भगत सम्बद्ध क्षेत्रों में उन आधुनिकतम शोधकार्यों के परिणामों को अन्तर्सम्बन्धित करने के साथ पुस्तकों का प्रकाशन भी सम्मिलित होगा।

vi. पालि और प्राकृत भाषाओं हेतु अनुदान, प्रोन्नयन, विकास तथा परिरक्षित करने का उत्तरदायित्व लेना।

vii. संस्कृत के विकास के लिए भारत सरकार के केन्द्रक अभिकरण के रूप में कार्य कर सरकार की नीतियों, कार्यक्रमों और विभिन्न योजनाओं को लागू करना।

viii. ज्ञान की उन शाखाओं में अनुदेश और प्रशिक्षण का प्रबन्ध करना, जिन्हें संस्थान उचित मानता हो।

ix. विद्या के प्रचार, प्रसार और अभिवृद्धि के लिए शोध का प्रावधान करना।

x. समाज के विकास में योगदान करने के लिए बहिर्विश्वविद्यालयी अध्ययन, विस्तार कार्यक्रम एवं विभिन्न क्षेत्रीय गतिविधियों को आयोजित करना।

xi. संस्थान के उद्देश्यों की पूर्ति और विकास के लिए आवश्यक या अपेक्षित विभिन्न प्रकार के ऐसे अन्य सभी कार्यक्रमों को आयोजित करना।

1.3 कार्यक्रम तथा क्रियाकलाप

संस्थान अपने उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु निम्नलिखित प्रमुख कार्यक्रमों और क्रियाकलापों में कार्यरत है:

- प्रस्तावित अध्ययन कार्यक्रम और अनुसंधान अथवा सुविधाएँ अध्ययन के उन शाखाओं में ऐसे माध्यम का प्रावधान करेंगी जो संस्था अधिगम की प्रोन्नति तथा ज्ञान के प्रसार के लिए आवश्यक समझें।
- उन व्यक्तियों जिन्होंने अध्ययन कार्यक्रम और/अथवा अनुसंधान को संतोषजनक रूप से पूरा कर लिया है, को डिग्री और डिप्लोमा तथा/अथवा प्रमाण पत्रों की प्रकृति और परीक्षा एवं मूल्यांकन हेतु निर्धारित योजना।
- विजिटरशिप, फैलोशिप, पुरस्कार और मेडल जैसी अन्य शैक्षिक योजनाओं के ब्यौरे।
- विभिन्न राज्यों में परिसरों की स्थापना।
- माध्यमिक, पूर्वस्नातक, स्नातक, स्नातकोत्तर स्तरों पर परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षण तथा डाक्टरेट की उपाधि के स्तर पर शोध का संचालन करना।
- स्नातक अर्थात् शिक्षा शास्त्री (बी.एड.) स्तर पर शिक्षक-प्रशिक्षण का संचालन करना।
- संस्कृत के विभिन्न क्षेत्रों में शोध-कार्य का संचालन व समन्वयन।
- उभयनिष्ठ अभिरुचि वाली संयुक्त परियोजनाओं के प्रायोजन में अन्य संगठनों से सहयोग।
- संस्कृत पुस्तकालयों, पाण्डुलिपि संग्रहालयों की स्थापना और दुर्लभ पाण्डुलिपियों एवं महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों का सम्पादन तथा प्रकाशन।
- स्वीकृत निर्धारित पाठ्यक्रम/शोध को संतोषजनक रूप से पूर्ण करके निर्धारित परीक्षाएँ उत्तीर्ण करने वाले व्यक्तियों को उपाधियाँ प्रदान करना और डिप्लोमा/प्रमाण-पत्र देना।
- विज़िटरशिप, फेलोशिप, छात्रवृत्तियाँ, वज़ीफे, पुरस्कार तथा पदकों का संस्थापन एवं उन्हें प्रदान करना।
- दूरस्थ शिक्षा-कार्यक्रमों का संचालन।
- संस्कृत, पालि तथा प्राकृत के प्रोन्नयन हेतु मानव संसाधन विकास मन्त्रालय की योजनाओं का कार्यान्वयन।

1.4 अध्यापन

संस्थान के अपने दस परिसरों में, संस्थान द्वारा निर्मित पाठ्यक्रम के आधार पर प्राक्शास्त्री से आचार्य स्तर तक शिक्षण का संचालन किया जाता है तथा संस्थान से सम्बद्ध संस्थाओं में प्रथमा से आचार्य तक शिक्षण का प्रबन्ध किया जाता है। विद्यालय स्तर पर संस्थान अंग्रेजी, हिन्दी तथा अन्य आधुनिक विषय जैसे इतिहास, समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, गृहविज्ञान और गणित आदि के लिए केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के पाठ्यक्रमों का अनुसरण करता है। शास्त्री-स्तर पर हिन्दी और अंग्रेजी जैसे आधुनिक विषयों के लिए सामान्यतया दिल्ली विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों का अनुसरण किया जाता है।

स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा संचालित और संस्थान से सम्बद्ध संस्कृत संस्थाएँ भी उसी पाठ्यक्रम के साथ शिक्षण प्रदान करती हैं। सभी परिसरों में संस्कृत शिक्षा की आधुनिक प्रणाली के छात्रों को परम्परागत प्रणाली में सम्मिलित होने की सुविधा देने हेतु प्राक्शास्त्री नामक + 2 स्तर का द्विवर्षीय मध्यवर्ती पाठ्यक्रम है।

1.5 शिक्षक-प्रशिक्षण

परिसरों में शिक्षण अभ्यास पर बल देते हुए एक शैक्षिक वर्ष हेतु शिक्षक-प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का संचालन किया जाता है, जिसमें बी.एड के समकक्ष शिक्षा-शास्त्री की उपाधि प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त, एम. एड. के समकक्ष शिक्षा-आचार्य उपाधि पाठ्यक्रम का संचालन जयपुर एवम् जम्मू परिसर में किया जाता है।

1.6 शोध

गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद, संस्कृत की कुछ चयनित शाखाओं में मात्र शोध-गतिविधियों हेतु पूर्ण समर्पित है। हालांकि, सभी परिसरों में शोध हेतु छात्रों का पंजीकरण होता है और इसके सफल समापन पर उन्हें पी-एच.डी. के समकक्ष विद्यावारिधि की उपाधि प्रदान की जाती है।

तथापि गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद विशेष रूप से चयनित शाखाओं में अनुसंधान गतिविधियों को समर्पित है। परिसर का पुस्तकालय देश के सबसे उच्च पुस्तकालयों में से एक है। पुस्तकालय में 57,957 से अधिक दुर्लभ पाण्डुलिपियों का संग्रह है। यह भी पुस्तकालय में सरंक्षित है।

1.7 आन्तरिक छात्रवृत्ति

छात्रों को संस्कृत शिक्षण के साथ-साथ संस्कृत की विविध विधाओं में गहन अध्ययन हेतु आकर्षित तथा प्रोत्साहित करने की दृष्टि से संस्थान अपने परिसरों में सभी पाठ्यक्रमों तथा शोध के लिए योग्य छात्रों को छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है। प्राक्शास्त्री, शास्त्री, शिक्षा-शास्त्री तथा आचार्य पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों हेतु परिवर्धित छात्रवृत्ति क्रम से 600/- रुपये, 800/- रुपये, 800/- रुपये तथा 1000/- रुपये प्रतिमास है। विद्यावारिधि उपाधि के प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील शोध में जुटे शोध-छात्रों को 5000/- रुपये की छात्रवृत्ति दी जाती है, साथ ही दो वर्षों के लिए 3000/- रुपये वार्षिक सांयोगिक धनराशि भी दिया जाता है।

निम्नलिखित तालिका वर्ष 2012-13 में छात्रों को दी गई छात्रवृत्तियों का विवरण दर्शाती है :-

		कक्षा									
		प्राक् शास्त्री		शास्त्री			शिक्षा शास्त्री	आचार्य		शिक्षा आचार्य	विद्या-वारिधि
क्रम.सं.	परिसर	I	II	I	II	III	-	I	II		
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद	–	–	–	–	–	–	–	–		24
2.	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	30	30	50	47	40	64	135	121	–	–
3.	श्री रणवीर परिसर, जम्मू	28	20	28	27	49	50	18	15	16	03
4.	गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर	25	24	57	51	24	41	29	33	–	10
5.	जयपुर परिसर, जयपुर	25	25	60	60	60	50	59	48	18	–
6.	लखनऊ परिसर, लखनऊ	21	21	45	24	21	50	34	38	–	–
7.	श्री राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी	25	25	60	59	32	50	46	31	–	07
8.	वेदव्यास परिसर, बलहार	25	19	48	37	29	50	45	30	–	08
9.	भोपाल परिसर, भोपाल	20	18	39	20	21	50	19	21	25	15

10.	के.जे.सौमैया सं. वि. परिसर, मुम्बई	05	02	07	05	02	50	12	08	–	01
11.	दिल्ली परिसर, नई दिल्ली	–	–	–	–	–	–	–	–	–	02
योग		**204**	**184**	**394**	**330**	**278**	**455**	**397**	**345**	**59**	**70**
							कुल योग - 2716				

छात्रवृत्ति प्रदान किये गए छात्रों, छात्राओं तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ावर्ग के छात्रों की कक्षावार संख्या निम्नलिखित है–

कक्षा	योग	पुरुष	स्त्री	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग
प्राक् शास्त्री-I	204	142	62	13	05	19
प्राक् शास्त्री-II	184	113	71	19	06	28
शास्त्री-I	394	252	142	35	13	65
शास्त्री-II	330	211	119	28	16	43
शास्त्री-III	278	183	95	18	07	42
शिक्षा शास्त्री	455	300	155	49	12	76
आचार्य-I	397	191	206	16	11	68
आचार्य-II	345	173	172	23	06	51
शिक्षा आचार्य	59	45	14	02	-	03
विद्यावारिधि	70	60	10	03	-	12
कुल योग	**2716**	**1670**	**1046**	**206**	**76**	**407**

1.8 प्रकाशन

शोध पत्रिकाएँ एवं पुस्तकें

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान **'संस्कृत विमर्श:'** और **'गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद पत्रिका'** नामक दो शोध पत्रिकाएँ प्रकाशित करता है। जबकि पहली पत्रिका संस्थान के मुख्यालय द्वारा प्रकाशित होती है, दूसरी गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद द्वारा प्रकाशित की जाती है। इनके अतिरिक्त, परिसरों से वार्षिक साहित्यिक पत्रिकाएं भी प्रकाशित की जाती हैं।

भोपाल एवं जयपुर परिसर ने अपनी वार्षिक पत्रिका का उन्नयन कर शोध-पत्रिका के रूप में प्रकाशित किया है।

संस्थान एवं परिसरों द्वारा विद्वतापूर्ण प्रकाशनों, मूल पाठों एवं दुर्लभ पाण्डुलिपियों का प्रकाशन किया गया है। प्रकाशन एवं पुनर्मुद्रण योजना के अन्तर्गत अब तक कुल 539 दुर्लभ एवं अनुपलब्ध पुस्तकों का प्रकाशन किया जा चुका है।

'संस्कृत वार्ता' एक तिमाही समाचार बुलेटिन का भी नियमित रूप से प्रकाशन करती है।

2. 2012-2013 के दौरान सम विश्वविद्यालय के रूप में प्रमुख क्रियाकलाप

- दिनांक 30-10-12 से 02-11-12 तक पञ्चम अन्तःपरिसरीय युवा महोत्सव का आयोजन। भोपाल परिसर, भोपाल में किया गया।
- संस्कृत नाट्य महोत्सव में 10 संस्कृत नाटकों का मंचन 05 से 07 फरवरी, 2013 में हुआ।
- 'संस्कृत विमर्शः (नूतन माला)' शोध पत्रिका का विमोचन हुआ।
- अनेक राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ एवं कार्यशालाएं दिल्ली एवं विभिन्न परिसरों में आयोजित की गई।
- 16 से 18 मार्च, 2013 तक गुवाहाटी में सम्पन्न हुए अखिल भारतीय अन्तर संस्कृत विश्वविद्यालय युवा महोत्सव के भव्य आयोजन में संस्थान के अतिरिक्त पाँच संस्कृत विश्वविद्यालयों के 360 प्रतिभागी छात्रों ने भाग लिया।
- 21 जनवरी, 2013 को आयोजित हुए चतुर्थ दीक्षान्त समारोह में 9133 छात्रों को विद्यावारिधि, आचार्य, शिक्षाचार्य आदि उपाधियाँ एवं 66 छात्रों को स्वर्ण पदक प्रदान किये गये।
- 4393 छात्रों का संस्थान परिसरों में दाखिला हुआ।
- 3 गैर संस्कृत विद्वानों को संस्कृत के क्षेत्र में योगदान देने के लिए 'संस्कृत-सेवाव्रति-सम्मान' दिया गया।

मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत क्रियाकलाप

- 16573 छात्रों को शोध व 'उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्ति योजना' के अन्तर्गत छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गईं।
- संस्कृत वाङ्मय प्रकाशन योजना के अन्तर्गत प्रकाशकों/विद्वानों ने 19 प्रकाशन प्रकाशित किये।
- स्वैच्छिक संस्कृत संस्था अनुदान योजना के अन्तर्गत 772 संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।
- 1591 शिक्षकों को 'स्वैच्छिक संस्कृत संस्था अनुदान योजना' के अन्तर्गत समेकित वेतन प्रदान किया गया।
- 8722 छात्रों को 'स्वैच्छिक संस्कृत संस्था अनुदान' योजना के अधीन छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गईं।
- आधुनिक शिक्षकों हेतु 221 संस्थाओं/संस्कृत पाठशालाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।
- 'संस्कृत पाठशालाओं की विकास योजना के अन्तर्गत' 131 आधुनिक विषय के शिक्षकों को समेकित वेतन प्रदान किया गया।
- वर्ष 2012-2013 में अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा के अन्तर्गत शलाका परीक्षा सहित विभिन्न स्पर्धाओं का आयोजन किया गया।
- 35,610 छात्रों को अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत संपूर्ण भारतवर्ष के 1119 केन्द्रों में मौखिक (स्पोकन) संस्कृत में प्रशिक्षित किया गया।

3. 2012-2013 के दौरान राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की अनुपम उपलब्धियाँ

1. दिनांक 19 जून, 2012 को राष्ट्रपति-सम्मान-पत्र 'सम्मान समारोह' का आयोजन किया गया।

2. 09 से 26 अप्रैल, 2012 तक राष्ट्रिय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद्, बैंगलूरू द्वारा मुख्यालय सहित सभी परिसरों का निरीक्षण किया गया।

3. 10 से 12 मई, 2012 में संस्थान एवं श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली के संयुक्त तत्त्वावधान में राष्ट्रीय प्राकृत संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

4. पाँचवें अखिल भारतीय संस्कृत कवि समवाय का आयोजन दिनांक 11.05.2012 को हुआ। कार्यक्रम में ईरान दूतावास के अधिकारी का सम्मान भी किया गया।

5. दिनांक 20.05.2012 से 10.06.2012 तक भोगीलाल लेहरचन्द्र प्राच्य विद्या संस्थान, नई दिल्ली के सहयोग से अखिल भारतीय ग्रीष्मकालीन प्राकृत भाषा एवं साहित्य अध्ययन कार्यशाला का आयोजन किया गया।

6. 21 से 22 मई, 2012 में कॉटन महाविद्यालय, गुवाहाटी के संयुक्त तत्त्वावधान में द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ।

7. 01 से 03 अक्टूबर, 2012 में पण्डित परिषद् व्याख्यानमाला का आयोजन कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर में किया गया।

8. 01 से 03 जनवरी, 2013 में दूरस्थ शिक्षा राष्ट्रीय सम्मेलन को दिल्ली में आयोजित किया गया।

9. श्री अरबिन्दो इन्स्टीट्यूट ऑफ इण्डियन कल्चर, शिलाङ्ग के संयुक्त तत्त्वावधान में 09 से 10 फरवरी, 2013 में राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित हुई।

10. दिनांक 02-04 मार्च, 2013 तक अखिल भारतीय संस्कृत शास्त्रीय स्पर्धा एवं अखिल भारतीय संस्कृत नाट्योत्सव का आयोजन गरली में किया गया।

11. गौहाटी विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्त्वावधान में अखिल भारतीय अन्तर संस्कृत विश्वविद्यालय युवा महोत्सव का आयोजन 16 से 18 मार्च, 2013 में उत्तर-पूर्वी राज्य असम की राजधानी गुवाहाटी में सम्पन्न किया गया।

व्याख्यानमालाएँ

1. 14.04.2012 - डॉ. बी.आर. अम्बेडकर स्मृति व्याख्यानमाला, लखनऊ

2. 07.06.2012 - पं. मण्डन मिश्र स्मृति व्याख्यानमाला, इलाहाबाद

3. 22.08.2012 – प्रो. वी. राघवन स्मृति व्याख्यानमाला, चैन्ने

4. 05.09.2012 – डॉ. राधाकृष्णन् स्मृति व्याख्यानमाला, भोपाल

5. 07.09.2012 – पं. गोपीनाथ कविराज स्मृति व्याख्यानमाला, लखनऊ

6. 03.10.2012 – प्रो. हीरालाल जैन स्मृति व्याख्यानमाला, जयपुर

7. 07.10.2012 – एम.एम. मधुसूदन ओझा स्मृति व्याख्यानमाला, जयपुर

8. 02.02.2013 – पं. गौरीनाथ शास्त्री स्मृति व्याख्यानमाला, कोलकता

9. 23.02.2013 – श्री कुरियाक्कोस् स्मृति व्याख्यानमाला, गुरूवायूर

10. श्री राजीव गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय व्याख्यानमाला, शृङ्गेरी

4. संरचना एवं क्रियाकलाप

मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत-सरकार, संस्थान का अध्यक्ष एवं कुलाधिपति होता है। वर्ष के दौरान, **माननीय डॉ. एम.एम. पल्लम राजू, मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत-सरकार, संस्थान के कुलाध्यक्ष रहे।** कुलपति प्रधान कार्यपालक अधिकारी हैं। वे संस्थान के मामलों पर सामान्य पर्यवेक्षण तथा नियन्त्रण रखते हैं, नीतियों और कार्यक्रमों का निष्पादन करते हैं तथा संस्थान के सभी प्राधिकारियों के निर्णयों को लागू करते हैं। इस वर्ष के दौरान प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी कुलपति के पद पर आसीन रहे। कुलाध्यक्ष के अतिरिक्त संस्थान के निम्नलिखित स्वीकृत प्राधिकारी हैं:

1. **प्रबन्ध मण्डल**–संस्थान में प्रबन्धन का प्रमुख अंग है। नीति-निर्णयों तथा निर्णयों के कार्यन्वयन प्रतिपादन हेतु अधिकार-सम्पन्न है।
2. **विद्वत् परिषद्**-शिक्षा, शिक्षण, प्रशिक्षण, परीक्षा और शोध कार्यक्रमों के मानदण्डों के अनुरक्षण हेतु उत्तरदायी प्रधान शैक्षिक निकाय है।
3. **योजना तथा परिवीक्षण परिषद्**-विकास कार्यक्रमों के परिवीक्षण हेतु उत्तरदायी प्रमुख योजना निकाय है।
4. **वित्त समिति**-प्रबन्ध मण्डल के समक्ष वार्षिक लेखा व वित्तीय प्राक्कलन रखने, कुल व्यय की सीमाएँ निर्धारित करने और हर प्रकार के पदों के सृजन की संस्तुति हेतु उत्तरदायी प्रमुख वित्त निकाय है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, संस्थान में अन्य निकाय भी संघटित हैं, जो अपने-अपने कार्य के स्वरूप के आधार पर संस्तुतियाँ तैयार करते हैं, यथा–सहायता अनुदान समिति, प्रकाशन समिति, छात्रवृत्ति चयन समिति, शोध मण्डल तथा परीक्षा मण्डल।

वर्ष 2012-2013 में संस्थान के प्राधिकारियों/निकायों द्वारा आयोजित बैठकों की संख्या दर्शाने वाली तालिका नीचे दी जा रही है:

मण्डल/परिषद्/समिति	बैठकों की संख्या
प्रबन्ध मण्डल	4
वित्त समिति	4
शैक्षिक परिषद्	2
सहायता अनुदान समिति	3
परीक्षा मण्डल	–
शोध मण्डल	1
छात्रवृत्ति चयन समिति	1
प्रकाशन समिति	3
योजना तथा पर्यवीक्षण मण्डल	1

प्रबन्ध मण्डल तथा वित्त समिति का संघटन क्रमश: **संलग्नक 'क'** व **'ख'** में दिया गया है। अपने समृद्ध पुस्तकालय के अतिरिक्त राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान निम्नलिखित प्रमुख अनुभागों प्रभारी उप/सहायक निदेशक के माध्यम से कार्य करता है–

1. शैक्षणिक अनुभाग
2. शोध एवं प्रकाशन अनुभाग
3. छात्रवृत्ति विभाग
4. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण अनुभाग तथा पत्राचार पाठ्यक्रम

5. परीक्षा अनुभाग
6. प्रशासन अनुभाग
7. वित्त अनुभाग
8. योजना अनुभाग
9. पालि एवं प्राकृत विभाग
10. परियोजना विभाग
11. पुस्तकालय एवं विक्रय केन्द्र
12. मुक्तस्वाध्यायपीठम्
13. आदर्श अनुभाग

5. परिसर :

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (सम विश्वविद्यालय) द्वारा देश के विभिन्न भागों में निम्नलिखित परिसरों का संचालन किया जा रहा है–

क्रम सं.	परिसरों के नाम	स्थान
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर	इलाहाबाद, उत्तरप्रदेश
2.	श्री सदाशिव परिसर	पुरी, ओडिशा
3.	श्री रणवीर परिसर	जम्मू, जम्मू और कश्मीर
4.	गुरुवायूर परिसर	त्रिचूर, केरल
5.	जयपुर परिसर	जयपुर, राजस्थान
6.	लखनऊ परिसर	लखनऊ, उत्तरप्रदेश
7.	श्री राजीव गांधी परिसर	शृंगेरी, कर्णाटक
8.	वेद व्यास परिसर	बलाहर, हिमाचलप्रदेश
9.	भोपाल परिसर	भोपाल, मध्यप्रदेश
10.	के.जे. सौमैया सं. वि. परिसर	मुम्बई, महाराष्ट्र
11.	दिल्ली परिसर	नई दिल्ली

दिल्ली परिसर से पत्राचार पाठ्यक्रम और दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। इस परिसर के पास पुस्तकालय, प्रकाशन विभाग, शोध केन्द्र एवं प्रदर्शनी कक्ष उपलब्ध है। शेष सभी परिसरों में सभी उपस्करों सहित पुस्तकालय, प्रयोगशाला, छात्रकक्ष, स्टाफ क्वार्टर तथा छात्रावास उपलब्ध हैं। ये निम्नांकित पाठ्यक्रमों हेतु निर्देशन कार्य करते हैं। केवल इलाहाबाद परिसर में शोध कार्यक्रम का संचालन होता है –

क्रम सं.	पाठ्यक्रम	के समकक्ष
1.	उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री	सीनियर सेकेण्डरी
2.	शास्त्री	बी.ए.
3.	आचार्य	एम.ए.
4.	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
5.	शिक्षा आचार्य	एम.एड.
6.	विद्यावारिधि	पी–एच.डी.

शिक्षा-शास्त्री कार्यक्रम का संचालन पुरी, जम्मू, जयपुर, लखनऊ, शृंगेरी, गरली, भोपाल, गुरुवायूर और मुम्बई परिसरों में किया जाता है। जयपुर, भोपाल एवं जम्मू परिसर में शिक्षा-आचार्य कार्यक्रम संचालित किया जाता है। शैक्षिक-सत्र का प्रारम्भ प्रतिवर्ष जुलाई में, छात्रों के विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश के साथ होता है।

निम्नलिखित तालिका से वर्ष 2012-13 में परिसरों में प्रति-कक्षा प्रवेश का पता चलता है-

		कक्षा									
		प्राक् शास्त्री		**शास्त्री**			**शिक्षा शास्त्री**	**आचार्य**		**शिक्षा आचार्य**	**विद्या-वारिधि**
क्रम.सं.	**परिसर**	**I**	**II**	**I**	**II**	**III**	**-**	**I**	**II**	**-**	**-**
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद	–	–	–	–	–	–	–	–	–	18
2.	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	94	56	109	85	50	129	270	196	–	27
3.	श्री रणवीर परिसर, जम्मू	30	29	32	31	51	75	18	15	16	08
4.	गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर	35	32	58	51	35	90	33	33	–	12
5.	जयपुर परिसर, जयपुर	46	40	194	140	168	99	107	53	28	24
6.	लखनऊ परिसर, लखनऊ	39	24	54	25	22	96	46	45	–	–
7.	श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी	35	38	61	59	32	98	41	31	–	18
8.	वेदव्यास परिसर, बलहार	50	27	57	41	38	95	101	31	–	14
9.	भोपाल परिसर, भोपाल	46	25	73	33	39	100	23	25	25	50
10.	के.जे.सौमैया सं. वि. परिसर, मुम्बई	06	03	10	05	02	57	18	09	–	02
11.	दिल्ली परिसर, नई दिल्ली	–	–	–	–	–	–	–	–	–	07
	योग	**381**	**274**	**648**	**470**	**437**	**839**	**657**	**438**	**69**	**180**
							कुल योग - 4393				

विभिन्न कक्षाओं में प्रविष्ट छात्रों, छात्राओं तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों की संख्या निम्नलिखित हैं–

कक्षा	योग	पुरुष	स्त्री	अनु. जाति	अनु. जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग
प्राक् शास्त्री-I	381	248	133	27	10	56
प्राक् शास्त्री-II	274	154	120	20	14	64
शास्त्री-I	648	444	204	54	18	121
शास्त्री-II	470	313	157	40	18	86
शास्त्री-III	437	320	117	24	15	77
शिक्षा-शास्त्री	839	522	317	97	24	162
आचार्य-I	657	308	349	57	16	133
आचार्य-II	438	200	238	25	06	81
शिक्षा-आचार्य	69	53	16	03	00	04
विद्यावारिधि	180	137	43	04	04	14
कुल योग	**4393**	**2699**	**1694**	**351**	**125**	**798**

परिसरों के छात्रों ने 2012-2013 की वार्षिक परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन किया। निम्नांकित ग्राफ परिणाम की प्रतिशतता को प्रति कक्षानुसार/सेमेस्टरनुसार दर्शाता है–

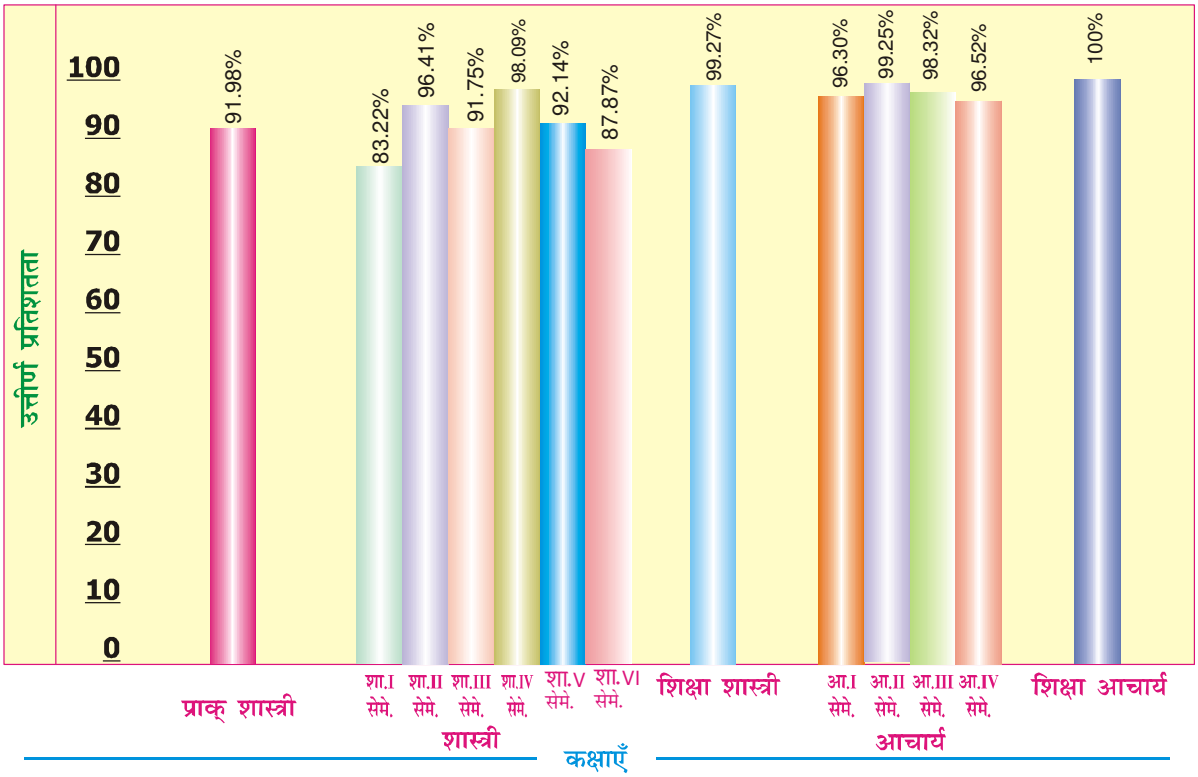

परिसरों में प्रशिक्षित एवं कुशल प्राध्यापक-वर्ग हैं। तथापि जिन विषयों में पूर्णकालिक शिक्षक उपलब्ध नहीं थे, उनमें अंशकालिक शिक्षक भी रखे गए। परिसर-वार संकाय-सदस्यों का विवरण **संलग्नक-'ग'** में दिया गया है।

5. अनुभाग

5.1 शैक्षणिक अनुभाग

इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण उत्तरदायित्व हैं :–

संस्थान के शैक्षिक क्रियाकलापों को सुव्यवस्थित करना और विभिन्न कक्षाओं के लिए पाठ्यक्रमों का निर्माण करना।

प्रथमा से आचार्य तक के विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रम बनाने के लिए विभिन्न विषयों की समितियों का गठन करना।

विद्वत् परिषद् की बैठक व अध्ययन परिषद् की बैठक के आयोजन का समन्वय करना और अनुवर्ती कार्रवाई करना।

यह विभाग शैक्षणिक गुणवत्ता एवं शैक्षिक कार्यक्रमों का कार्यक्रम भी निधार्रित करता है।

रिपोर्ट वर्ष के दौरान जून 2012 और जनवरी 2013 में शैक्षणिक परिषद् की दो बैठकों का आयोजन हुआ। इस बैठक के अतिरिक्त शैक्षणिक परिषद् की स्थायी समिति की भी बैठक नवम्बर 2012 में आयोजित हुई।

शैक्षणिक विभाग को संस्थाओं को संबंधन देने के कार्य की जिम्मेवारी सौंपी गई है। संस्थान का प्रारंभ कुछ केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों से हुआ था परन्तु बाद में कुछ शिक्षण संस्थाओं का भी संबंधन किया गया। इन निजि शिक्षण संस्थाओं को केवल सामान्य पाठ्यक्रमों, प्रथमा से आचार्य विद्यार्थी के लिये संबद्धता प्रदान की। गत वर्षों की अपेक्षा मानित संस्थाओं की संख्या में वृद्धि हुई है। इस वर्ष के दौरान संस्थान से संबद्ध मानित संस्थाओं की सूची इस रिपोर्ट के **संलग्नक 'ङ'** में दी गई है।

संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता प्रदान करने वाली सरकारों एवं विश्वविद्यालयों की सूची **संलग्नक 'च'** एवं **'छ'** में डाली गई है।

5.2 शोध एवं प्रकाशन अनुभाग

इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण दायित्व हैं:–मुख्यालय और परिसरों के शोध और प्रकाशन कार्यों में सामंजस्य स्थापित करना और मन्त्रालय द्वारा अन्तरित योजनाओं को कार्यान्वित करना । ये निम्नलिखित हैं–

1. संस्कृत समाचार–पत्रों और पत्रिकाओं के साथ संस्कृत साहित्य का सृजन।

2. संस्कृत–ग्रन्थों का क्रय और अप्राप्य तथा दुर्लभ ग्रन्थों का पुनर्मुद्रण ।

3. पाण्डुलिपियों का क्रय और प्रकाशन।

यह अनुभाग अनुदान समिति की बैठकों का समन्वयन भी करता है।

वर्ष 2012–2013 में संस्थान की अनुदान समिति की बैठक 04 मई 2012, 18 सितम्बर, 2012 एवं 22 मार्च 2013 को हुई जिसमें विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत कई महत्त्वपूर्ण प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया। इन योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु रु. 45 लाख जारी किए गए, जिनसे कि योजनाओं पर व्यय पूरा किया जा सके।

संस्कृत वाङ्मय सृजन योजना के अन्तर्गत संस्थान की वित्तीय सहायता से विभिन्न सम्पादकों ने 10 ग्रन्थों का सम्पादन किया तथा 19 ग्रन्थों के प्रस्तावों को प्रकाशन अनुदान हेतु स्वीकृति प्रदान की गई। **संलग्नक 'ञ'** एवं **'ट'** में दृष्टव्य है।

इसके अतिरिक्त 17 संस्कृत पत्रिकाओं को भी वार्षिक प्रकाशन अनुदान प्रदान किया गया।

इस वर्ष ग्रन्थ क्रय योजना का विवरण निम्नलिखित है–

आवेदकों की संख्या	319
प्रस्तुत किए गए शीर्षकों की संख्या	887
कुल क्रय किए गए शीर्षकों की संख्या	543

संस्थान ने अपनी प्रकाशन योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित ग्रन्थ प्रकाशित किए:-

1. वराहमिहिराचार्यविरचिता बृहत्संहिता योगीश्वर-कृतयाउत्पलपरिमलावयखया समेता (द्वितीय भाग)
2. सप्तशतीसङग्रह: पं. प्रेमनारायाणद्विवेदीरचनावलि: (द्वितीय भाग)
3. आचार्य-वसुबंधु-प्रणीत: अभिधर्मकोश:
4. आचार्यरामचन्द्रद्विवेदी की रचनाएँ
5. भीमाम्बेडकरशतकम्
6. संस्कृत विमर्श:
7. शिखरिणी
8. राजस्थानप्रस्थानम्
9. भारतभूप्रशसित
10. मीमांसा के पारिभाषिक पदों का परिचय
11. उपनिषद्वाक्यमहाकोश: (दो भाग)
12. मीमांसाश्लोक वार्तिकम्
13. सुगतशासन सार:
14. पातञ्जलयोगसूत्रम्
15. दारिद्र्यशतकम्
16. गङ्गाभक्तितरङ्गिणी
17. कवितापुत्रिकाजाति
18. वेदुइनगीतम् (संस्कृते अनूदितानाम् ओडियाकाव्यानां सङ्ग्रह:)
19. रसियन् कवि 'इयान् तुर्गनेव' विरचितं समर्पणम्
20. खलीलजिब्रानमहोदयेन विरचित 'झंझावत्'

संस्थान ने अपनी पुर्नमुद्रण प्रकाशन योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित ग्रन्थों का प्रकाशन किया।

1. वैज्ञानिकषाण्मुखम्
2. सुभाषितसाहस्री
3. विवादरत्नाकर
4. अष्टङ्गाहृदयम्
5. ब्रह्मसूत्रशङ्करभाष्यम्
6. वैयाकरणसिद्धान्तलघुमञ्जुषा (दो भाग)
7. जैमिनीयन्यायमालाविस्तर:
8. न्यायलीलवती
9. कारिकावलि
10. अर्थसंग्रह
11. अभिधर्मकोष

इसके अतिरिक्त संस्कृत वार्ता बुलेटिन भी प्रकाशित किये गये।

संस्थान ने अपनी प्रकाशन समिति के माध्यम से दिनांक 01-05-2012, 12-07-2012 एवं 09-01-2013 को महत्त्वपूर्ण शीर्षकों के प्रकाशन हेतु स्वीकृति दी।

संस्थान के केन्द्रीय शोध-मंडल की बैठक 11.01.2013 को हुई। विद्यावारिधि शोध उपाधि पाठ्यक्रम हेतु विभिन्न परिसरों में 185 शोध छात्रों के पंजीकरण की स्वीकृति प्रदान की गई। विद्यावारिधि में 24 कनिष्ठ शोध अध्येताओं को पंजीकरण दिया गया है।

5.3 छात्रवृत्ति अनुभाग

यह अनुभाग देश भर में छात्रवृत्तियों का संवितरण करता है। छात्रवृत्तियाँ दो प्रकार की हैं–

1. पारम्परिक पाठशालाओं के छात्रों हेतु शोध छात्रवृत्तियाँ;

2. इण्टर, बी.ए., एम.ए. और पी–एच.डी. तथा समकक्ष पारम्परिक पाठ्यक्रम जारी रखने हेतु उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्तियाँ।

वर्ष 2012–2013 में संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों/ उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करने हेतु दी गई वित्तीय सहायता का विवरण इस प्रकार है–

कक्षा	छात्र संख्या					छात्रों की	कुल
	सामान्य	अनु.जा.	अनु.ज.जा.	अ.पि.व.	विकलांग	कुल संख्या/रु.	रु.
नवीं	2216	31	256	134	21	2658x2500	6645000
10वीं	2054	21	240	133	20	2468x2500	6170000
11वीं	2484	48	341	215	43	3131x3000	9393000
12वीं	4406	112	839	257	14	5628x3000	16884000
बी.ए.–I	327	05	105	109	24	570x4000	2280000
बी.ए.-II	131	05	39	20	09	204x4000	816000
बी.ए.-III	136	08	58	20	02	224x4000	896000
एम.ए.-I	140	02	72	35	10	259x5000	1295000
एम.ए.-II	57	00	13	09	01	80x5000	400000
पीएच.डी.	27	02	07	00	00	36x20000	720000
आचार्य-I	10	00	01	02	00	13x5000	65000
आचार्य-II	25	00	02	02	01	30x5000	150000
पूर्व–मध्यमा-I/9वीं	00	00	00	00	00	00x2500	00
पूर्व–मध्यमा-II/10वीं	14	00	00	00	00	14x2500	35000
उत्तरमध्यमा - I/11वीं	55	00	00	00	00	55x3000	165000
उत्तरमध्यमा-II/12वीं	59	00	00	00	00	59x3000	177000
प्राक्–शास्त्री–II	03	00	00	00	00	3x3000	9000
शास्त्री-I	826	00	15	19	00	860x4000	3440000
शास्त्री-II	111	00	11	38	01	161x4000	644000
शास्त्री-III	70	00	19	30	01	120x4000	480000
विद्या–वारिधि	00	00	00	00	00	00x20000	00
कुल	**13151**	**234**	**2018**	**1023**	**147**	**16573**	**50664000**

5.4 अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण एवं पत्राचार पाठ्यक्रम अनुभाग

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने वर्ष 2012-2013 के दौरान इस विभाग के माध्यम से निम्नलिखित योजनाएँ/कार्यक्रम संचालित किए :

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र
2. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण वर्ग
3. संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण
4. संस्कृत स्वाध्याय योजना

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण कार्यक्रम

2012-2013 में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रथमा, द्वितीया एवं तृतीया दीक्षा के दो चक्रों का संचालन अखिल भारतीय स्तर पर किया गया। **35,610** छात्रों ने पूर्वोत्तर राज्यों, आन्ध्रप्रदेश, पश्चिम बंगाल, कर्णाटक, केरल, पंजाब, राजस्थान, जम्मू एवं कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तराखण्ड, मध्य प्रदेश, बिहार, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, ओडिशा एवं दिल्ली के 1119 केन्द्रों में त्रैमासिक अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। देशभर में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों के माध्यम से लोगों ने संस्कृत एवं भारत की सांस्कृतिक विरासत का ज्ञान अर्जित किया है। समाज के सभी वर्गों के लोगों ने संस्कृत सीखने में अति उत्साह दिखाया। विभिन्न केन्द्रों पर भव्य उद्घाटन तथा समापन समारोह आयोजित किए गए। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा तैयार की गई प्रथमा, द्वितीया एवं तृतीया दीक्षा की पाठ्य-सामग्री विभिन्न केन्द्रों में संस्कृत शिक्षण का मुख्य आधार है। अध्येताओं ने इस पाठ्य-सामग्री की भूरिशः प्रशंसा की है। प्रथमा, द्वितीया एवं तृतीया दीक्षा की समाप्ति पर सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। इन केन्द्रों के अध्येताओं ने बहुत उत्साह दिखाया। छात्रों, अध्यापकों, प्राध्यापकों, चिकित्सकों, अभियन्ताओं, बैंककर्मियों, उद्योगपतियों, अधिकारियों, वकीलों, वैज्ञानिकों, कृषकों और गृहिणियों आदि ने इस कार्यक्रम का लाभ उठाया। केन्द्र निम्नलिखित हैं-

क्रम सं	राज्य	I&II चक्र 2012-13	क्रम सं	राज्य	I&II चक्र 2012-13
1.	आन्ध्र प्रदेश	29	10.	महाराष्ट्र	12
2.	बिहार+झारखण्ड	36	11.	मध्यप्रदेश+छत्तीसगढ़	63
3.	दिल्ली	11	12.	ओडिशा	83
4.	गुजरात	34	13.	पंजाब	14
5.	हरियाणा	33	14.	राजस्थान	67
6.	हिमाचल प्रदेश	21	15.	उत्तराखण्ड	24
7.	जम्मू एवं काश्मीर	09	16.	उत्तर प्रदेश	230
8.	कर्णाटक	70	17.	पश्चिमबङ्गाल	92
9.	केरल	39	18.	पूर्वोत्तर राज्य	252
				कुल	**1119**

इन अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का संचालन न केवल देश के नगरों और महानगरों में किया गया, अपितु दूरवर्ती छोटे गाँवों और छोटे कस्बों, जम्मू व कश्मीर तथा उत्तर-पूर्व राज्यों के दुर्गम क्षेत्रों में भी किया गया। केन्द्र के समीप शिक्षकों के अनुपलब्ध होने पर दूर-दूर से आकर संस्थान के द्वारा प्रशिक्षित शिक्षकों के द्वारा केन्द्र का संचालन किया गया। देश भर में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का संचालन विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों (डिग्री कॉलेजों), इण्टर कॉलेजों, उच्च और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों, कनिष्ठ उच्च विद्यालयों, पब्लिक स्कूलों, मदरसों और स्वैच्छिक संस्थाओं में किया गया। परिणाम अत्यन्त उत्साहवर्धक रहा।

इन केन्द्रों की सम्यक् क्रियाशीलता हेतु सम्बद्ध राज्यों से केन्द्रों, केन्द्र-संयोजकों और शिक्षकों के लिए प्रस्ताव प्राप्त होने पर, राज्यों में केन्द्रों, केन्द्र-संयोजकों और शिक्षकों को नामित किया गया। प्रसिद्ध/महत्त्वपूर्ण संस्थाओं से सीधे प्रस्ताव प्राप्त होने पर भी संस्थान द्वारा केन्द्रों हेतु संस्वीकृति प्रदान की गई।

राज्य-संयोजक (अनौपचारिक संस्कृत शिक्षा)

क्र.सं.	राज्य	संयोजक का नाम एवं पता
1.	आन्ध्र प्रदेश	डॉ. वी. सुब्रह्मण्य, उपनिदेशक, संस्कृतपरिषद्, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद (आन्ध्रप्रदेश)
2.	बिहार+झारखण्ड	डॉ. श्रीप्रकाश पाण्डेय, सहाचार्य, संस्कृतविभाग, बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, क्वा. नं.-23, विश्वविद्यालय परिसर, मुजफ्फरपुर-1 (बिहार)
3.	दिल्ली	डॉ. हरिराम मिश्रा, विशिष्टसंस्कृताध्ययनकेन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली-110067.
4.	गुजरात	डॉ. भा.वं. रामप्रिय, प्राचार्य, दर्शनम् संस्कृत महाविद्यालय, एस्.जी.वी.पी. सर्किल, ए.जी. हाईवे छारोडी, अहमदाबाद-3284818 (गुजरात)
5.	हरियाणा	डॉ. सुरेन्द्र मोहन मिश्र, संस्कृत विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र-136119 (हरियाणा)
6.	हिमाचल प्रदेश	डॉ. भक्तवत्सल शर्मा, प्राचार्य, सनातन धर्म आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, डोहगी, जिला-ऊना, हिमाचल प्रदेश-174307
7.	जम्मू एवं कश्मीर	प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री, 3/127, इन्दिरा विहार, ओल्ड जानीपुर, जम्मू-180007
8.	कर्णाटक	प्रो. ए.पी. सच्चिदानन्द, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री राजीव गान्धी परिसर, शृङ्गेरी-577139, जिला-चिकमंगलूर, कर्णाटक
9.	केरल	डॉ. सुब्रामण्यम् शर्मा, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान गुरुवायूरु परिसर, डाकघर-पुरनाट्टुकड़ा-680551, जिला त्रिचूर (केरल)
10.	महाराष्ट्र	प्रो. रविन्द्र अंबादास मुले, संस्कृत प्रगत अध्ययन केन्द्र पुणेविश्वविद्यालय, गणेश खिन्द रोड, पुणे-411037 (महाराष्ट्र)
11.	म.प्र.+छत्तीसगढ़	प्रो. पी.एन. शास्त्री, राष्टिय संस्कृत संस्थान, भोपाल परिसर, संस्कृत मार्ग, बागसेवनिया, भोपाल-462043 (मध्यप्रदेश)
12.	उत्तर पूर्व राज्य	डॉ. नृपेन्द्रनाथशर्मा, पांचजन्य, लक्ष्मीनगर, राधा गोविन्द बरुआ मार्ग, गुवाहाटी 781005 (असम)
13.	ओडिशा	डॉ. सुकान्त कुमार सेनापति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री सदाशिव परिसर, पुरी-752001 (ओडिशा)
14.	पंजाब	डॉ. इन्द्रमोहन सिंह, संस्कृत विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला-147002 (पंजाब)
15.	राजस्थान	डॉ. पूर्ण चन्द्र उपाध्याय, संस्कृत विभागाध्यक्ष, राजकीय बिरला महाविद्यालय, भवानी मंडी, राजस्थान-326502
16.	तमिलनाडु	डॉ. आर. रामचन्द्रन्, व्याख्याता, संस्कृतविभाग, रामाकृष्णमिशन, विवेकानन्द कॉलेज, मैलापुर, चेन्नई (तमिलनाडु)

क्र.सं.	राज्य	संयोजक का नाम एवं पता
17.	उत्तराखण्ड	डॉ. बुद्धदेव शर्मा, 11, नालापानी रोड़, चुग कालोनी, देहरादून (उत्तराखण्ड)
18.	उत्तर प्रदेश	डॉ. लक्ष्मी निवास पाण्डेय, प्रवाचक, शिक्षाशास्त्र विभाग, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान विशाल खण्ड-04, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (उत्तर-प्रदेश)
19.	पश्चिम बंगाल	श्री तन्मय कुमार भट्टाचार्य, ए एफ-159, रवीन्द्रपल्ली, पत्रालय-प्रफुल्लकानन्म् कृष्णपुरम्, कोलकाता (पश्चिम बंगाल)

डॉ. रत्न मोहन झा, सहायकाचार्य, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर राष्ट्रिय संयोजक के दायित्व का निर्वहण किया गया।

संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा संस्कृत विषय को संस्कृत के माध्यम से अध्यापन करने हेतु निम्नलिखित स्थानों पर 21 दिवसीय आवासीय अनौपचारिक संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया।

क्रमांक	स्थान	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या	विदग्ध व्यक्ति
1.	राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान गुरुवायूरुपरिसरः, पुरनाट्टुकरा, त्रिचूर, (केरलम्) -680551	14.05.12 से 03.06.2012	81	प्रो. सी.एच्.एल्.एन्. शर्मा डॉ. सुब्रह्मण्य शर्मा डॉ. एम. वी. नटेशन् श्री कू. वेङ्कटेशमूर्ति डॉ. के. गिरिधर राव डॉ. सुशान्त कुमार राय डॉ. डी. वेणुगोपाल राव डॉ. ओ. सुधीष् डॉ. उन्नीकृष्ण डॉ. रमेश एन् डॉ. एस्. सीताराम
	अन्नदाविद्यामंदिरम्, आद्यापीठ, दक्षिणेश्वर राम कृष्ण संघ, कोलकाता-700076 (पं. ब.)	08.06.12 से 28.06.12	114	डॉ. तन्मयकुमारभट्टाचार्य डॉ. नारायण दास डॉ. श्रीप्रकाश पाण्डेय डॉ. रमेश कुमार झा, श्रीमती श्रावणी भट्टाचार्य डा. राकेश दास श्रीमती शिल्पा घोष
	ऋषि संस्कृत महाविद्यालय, निर्धननिकेतनआश्रमः खड़खड़ी, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)	01.06.12 से 21.06.12	98	डा. लक्ष्मीनिवासपाण्डेय डॉ. बुद्धदेव शर्मा डॉ. धनीन्द्र झा डॉ. प्रकाशचन्द्र पन्त

			डॉ. हरीश गुरुरानी डॉ. किशोरी लाल डॉ. रौशन लाल गौड़ डॉ. गिरीश चन्द्र तिवारी
दर्शनम् संस्कृत महाविद्यालय, छारोडी, अहमदाबाद (गुजरात)	11.06.12 से 01.07.12	102	डॉ. वाई. एस्. रमेश डॉ. भा.व. रामप्रिय डॉ. कृष्ण प्रसाद निरौला श्री लक्ष्मीनारायण भट्ट श्री अर्जुन शामल, श्री योगेश पण्ड्या डॉ. नीलाभ तिवारी श्री रमण मिश्र

4. संस्कृत स्वाध्याय योजना

संस्कृतस्वाध्याययोजना के अन्तर्गत चतुर्थदीक्षा के स्तर में श्रीमद्भगवद्गीता के द्वितीय भाग की स्वाध्यायसामग्री प्रकाशित की गई।

पत्राचार पाठ्यक्रम

संस्थान भारत और विदेश में संस्कृत के सामान्य अध्येताओं के लिए हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम से संस्कृत भाषा सीखने के लिए दो वर्ष की अवधि वाले पत्राचार पाठ्यक्रमों का संचालन दो स्तरों पर करता है, अर्थात् (अ) संस्कृत में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम-प्रथम वर्ष हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम (ब) संस्कृत में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम-द्वितीय वर्ष हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम। वर्ष 2012-2013 के दौरान पत्राचार पाठ्यक्रम के माध्यम से संस्कृत अध्ययन हेतु 1750 (1740 भारतीय एवं 10 विदेशी) नये छात्रों ने पंजीयन करवाया।

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	छात्रों की संख्या
1.	हिन्दी माध्यम (प्रथम वर्ष)	1016
2.	हिन्दी माध्यम (द्वितीय वर्ष)	35
3.	अंग्रेजी माध्यम (प्रथम वर्ष)	674
4.	अंग्रेजी माध्यम (द्वितीय वर्ष)	25
	कुल	**1750**

5.5 परीक्षा अनुभाग

परीक्षा अनुभाग का मुख्य दायित्व, विभिन्न परीक्षाओं का आयोजन तथा संस्थान के परीक्षा पत्रों का मूल्यांकन कराना है। संस्थान के द्वारा प्रथमा से आचार्य, शिक्षाशास्त्री, शिक्षा-आचार्य तथा विद्यावारिधि जैसी विभिन्न परीक्षाओं का संचालन किया जाता है। इन परीक्षाओं में अंगीभूत परिसरों तथा सम्बद्ध संस्थाओं के छात्र प्रवेश पाते हैं। ये परीक्षाएँ शैक्षिक परिषद् एवं परीक्षा मंडल द्वारा निर्धारित मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अनुसार संचालित की जाती हैं।

वर्ष 2012-2013 में परिसरों एवं मानित (संबंध) संस्थाओं में विभिन्न कक्षाओं के लिए कुल 17192 छात्रों ने प्रवेश लिया। इन सभी छात्रों में से कुल 13816 छात्रों ने परीक्षा दी। वर्ष 2012-2013 में केन्द्रीय रूप से आयोजित, अलग-अलग कक्षाओं एवं उनके छात्रों की संख्याओं सहित, शामिल विभिन्न परीक्षाओं एवं उनमें उत्तीर्ण होने वाले छात्रों का विवरण निम्नलिखित है:-

क्रमांक	कक्षा	परीक्षा में बैठने वाले छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण
1.	प्रथमा–III	187	178
2.	पूर्वमध्यमा–II	912	817
3.	उत्तरमध्यमा–II	371	354
4.	प्राक्शास्त्री–II	953	893
5.	शास्त्री–I	1261	1078
6.	शास्त्री–II	1149	1005
7.	शास्त्री–III	1084	992
8.	आचार्य–I	1107	1059
9.	आचार्य–II	945	899
10.	शिक्षाशास्त्री	829	823
11.	शिक्षाआचार्य	69	69
12.	शास्त्री सेमिस्टर-I	640	511
13.	शास्त्री सेमिस्टर-II	587	565
14.	शास्त्री सेमिस्टर-III	499	434
15.	शास्त्री सेमिस्टर-IV	473	464
16.	शास्त्री सेमिस्टर-V	406	352
17.	शास्त्री सेमिस्टर-VI	404	355
18.	आचार्य सेमिस्टर-I	577	548
19.	आचार्य सेमिस्टर-II	536	533
20.	आचार्य सेमिस्टर-III	421	411
21.	आचार्य सेमिस्टर-IV	406	392
	योग	**13816**	**12732**

इस वर्ष के दौरान 26 छात्रों को विद्यावारिधि की उपाधि से पुरस्कृत किया गया। इन शोध-छात्रों का विवरण **संलग्नक-घ** में दिया गया है।

इस वर्ष के दौरान शिक्षा-शास्त्री/बी.एड., शिक्षाचार्य/एम.एड्., एवं विद्यावारिधि/पी.एच.डी. पाठ्यक्रमों प्रवेश हेतु संयुक्त प्रवेश परीक्षा (विश्वविद्यालयों की) का आयोजन श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली द्वारा किया गया।

वार्षिक परीक्षा 2012-2013 में पाठ्यक्रमानुसार सर्वोच्च स्थान पाने वाले छात्रों का विवरण निम्नलिखित है:

क्रमांक	अनुक्रमांक	छात्र का नाम	कक्षा/विषय	परिसर/संस्थान
1.	130385	ऋषभ	प्रथमा-III	श्री बटुकनाथ,सं.म.वि., वाराणसी
2.	121787	उत्तम घोष	पूर्व माध्यमा-II	रामकृष्ण मठ, वि.वे.वि. पश्चिम बंगाल
3.	123397	भास्कर उप्रेती	उत्तर माध्यमा-II	शारदादेवी, सं.वि., नई दिल्ली
4.	124489	राघवेन्द्र डांगरी	प्राक् शास्त्री-II	श्री राजीव गांधी परिसर, शृङ्गेरी
5.	124519	सरयू प्रफुल्ल चन्द्र	प्राक् शास्त्री-II	श्री राजीव गांधी परिसर, शृङ्गेरी
6.	10183	प्रशांत रामचन्द्र गोनकर	शास्त्री-III	श्री राजीव गांधी परिसर, शृङ्गेरी
7.	20634	अन्तराज्यामी बुडेक	आचार्य-II (नव्य-व्याकरण)	श्री राजीव गांधी परिसर, शृङ्गेरी
8.	21051	रेनू जायसवाल	आचार्य-II (प्रा.व्याकरण)	लखनऊ परिसर, लखनऊ
9.	20962	दिव्य शर्मा	आचार्य-II (साहित्यम्)	जयपुर परिसर, जयपुर
10.	121801	गोविन्द कुमार झा	आचार्य-II (सि.ज्योतिषम्)	डॉ. रामजी मेहता, आ.सं.म.वि. बिहार
11.	20551	सुषमा कुमारी	आचार्य-II (फ.ज्योतिषम्)	वेदव्यास परिसर, बलाहार, हि. प्र.
12.	20926	स्वर्ण लता कर	आचार्य-II (सर्व.दर्शनम्)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी
13.	20753	दीपक कुमार दाश	आचार्य-II (धर्मशास्त्र)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी
14.	20823	प्रज्ञान पूर्णिमा मलिक	आचार्य-II (पुराणेतिहास)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी
15.	122429	अमित शर्मा	आचार्य-II (वेद)	रानी पी.टी.टी. आ.म.वि., वाराणसी
16.	20992	प्रिंयका जैन	आचार्य-II (जैन-दर्शन)	जयपुर परिसर, जयपुर
17.	21037	कृष्णा कुमार	आचार्य-II (बौद्धदर्शनम्)	लखनऊ परिसर, लखनऊ
18.	20821	प्रदीप कुमार गोछी	आचार्य-II (सांख्ययोग)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी
19.	20651	राकेश पी.	आचार्य-II (नव्य-न्याय)	श्री राजीव गांधी परिसर, शृङ्गेरी
20.	20642	कृष्णमूर्ति भट्ट	आचार्य-II(मीमांसा)	श्री राजीव गांधी परिसर, शृङ्गेरी
21.	20552	विशु मोहन	आचार्य-II(अद्वैत-वेदान्त)	वेदव्यास परिसर, बलाहार, हि. प्र.
22.	13726	विपिन कुमार	शिक्षा-शास्त्री	मुम्बई परिसर, मुम्बई
23.	463	मनीष जुर्गान	शिक्षा-आचार्य	जयपुर परिसर, जयपुर

5.6 प्रशासन अनुभाग

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय में प्रशासन अनुभाग नियमों, विनियमों और प्रक्रियानुसार आन्तरिक व्यवस्था के अनुसार कार्य करता है। यह संस्थान के विभिन्न अंगीभूत परिसरों को अधिक प्रभावी और कार्यकुशल बनाने हेतु आवश्यक स्थापन सहायता प्रदान करता है। यह अनुभाग प्रमुख रूप से सामान्य प्रशासन, स्थापना सम्बन्धी मामलों, सेवा और आपूर्ति, भूमि और भवन अधिग्रहण, नए परिसरों की स्थापना और प्रबन्धन मण्डल की बैठकों के संचालन तथा प्रबन्ध मण्डल और वित्त समितियों का गठन आदि कार्य करता है।

भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश) एवं श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओडिशा) में द्वितीय चरण का निर्माण कार्य प्रगति पर है, इस उद्देश्य के लिये वित्तीय वर्ष 2012-2013 में रुपये 1398.86 लाख एवं रुपये 369.01 लाख की धनराशि दोनों परिसरों को दी गई। इसके अतिरिक्त इन वित्तीय वर्ष में रुपये 2980.86 लाख की राशि के.जे. सौमेया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र) में निर्माण सम्बन्धी कार्य हेतु जारी की गई।

वर्ष 2012-2013 में संस्थान के मुख्यालय में कार्यरत अनुभागानुसार स्टाफ की संख्या **संलग्नक-'ज'** में दी गई है।

सूचना के अधिकार के अधीन मुख्यालय कार्यालय में कुल 274 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये। जिसमें से 241 के उत्तर दिये जा चुके है। 23 प्रार्थना पत्र सम्बन्धित परिसरों को स्थानान्तरित किये गये हैं।

5.7 वित्त अनुभाग

वर्ष के दौरान इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण उत्तरदायित्व निम्नलिखित हैं–

बजट (2012-2013) :

वर्ष 2011-12 की 821.92 लाख रूपये (रू 576.48 लाख योजनागत जिसमें रू. 479.84 लाख उत्तर-पूर्वी राज्यों एवं रू. 245.44 लाख योजनेत्तर हेतु) की अप्रयुक्त शेष धनराशि को वित्तीय वर्ष 2012-2013 में समाविष्ट किया गया। मन्त्रालय के द्वारा (गत वर्ष के अव्ययित शेष सहित) 16379.92 लाख रूपये का कुल बजट स्वीकृत किया गया। इस राशि को संस्थान के अधीन इकाईयों को निम्नलिखित रूप से आबंटित किया गया:–

(रू. की संख्या लाखों में)

क्रमांक	एकक का नाम	योजना	योजनेतर	योग
1.	मुख्यालय	6759.61	2540.67	9300.28
2.	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	374.01	716.96	1090.97
3.	जम्मू परिसर	13.49	451.52	465.01
4.	इलाहाबाद परिसर	8.30	348.55	356.85
5.	गुरुवायूर परिसर	11.34	600.20	611.54
6.	जयपुर परिसर	12.93	646.01	658.94
7.	लखनऊ परिसर	31.76	551.53	583.29
8.	श्री राजीवगांधी परिसर, शृंगेरी	423.84	0.00	423.84
9.	वेद व्यास परिसर, बलहार	443.60	0.00	443.60
10.	भोपाल परिसर	1896.26	0.00	1896.26
11.	मुम्बई परिसर	549.34	0.00	549.34
	कुल योग	**10524.48**	**5855.44**	**16379.92**

वर्ष के दौरान यह धन वेतन और भत्ते, छात्रवृत्तियाँ, प्रख्यात संस्कृत विद्वानों को राष्ट्रपति सम्मान एवं संस्कृत शिक्षण के विकास के अन्तर्गत अन्य विभिन्न योजनाओं तथा व्यय की अन्य रख-रखाव की मदों पर उपयोग में लाया गया।

लेखा

यह अनुभाग संस्थान के विविध एककों से प्राप्त लेखों के समेकन और लेखा-परीक्षा हेतु महानिदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय व्यय को प्रस्तुत करने के लिए उत्तरदायी है। वर्ष 2012-2013 हेतु परीक्षित वार्षिक लेखा तथा लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन **संलग्नक-'ड'** में रखे गए हैं।

भविष्य निधि खातों का अनुरक्षण

यह अनुभाग मुख्यालय के अधिकारियों व अन्य कर्मचारियों के वेतन व भविष्य निधि खातों का अनुरक्षण करता है। वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर अविलम्ब प्रत्येक सदस्य को वार्षिक भविष्य निधि खाते का विवरण प्रदान किया जाता है।

लेखा-परीक्षा आपत्तियों का निराकरण :-

वर्ष में लेखा-परीक्षा आपत्तियों को निपटाने के लिए संगठित प्रयास किए गए। इसके लिए सभी परिसरों को ये निर्देश दिए गए कि वे आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही करें। इसके अनुपालन के उत्तर लेखा-परीक्षा अधिकारियों को भेजे गए। इस प्रकार इस वर्ष में बहु-संख्यक लेखा-परीक्षा आपत्तियों को निपटाया गया।

इस अनुभाग को संस्कृत, पाली/प्राकृत, अरबी तथा फारसी भाषाओं के लिए अपना उत्कृष्ट योगदान हेतु भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित विद्वानों को मानदेय देने का कार्य भी सौंपा गया है। इसके साथ ही, देश भर के उन संस्कृत पंडितों को जो दयनीय अवस्था में रहते हैं, उन्हें वित्तीय सहायता देने की योजना का कार्यभार भी इसे सौंपा गया है।

5.8 योजना अनुभाग

यह अनुभाग संस्कृत भाषा और साहित्य के संवर्धन तथा प्रचार हेतु मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा अन्तरित निम्नलिखित योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु उत्तरदायी है:-

(i) स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों को वित्तीय सहायता

इस योजना के अन्तर्गत चयनित संगठनों को उनके संस्कृत अध्यापकों को वेतन, छात्रों को छात्रवृत्ति, पुस्तकालय अनुदान और संस्थान-भवन के निर्माण के रूप में वित्तीय सहायता की स्वीकृति दी जाती है।

इस योजना के अन्तर्गत वर्ष में संस्थान द्वारा रुपये 1218.96 लाख की राशि व्यय की गई। वर्ष के दौरान 772 संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

(ii) शास्त्रचूडामणि योजना

इस योजना के अन्तर्गत आदर्श पाठशालाओं और राज्य सरकारों द्वारा चलाए जा रहे संस्कृत महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों एवं स्वैच्छिक संगठनों में सेवानिवृत्त प्रख्यात संस्कृत विद्वानों की सेवाओं का उपयोग किया जाता है।

इस योजना को आरम्भ करने का उद्देश्य यह है कि परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षा प्रदान करने वाले केन्द्रों में विभिन्न शास्त्रीय विषयों के गहन अध्ययन को संरक्षित किया जा सके। योजना के अनुसार परम्परागत-संस्कृत विद्वानों की नियुक्ति विभिन्न संस्थाओं में की जाती है। प्रत्येक विद्वान् को रुपये 6000/- प्रति माह दो वर्ष की अवधि हेतु दिए जाते हैं। अनुदान समिति की संस्तुति पर एक वर्ष हेतु इनकी नियुक्ति का कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है।

वर्तमान में नियुक्त विद्वानों के अतिरिक्त 91 अन्य शास्त्रचूडामणि विद्वानों का चयन वर्ष 2012-2013 में किया गया। इस योजना के अन्तर्गत रु. 45.37/- लाख व्यय किए गए।

(iii) व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना

इस योजना के अन्तर्गत चयनित संस्थाओं को उनके ज्योतिष, कर्म-काण्ड, पुरालिपि-शास्त्र, सूची-निर्माण, पाण्डुलिपि विज्ञान, संस्कृत आशुलिपि और टंकण आदि विद्या विशेषों में कार्यशालाओं के आयोजन तथा प्रायोगिक प्रशिक्षण के संचालन हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना के अन्तर्गत वर्ष 2012-2013 में रु. 3.01 लाख व्यय किए गए।

(iv) मान्यता-प्राप्त आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों को वित्तीय सहायता

इस योजना के अन्तर्गत देश के विभिन्न भागों में 25 संस्थाएँ भारत सरकार की वित्तीय सहायता से संस्थान के अधीन चल रही हैं। इस योजना के लिए वित्त का बड़ा भाग संस्थान द्वारा जारी किया जाता है। इस योजना के अन्तर्गत मान्यता-प्राप्त संस्थाओं को व्यय की आवर्ती मदों पर 95% तथा अनावर्ती मदों पर 75% अनुदान दिया जाता है। इस वर्ष योजना के अधीन रुपये 1476.77 लाख तथा योजनेतर में रुपये 9.10 लाख की धनराशि संस्थान द्वारा इन संस्थाओं को दी गई।

(v) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं महाविद्यालयों में शिक्षकों हेतु आधुनिक विषयों के लिए वित्तीय सहायता

संस्कृत संवर्धन की इस योजना के अन्तर्गत राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में शिक्षकों हेतु आधुनिक विषयों के लिए प्रतिमास रु. 6000/- प्रति विषय के हिसाब से वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। योजनानुसार प्रत्येक संस्था में वित्तीय सहायता को आधुनिक विषयों में तीन शिक्षकों तक सीमित किया गया है।

संस्थान द्वारा वर्ष 2012-2013 में इस योजना के अन्तर्गत रु. 144.99 लाख व्यय किए गए। 131 संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

(vi) विभिन्न राज्यों के विभिन्न सरकारी विद्यालयों में संस्कृत शिक्षकों हेतु वित्तीय सहायता

संस्कृत संवर्धन योजना के अन्तर्गत राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान विभिन्न राज्यों में सरकारी विद्यालयों के संस्कृत शिक्षकों को वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। यह सहायता एक संस्कृत शिक्षक के वेतन हेतु प्रदान की जाती है। वर्ष 2012-13 में कुल 107 सरकारी विद्यालयों लाभग्राही थे और इस योजना के अधीन रु. 23.13 लाख की राशि का उपयोग किया गया।

(vii) अखिल भारतीय संस्कृत शास्त्रीय प्रतियोगिता

संस्कृत पाठशालाओं एवं गुरुकुलों में अध्ययनरत परम्परागत छात्रों के प्रतिभा विकास के लिए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा अखिल भारतीय संस्कृत शास्त्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। राष्ट्रस्तर में भाग्रहण के लिए अर्ह स्पर्धियों के चयन हेतु राज्य स्तर पर भी शास्त्रीय प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती है।

वर्ष 2012-2013 में राज्यस्तरीय शास्त्रीय प्रतियोगिता निम्न स्थानों एवं राज्यों में आयोजित की गई।

1.	जम्मू और कश्मीर	: रणबीर परिसर, वेद व्यास परिसर, बलाहार, जम्मू
2.	हिमाचल प्रदेश	: वेद व्यास परिसर, बलाहार
3.	दिल्ली, हरियाण, पंजाब	: एस.डी. आदर्श संस्कृत कॉलेज, अम्बाला
4.	उत्तराखण्ड	: श्री भगवानदास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हरिद्वार
5.	उत्तर-प्रदेश	: लखनऊ परिसर, लखनऊ
6.	राजस्थान	: जयपुर परिसर, जयपुर
7.	छत्तीसगढ़ एवं म.प्र.	: भोपाल परिसर, भोपाल
8.	बिहार और झारखण्ड	: रामजी मेहता आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, बिहार
9.	पश्चिम बंगाल	: सीताराम आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, कोलकाता
10.	ओडिशा	: सदाशिव परिसर, पुरी
11.	गुजरात	: दर्शनम् संस्कृत महाविद्यालय, अहमदाबाद
12.	गोवा और महाराष्ट्र	: के.जे. सौमेया परिसर, मुम्बई
13.	आन्ध्रप्रदेश, पॉण्डेचेरी एवं तमिलनाडु	: मद्रास आदर्श संस्कृत कॉलेज, चेन्नई
14.	कर्णाटक	: कर्णाटक संस्कृत विश्वविद्यालय
15.	केरल	: गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर

राष्ट्रीय स्तर की अखिल भारतीय संस्कृत शास्त्रीय प्रतियोगिताओं का आयोजन दिनांक 2-4 मार्च, 2013 में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, वेदव्यास परिसर, बलाहार, हिमाचल प्रदेश में आयोजित किया गया। राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं में चयनित 280 छात्रों ने 22 विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे - 8 विभिन्न शास्त्रीय विषयों पर भाषणस्पर्धा; 7 परम्परागत शास्त्रीय ग्रन्थों से सम्बन्धित विषयों पर विभिन्न शलाका परीक्षा; धातुरूप, काव्य, अमरकोश एवं अष्टाध्यायी पर कंठपाठ प्रतियोगिता; शास्त्रार्थ-विचार; समस्यापूर्ति एवं अन्ताक्षरी में भाग लिया।

समारोह का उद्घाटन दिनांक 02.03.2013 प्रो. रामचन्द्र भट्ट कोटमाने, कुलपति, श्री विवेकानन्द योग विश्वविद्यालय बंगलूरु के कर-कमलों से हुआ। प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने समारोह की अध्यक्षता की। समारोह का समापन-सत्र दिनांक 04.03.2013 अपराह्न काल में सम्पन्न हुआ। इस सत्र की अध्यक्षता प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु, प्रभारी कुलसचिव, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने की। श्री सुधीर शर्मा, शहरी एवं ग्रामीण विकास मंत्री, हिमाचल प्रदेश समापन-समारोह के मुख्य अतिथि थे। भारत के अनेक राज्यों से संस्कृत के अन्य कई विद्वानों ने पधार कर इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। छात्र-छात्राओं सहित लगभग 1000 लोग इस कार्यक्रम से प्रेरित हुए।

निम्न मूर्धन्य विद्वान् प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में आमन्त्रित किये गए -

1. प्रो. रामचन्द्र भट्ट
2. डॉ. रमाकान्त शुक्ल
3. डॉ. प्रभाकर शर्मा
4. श्री विद्वान् महाबलेश्वर भट्ट
5. डॉ. सूर्यनारायण नगेन्द्र भट्ट
6. प्रो. श्रीकृष्ण शर्मा
7. प्रो. के. ई. देवनाथन्
8. प्रो. श्रीपाद सुब्रह्मण्यम्
9. प्रो. रामचन्द्र झा
10. डॉ. ए. श्रीमाद भट्ट
11. प्रो. रामनारायण दास
12. डॉ. देवदत्त गोविन्द पाटिल
13. प्रो. राजाराम शुक्ल
14. प्रो. सोमनाथ नेने
15. डॉ. आर. कृष्णमूर्ति शास्त्री
16. डॉ. मणि द्राविड़
17. डॉ. सी. श्रीराम शर्मा
18. डॉ. विष्णु नम्बूदिरि

प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को क्रमशः स्वर्णपदक सहित रु. 10000/-, रजत पदक सहित रु. 7000/- एवं कांस्य पदक सहित रु. 5000/- से पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त शलाका परीक्षा में 80% और अधिक एवं प्रथम श्रेणी 65% सहित प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों को विशेष पुरस्कार क्रमशः रु. 2000/- एवं रु. 1500/- प्रदान किये गये।

कर्णाटक राज्य ने सभी प्रदर्शनों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर विजयवैजयन्ती प्राप्त की। राजस्थान एवं तमिलनाडु राज्य द्वितीय स्थान पर रहे तथा हिमाचल प्रदेश राज्य तृतीय स्थान पर रहा।

(viii) विभिन्न परियोजनाओं पर गैर सरकारी संगठन, संस्कृत विश्वविद्यालयों, संस्थाओं को वित्तीय सहायता

गैर सरकारी संगठन/मानित संस्कृत विश्वविद्यालयों/ विश्व-विद्यालयों/संस्थाओं द्वारा संस्कृत के विकास एवं प्रचार हेतु आरम्भ की गई विविध परियोजनाओं व कार्यक्रमों से सम्बन्धित शत-प्रतिशत व्यय का वहन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा किया जाता है।

वर्ष 2012-2013 में संस्थान ने विभिन्न परियोजनाओं हेतु रु. 19.75 लाख व्यय किए। शोध परियोजनाओं, राष्ट्रीय/ अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, संगोष्ठियों का ब्यौरा निम्न है।

क्र.सं.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	शोध परियोजनाओं का नाम
1.	मानवीय एवम समाज विज्ञान विभाग, भारतीय प्रौधोगिकी संस्थान, मुम्बई	5वाँ संस्कृत संगणक भाषायी संवाद
2.	राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (सम वि.) गुरूवायूर परिसर, केरल	चिन्तामणि तत्व विषय पर राष्ट्रिय कार्यशाला
3.	महाराजा सियाजी राव विश्वविद्यालय बडौदा,	संस्कृत भाषा का अनुवाद तीनों कालों में भूतकाल, वर्तमानकाल, भविष्यकाल

क्र.सं.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	शोध परियोजनाओं का नाम
4.	के. के. एच. राजकीय संस्कृत कॉलेज, गोहाटी, असम	माँ कामख्या का असम भाषा में तन्त्र साहित्य
5.	भारतीय विद्याभवन, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली	भूत एवम वर्तमान काल में संस्कृत साहित्य पर त्रिदिवसीय सम्मेलन
6.	राष्ट्रीय संस्कृत संस्थानम (सम वि.) पुरी विद्यापीठ, पुरी	21 दिवसीय ग्रन्थ अध्ययन कार्यशाला
7.	भोगीलाल लहरचन्द्र प्राच्य विद्या संस्थान, अलीपुर, दिल्ली	प्राकृत भाषासाहित्य विषय पर 24 वाँ अखिल भारतीय सम्मेलन
8.	राष्ट्रीय संस्था वैदिक विज्ञान, बैंगलोर	संस्कृत को जानो
9.	देवराकोडा संस्थान 18-3-56, A सत्या सदन, शान्ति नगर, के. टी. रोड, तिरूपति आ.प्रा.	विष्णुधर्मोत्तरपुराण पर I-II एवम III भाग का समीक्षात्मक अनुवाद
10.	भारती चाटुष्पति संस्कृत महाविद्यालय नाडिया, पं. बंगाल	श्री चैतन्य दर्शन पर 2 द्विवसीय राष्ट्रिय सम्मेलन
11.	राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, गरली परिसर, गरली, हि.प्र.	बृहद अनुसंधान परियोजना के संबंध में
12.	जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय, लाडनूँ, राजस्थान	प्राचीन प्राकृत भाषा पर पाडूलिपियों का सम्पादन
13.	प्राचार्य, स्नात्तकोत्तर महाविद्यालय, कमलपुर, त्रिपुरा	अंत: अनुशासनात्मक अध्ययन एवं आधुनिक समय में अनुसंधान हेतु संस्कृत सीखने की प्रासंगिकता
14.	प्रज्ञा पाठशाला मंडल, 315 गंगापुरी, सतारा महाराष्ट्र	धर्मकोश परियोजना
15.	उत्कंठिता विद्या आरण्य ट्रस्ट, चैन्नई	उत्कंठिता संस्कृत आरण्य एपोग्राफी भाग VIII
16.	संस्कृत साहित्य परिषद् 168/1, राजधरेन्द्र स्ट्रीट, कोलकता	आयुर्वेद से सम्बधित पाण्डुलिपियों की सूची को क्रमबंध करना
17.	गुजरात विश्वविद्यालय नवरंग पुरा, अहमदाबाद	प्राकृत अलंकृत कविता की साहित्यिक समालोचना
18.	राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, वेदव्यास परिसर, गरली कागड़ा हि. प्र.	व्याकरणेदाहरणानाम अर्थ प्रयोग विवरणम
19.	आई एस ई आर वि. ई., उच्च शिक्षा विभाग, ए. पी. सचिवालय, हैदराबाद	प्राचीन संस्कृत पुस्तकों में 1000 ए.डी. से पूर्व राजवंशों के वंशावली का चार्ट एवं भारतीय उपमहाद्वीप के लोगों के साथ उनका सह सम्बन्ध

क्र.सं.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	शोध परियोजनाओं का नाम
20.	के. जे. सोमैया सन्टेर फॉर स्ट्रडी इन जैनइज़म, सोमैया विद्या विहार मुम्बई	समाना सुत्तम पर कार्यशाला
21.	श्री अरविन्दो फाउन्डेशन फॉर इन्डिन कलचर, पाडुचेरी	संस्कृत फॉर चिल्ड्रन पर राष्ट्रिय संगोष्ठी
22.	स्पेशल सेन्टर फॉर संस्कृत स्टडीज़, जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	वर्ष 2012 में अखिल भारतीय सम्मेलन का आयोजन
23.	प्रज्ञा भारतम, वाटर वर्क रोड ओडिशा वेकरी के पास, पुरी	19 वीं एवम 20 वीं सदी के ज्योतिष शास्त्र पर त्रिदिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन
24.	महापडित राहुल सांकृत्यायन प्रतिष्ठान, वसुन्दरा इनक्लेव, दिल्ली	द्विदिवसीय अखिल भारतीय सम्मेलन
25.	संस्कृत सवर्धन प्रतिष्ठानाम 28/9, प्रथम तल ओलड राजेन्द्र नगर, दिल्ली	त्रिदिवसीय संस्कृत साहित्य उत्सव
26.	श्री लालबहादुर शास्त्री संस्कृत विद्यापीठ (सम वि.), कटवारिया सराय, नई दिल्ली	भारत गौरव आनन्दराम बडुवा विषय पर द्विदिवसीय सम्मेलन
27.	राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, सदाशिव परिसर, पुरी	शकर के प्रस्थान्त्रय भाष्य का तकनीकी शब्दावली
28.	महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी	संस्कृत वाङ्मय में शोध के नवीन आयाम
29.	एकेडमी ऑफ संस्कृत रिसर्च मालकोटे, कर्णाटक	अमरकोष का संगणक प्रस्तुत करना
30.	असम विश्वविद्यालय सिलचर, आसाम	प्रकृति की साहित्यिक चेतना एवं वेदान्त दर्शन में समकालीन वा-विवाद पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन
31.	पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब	अभिनव काव्यशास्त्र परम्परा और नवोन्मेष विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी
32.	राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, वेदव्यास परिसर, कांगडा, हि.प्र.	आधुनिक विज्ञान मे ज्योतिष विषय का काल्पनिक अध्ययन
33.	अखिल भारतीय चिन्मय शोध संस्थान, केरल	नाटयशास्त्र विषय पर पाँच द्विवसीय उत्सव
34.	राजस्थान ग्रामोत्थान एवं संस्कृत अनुसंधान शाहपुरा, जयपुर	त्रिदिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी एवम संस्कृत सांस्कृतिक महोत्सव
35.	विश्वस्थली समाजिक एवम सांस्कृतिक संगठन, हनुमान मन्दिर, बसोली, जम्मू	संस्कृत में स्थानीय सांकृतिकी मूल खोज

5.9 पालि एवं प्राकृत

क. संगोष्ठी एवं कार्यशाला

1. ***'भारतीयपरम्परायां प्राकृतभाषायाः साहित्यस्य च अवदानम्'*** विषय पर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान और श्री लाल बहादुर राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के संयुक्त तत्त्वाधान में दिनांक 10 से 12 मई, 2012 को राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में 25 शैक्षणिक सत्र संपन्न हुए, जिसमें 120 विद्वानों ने शोधालेख प्रस्तुत किए। इस संगोष्ठी के अवसर पर मुख्य अतिथि केन्द्रिय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री श्री प्रदीप जैन 'आदित्य' ने प्राकृत भाषा को लोकतन्त्रीय भाषा बताई साथ ही साथ भगवान महावीर और बुद्ध के उपदेशों को भारतीय संस्कृति का प्राण बताया। विशिष्ट अतिथि न्यायमूर्ति डॉ. मुकुन्दकाम शर्मा ने कहा कि भारतीय भाषाओं के तुलनात्मक अध्ययन के लिए प्राकृत और पालि का अध्ययन आज के संदर्भ में अधिक प्रांसंगिक है। इस समारोह में सारस्वत अतिथि डॉ. समणी चारित्रप्रज्ञा (कुलपति जैन विश्वविद्यालय) एवं प्रो. कमलेशदत्त त्रिपाठी, डॉ. वी. के. महापात्र, कुलसचिव, श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ थे। उद्घाटन-सत्र की अध्यक्षता राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कुलपति प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी ने किया। सभी विद्वानों ने संस्कृत भाषा के साथ-साथ पालि और प्राकृत भाषा और साहित्य के अध्ययन को आवश्यक बताया एवं कहा कि यदि हमें वास्तविक रूप से भारतीय संस्कृति को समझना है तो इनको समझना आवश्यक है।

2. के.जी. सोमैया सेंटर फॉर बुद्धिस्ट स्टडिज़ एवं राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के संयुक्त तत्त्वावधान में के.जी. सोमैया परिसर, मुम्बई में 5 से 7 दिसम्बर 2012 को ***'Cross Cultural Transmission of Buddhist Texts : Critical Edition, Transleteration and Translation'*** विषय पर त्रिदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजित किया गया।

3. 20-22 मार्च, 2013 तक राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान लखनऊ परिसर में ***'पालि-प्राकृत साहित्य में आधुनिक ज्ञान-विज्ञान'*** विषय पर संगोष्ठी आयोजित हुई। सम्मेलन का उद्घाटन कुलपति आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी ने किया। संगोष्ठी के आठ सत्रों में लगभग 80 विद्वानों ने पालि एवं प्राकृत साहित्य में निहित ज्ञान, विज्ञान एवं संस्कृति आदि विषयों पर शोधपत्र वाचन के साथ परिचर्चा की। इस संगोष्ठी में पालि एवं प्राकृत के सम्पूर्ण भारत के वरिष्ठ चिन्तक यथा- नागपुर से प्रो. भागचंद जैन; वाराणसी से प्रो. पद्युम्न दुबे, प्रो. हरिशंकर शुक्ल, प्रो. हरप्रसाद दीक्षित एवं प्रो. रमेश द्विवेदी; कुरुक्षेत्र से प्रो. धर्मचंद जैन; गोरखपुर से प्रो. करुणेश शुक्ल; कोलकाता से प्रो. बेला भट्टाचार्य; इगतपुरी से प्रो. अंगराज चौधरी; जम्मू से प्रो. वैद्यनाथ लाभ; मैसूर से प्रो. शुभचंद; दिल्ली से प्रो. फूलचंद जैन प्रेमी एवं प्रो. सुदीप जैन; लाडनू से प्रो. दामोदर शास्त्री; मुजफ्फरनगर से प्रो. ऋषभचंद जैन; जयपुर से प्रो. श्रीयांसकुमार सिंघई आदि के साथ युवा अनुसंधाताओं ने अमूल्य विचारों को व्यक्त कर पालि-प्राकृत साहित्य में निहित ज्ञान-विज्ञान के सभी पक्षों पर प्रकाश डाला। सायं 7 से 8 बजे प्राकृत रूपक (प्रहसन) 'चउरो जामाऊणो' तथा पालि नाटक 'अहिंसक अंगुलिमाल' का मंचन बौद्ध दर्शन एवं पालि अध्ययन केन्द्र के छात्रों के द्वारा किया गया।

4. प्राकृत-संस्कृतच्छाया-संशोधन/सम्पादन कार्यशाला दिनांक 14-21 मई, 2012 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। आठ दिवसीय प्राकृत संस्कृतच्छाया सम्पादन कार्यशाला में आचार्य जानकी प्रसाद द्विवेदी (वाराणसी), आचार्य दामोदर शास्त्री (लाडनूं), डॉ. जयकुमार जैन (मुजफ्फर नगर), आचार्य हरिशङ्कर पाण्डेय (वाराणसी), आचार्य कमलेश कुमार जैन (वाराणसी), आचार्य दीनानाथ शर्मा (अहमदाबाद), आचार्य जगतराम भट्टचार्य (लाडनूं), आचार्य वृषभ प्रसाद जैन (लखनऊ) और आचार्य संघसेन सिंह (दिल्ली) आदि विद्वानों ने भाग लिया। इस कार्यशाला में परियोजना के अधीन कार्यरत अध्येताओं द्वारा किये गये कार्यों का सभी विद्वानों ने सम्पादन, संशोधन एवं मार्गदर्शन किया।

5. बी.एल. प्राच्यविद्या संस्थान दिल्ली एवं राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 20 मई से 10 जून 2012 तक **प्राकृत प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम** का आयोजन किया गया, जिसमें 35 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

6. 30 अक्टूबर, 2012 से 11 नवम्बर, 2012 तक 13 दिवसीय **पालि संस्कृतच्छाया-संशोधन सम्पादन कार्यशाला** सम्पन्न हुई जिसमें संयुत्त निकाय के निदान एवं खंधवग्ग का संशोधन कार्य सम्पन्न हुआ।

7. 06 से 19 मार्च, 2013 तक 14 दिवसीय कार्यशाला

का आयोजन पालि अध्ययन केन्द्र लखनऊ में किया गया, जिसमें प्रो. उमाशंकर व्यास, प्रो. जानकी प्रसाद द्विवेदी, प्रो. रामशंकर त्रिपाठी आदि विद्वानों ने पालि अध्ययन केन्द्र में कार्यरत अध्येताओं द्वारा किये गये कार्यों का विद्वानों ने सम्पादन, संशोधन एवं मार्गदर्शन किया।

ख. प्रकाशन

वर्ष 2012-2013 में कुल 13 पुस्तक प्रकाशित की गयी, जिसका लोकापर्ण माननीय केन्द्रीय शिक्षामंत्री डॉ. एम. एम. पल्लम राजू जी ने किया। प्रकाशित पुस्तकों की सूची निम्नानुसार है:

(i) पालि

1. थेरीगाथा. थेरगाथा
2. खुद्दकपाठ (इतिवुत्क-उदानपालि)
3. संयुत्तनिकाय (सगाथवग्ग)
4. विमानवत्थु-पेतवत्थु
5. सुत्तनिपात
6. जातक पालि (प्रथमखण्ड)

(ii) प्राकृत

1. प्राकृत भाषा और व्याकरण के विविध आयाम
2. कषायपाहुड-संस्कृत छाया हिन्दी अनुवाद
3. रयणसार-संस्कृत छाया हिन्दी अनुवाद
4. क्रियासार-संस्कृत छाया हिन्दी अनुवाद
5. णाणसार-संस्कृत छाया हिन्दी अनुवाद
6. नाट्यशास्त्र में प्राकृत सन्दर्भ की संस्कृतच्छाया व हिन्दी अनुवाद
7. आख्यानमणिकोश के प्रथमाधिकार का हिन्दी अनुवाद

ग. शिक्षण

वर्ष 2012-2013 में पालि एवं प्राकृत के त्रैमासिक प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम में पालि के 22 एवं प्राकृत के 11 छात्रों ने परीक्षा उत्तीर्ण की।

5.10 परियोजनाएँ

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने 2003 से कुछ परियोजनायें प्रारम्भ की हैं। परियोजनाओं का वर्तमान प्रतिवेदन इस प्रकार हैं–

1. भाषा मन्दाकिनी (दूरदर्शन प्रसारण)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान 5 सितम्बर, 2003 से संस्कृत कार्यक्रमों का प्रसारण इग्नू के ज्ञान दर्शन चैनल के द्वारा प्रतिदिन एवं सप्ताह में तीन दिन क्रमशः डी.डी. भारती और डी.डी. इण्डिया से कराता है। वर्ष 2012–2013 के दौरान, तीस मिनट के 730 कथानक इग्नू से प्रसारित हो चुके हैं।

2. संस्कृत साहित्य का राष्ट्रिय ई–डाटा बैंक (ई–टैक्स्ट्)

परियोजना का उद्देश्य संस्कृत में ई–लर्निंग विकसित करना एवं ई–संस्कृत संग्रह को इलैक्ट्रानिक्स टैक्स्टों एवं इन्टरनेट के माध्यम से जन सामान्य को उपलब्ध कराना है। संस्थान के विभिन्न परिसरों के शिक्षकों को उनकी विशेषज्ञता एवं अध्ययन के क्षेत्र के आधार पर ग्रंथ आबंटित किये गये हैं। ग्रंथों को टंकित करने एवं कम्प्यूटर पर फाईल तैयार करने के लिए डाटा एन्ट्री आपरेटरों की नियुक्ति की गयी है। 104 ग्रन्थ वेबसाईट पर डाल दिये गये हैं।

3. श्रव्य/दृश्य माध्यमों के द्वारा संस्कृत शिक्षण (मल्टी मीडिया परियोजना)

इस परियोजना में, डीवीडी एलबम तैयार किये जा चुके है। संस्कृत भाषा शिक्षण, वैदिक गणित, संक्षेप रामायणम, नाट्यविंशतिका, कथादशकम्, प्रथमा दीक्षा वी.सी.डी. तदेव गगनं सैव धरा, कविभास्करी, अभिशाकुन्तलम्, शब्दकल्पद्रुम एवं भासनाटकचक्रम विक्रय हेतु उपलब्ध हैं।

4. एम.पी.–3 ऑडियो

प्रो. के.ई. देवनाथन, तिरुपति द्वारा रिकार्डिड 'तत्त्वचिन्तामणि' तथा श्री वेदमूर्ति प्रभाकरशास्त्री बापट एवं श्री पुण्डलिक कृष्ण भागवत के द्वारा तैयार की गई 'राणायणीयं सामगानम्' एम.पी–3 ऑडियो विक्रय हेतु उपलब्ध है।

5. ई–ग्रन्थालय

ई–ग्रन्थालय साफ्टवेयर के द्वारा संस्थान एवं सभी परिसरों के पुस्तकालयों को नेटवर्किंग के माध्यम से निकट भविष्य में जोड़ा जा रहा है। प्रथम स्तर पर 2,20,278 प्रविष्टियां की जा चुकी हैं।

6. मानस साफ्टवेयर

मानस साफ्टवेयर के द्वारा इलाहाबाद परिसर में स्थित संस्कृत पाण्डुलिपियों का डाटा बैंक तैयार किया जा रहा है।

7. हू इज हू

संस्थान के द्वारा संस्कृत के विद्वानों का डाटा बैंक पुस्तक के रूप में और साफ्टवेयर के रूप में तैयार किया गया है। पुस्तक के रूप में 'संस्कृतविद्वत्परिचायिका' नाम से संस्कृत विद्वानों की एक पंजिका विश्व संस्कृत सम्मेलन के अवसर पर जनवरी 2012 में प्रकाशित हो चुकी है और अन्तर्जाल में स्थापित भी की जा चुकी है।

8. संस्कृत शब्दकोश

अन्तर्भाषायी अध्ययन भाषाओं के प्रोत्साहन व संरक्षण के लिये एक उपयुक्त मार्ग उपलब्ध करा सकता है। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने 'बोलियों व उप–बोलियों सहित संस्कृत एवं अन्य भारतीय भाषाओं का शब्दकोश' की एक परियोजना प्रारम्भ की है। यह परियोजना 2009 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन वित्तीय सहायता के साथ शुरू की गयी है। यह परियोजना विविध भारतीय बोलियों व उप–बोलियों में समान परिभाषिक शब्दों के अध्ययन के माध्यम से पारम्परिक ज्ञान एवं भाषाई दक्षता के संरक्षण एवं सुरक्षा में योगदान देगी। निम्नलिखित शब्दकोशों का विवरण इस प्रकार है–

(i) भोपाल परिसर, भोपाल में 'बुन्देली–संस्कृत–शब्दकोश' एवं 'मालवी–संस्कृत–शब्दकोश' तैयार किये जा रहे हैं। **'बुन्देली–संस्कृत–शब्दकोश'** में बुन्देली के 14000 शब्दों के संकलन का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा स्वर, कवर्ग, च, छ, ज के बुन्देली से संस्कृत शब्दार्थ का कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष शब्दों का संकलन कार्य अक्टूबर, 2013 तक पूर्ण हो जायेगा। **'मालवी–संस्कृत–शब्दकोश'** में मालवी के 15000 शब्दों के संकलन एवं टंकण का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा स्वर, कवर्ग, चवर्ग के मालवी शब्दों का संस्कृत रूपान्तर का कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष शब्दों का संकलन कार्य अक्टूबर, 2013 तक पूर्ण हो जायेगा।

(ii) संस्कृत साहित्य परिषद्, कोलकाता में चल रहे **'पूर्व एवं पूर्वोत्तर राज्य की बोलियाँ एवं उपबोलियाँ'** परियोजना के अन्तर्गत उड़िया एवं बांग्ला भाषाओं के कुल 11487 शब्दों का चयन किया गया है।

(iii) संस्थान मुख्यालय में **'संस्कृत-फारसी-उर्दू-हिन्दी-शब्दकोश'** तैयार किया जा रहा है। इस योजना के अन्तर्गत स्वरों पर आधारित प्रथम भाग प्रकाशित हो चुका है तथा व्यञ्जनों में 'क' से 'ध' तक का कार्य किया जा चुका है। शेष पर कार्य जारी है।

9. सांख्ययोग/पातञ्जल योग दर्शन

इस परियोजना में पातञ्जल योगदर्शन के नवीन संस्करण को तैयार किया जा रहा है जिसमें स्मृद्ध अलंकारपूर्ण पारिभाषिक शब्दों एवं बारह पौराणिक टीकाओं का समावेश है। यह प्राच्य संस्कृत पाठ्यपुस्तकों के संरक्षण में सहायक होगी। इस विशाल परियोजना में दो वरिष्ठ शोध अध्येता राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली में सहयोग कर रहे हैं। इस योजना में प्रथम चरण का कार्य सम्पन्न हो चुका है, जिसमें प्रथम पाद के 51 सूत्रों पर 11 टीकाओं एवं उनमें उपलब्ध पारिभाषित शब्दों को संयोजित किया गया है। परिशिष्टात्मक भाग में योग सूत्र के पाठभेद एवं उद्धृत श्लोकों को अकारादिक्रम से संयोजित कर प्रथम खण्ड प्रकाशन हेतु शोध एवं प्रकाशन विभाग को दिया गया है। पातञ्जलयोगसूत्र की 7 एवं सांख्यप्रवचनभाष्य की 4 टीकाओं पर कार्य किया जा रहा है।

10. पाण्डुलिपियों के डिज़िटाईजेशन एवं एकत्र करने हेतु विशेष अभियान

संस्थान के सभी परिसरों में स्वतंत्र पुस्तकालय हैं। इसके अतिरिक्त इलाहाबाद, पुरी, गुरुवायूर एवं लखनऊ परिसरों में पाण्डुलिपियों हेतु अलग से ग्रन्थालय का प्रावधान है। 2008-09 से गुरुवायूर परिसर द्वारा पाण्डुलिपियों को एकत्र करने हेतु विशेष अभियान चलाया गया है। संस्थान द्वारा उपलब्ध पाण्डुलिपियों के डिज़िटाईजेशन हेतु परिसरों के विभिन्न पुस्तकालयों में पहल की जा रही है। डिज़िटाईजेशन का कार्य राष्ट्रीय सूचना केन्द्र (एन.आई.सी.) के माध्यम से सम्पन्न होगा। राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन, नई दिल्ली से प्राप्त जानकारी के अनुसार इलाहाबाद परिसर में 52000 पाण्डुलिपियों में से कुल 40000 पाण्डुलिपियों के डिजज़िटाईजेशन का कार्य सम्पन्न हो चुका है।

5.11 पुस्तकालय एवं विक्रय इकाई

संस्थान सभी दस परिसरों के समृद्ध पुस्तकालयों के अतिरिक्त मुख्यालय में भी शैक्षणिक कार्यकलापों और आगन्तुक विद्वानों की सुविधा हेतु 27000 से भी अधिक संस्कृत ग्रन्थों से युक्त पुस्तकालय है। संस्थान के अधीन सभी पुस्तकालयों की नेटवर्किंग 2012-2013 में आरम्भ की गई है। 2,20,278 प्रविष्टियाँ की जा चुकी हैं।

इकाई ने परिसरों को पहले से ही कम्प्यूटर प्रदान कर दिए हैं। संस्थान के पुस्तकालय हेतु वर्ष में प्राप्त ग्रन्थों पर हुए व्यय का विवरण तथा बिक्री आय निम्नलिखित है-

पुस्तकालय		
1. क्रीत ग्रन्थ	रूपये	1,14,692.00
2. उपहार के रूप में प्राप्त ग्रन्थ	रूपये	2,12,649.00

विक्रय	**आय**	
1. पुनर्मुद्रित दुर्लभ ग्रन्थ	रूपये	6,32,000.00
2. संस्थान के प्रकाशन	रूपये	35,66,000.00
3. ज्ञानदर्शन डी.वी.डी.	रूपये	14,15,000.00
कुल योग	**रूपये**	**56,13,000.00**

5.12 मुक्तस्वाध्यायपीठम्

मुक्तस्वाध्यायपीठम् (दूरस्थ शिक्षा संस्थान)

मुक्तस्वाध्यायपीठम् दूरस्थ शिक्षा परिषद् से मान्यता प्राप्त राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की एक स्वायत्त संस्था है। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय (नई दिल्ली) सहित सभी परिसरों में संचालित इसके अध्ययन केन्द्रों को स्वाध्याय केन्द्र कहा जाता है।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा मुक्तस्वाध्यायपीठम् के माध्यम से परम्परागत पाठ्यक्रमों का शुभारम्भ अगस्त, 2010 में किया गया। मुक्तस्वाध्यायपीठम् के सभी पाठ्यक्रम दूरस्थ शिक्षा परिषद्, इन्दिरा गांधी राष्ट्रिय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त हैं। मुक्तस्वाध्यायपीठम् द्वारा संचालित सभी पाठ्यक्रमों की परामर्श सह सम्पर्क कक्षाएँ निर्धारित समय पर एक सत्र में पाँच बार चलायी जाती हैं।

बैठकें

इसमें अभिकल्प समिति की बैठक दिनांक 20-06-2013 को संस्थान मुख्यालय (नई दिल्ली) में आयोजित की गई। यह बैठक कुलपति महोदय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस बैठक में मुक्तस्वाध्यायपीठम् के निदेशक सहित सभी विभागीय अधिकारी/प्राध्यापक उपस्थित थे।

उपलब्ध पाठ्यक्रम

1. प्राक्शास्त्री (2 वर्ष)-साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष
2. प्राक्शास्त्री सेतु/संस्कृतावतरणी (6 माह)
3. शास्त्री (3 वर्ष) - साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष
4. शास्त्री सेतु/संस्कृतावगाहनी (1 वर्ष) - साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष
5. आचार्य (2 वर्ष) - साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष
6. आचार्य सेतु/शास्त्रावगाहनी (1वर्ष)-साहित्य व्याकरण फलित ज्योतिष

प्रस्तवित पाठ्यक्रम

1. संस्कृत पत्रकारिता प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम
2. प्राकृत प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम
3. प्राकृत प्रारंभिक ज्ञान पाठ्यक्रम
4. पालि प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम
5. पालि प्रारंभिक ज्ञान पाठ्यक्रम
6. संस्कृत-हिन्दी अनुवाद प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (संस्कृत से हिन्दी व हिन्दी से संस्कृत)
7. संस्कृत-अंग्रेजी अनुवाद प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (संस्कृत से अंग्रेजी व अंग्रेजी से संस्कृत)
8. नाट्यशास्त्र में प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम
9. कर्मकाण्ड-ज्योतिष-वास्तुशास्त्र पाठ्यक्रम

कार्यशालाएँ

वर्तमान सत्र में प्राक्शास्त्री, शास्त्री, आचार्य एवं प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रमों से सम्बन्धित पाठ लेखन तथा पुनरीक्षण की अनेक कार्यशालाएँ प्रो. रमाकान्त पाण्डेय, निदेशक के दिशा निर्देश में आयोजित की गईं, जिनमें प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र, प्रो. पुष्पा दीक्षित, प्रो. कृष्णचन्द्र चतुर्वेदी, प्रो. हरेकृष्ण महापात्र, प्रो. सुरेन्द्र कुमार शर्मा, प्रो. तेजपाल शर्मा, प्रो. सुरेश्वर झा, प्रो. शशिनाथ झा, प्रो. अर्कनाथ चौधरी, प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, प्रो. हंसधर झा, प्रो. सच्चिदानन्द तिवारी, डॉ. रामकुमार शर्मा, डॉ. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम्, डॉ. उमाकान्त चतुर्वेदी, डॉ. रामसलाही द्विवेदी, डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव, डॉ. मदनमोहन पाठक, डॉ. रमेश सिंह, डॉ. जयप्रकाश नारायण, डॉ. अजय कुमार मिश्र, डॉ. सुनीता गुप्ता, डॉ. श्यामदेव मिश्र, डॉ. रत्नमोहन झा, श्री कू. वेङ्कटेश मूर्ति, डॉ. भगवत्शरण शुक्ल, डॉ. सुबोध शर्मा, डॉ. विष्णुकान्त पाण्डेय, डॉ. धनीन्द्र झा, डॉ. ईश्वर भट्ट, डॉ. रामनारायण ठाकुर, डॉ. सुज्ञान कुमार मोहान्ति, डॉ. सी. एस्.एन्.मूर्ति, एवं डॉ. प्रमोद कुमार शर्मा आदि ने सहभागिता की। प्रमुख कार्यशालाओं का संक्षिप्त विवरण निम्नलिखित है-

1. पाठलेखन कार्यशाला, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली (दिनांक 16.08.2012 से दिनांक 20.8.2012 तक)
2. पी.जी. डिप्लोमा इन योग, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली (दिनांक 27.11.2012 से दिनांक

30.11.2012 तक)

3. पाठलेखन कार्यशाला, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली (दिनांक 05.12.2012 से दिनांक 25.12.2012 तक)

इसके अतिरिक्त निकट भविष्य में भी कई कार्यशालाएँ आयोजित की जानी हैं।

दूरस्थ शिक्षा राष्ट्रीय सम्मेलन

01 से 03 जनवरी, 2013 में ***'दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से संस्कृत शास्त्र का अध्ययन : चुनौतियाँ एवं सम्भावनाएँ'*** विषय पर त्रिदिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें राष्ट्रीय स्तर के लब्ध प्रतिष्ठ विद्वानों ने भाग लिया।

सत्र 2012-13 में प्रवेश लेने वाले छात्रों का विवरण

मुक्तस्वाध्यायपीठम् के सभी स्वाध्याय केन्द्रों में वर्ष 2012-2013 में कुल 666 छात्रों ने प्रवेश लिया, जिनका विस्तृत विवरण निम्न तालिका में देखा जा सकता है-

कक्षा	कुल	पुरुष	स्त्री	सामान्य	अ.जाति	अ.ज.ज	विकलांग	अ.पी.व.
प्राक्-शास्त्री	60	34	26	36	04	07	-	13
प्राक्-शास्त्री सेतु	36	23	13	31	02	-	-	03
शास्त्री (बी.ए.)	117	73	44	78	16	-	01	22
शास्त्री सेतु	117	77	40	100	08	-	-	09
आचार्य (एम.ए.)	249	115	134	179	12	07	27	24
आचार्य सेतु	87	51	36	76	04	01	01	05
कुल योग	**666**	**373**	**293**	**501**	**46**	**15**	**29**	**75**

परिसरों की एक झलक

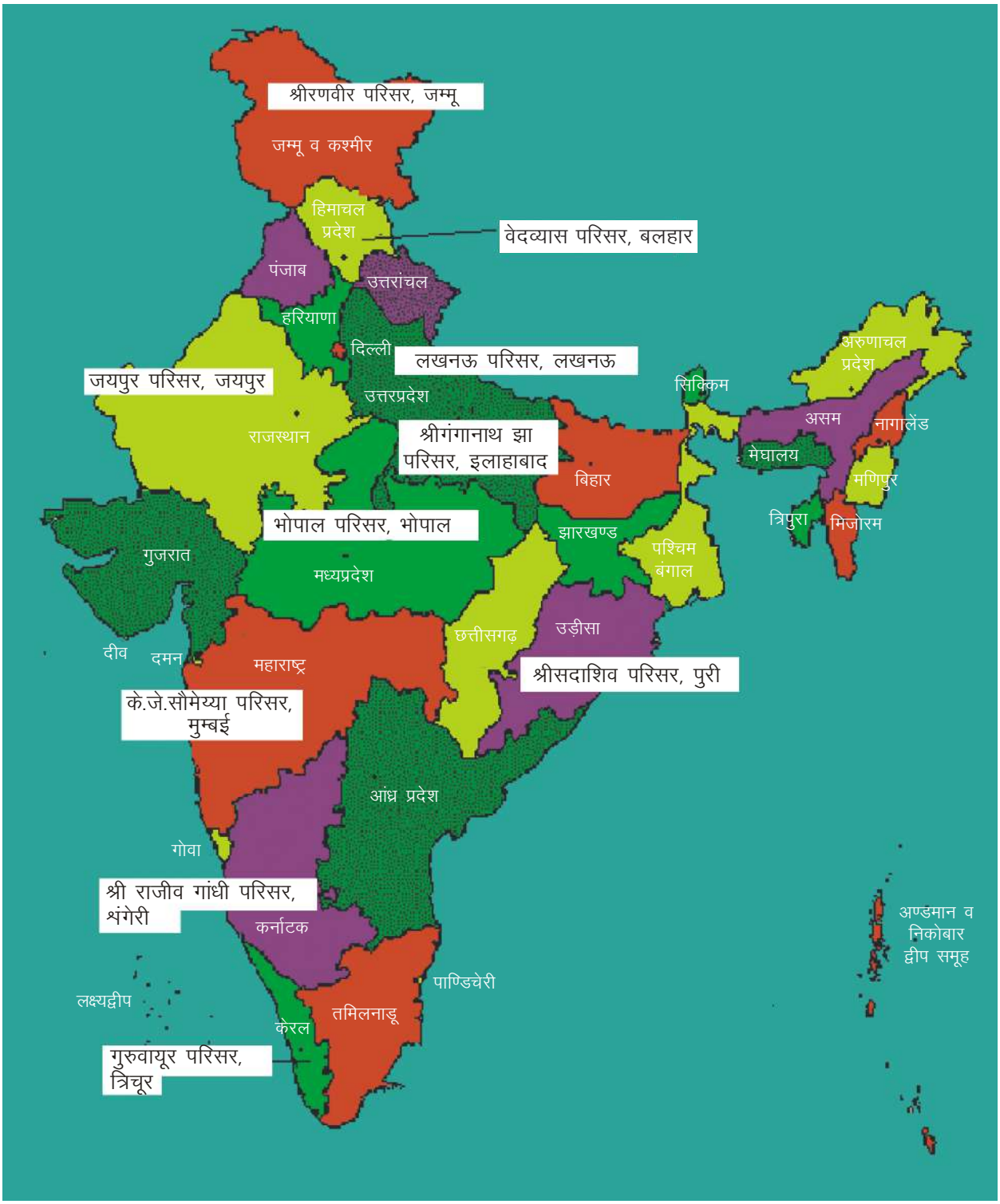
श्रीरणवीर परिसर, जम्मू
जम्मू व कश्मीर
हिमाचल प्रदेश
वेदव्यास परिसर, बलहार
पंजाब
उत्तरांचल
हरियाणा
दिल्ली
लखनऊ परिसर, लखनऊ
जयपुर परिसर, जयपुर
उत्तरप्रदेश
राजस्थान
श्रीगंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद
बिहार
भोपाल परिसर, भोपाल
गुजरात
मध्यप्रदेश
झारखण्ड
पश्चिम बंगाल
छत्तीसगढ़
उड़ीसा
दीव
दमन
महाराष्ट्र
श्रीसदाशिव परिसर, पुरी
के.जे.सौमेय्या परिसर, मुम्बई
आंध्र प्रदेश
गोवा
श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी
कर्नाटक
पाण्डिचेरी
लक्ष्यद्वीप
तमिलनाडू
केरल
गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर
सिक्किम
अरुणाचल प्रदेश
असम
नागालेंड
मेघालय
मणिपुर
त्रिपुरा
मिजोरम
अण्डमान व निकोबार द्वीप समूह

6. परिसर

6.1 श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद (उत्तरप्रदेश)

परिसर-परिचय

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (गंगानाथ झा परिसर) पहले गंगानाथ झा शोध संस्थान (1943-1971) और उसके बाद गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ (1971-2002), मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के अधीन 17 नवम्बर 1943 को भारतीय प्राच्य विद्या के सुप्रसिद्ध विद्वान् महामहोपाध्याय प्रो. सर गंगानाथ झा स्मृति में स्थापित किया गया था। प्रारम्भ से ही, अनेक सुप्रसिद्ध भारतीय संस्कृति के विद्वान् और प्रकाण्ड पण्डित जैसे म.म.डा.गोपीनाथ कविराज, डॉ. ईश्वर प्रसाद, म.म.डा. उमेश मिश्र, पं. प्रकाश चन्द्र चट्टोपाध्याय और कई अन्य इस शोध संस्थान से निकट से सम्बद्ध रहे हैं। यह संस्थान बहुमूल्य शोध परियोजनाओं, प्राचीन संस्कृत पाण्डुलिपियों, दुर्लभ पुस्तकों और उनके प्रकाशन कार्यों के समन्वय के लिए सुप्रसिद्ध है। म.म.डा. सरगंगानाथ झा के दुर्लभ संग्रह से पाण्डुलिपि ग्रन्थालय का प्रारम्भ हुआ उसके बाद अनेक नए संग्रह प्राप्त कर लिए गए। वर्तमान मे पाण्डुलिपि ग्रन्थालय में विभिन्न विषयों पर और विभिन्न लिपियों में 50,000 से भी अधिक कागजों पर तथा पाम के पत्रों पर लिखी पाण्डुलिपियों से सम्पन्न है जो प्रायः 13 से 15 ईसवी ए.डी. से सम्बद्ध हैं।

संस्कृत और भारतीय संस्कृति से सम्बद्ध विषयों पर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का एक जर्नल भी इस संस्था द्वारा प्रारम्भ से ही प्रकाशित किया जा रहा है जिसमें पाठ्यपुस्तकों पर आधारित अध्ययनों अर्थात् पाठ्यपुस्तक समालोचनाओं को तथा पाण्डुलिपियों और पाण्डुलिपि विज्ञान से सम्बद्ध बहुमूल्य शोध कार्यों को प्राथमिकता दी जाती है। इसके अतिरिक्त, कुछ छोटी और दुर्लभ पाण्डुलिपियों को भी इस पत्र में 'गैर्वाणवाणी गौरवग्रन्थमाला शृंखला' शीर्षक के अन्तर्गत परिशिष्ट में सम्मिलित किया जाता है। वह भी बताना यहाँ उचित होगा कि यहाँ पुस्तकें सामान्यतः दो धाराओं में प्रकाशित की जाती हैं अर्थात् गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ सीरीज (प्रमुख धारा) और गैर्वाणवाणीगौरवग्रन्थमाला सीरिज (गौण धारा)। इन दोनों धाराओं के अन्तर्गत प्रकाशित पुस्तकों के विशिष्ट सामान्य लक्षण हैं।

प्रायः अधिकांश पुस्तकें गंगानाथ झा परिसर के पाण्डुलिपि ग्रन्थालय में उपलब्ध पाण्डुलिपियों की सहायता से सम्पादित या समालोचनात्मक विधि से सम्पादित की गई होती है।

अनेकों शोधकर्ता छात्र राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की 'विद्यावारिधि' (पी.एच्.डी) उपाधि प्राप्त करने के लिए यहाँ नामांकित किए जाते हैं। यहाँ के पुस्तकालय और पाण्डुलिपि विभाग केवल यहाँ स्टाफ और सदस्यों के लिए ही नहीं, बल्कि सभी विद्वानों के लिए एक संदर्भ पुस्तकालय के रूप में उपलब्ध है।

परिसर में नामांकित शोध-विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के अतिरिक्त यहाँ के शैक्षणिक विभाग के आचार्यगण अपने-अपने शोध कार्य में जो उन्हें संस्थान द्वारा निर्दिष्ट किये जाते है, निरन्तर लगे रहते हैं।

अ. गौरवमय इतिहास

म.म. सर गंगानाथ झा (1871-1941) प्राच्य विद्या सम्पन्न और भारतीय विद्याओं के अन्तर्राष्ट्रिय ख्याति प्राप्त सुप्रसिद्ध विद्वान् थे। उन्होंने 1911 में इलाहाबाद में प्राच्य विद्या विषयक शोध संस्थान खोलने की योजना बनाई।

इस संस्थान की स्थापना डा. सर गंगानाथ झा की द्वितीय पुण्य स्मृति दिवस 17.11.43 को हुई, जिससे उनके नाम और कृतियों को अमर बनाया जा सके। इस संस्थान का उद्घाटन महामना पण्डित मदनमोहन मालवीय द्वारा किया गया था।

इस संस्थान का पञ्जीकरण 12 जुलाई 1945 को हुआ। वर्तमान भवन की नींव 13 फरवरी 1945 को माननीय राज्यपाल (उ.प्र.) मॉरिस जी हेलेट द्वारा रखी गई। इस संस्थान को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली (मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के अधीनस्थ) द्वारा अपने अधीन 1971 में कर लिया गया और इसका नामकरण गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ हो गया। 2002 के बाद जब संस्थान को विश्वविद्यलाय अनुदान आयोग द्वारा समविश्वविद्यालय घोषित कर दिया गया, तबसे इसका नाम गंगानाथ झा परिसर, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान हो गया।

ब. महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

रजत जयन्ती समारोह

इस संस्थान ने 1969 में अपना रजत जयन्ती उत्सव मनाया। भारत के पूर्व राष्ट्रपति श्री वी.वी.गिरि और उ.प्र. के राज्यपाल डॉ. गोपाल रेड्डी ने इस अवसर पर पधारकर शोभा बढ़ाई। अन्य गणमान्य व्यक्ति जो उपस्थित हुए, वे थे- श्री आदित्य नारायण झा (कनिष्ठ पुत्र, गंगानाथ झा), श्री उमापति द्विवेदी, श्री बी.एस्.फडनीसा, पं. जयकिशोर झा, डॉ. ताराचन्द, डॉ. जोगीराज वसु, श्री नटराज अय्यर, श्री हरीश चन्द्र दिवाकर, न्यायाधीश हरिश्चन्द्रपति त्रिपाठी, प्रो. सुब्रहमण्यम् शास्त्री, पं. बदरीनाथ शुक्ल, प्रो. सरस्वती प्रसाद चतुर्वेदी।

स्वर्ण जयन्ती समारोह

संस्थान ने 14 मई 1994 को अपना स्वर्ण जयन्ती समारोह मनाया। माननीय पूर्व मानव संसाधन विकास मंत्री श्री अर्जुन सिंह इस अवसर पर उपस्थित थे।

स. परिसर के पांच महत्त्वपूर्ण घटक

पुस्तकालय

* परिसर का पुस्तकालय 1943 में स्थापित हुआ। सामान्य रूप से न केवल हमारे देश के संस्कृत के विद्वान्/प्राच्य विद्याविद् ही इस पुस्तकालय का उपयोग करते है बल्कि विशेष रूप से समस्त उत्तर-प्रदेश के अन्य विद्वान् भी इससे लाभ उठाते हैं।
* पुस्तकालय में वर्तमान में 54000 पुस्तक उपलब्ध है।
* इस पुस्तकालय में सर गंगानाथ झा, प्रो. के. सी. चट्टोपाध्याय, प्रो. सरस्वती प्रसाद चतुर्वेदी और प्रो. महावीर प्रसाद लखेड़ा की पुस्तकें भी संकलित हैं।
* श्री के.सी. चट्टोपाध्याय संकलन से प्राप्त पुस्तक संख्या 5,331.
* इस पुस्तकालय में 1210 पी.एच्.डी. शोध-प्रबन्ध है, जिनमें से 260 इसी परिसर के छात्रों द्वारा समर्पित किए गए हैं।
* परिसर के द्वारा अनेक जर्नल/पत्रिकाओं (राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय) का आदान-प्रदान किया जाता है।
* इस पुस्तकालय में कुल 54000 पुस्तकें हैं, जिनका मूल्य 40,81,786,00 रू है और 2481 पत्रिकाओं के अंक मंगवाये जाते हैं।

पाण्डुलिपि पुस्तकालय

परिसर में पाण्डुलिपि खण्ड का प्रारम्भ महामहोपाध्याय डॉ. सर गंगानाथ झा पाण्डुलिपियों के अनेक दुर्लभ संग्रहों से हुआ। उसके बाद आज परिसर के पास 57975 प्रविष्टियाँ हैं और उत्तर भारत में यह सर्वोत्तम संग्रहों में से एक माना जाता है। ईसा पश्चात् 15वीं शताब्दी से प्रारम्भ ये पाण्डुलिपियाँ विभिन्न विषयों से सम्बद्ध हैं। कुछ पाण्डुलिपियों पर उनके लिखने की तिथि अंकित नहीं है लेकिन फिर भी वे 13 और 15वीं शताब्दी (ई.प.) के बीच की मानी जा सकती हैं। पाण्डुलिपि पुस्तकालय में कागज पर लिखी और ताड़-पत्रों पर लिखी पाण्डुलिपियाँ हैं।

ये पाण्डुलिपियाँ अनेक विषयों से सम्बद्ध हैं और विभिन्न लिपियों में हैं जैसे देवनागरी, मैथिली, बंगाली, उड़िया, तेलुगु, ग्रन्थ, शारदा आदि। जिन विषयों से ये सम्बद्ध हैं, वे हैं-वैदिक साहित्य, पौराणिक पुस्तकें, व्याकरण, दर्शन, संगीत, नाटक, स्तोत्र, तन्त्र, औषधिविज्ञान, उपनिषद्, ज्योतिष, नक्षत्रविज्ञान, प्रयोग, पूजा, छन्द, अलंकार, नीति, काव्य, नाटक, सुभाषित, इतिहास, निरुक्त, धर्मशास्त्र आदि। पुस्तकालय में पत्रलिखित सर्वाधिक प्राचीन पाण्डुलिपि है मोरेश्वर द्वारा लिखित वैद्यामृत (आयुर्वेद) जो 1546 ई. पश्चात् की है।

प्रकाशन - पुस्तकें/जर्नल/सावधिक पत्रिकाएँ

संस्थान में एक प्रकाशन कार्यक्रम विभाग है, जिसकी देखभाल प्रकाशन समिति करती है। प्रकाशन और विक्रयविभाग पुस्तकों की छपाई और उनके विक्रय का प्रबन्ध करते हैं। एक शोध संस्थान होने के कारण गंगानाथ झा परिसर शोध कार्यों और पाण्डुलिपियों के समालोचनात्मक संस्करण भी प्रकाशित करता रहा है।

पुस्तकें

परिसर ने अब तक 136 से अधिक पुस्तकें प्रकाशित की हैं जो प्रमुख रूप से अप्रकाशित पाण्डुलिपियों की सम्पादित प्रतिलिपि के रूप में हैं।

पत्र (जर्नल्ज)

'गंगानाथ झा परिसर' जर्नल प्रारम्भिक वर्ष से ही लगातार नियमित रूप से प्रकाशित हो रहा है।

* अब तक 67 भाग प्रकाशित हो चुके हैं। इनमें से कुछ अभिनन्दन तथा स्मृतिपरक ग्रन्थ के रूप में हैं।
* पाठ्यपुस्तक आधारित अध्ययन को प्राथमिकता दी जाती है। (अर्थात् पाठ्यपुस्तक समालोचना, पाठ्यपुस्तक विषयका सराहना आदि) तथा बहुमूल्य शोधकार्य जो पाण्डुलिपियों और पाण्डुलिपि विज्ञान से सम्बद्ध हैं।
* शोध-पत्र तथा पुस्तक समीक्षाएँ आदि नियमित रूप से जर्नल में प्रकाशित की जाती हैं।
* इसके अतिरिक्त कुछ लघु और दुर्लभ पाण्डुलिपियों को जर्नल के परिशिष्ट में **गैर्वाणवाणीगौरवग्रन्थमाला** शृंखला के अन्तर्गत प्रकाशित किया जाता है।

जर्नल के अब तक प्रकाशित अभिनन्दन/स्मृतिपरक अंकों का विवरण इस प्रकार है-

* पं. के.सी. चट्टोपाध्याय अभिनन्दन ग्रन्थ
* गंगानाथ झा स्मृति-ग्रन्थ
* आदित्यनाथ झा स्मृति ग्रन्थ
* गोपीनाथ कविराज स्मृति ग्रन्थ
* बलदेव उपाध्याय अभिनन्दन ग्रन्थ
* राम शरण शास्त्री स्मृति ग्रन्थ
* जी.सी.पाण्डे अभिनन्दन ग्रन्थ (गोविदाभिनन्दनम्) और
* उमेश मिश्र स्मृति अंक

परिसर समय-समय पर अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पुस्तक मेलों में (जो देश के विभिन्न भागों में आयोजित होते रहे हैं), भाग लेता रहा है।

जर्नल के प्रकाशन मण्डल के विद्वान् सदस्य हैं-

* प्रो. आर् डी राणाडे,
* एम् एम् डॉ. उमेश मिश्र
* डॉ. के. सी. चट्टोपाध्याय
* डॉ. जयकान्त मिश्र
* डॉ. बी.आर् सक्सेना
* म. म. डॉ. गोपीनाथ कविराज
* डॉ. के. एस. अय्यर
* प्रो. आर् एम शास्त्री
* डॉ. आद्याप्रसाद मिश्र
* डॉ. रमाशंकर द्विवेदी
* डॉला सी.बी.
* प्रो. श्याम नारायण
* प्रो. जी. सी. त्रिपाठी
* प्रो. जगन्नाथ पाठक

परिसर की स्थिति

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, गंगानाथ झा परिसर, चन्द्रशेखर आजाद पार्क (कम्पनी बाग) इलाहाबाद-211002 भूमि 1.5 एकड़। कुल निर्मित क्षेत्र 958.20 वर्ग मीटर। कुल लागत-पुराना भवन। गंगानाथ झा शोध संस्थान, इलाहाबाद का 1971 में अधिगृहीत।

पाठ्यक्रम उपलब्ध-विद्यावारिधि (पी.एच.डी)

सूचना का अधिकार अधिनियम - 2005

प्रार्थना-पत्र प्राप्त - 4

उत्तर प्रेषित - 4

6.2 श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओडिशा)

परिसर-परिचय

श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओडिशा) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के बृहत्तम परिसरों में से एक है। इसका अपना इतिहास है। 1865 में पूर्ववर्ती स्व. पं. एच् एच् दाश, जो उस समय के सुप्रसिद्ध विद्वान् थे, उनके उत्साह के फलस्वरूप बलरामपुर (उ.प्र.) के महामहिम दिग्विजय सिंह बहादुर के द्वारा प्रदत्त वित्तीय सहायता से यह एक संस्कृत पाठशाला के रूप में प्रारम्भ हुआ। 1888 में पुरी के कलक्टर की अध्यक्षता में गठित एक समिति के पर्यवीक्षण में यह एक स्कूल बन गया। इसी साल स्कूल के पढ़े हुए एक प्रतिभाशाली छात्र श्री सदाशिव मिश्र के अथक प्रयत्नों से ओड़िशा और बिहार की सरकारों द्वारा वर्तमान परिसर निःशुल्क उपहार के रूप में प्रदान किया गया। 1918 में यह एक महाविद्यालय के स्तर तक पहुंच गया। 1951 में राज्य सरकार ने इस संस्था के प्रति की गई उनकी सेवाओं के फलस्वरूप इस महाविद्यालय का नाम श्री सदाशिव मिश्र के नाम पर रख दिया। 15.08.1971 को, श्री सदाशिव महाविद्यालय को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा अधीकृत कर लिया और इसका नाम श्री सदाशिव केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ हो गया। 07.05.2002 को जब राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली को सम विश्वविद्यालय का स्तर प्रदान कर दिया गया, यह संस्था भी श्री सदाशिव परिसर, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान कहलाने लगी।

यहाँ यह भी लिखना आवश्यक है कि जहाँ भारत की अधिकांश संस्कृत संस्थाएँ उस समय के शासन वर्ग द्वारा स्थापित की गई थीं, जो जमींदार और राजनैतिक नेता थे, यह ओडिशा का सर्वप्रथम संस्कृत संस्थान है जो इस भारतीय मिट्टी में पले बढ़े पारम्परिक संस्कृत विद्वानों द्वारा परिवर्धित एवं परिपोषित किया गया।

परिसर की स्थिति

स्थान मौजा गांधी घाट, पुरी

1. शैक्षिणिक परिसर हेतु 4,780 एकड़ भूमि मौजा गांधी घाट, पुरी में स्थित है।

2. 10.5 एकड़ भूमि मौजा बालुदण्डा, पुरी पर स्थित आवासीय परिसर हेतु 10.5 एकड़ भूमि मौजा बालुदण्डा, पुरी में स्थित है जिसमें 8339 स्का॰मी॰ पर भवन बना है।

निर्धारित पाठ्यक्रम

क्र.	पाठ्यक्रम	समकक्ष	अवधि
1.	प्राक्शास्त्री	इन्टरमीडिएट	2 वर्ष
2.	शास्त्री (प्रतिष्ठा)	बी.ए. (आनर्स)	3 वर्ष
3.	आचार्य	एम्.ए.	2 वर्ष
4.	शिक्षाशास्त्री	बी.एड्.	1 वर्ष
5.	विद्यावारिधि	पी.एच्.डी.	2 वर्ष

समारोह/गोष्ठियाँ आदि सहित सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ

शैक्षणिक-सत्र 2012-2013 में बहुत सी सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ आयोजित की गईं। उनमें से कुछ प्रमुख गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं-

शैक्षिकक्रियाकलाप

श्री सदाशिव परिसर में प्राकशास्त्री, शास्त्री से लेकर आचार्यकक्षा तक विविध शास्त्रीय विषय यथा साहित्य, व्याकरण, धर्मशास्त्र, पुराणेतिहास, ज्योतिष, अद्वैत-वेदान्त, नव्य-न्याय, सर्वदर्शन, सांख्ययोग आदि पढ़ाए जाते हैं। आधुनिक भाषासाहित्य में अंग्रेजी, हिन्दी, ओडिआ के साथ इतिहास तथा गणित भी पढ़ाए जाते हैं। संस्थान के पाठयक्रम के अनुसार प्राकशास्त्री, शास्त्री तथा शिक्षाशास्त्री कक्षाओं में संगणक तथा पर्यावरण-विज्ञान जैसे आधुनिक विषयों में भी शिक्षा प्रदान की जाती हैं। अध्यापकों को प्रशिक्षण देने के लिए परिसर में शिक्षा-शास्त्री नामक (बी.एड) पाठयक्रम भी प्रचलित है। इसके लिए एक सौ साठ स्थानों की व्यवस्था है। विविध शास्त्रों में गवेषणा कर विद्यावारिधि नामक उपाधि प्राप्त करने के लिए शोध-व्यवस्था भी है। इन पाठयक्रमों में अध्ययनरत छात्र-छात्रा विविध शास्त्रों में निष्णात होकर राष्ट्रिय-अर्न्तराष्ट्रिय स्तर पर सुप्रतिष्ठित होकर संस्कृत के गौरव को बढ़ा रहे हैं।

सम्प्रति राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थान के परिसर में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र का संचालन हो रहा है। केन्द्र का उद्घाटन 'ओ टि.भी' प्रतिनिधि मधुसूदनमिश्र महोदय ने किया

था। केन्द्र का संचालन प्रो. अतुलकुमार नन्द महोदय के अध्यक्षता में तथा डॉ. भगवान सामन्तराय महोदय के संयोजकत्व में प्रचलित है। श्री आदित्यनारायण दाश केन्द्र में अध्यापक हैं। प्रथम चक्र में 30 छात्र अध्ययनरत हैं। इस कार्यक्रम से समाज के विविध वर्गों के वृद्ध, वयस्क तथा बालिकाएँ उपकृत हो रही हैं। वे अनायास संस्कृत के साथ परिचित हो रहे हैं। कार्यक्रम के ओडिशाराज्य संयोजक के रूप में सुकान्तकुमार सेनापति महोदय नियोजित हैं।

छात्रावास

परिसर में एक अपना एवं एक किराए का महिलाछात्रावास भवन है। वहाँ 235 महिलाछात्राओं के लिए सुव्यवस्थित सौलभ्यपूर्णावास के लिए नि:शुल्क व्यवस्था है। पुरुष छात्रों के लिए दो छात्रावास किराए के मकान में प्रचलित है। वहाँ भी सभी प्रकार की सुविधाएँ उपलब्ध हैं। 74 छात्र अन्य छात्रावासों में नि:शुल्करूप से रहते हैं।

वर्ष 2012 में 27 अक्तूबर को पुरी के बालुखण्ड मौजा नामक स्थान में संस्थान के कुलपति प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी एवं कुलसचिव प्रो. के.बी. सुब्बारायुडु महोदय की उपस्थिति में नूतन छात्रावास का शिलान्यास कार्यक्रम संपादित हुआ।

छात्रवृत्ति

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा प्राकशास्त्री, शास्त्री, आचार्य तथा शिक्षाशास्त्री छात्र-छात्राओं के लिए तत्तत् कक्षानुसार 518 छात्रों को तीन सौ से 500 रूपये तक की छात्रवृत्ति प्रतिमहीने दी जाती है। 15 विद्यावारिधि छात्रों को पाँच हजार रुपये की वृत्ति राशि प्रतिमाह, प्रति छात्र दी जाती है।

पुस्तकालय

एक अतिप्राचीन एवं सुविशाल, दुर्लभ पुस्तकों एवं पोथियों से समृद्ध पुस्तकालय इस परिसर को समृद्ध बनाते हुए विद्यमान है। यहाँ विविध भाषा में विषय सम्बन्धित पचास हजार से अधिक दुर्लभ पुस्तक, 252 पाण्डुलिपियाँ, 178 विद्यावारिधि शोधप्रबन्ध, 40 शोधपत्रिका, 8 दैनिक पत्राणि (संस्कृत, हिन्दी, ओडिआ, आङ्गल), 48 पत्रिका पाठकों के लिए सुरक्षित तथा सुलभ कराया जाता है। सम्परति यद्यपि पुस्तकालय में उपकरणों का अभाव है तथापि अपने नए स्वतन्त्र भवन में प्रचलित यह पुस्तकालय सुधीजनों को आनन्दित करता है।

परीक्षा

विगत शैक्षिक वर्ष में 619 छात्र-छात्राएँ विभिन्न परीक्षाओं में सफल हुए हैं। इस वर्ष भी 985 संख्या के छात्रों का नामङ्कन हुआ है। यहाँ शास्त्री तथा आचार्य कक्षाओं में सत्रार्द्धपरीक्षा होती है।

अनौपचारिक संस्कृतशिक्षण योजना-वार्ता

संस्कृतभाषा की लोकप्रियता बढ़ाने के लिए, सभी को भारतीय संस्कृति से परिचित कराने के लिए तथा बेकारी की समस्या लाघव करने हेतु राष्ट्रिय संस्कृतसंस्थान समग्र देश में 2001 से अनौपचारिक संस्कृतशिक्षण योजना चला रही है। हमारे प्रदेश में इसके सभी-मण्डलों में चालीस (40) शिक्षणकेन्द्र प्रचलित हैं। इस केन्द्र द्वारा 2500 संख्या छात्र-छात्राएँ संस्कृत पढ़ कर लाभान्वित हो रहे हैं। उत्कल राज्य के राज्यसंयोजक के रूप में 2007 से डॉ. सुकान्त कुमार सेनापति महोदय कार्य कर रहे हैं।

मुक्तस्वाध्यायपीठस्य वार्ता

इस परिसर में 2010 से दूरस्थशिक्षणाध्ययन केन्द्र प्रचलित है। इस केन्द्र से प्राकशास्त्री-शास्त्री-आचार्य तथा सेतुपाठ्यक्रम में बहुत से छात्र-छात्रा अध्ययन कर रहे हैं। वर्ष 2011-12, 2012-13 शिक्षासत्र में 200 अधिक छात्रों ने विविध पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया है। इसका शास्त्री-आचार्य वार्षिक परीक्षा परिणाम 95% (प्रतिशत) है।

संस्कृत सप्ताह समारोह

प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी श्रावणपूर्णिमा के अवसर पर संस्कृत दिवस के उपलक्ष्य में संस्कृत सप्ताहसमारोह 30.7.2012 से 3.8.2012 दिनांक तक महान उल्लास से मनाया गया। समारोह में विविधशास्त्रों में वाक्स्पर्धा का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में बहुत सारे छात्र प्रथम, द्वितीय स्थान अधिकार करके पुरस्कृत हुए। सप्ताह का उद्घाटन प्राचार्य की अध्यक्षता में गोवर्द्धनपीठ के श्रीमत् शङ्कराचार्य स्वामी निश्चलानन्द सरस्वतिमहोदय के साथ गजपति महाराज श्री दिव्यसिंह देव के मुख्य आतिथ्य में डॉ. भगवान् सामन्तराय के संयोजकत्व में हुआ। समापन-उत्सव श्रीजगन्नाथ विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य नीलकण्ठ पति के मुख्य वक्तृत्व में सेवानिवृत आरक्षी अधीक्षक सारङ्गधर रायगुरु महोदय के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस समारोह में संस्कृतदिवस के उपलक्ष्य में पण्डित आचार्य किशोरचन्द्र महापात्र तथा

हृषिकेश मिश्र जी को संस्कृत सेवा के लिए सम्मान कार्यक्रम रखा गया था।

हिन्दी दिवस

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के निर्देशानुसार परिसर में सितम्बर महीने के 01.09.12 से 14.09.12 तक हिन्दी पखवाडा एवं दिवस समारोह मनाया गया। इस अवसर पर परिसर के छात्र-छात्राओं ने पक्षात्मक कार्यक्रम किया। कार्यक्रम में छात्रों ने हिन्दी भाषण प्रतियोगिता, स्वरचित हिन्दी कविता प्रतियोगिता, हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता आदि में भाग लिया। समापन समारोह प्राचार्य की अध्यक्षता में डॉ. श्रीनिवास आचार्य महोदय के मुख्य वक्तव्य में तथा पण्डित पर्शुराम नायक महोदय के मुख्य आथित्य में हुआ। समारोह की संयोजना सहाचार्या डॉ. केतकी महापात्र हिन्दी विभागमुख्या के द्वारा किया गया।

कौमुदीमहोत्सव

प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान में दिनांक 5.2.12 से 7.2.12 तक कौमुदीमहोत्सव मनाया गया। उत्सव में भाग लेने के लिए 19 छात्र-छात्राएँ परिसर से डॉ. शम्भुनाथ महालीक, डॉ. विजयलक्ष्मी महापात्र, डॉ. वसन्त कुमार मुद्रा के मार्गदर्शन में गये। वहाँ छात्रों ने चिताकर्षक मल्लिकामकरन्दम् नामक नाटक प्रदर्शित करके तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। परिसर के छात्र सुव्रत कुमार षड्ङ्गी प्रथम पुरस्कार, विभूतिभूषण मिश्र द्वितीय पुरस्कार तथा रूचिरा कर तृतीय पुरस्कार से पुरस्कृत हुए।

6.3 श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर)

परिसर-परिचय

कश्मीर की धरा पर कल्हण, बिल्हण, मम्मट, अभिनवगुप्त, आनन्दवर्धन, भामह तथा क्षेमेन्द्र सदृश प्रकाण्ड विद्वान् हुए हैं, जिनकी रचनाओं से संस्कृत साहित्य समृद्ध हुआ। यदि संस्कृत साहित्य से जम्मू कश्मीर के योगदान को पृथक् कर दिया जाए तो संस्कृत साहित्य की आभा शून्य हो जायेगी।

समस्त भारत में संस्कृत-शिक्षा के अध्यापन एवं प्रचार-प्रसार के लिए भारत सरकार ने सन् 1954 में संस्कृत आयोग का गठन किया था। इस आयोग के अध्यक्ष स्वनामधन्य प्रो. सुनीति कुमार चटर्जी थे। उन्होंने दो वर्षों के उपरान्त सन् 1956 ई. में अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इनकी संस्तुति थी कि, भारत के प्रत्येक राज्य में संस्कृत के केन्द्र स्थापित किये जाएँ तो कालान्तर में विश्वविद्यालय का रूप ले लेंगे।

जम्मू-कश्मीर राज्य के संस्थापक महाराजा गुलाब सिंह के सुपुत्र महाराजा श्री रणवीर सिंह जी को भारतीय संस्कृति के प्रति दृढ़ अनुराग था। उन्होंने संस्कृत के संवर्धन एवं प्रचार-प्रसार के लिए मन्दिरों, संस्कृत पाठशालाओं, औषधालयों और पुस्तकालयों आदि की स्थापना की थी।

उन्होंने श्री रघुनाथ संस्कृत महाविद्यालय की स्थापना सन् 1838 ई. में की जिसमें न केवल जम्मू-कश्मीर के अपितु भारत के अन्य राज्यों तथा नेपाल के कई छात्रों ने अध्ययन करके उपाधियाँ प्राप्त की है।

संस्कृत आयोग की संस्तुति को ध्यान में रखते हुए तत्कालीन शिक्षा-मंत्रालय ने जम्मू-कश्मीर राज्य में संस्कृत का एक केन्द्र स्थापित करने का निर्णय लिया था। परिमणामस्वरूप महाराजाधिराज स्व. श्री रणवीर सिंह जी के द्वारा स्थापित श्री रघुनाथ संस्कृत महाविद्यालय का 1 अप्रैल 1971 ई. को अधिग्रहण कर, इसका नाम श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जम्मू रखा गया।

सन् 2002 ई. में प्रो. वी. आर. पंचमुखी जी की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा नामित समिति ने जम्मू के श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, (सम विश्वविद्यालय) श्री रणवीर परिसर, के नाम से घोषित किया। उनके दूसरे दिन परिसर के सभी अध्यापकों/प्राध्यापकों की उपस्थिति में प्रो. प्रियतम चन्द शाास्त्री, कार्यकारी प्राचार्य के प्राचार्यत्व में प्रो. केवल कृष्ण शास्त्री तथा प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री के आचार्यत्व में एवं प्रो. यशपाल खजूरिया की देख रेख में कोट-भलवाल में श्री रणवीर परिसर के नूतन भवन के लिए प्रो. वेम्पटि कुटुम्ब शास्त्री जी के कर कमलों द्वारा शिलान्यास हुआ।

तत्कालीन शिक्षा मंत्री माननीय श्री अर्जुन सिंह जी के आदेशानुसार माननीय डॉ. कर्ण सिंह ने 18 मार्च 2007 को परिसर के नए भवन का उद्घाटन किया। तबसे इस नए परिसर में प्रथम प्राचार्य के रूप में प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री जी ने कार्य किया। नई दिल्ली में संस्थान के दीक्षान्त समारोह (दिनांक 12.09.2009) के अवसर पर कुलपति प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी जी एवं भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्री श्री कपिल सिब्बल जी ने जम्मूस्थ श्री रणवीर परिसर के पुरुष तथा महिला छात्रावासों का इन्टरनेट के माध्यम से उद्घाटन किया तथा दिनांक 27.02.2010 को परिसर के वार्षिकोत्सव के अवसर पर छात्रावासों के शिलापट्टों का अनावरण भी किया गया। शिक्षा मन्त्रालय तथा संस्थान के आदरणीय कुलपति, सम्माननीय कुलसचिव के कुशल नेतृत्व में परिसर दिन-प्रतिदिन अग्रसर हो रहा है।

इस सम्बन्ध में विशेष कथनीय है कि सन् 2009 के वार्षिकोत्सव के अवसर पर कुलपति जी ने शिक्षाचार्य (M.Ed) कक्षा चलाने के लिए अपनी अनुमति दे दी, जिससे जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, पंजाब, हरियाणा के छात्रों को पर्याप्त लाभ मिलेगा।

कुलपति जी से प्रार्थना करने पर सत्र 2010-2011 से वेदाचार्य विभाग प्रारम्भ करने के लिए कुलपति जी ने अनुमति प्रदान की। जिससे परिसरीय विभागों में एक नूतन विभाग का शुभारम्भ हुआ।

इस विद्यापीठ के प्रथम प्राचार्य डॉ. अनन्त मराल शास्त्री थे तथा क्रमशः डॉ. दयानन्द भार्गव, डॉ. जे. गांगुली, डॉ. मण्डन मिश्र, डॉ. अनन्त मराल शास्त्री (कार्यवाहक), डॉ. मुरलीधर पाण्डेय, डॉ. जगन्नाथ पाठक, डॉ. राघव प्रसाद चौधरी, डॉ. राम किशोर शुक्ल, डॉ. प्रियतम चन्द शास्त्री (कार्यवाहक) और डॉ. जी गंगन्ना जी प्राचार्य रहे। सन् 2006 से सन् 2011 अक्टूबर तक प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री जी रणवीर परिसर के प्राचार्य रहे। इसके पश्चात् प्रो. यशपाल खजूरिया कार्यवाहक प्राचार्य रहे।

परिचय

मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के अधीन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली, विश्व का एकमात्र बृहत्तम बहुपरिसरीय सम विश्वविद्यालय है। वर्तमान में माननीय प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी इसके कुलपति हैं। देशभर में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के दस परिसर हैं। जम्मू स्थित श्री रणवीर परिसर उन्हीं दस परिसरों में से एक है। यह परिसर 84 कनाल भूमि पर निर्मित है।

उद्देश्य एवं पृष्ठभूमि

महाराजाधिराज श्रीरणवीरसिंह ने संस्कृत विद्या के पारम्परिक एवम् अगाध-अद्भुतज्ञान के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से जम्मू प्रान्त में आज से 173 वर्ष पूर्व सन् 1938 ईस्वी में श्रीरघुनाथ संस्कृत महाविद्यालय की स्थापना की थी। दिनाङ्क 01 अप्रैल, 1971 को केन्द्र सरकार ने इसका अधिग्रहण किया तथा इसे 'श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ' का नाम दिया। 02 मई, 2002 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को बृहत्तम बहुपरिसरीय सम विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त हुआ। तब से श्रीरणवीर परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, सम विश्वविद्यालय के नाम से विख्यात है।

विषय एवं विभाग

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री रणवीर परिसर में अध्ययन-विषयानुरूप आठ विभाग हैं-

1) व्याकरण विभाग

2) साहित्य विभाग

3) दर्शन विभाग

4) सिद्धान्त ज्योतिष एवं फलित ज्योतिष विभाग

5) वेद विभाग

6) शिक्षाशास्त्र विभाग

7) कश्मीर शैवदर्शन परियोजना

8) मुक्तस्वाध्यायकेन्द्र

अध्ययन-अध्यापन एवं शोध कार्य

श्री रणवीर परिसर में पारम्परिक शिक्षाप्रणाली के अन्तर्गत आधुनिक विषयों का भी सुन्दर सामञ्जस्य बिठाकर अध्ययन-अध्यापन किया जाता है। संस्थान मुख्यालय के निर्देशानुसार पूर्व सत्र से यहाँ सत्रार्द्धक परीक्षा प्रणाली (Semester System) भी लागू की जा चुकी है। कक्षानुसार परिसर में अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था इस प्रकार है-

(i) पारम्परिक संस्कृत शिक्षा

पारम्परिक संस्कृत शिक्षा के अन्तर्गत श्री रणवीर परिसर में प्राक्शास्त्री (10+2), शास्त्री त्रिवर्षीय - 6 सेमेस्टर (बी.ए.) तथा आचार्य द्विवर्षीय - 4 सेमेस्टर (एम.ए.) पर्यन्त अध्ययन की व्यवस्था है। इन कक्षाओं में व्याकरण, साहित्य, दर्शन, सिद्धान्त एवं फलित ज्योतिष तथा वेदवाङ्मय-इन संस्कृत के पारम्परिक शास्त्रीय विषयों के साथ-साथ हिन्दी, डोगरी, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीतिशास्त्र, कम्प्यूटर एवं पर्यावरणशिक्षा इत्यादि आधुनिक विषयों का भी अध्ययन करवाया जाता है।

(ii) व्यावसायिक शिक्षा

श्री रणवीर परिसर में व्यावसायिक शिक्षा के अन्तर्गत शिक्षाशास्त्र विभाग (Education Department) में शिक्षाशास्त्री -एक वर्षीय (B.Ed.) तथा शिक्षाचार्य-एक वर्षीय (M.Ed.) का प्रशिक्षण दिया जाता है।

शैक्षिणक-सत्र 2012-2013 में हुये मुख्य कार्यक्रम

1. शैक्षिक सत्र का उद्घाटन - 25.07.2012
2. त्रिदिवसीय संस्कृत समारोह - 31.07.2012 से 03.08.2012
3. श्रावणी महोत्सव - 02.08.2012
4. संस्कृत दिवस समारोह - 03.08.2012
5. स्वतंत्रता दिवस - 15.08.2012
6. शिक्षक दिवस - 05.06.2012
7. हिन्दी पखवाड़ा - 14.09.2012 से 18.09.2012
8. स्वामी विवेकानन्द जयन्ती - 12.01.2013
9. गणतंत्र दिवस - 26.01.2013
10. बसन्त पंचमी - 15.02.2013

सत्र 2012-2013 में विभिन्न विद्वानों द्वारा सेमीनार/ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के रिफ्रेशर कोर्सों में सहभागिता की सूची

1. डॉ. सूर्यमणि रथ, प्रोफेसर, 'राष्ट्रिय सेमीनार', वेदव्यास परिसर (हि.प्र.) - 24.11.2012 से 26.11.2012, 'विश्व व्यापि सौदर्य-शास्त्र सेमीनार', तिरूपति विद्यापीठ-

26.12.2012 से 28.12.2012, 'राष्ट्रिय सेमीनार', श्री लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत विद्यापीठ, दिल्ली- 20.3.2013

2. **डॉ. पी.के. महापात्रा,** एसो. प्रोफेसर, 'आधुनिककाल में वास्तु विद्या पर सुसंगत प्रतियोगिता', साक्षी गोपाल, पुरी, ओडिशा - 03.01.2013, ज्योतिष विषय पर 'राष्ट्रिय सेमीनार', कट्टक, ओडिशा - 07.02.2013 से 08.02.2013

3. **डॉ. नगेन्द्र नाथ झा,** एसो. प्रोफेसर, शोध विषय पर 'राष्ट्रिय सेमीनार', भोपाल परिसर, भोपाल - 05.09.2012 से 07.09.2012, 'अन्तराष्ट्रिय योगा सेमीनार', जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू - 21.02.2013 से 23.02.2013, 'राष्ट्रिय सेमीनार', जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू - 01.03.2013 से 03.03.2013

4. **डॉ. श्रीगोविन्द पाण्डेय**, असि. प्रोफेसर, 'राष्ट्रिय सेमीनार', वेद व्यास परिसर (हि.प्र.) - 24.11.2012 से 26.11.2012, 'राष्ट्रिय सेमीनार', जम्मू काश्मीर संस्कृत अकादमी, 01.02.2013 से 03.02.2013

5. **डॉ. विजय पाल कछवाह,** असि. प्रोफेसर, 'राष्ट्रिय सेमीनार', वेद व्यास परिसर, (हि.प्र.) - 24.11.2012 से 26.11.2012, 'राष्ट्रिय सेमीनार', जम्मू काश्मीर संस्कृत अकादमी, 01.02.2013 से 03.02.2013, 'अन्तराष्ट्रिय योगा सेमीनार', जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू - 21.02.2013 से 23.02.2013

सत्र 2012-2013 की शैक्षणिक गतिविधियाँ

1. साप्ताहिक सेमीनार-प्रत्येक शुक्रवार को वाग्वर्धनी सभा का आयोजन

2. बालचर शिक्षण शिविर-केवल शिक्षाशास्त्री छात्र/छात्राओं के लिए

3. प्राथमिक चिकित्सा उपचार-केवल शिक्षाशास्त्री छात्र/छात्राओं के लिए

4. अध्यापन प्रशिक्षण-केवल शिक्षाशास्त्री छात्र/छात्राओं के लिए

5. शैक्षणिक भ्रमण-केवल शिक्षाशास्त्री, शिक्षाचार्य, आचार्य द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के छात्र/छात्राओं हेतु

6. संस्कृत भाषा का बोल-चाल में अदान-प्रदान-परिसर में समस्त छात्र/छात्राओं के लिए।

6.4 गुरुवायूर परिसर, पुरनाट्टुकरा, त्रिचूर (केरल)

परिसर-परिचय

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (सम विश्वविद्यालय) गुरुवायूर परिसर संस्थान के अन्तर्गत देश के विभिन्न प्रदेशों में स्थित और कार्यरत परिसरों में से एक है। यह संस्थान भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के अधीन है।

गुरुवायूर परिसर 16.07.1979 को गुरुवायूर साहित्य दीपिका संस्कृत विद्यापीठ, जो गुरुवायूर के पास पावरत्ती में स्थित था और जिसकी स्थापना स्व. श्री पी.टी. कुरियाकोश मास्टर द्वारा की गई थी, के अधिग्रहण के फलस्वरूप स्थापित हुआ। यह पूर्ववार्णित विद्यापीठ केरल के अन्दर और बाहर के समस्त क्षेत्रों में संस्कृत ज्ञान के प्रमुख केन्द्र के रूप में प्रसिद्ध था और स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर तक, मद्रास विश्वविद्यालय के साथ सम्बद्धता प्राप्त करके, शिक्षा प्रदान करता था। जनवरी 1970 में यह प्राचीन पारम्परिक अध्ययन का भण्डार गृह भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के अन्तर्गत राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान से सम्बद्ध हो गया। 7 मई 2002 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को सम विश्वविद्यालय घोषित कर दिया गया।

गुरुवायूर परिसर के दो केन्द्र हैं एक पुरनाट्टुकरा में और दूसरा पावरती में। प्रमुख केन्द्र पुरनाट्टुकरा में है जो 14 एकड़ के विस्तार में अत्यन्त सौन्दर्यपूर्ण प्राकृतिक वातावरण में स्थित है। इसमें प्रमुख शैक्षणिक खण्ड, प्रशासनिक खण्ड, पुस्तकालय, छात्रों और छात्राओं के छात्रावास, अतिथि गृह, आडिटोरियम, खेल का मैदान, अर्ध कार्यरत भवन और आवासीय भवन स्थित हैं। पावरती केन्द्र में 50 सेन् की विस्तृत भूमि में बसा है और इसका नाम है पी.टी.कुरियाकोस स्मृति भवन। इसमें एकमंजिला भवन है जिसमें दो बड़े हॉल हैं, एक प्रशासनिक कक्ष है और अन्य दस कक्षा गृह है जो आधुनिक सुविधाओं से सम्पन्न हैं।

संस्थान के अधिकारी गण और परिसर इस केन्द्र पर शीघ्रतिशीघ्र शिक्षाचार्य पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने का सर्वाधिक प्रयत्न कर रहे हैं।

परिसर की स्थिति

गुरुवायूर परिसर केरल में त्रिचूर जिले में आदत पञ्चायथ स्थान पर एक शैक्षिक संकुल क्षेत्र में स्थित है और इसके चारों और आमला मेडिकल महाविद्यालय, श्रीरामकृष्ण आश्रमम् एस.आर्.के.जी.वी.एम्. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और शारदा बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, केन्द्रीय विद्यालय तथा आई.ई.एस्. इन्जीनियरिग कॉलेज, त्रिचूर शहर से गुरुवायूर परिसर उत्तर पूर्व में 8 किलोमीटर दूर है। कोच्चि अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, जो नेदुम्बेसेरी में स्थित है, परिसर से केवल 61 किलोमीटर दूर है।

गुरुवायूर परिसर के दो कार्यरत केन्द्र हैं।

1. पुरुनाट्टुकरा अर्थात प्रमुख परिसर
2. पावरती में कुरियाकोस मास्टर स्मृति भवन जो मुख्य परिसर से 15 किलोमीटर की दूरी पर है।

वर्तमान में पुरुनाट्टुकरा स्थित परिसर में निम्नलिखित पाठ्यक्रम पढ़ाए जा रहे हैं-

1. प्राक्शास्त्री (इन्टरमीडिएट)
2. शास्त्री (ग्रेजुएशन) - वेदान्त, साहित्य, व्याकरण, न्याय और ज्योतिष।
3. आचार्य (स्नातकोत्तर) - वेदान्त, साहित्य, व्याकरण और न्याय।
4. शिक्षा-शास्त्री (बी.एड्)
5. विद्यावारिधि (पी.एच्.डी)

आधुनिक जगत से परिचित कराने के लिए परिसर में आधुनिक विषय भी यथा - इतिहास, अंग्रेजी, मलयालम, हिन्दी, संगणक शिक्षा एवं पर्यावरण अध्ययन प्राक्शास्त्री से शास्त्री तक विद्यार्थियों को पढ़ाए जाते हैं।

प्रवेश

वर्तमान शैक्षणिक-सत्र 2012-2013 के दौरान निम्नानुसार प्रवेश हुये :

क्र.सं.	कक्षा	छात्र संख्या
1.	प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष	35
2.	प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष	32
3.	शास्त्री प्रथम वर्ष	58
4.	शास्त्री द्वितीय वर्ष	51
5.	शास्त्री तृतीय वर्ष	35
6.	आचार्य प्रथम वर्ष	33
7.	आचार्य द्वितीय वर्ष	33
8.	शिक्षाशास्त्री	90
9.	विद्यावारिधि	12
	कुछ छात्र	**379**

पाठ्यक्रमेतर गतिविधियाँ

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान संस्कृत को पारम्परिक प्रणाली से सिखाने के लिए प्रतिबद्ध है। वाग्वर्धिनी सभा का संचालन छात्रों में शैक्षिक उत्कृष्टता को विकसित करने के लिए प्रत्येक बुधवार सायं 2 से 5 बजे तक होता है। वाग्वर्धिनी सभा में निम्नलिखित मामलों पर चर्चा का आयोजन किया जाता है।

1. वाक्यार्थ विचार
2. शास्त्र परिचर्चा
3. समकालीन विषय
4. प्रश्नोत्तरी
5. कलाविनोद

30 से अधिक बैठकें आयोजित की गई। छात्रों और शिक्षकों ने अच्छी संख्या में सक्रिय रूप से भाग लिया और विभिन्न विषयों पर पत्र प्रस्तुत किए गए।

21 दिवसीय अनौपचारिक संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

गुरुवायूर परिसर में 21 दिवसीय अनौपचारिक संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 06.06.2012 से 26.06.2012 तक किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. सी. राजेन्द्रन, प्राध्यापक, संस्कृत विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय द्वारा किया गया। प्रो. एन.पी. उन्नी, पूर्व कुलपति, श्री शङ्कराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, कालडी इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। दिनांक 26.06.2012 के आयोजित हुए अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह में प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु, कुलसचिव, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्य अतिथि थे। डॉ. सी.के. थॉमस, निदेशक, दूरदर्शन केन्द्र, त्रिशूर सारस्वत अतिथि थे। श्री डी.प्रभाकर शर्मा, पूर्व प्राचार्य, संस्कृत महाविद्यालय, कोवूर एवं प्रो. के.टी. माधवन, पूर्व प्राचार्य, गुरुवायूर परिसर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।

संस्कृत सप्ताह समारोह

संस्कृत सप्ताह समारोह 02.08.2012 से 07.08.2012 को आयोजित किया गया। दिनांक 07.08.2012 को आयोजित हुए समापन समारोह में प्रो. एम.ए. बाबू, प्रधानाचार्य गुरुवायूर परिसर ने अध्यक्षीय भाषण दिया। सभी विभागाध्यक्षों ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को सम्मानित किया है।

व्याख्यान शृंखला

परिसर द्वारा विभिन्न शास्त्रों के प्रख्यात विद्वानों के व्याख्यान शृंखलाओं का आयोजन किया गया।

कौमुदी महोत्सव

लिटिल थियेटर ग्रुप (एल.टी.जी.), कापरनिकस मार्ग, नई दिल्ली में 05.02.2013 से 07.02.2013 तक कौमुदी महोत्सव का आयोजन किया गया। परिसर के छात्रों ने संस्कृत नाटक 'मृच्छकटिकम्' प्रस्तुत किया और द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया।

हिन्दी दिवस और पखवाड़ा समारोह

हिंदी दिवस और पखवाड़ा समारोह का आयोजन 14.09.2012 से 30.09.2012 तक हुआ। परिसर के प्रशासनिक कर्मचारियों एवं छात्रों के लिए अनुवाद, श्रुतलेख तथा निबन्ध लेखन प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई।

सूचना का अधिकार अधिनियम - 2005

प्रार्थना-पत्र प्राप्त - 07

उत्तर प्रेषित - 07

6.5 जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)

परिसर-परिचय

राजस्थान राज्य के तत्कालीन मुख्यमन्त्री स्व. श्री शिवचरणमाथुर महोदय के अनुरोध पर पद्मश्री डॉ. मण्डनमिश्र, (पूर्व निदेशक) के सद् प्रयासों से प्रथम निदेशक आचार्य रामकरण शर्मा के द्वारा 13.05.1983 में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली का परिसर: 'केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ' के नाम से स्थापित किया गया। इस समय यह परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (सम विश्वविद्यालय), जयपुर परिसर के नाम से प्रसिद्ध है। परम्परागत शिक्षा के प्रचार प्रसार के लिए, दुर्लभ पाण्डुलिपियों के संरक्षण, उनके प्रकाशन के लिए, संस्कृत विद्या क्षेत्र में शोध कार्यों के संवर्धन के लिए, शास्त्र ज्ञान के साथ-साथ आधुनिक, लोकापयोगी नूतन विषयों के ज्ञान प्रदान के लिए प्रयासरत राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का यह जयपुर-परिसर प्रसिद्ध है। वर्तमान सत्र में यह संस्थान न केवल राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के दसों परिसरों में श्रेष्ठ रहा है अपितु छात्र संख्या तथा शैक्षिक उपलब्धियों की दृष्टि से भी देश के अनेक सुप्रतिष्ठित संस्कृत विश्वविद्यालयों में श्रेष्ठ रहा है। संस्कृत शिक्षा के किसी भी एक संस्थान में इतनी संख्या में छात्र देखने को नहीं मिलते हैं।

प्रवेश

वर्तमान शैक्षणिकसत्र के दौरान निम्नानुसार प्रवेश हुये :

क्र.सं.	कक्षा	छात्र संख्या
1.	प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष	46
2.	प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष	40
3.	शास्त्री प्रथम वर्ष	194
4.	शास्त्री द्वितीय वर्ष	140
5.	शास्त्री तृतीय वर्ष	168
6.	आचार्य प्रथम वर्ष	107
7.	आचार्य द्वितीय वर्ष	53
8.	शिक्षाशास्त्री	99
9.	शिक्षाआचार्य	28
10.	विद्यावारिधि	24
	कुछ छात्र	**902**

परिसर की स्थिति

डॉ. सरोजिनी महिषी महोदया के उपाध्यक्ष काल में उनके सत्प्रयास से केन्द्र सरकार के द्वारा दी गई वित्तीय सहायता से 7.27 एकड़ भूखण्ड में 60 कमरों से युक्त संस्थान का अध्यापन, प्रशासनखण्ड, व्यायामशाला, सुसज्जित सभागार, पुस्तकालय, परियोजना खण्ड, कम्प्यूटर प्रयोगशाला, प्राकृतशोध अध्ययन केन्द्र, मुक्तस्वाध्याय केन्द्र, छात्र-छात्राओं का पृथक् पृथक् छात्रावास, प्राध्यापक-कर्मचारी आवास, क्रीडा मैदान, बगीचे जैसी भौतिक सम्पदाओं से युक्त यह परिसर शोभायमान है।

परिसर में उपलब्ध पाठ्यक्रम-

क्र.सं.	विषय
1.	साहित्य

2. व्याकरण
3. ज्योतिष
4. धर्मशास्त्र
5. जैन दर्शन
6. सर्वदर्शन
7. शिक्षाशास्त्री
8. शिक्षाचार्य
9. विद्यावारिधि
10. ज्योतिष एवं वास्तु प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (सायंकालीन)
11. दूरस्थ शिक्षा

सत्र 2012-13 के अन्तर्गत परिसर में आयोजित कार्यक्रम-

1. अम्बेडकर जयन्ती - 14 अप्रैल, 2012
2. राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा परिसरीय निरीक्षण - 17-18 अप्रैल, 2012
3. गुरुपूर्णिमा - 03 जुलाई, 2012
4. सत्रारम्भ समारोह - 19 जुलाई, 2012
5. भाषाबोधनवर्ग - 16 जुलाई से 14 अगस्त, 2012
6. अखिलभारतीय दूरस्थशिक्षापाठलेखन कार्यशाला - 18-28 जुलाई, 2012
7. अष्टावधान कार्यक्रम - 30 जुलाई, 2012
8. संस्कृतसप्ताह महोत्सव - 31 जुलाई से 7 अगस्त, 2012
9. स्वतन्त्रतादिवस समारोह-15 अगस्त, 2012
10. भारतीय खेल दिवस (श्रीध्यानचंद स्मृति)-16 अगस्त, 2012
11. स्काउट एवं गाइड बेसिक प्रशिक्षण-17-23 अगस्त, एवं 13-19 दिसम्बर, 2012
12. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण के अन्तर्गत प्रथम दीक्षा के दो केन्द्रों का संचालन-17 अगस्त से 03 दिसम्बर, 2012
13. प्राथमिकचिकित्सा प्रशिक्षण-27-31 अगस्त, 2012
14. व्याकरणपरिषद् सङ्गोष्ठी-27 अगस्त, 2012 तथा 18 एवं 22 फरवरी, 2013
15. शिक्षकदिवस - 5 सितम्बर, 2012
16. हिन्दी पखवाड़ा समारोह-14-27 सितम्बर, 2012
17. वार्षिक क्रीड़ा स्पर्धा-17-22 सितम्बर, 2012
18. भारतीय फलित ज्योतिष परिचय पाठ्यक्रम दशमचक्र- 20 सितम्बर से 20 दिसम्बर, 2012
19. भारतीय वास्तुशास्त्र परिचय पाठ्यक्रम सप्तमचक्र-20 सितम्बर से 20 दिसम्बर, 2012
20. वार्षिक शैक्षणिक स्पर्धा-24-29 सितम्बर, 2012
21. राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस-24 सितम्बर, 2012
22. ज्यौतिषस्वाध्याय परिषद् सङ्गोष्ठी-सितम्बर, 2012
23. प्रो. हीरालालजैन स्मृतिव्याख्यानमाला-5 अक्टूबर, 2012
24. योग एवं व्यक्तित्व विकास व्याख्यान-31 अक्टूबर, एवं 5-6 दिसम्बर, 2012
25. महामहोपाध्याय मधुसूदन ओझा व्याख्यानमाला-8 नवम्बर, 2012
26. शिक्षादिवस-11 नवम्बर, 2012
27. राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत तीन एक दिवसीय शिविर-15, 22 नवम्बर, 2012 एवं 2 मार्च, 2013
28. राज्य स्तरीय चयन स्पर्धा-19-20 नवम्बर, 2012
29. पं. मोतीलाल नेहरु की 150वीं जन्मशताब्दी समारोह व्याख्यान-22 नवम्बर, 2012
30. बचत ज्ञान योजना-23 नवम्बर, 2012
31. साहित्यपरिषद् सङ्गोष्ठी-30 नवम्बर 2012 व 28 फरवरी, 2013
32. एड्स दिवस-1 दिसम्बर, 2012
33. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण के अन्तर्गत द्वितीय दीक्षा के दो केन्द्रों का संचालन-4 दिसम्बर, 2012 से 14 मार्च, 2013
34. लघुशोधप्रबन्ध विचार सङ्गोष्ठी-12-13 दिसम्बर, 2012
35. शिक्षाशास्त्रपाठ्यक्रम संशोधन कार्यशाला-17-21 दिसम्बर, 2012
36. राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत विशिष्ट शिविर-

22–28 दिसम्बर, 2012

37. स्वामीविवेकानन्द की 150वीं जयन्ती समारोह व्याख्यान–11 जनवरी, 2013
38. गणतन्त्र दिवस समारोह–26 जनवरी, 2013
39. वार्षिक योग शिविर–7–13 फरवरी, 2013
40. वसन्तपञ्चमी–14 फरवरी, 2013
41. भारतीय फलित ज्योतिष परिचय पाठ्यक्रम एकादशचक्र–18 फरवरी, 2013 से जारी
42. भारतीय वास्तुशास्त्र परिचय पाठ्यक्रम अष्टमचक्र–18 फरवरी, 2013 से जारी
43. शिक्षाशास्त्री वार्षिक प्रायोगिकपरीक्षा–19–23 फरवरी, 2013
44. सहायककोपकरणप्रदर्शिनी–26 फरवरी, 2013
45. परिसर एवं निम्बार्क समिति के संयुक्त तत्त्वावधान में छात्र एवं आध्यापकों का सम्मान कार्यक्रम – 02 मार्च, 2013
46. भाषाप्रदर्शिनी–04 मार्च, 2013
47. सामूहिक छायाचित्र–08 मार्च, 2013
48. शैक्षिक भ्रमण–12 मार्च, 2013

सूचना का अधिकार अधिनियम – 2005

प्रार्थना–पत्र प्राप्त – 23

उत्तर प्रेषित – 23

6.6 लखनऊ परिसर, लखनऊ (उ.प्र.)

परिसर-परिचय

उत्तर-प्रदेश की राजधानी लखनऊ में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के लखनऊ परिसर की स्थापना 2 अगस्त, 1986 को केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ के रूप में मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के अधीन हुई। आरम्भिक समय से ही यह केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ परम्परागत संस्कृत विद्या की उन्नति प्रचार-प्रसार, अध्ययन-अध्यापन एवं शोध के क्षेत्र में अग्रणी रूप से कार्यरत है। वर्ष 2002 में सम विश्वविद्यालय घोषित होने के पश्चात् राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली का यह परिसर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ लखनऊ से लखनऊ परिसर के रूप में संस्कृत भाषा के उन्नयन हेतु प्रयत्नशील है, लखनऊ परिसर में अन्य भाषाओं के साथ ही साथ पालि एवं प्राकृत भाषाओं के अध्ययन केन्द्र की भी स्थापना की गई है। संस्कृत भाषा के अनेक विद्वानों एवं लेखकों ने इस परिसर के विकास में अपना योगदान दिया है। अवध क्षेत्र में स्थित होने के कारण यह परिसर क्षेत्र के लोगों भारतीय संस्कृति, राष्ट्रिय एकता एवं धार्मिक सौहार्द को बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। यह परिसर दिन-प्रतिदिन समृद्धि की ओर अग्रसर है।

परिसर की स्थिति

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान सम विश्वविद्यालय लखनऊ परिसर उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में विशाल खण्ड-4, गोमती नगर लखनऊ में विशाल भवन में स्थित है। परिसर के अन्दर ही महिला छात्रावास, संकाय एवं कर्मचारी आवास भी उपलब्ध है।

उपलब्ध पाठ्यक्रम

(1) व्याकरण - (i) प्राचीन (ii) नव्य

(2) ज्योतिष - (i) फलित (ii) सिद्धान्त

(3) संस्कृत साहित्य

(4) बौद्ध दर्शन

(5) आधुनिक विषय - (i) हिन्दी (ii) अंग्रेजी (iii) अर्थशास्त्र (iv) राजनीति विज्ञान एवं सगंणक

(6) शिक्षाशास्त्र

(7) शारीरिक शिक्षा

(8) पालि एवं प्राकृत

(9) शोध एवं प्रकाशन

शैक्षिक गतिविधियाँ

1. दिनांक-14 एवं 15 अप्रैल, 2012 को यू.जी.सी. की नैक टीम द्वारा परिसर का निरीक्षण कार्य सम्पन्न हुआ। निरीक्षण समिति परिसर की गतिविधि यों से पूर्णतः सन्तुष्ट हुई एवं परिणामस्वरूप राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली को समस्त परिसरों के साथ 'A' ग्रेड प्राप्त हुआ।
2. दिनांक-16.04.2012 से 3 मई, 2012 तक संस्थान मुख्यालय के समय-सारिणी अनुसार वार्षिक परीक्षा सकुशल सम्पन्न हुई। इसी माह में दिनांक 29.04. 2012 को संस्थान मुख्यालय के निर्देश पर अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण हेतु लिखित एवं मौखिक परीक्षा सम्पन्न हुई।
3. जून माह 2012 परिसर के लिए अत्यन्त सुखद रहा परिसर के सहायकाचार्य (व्याकरण) डॉ. ब्रजभूषण ओझा को राष्ट्रपति महामहिम श्रीमती प्रतिभा देवी पाटिल जी करकमलों द्वारा बादरायण पुरस्कार से सम्सम किया गया।
4. 3 जुलाई, 2012 को परिसर में महर्षि वेदव्यास जयन्ती समारोह का आयोजन किया गया।
5. दिनांक 01.08.2012 से 03.08.2012 तक परिसर में संस्कृत दिवस समारोह का भव्य आयोजन हुआ। इस अवसर पर संस्कृत के वयोवृद्ध विद्वानों का उद्‌बोधन हुआ और स्थानीय विद्यालयों एवं परिसर के छात्रों के मध्य विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी छात्रों को भी सम्सम किया गया।
6. दिनांक-05.09.2012 को अपराह्न में शिक्षक दिवस विषयक गोष्ठी सम्पन्न हुई।
7. दिनांक-06.09.2012 से 14.09.2012 तक शिक्षाशास्त्री कक्षा के छात्रों को प्राथमिक उपचार विषयक ट्रेनिंग दी गयी।
8. परिसर में दिनांक-14.09.2012 को हिन्दी दिवस समारोह सम्पन्न हुआ। इसी माह के 20.09.2012

को पण्डित गोपीनाथ स्मृति व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. मार्क डिस्कोत्स्की एवं प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी माननीय कुलपति सभाध्यक्ष के रूप में उपस्थित हुए।

9. दिनांक–04.10.2012 से 11.10.2012 तक शिक्षाशास्त्री कक्षा के छात्रों को हरिद्वार में स्काउट गाइड की ट्रेनिंग दी गयी। साथ ही दिनांक–29.10.2012 को परिसर में महर्षि वाल्मीकि जयन्ती मनायी गयी।

10. भोपाल में आयोजित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के पंचम युव समारोह अक्टूबर, 2012 में परिसर के कई छात्रों को स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक प्राप्त हुए। इसी माह में शिक्षाशास्त्री कक्षा के छात्रों का शिक्षणाभ्यास कार्य आरम्भ हुआ।

11. दिसम्बर 22–23 को लखनऊ परिसर में संस्थान के अन्तर्गत आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों के खिलाड़ियों की चयन प्रतियोगिता सम्पन्न हुई।

12. दिनांक–19 एवं 20 जनवरी, 2013 को उत्तर प्रदेशीय राज्य स्तरीय संस्कृत वाक्स्पर्धा सम्पन्न हुई।

13. 5 से 7 फरवरी, 2013 तक संस्थान मुख्यालय में आयोजित कौमुदी महोत्सव में परिसर के छात्र–छात्राओं द्वारा 'मृच्छकटिकम्' संस्कृत नाटक का सफलतापूर्वक मंचन किया गया।

14. श्री अनन्त कुमार सिंह, संयुक्त सचिव (भाषा), भारत सरकार, ने दिनांक 11.02.2013 को परिसर में राजभाषा कार्यों का निरीक्षण किया एवं परिसरीय कार्यों से सन्तुष्ट हुए।

15. शिक्षाशास्त्री कक्षा के छात्रों की प्रायोगिक वार्षिक परीक्षा दिनांक–16.02.2013 से 20.02.2013 से प्रारम्भ हुई।

16. उज्जैन में आयोजित राष्ट्रिय पुस्तक मेला में परिसर के कई वरिष्ठ शैक्षणिक अधिकारियों की टीम सम्मिलित हुई।

17. दिनांक– 01.03.2013 को लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. उमेशचन्द्र विष्ट का व्याख्यान सम्पन्न हुआ।

18. परिसर के बौद्ध दर्शन विभाग द्वारा दिनांक – 06.03.2013 से 19.03.2013 तक पालि–संस्कृतच्छाया संशोधन– सम्पादन कार्यशाला सम्पन्न हुई, जिसमें भारत के कई मूर्धन्य विद्वान् उपस्थित हुए।

19. दिनांक– 20.03.2013 से 22.03.2013 तक पालि– प्राकृत साहित्य में आधुनिक ज्ञान–विज्ञान विषयक त्रि–दिवसीय अखिल भारतीय पालि–प्राकृत सम्मेलन सम्पन्न हुआ। साथ ही, भारतरत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति व्याख्यान भी सम्पन्न हुआ। समारोह का उद्घाटन स्थानीय सिटी मॉन्टेसरी स्कूल के सभागार में सम्पन्न हुआ, जिसमें प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली समिम्मलित हुए और प्रो. सम्दोङ रिन्पोछे महोदय का व्याख्यान हुआ।

परिसर के प्राध्यापक कई शैक्षणिक संस्थाओं द्वारा आयोजित ओरियण्टेशन कोर्स, रिफ्रेसर कोर्स आदि में सम्मिलित हुए, साथ ही परिसर के शैक्षणिक अधिकारी पूरे वर्षभर विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं क्रीडा सम्बन्धी कार्यों में सक्रिय रहकर छात्रों का मार्गदर्शन करते रहे। इस प्रकार, यह सत्र अत्यन्त उन्नयन के साथ सम्पन्न हुआ।

सूचना का अधिकार अधिनियम – 2005

प्रार्थना पत्र – 04

उत्तर प्रेषित – 04

6.7 श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी (कर्णाटक)

परिसर-परिचय

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने 13 जनवरी 1992 को शृंगेरी में अपने एक अंगीभूत इकाई के रूप में राजीव गांधी-केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना की। उस समय भारत सरकार में मानव संसाधन विकास मंत्री श्री अर्जुन सिंह थे। तत्कालीन राष्ट्रपति महामहिम श्री आर वेंकटरमण ने 5 मार्च 1992 के पवित्र दिन इस परिसर का उद्घाटन किया। इस परिसर को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, वर्तमान में राजीव गांधी परिसर का नाम दिया गया है। यह परिसर कर्णाटक प्रदेश के चिकमगलूर जिले में प्रादेशिक सरकार द्वारा प्रदत्त 10.2 एकड़ जमीन में स्थापित है। यह परिसर मैंगलोर से 120 कि.मी., बैंगलूर से 380 कि.मी., उडिपी से 90 कि.मी. तथा शिमोगा से 105 कि.मी. की दूरी पर है। यह शिमोगा-बैंगलूरू ट्रेन रूट पर स्थित है। इस परिसर के भवन का निर्माण केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के द्वारा 1.63 करोड़ की लागत से करवाया गया। द्वितीय चरण में लड़कों और लड़कियों के छात्रावास और शिक्षक वर्ग की न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्त्ति हेतु आवासीय परिसर 4.17 करोड़ की लागत से बनवाए गए।

परिसर में निम्नलिखित पाठ्यक्रम पढ़ाए जाते हैं-नव्य व्याकरण, अद्वैत-वेदान्त, मीमांसा, नव्यन्याय और फलित ज्योतिष (आचार्य और शास्त्री स्तर पर)। यहाँ पर शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) और प्राक्-शास्त्री (इन्टर-मीडिएट) कक्षाओं का भी प्रबन्ध है। जो विद्यार्थी शोधकार्य सफलता पूर्वक पूरा कर लेते हैं, उन शोध-छात्रों को विद्यावारिधि की उपाधि भी प्रदान की जाती है। आधुनिक विषयों के साथ इस परिसर में संगणक भी सिखाया जाता है।

2012-2013 वर्ष में इस परिसर द्वारा सञ्चालित विविध पाठ्यक्रमों में 413 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया। इस परिसर के छात्रों को दोनों समय का भोजन प्रदान करने के लिए महात्मा जगद्गुरू श्री श्रीभारती तीर्थ महास्वामी जी और शृंगेरी के श्री शारदापीठ के प्रमुख प्रशासक धन्यवाद के पात्र हैं।

2012-2013 वर्ष में प्रविष्ट छात्र

क्र.सं.	कक्षा	विद्यार्थी संख्या
1.	प्राक्शास्त्री I	35
2.	प्राक्शास्त्री II	38
3.	शास्त्री I	61
4.	शास्त्री II	59
5.	शास्त्री III	32
6.	आचार्य I	41
7.	आचार्य II	31
8.	शिक्षा-शास्त्री	98
9.	विद्यावारिधि	18
	कुलयोग	**413**

क्रियाकलाप/कार्याशालाओं सहित पूर्ण विवरण

1. स्पर्धिष्णुपरिषद्-

इस परिषद् में छात्रों को स्पर्धा में भाग लेने के लिये प्रशिक्षण देने के बाद भेजने के व्यवस्था करते है। इसके संयोजक डॉ. कृष्णानन्तपद्मनाभ और श्री वेंकटाचार्य हैं।

2. वाक्यार्थपरिषद्-

छात्रों को वाक्यार्थ में उत्तेजन होने के लिये और प्रेरणा देने के लिये इसका आयोजन करते है। अध्यापकों इसका वाक्यार्थ करके छात्रों को प्रशिक्षण देते है। इसका संयोजक डॉ. ईश्वर भट्ट और डॉ. चन्द्रकान्त भट्ट हैं।

3. शारदाविशिष्ट व्याख्यानमाला-

छात्रों के ज्ञान संपादन के लिये इसका आयोजन करते है। इसका संयोजक डॉ. सी.एस्.एस्. नरसिंहमूर्ति और डॉ. गणेश इश्वर भट्ट। इसमें सात (7) अतिथि विद्वानों ने भाग लिया।

समारोह

1. संस्कृतोत्सव-

दिनांक 02.08.2012 में इस कार्यक्रम का उडुपी महापाठशाला के प्राचार्य सुरेश आचार्य ने उद्घाटन किया। परिसर प्राचार्य (डॉ. एस्.राधा) के अध्यक्षत्व में दो दिन का उत्सव मनाया गया है।

2. स्वतन्त्रतादिवस-

दिनांक 15.08.2012 में राष्ट्रध्वजारोहण कार्यक्रम परिसर प्राचार्य ने किया।

3. शिक्षक दिवसाचरण-

दिनांक 05.09.2012 में बसरीकट्टे सद्गुरु प्रौढशाला शिक्षक श्री. रामेगौड महोदय और कोप्प पदवीपूर्व विद्यालय का उपन्यासक श्री. नागराज भट्ट महोदय का सम्मान किया गया।

4. हिन्दी दिवसाचारण-

दिनांक 14.09.2012 में हिन्दी दिवस में प्रो. हर्विन्दरसिंह महोदय, हैदराबाद को मुख्य अतिथि रूप में बुलाया गया। हिन्दी भाषा के बारह छात्रों को उपन्यास दिया गया।

5. दृश्यसंगोष्ठी

दिनांक 10.09.2012 मुक्तस्वध्यायपीठ में आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी ने छात्रों को दृश्यसंगोष्ठी का कार्यक्रम दिखाया। इस कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो. ए. पि. सच्चिदानन्द, संयोजक डॉ. चन्द्र कान्त थे।

6. राष्ट्रिय संस्कृत संगोष्ठी-

परिसर में इस वर्ष जनवरी मास में राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। 'विविधप्रस्थानानुसारं काव्या-स्वादः'। शृंगेरी तथा उसके आस-पास के क्षेत्रों के अनेक संस्कृत विद्वानों ने भागग्रहण किया। इसके अलावा 'कालिदास वाङ्मये शतावधानम्' कार्यक्रम भी हुआ। इसके संयोजक डॉ. राघवेन्द्रभट्ट थे।

6.8 वेद व्यास परिसर, बलाहार (हिमाचल प्रदेश)

परिसर-परिचय

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जो भारत सरकार मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के अधीन संचालित एक स्वायत संस्था है उसका एक परिसर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ नाम से 16.09.1997 को हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के गरली ग्राम में भारत की स्वर्णिम जयन्ती के अवसर पर स्थापित हुआ। वर्तमान में यह परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान समविश्व-विद्यालय वेदव्यास परिसर के नाम से नामित है जो कि बलाहर में 13.26 करोड़ रुपये की लागत से अपने नव निर्मित भवन में 28.01.2012 से संचालित है।

वेदव्यास परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के स्वप्न एवं लक्ष्य को वास्तविकता में परिणत करने में सतत प्रगतिशील है। परिसर के लक्ष्य एवं उद्देश्य संस्कृत भाषा एवं उसके विविध शास्त्रीय परम्परा का परिरक्षण करना है। परिसर व्याकरण, ज्योतिष, साहित्य एवं वेदान्त दर्शन विषयों में प्राक्शास्त्री, शास्त्री एवं आचार्य पाठ्यक्रमों को संचालित कर रहा है। उपर्युक्त विषयों पर विद्यावारिधि (पी.एच.डी.) उपाधि के लिए शोध कार्यक्रम भी परिसर के द्वारा संचालित हैं। इसके अलावा संगणक विज्ञान, पर्यावरण, हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास एवं अर्थशास्त्र आदि आधुनिक विषयों को भी स्नातक स्तर पर पढ़ाया जाता है। यह उल्लेखनीय है कि एक ग्रामीण क्षेत्र में संचालित होने से परिसर के विकास एवं संस्कृत भाषा के प्रचार हेतु अधिक सम्भावना है। हिमाचल प्रदेश के लोग अत्यन्त नम्र और धार्मिक परम्पराओं एवं संस्कृति में विश्वास रखते हैं। यह परिसर समीपस्थ जन समुदायों को संस्कृत से जोड़ने के लिए प्रयासरत हैं। इस दिशा में परिसर के अन्तेवासियों का योगदान उल्लेखनीय है।

परिसर की स्थिति

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, समविश्वविद्यालय, वेदव्यास परिसर हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में देहरा के पास बलाहर नामक एक लघु ग्राम में व्यास नदी के तट में अवस्थित है। इस परिसर के आस-पास के क्षेत्रों में प्रसिद्ध देवी-देवाताओं के मन्दिर चिन्तपूर्णी, ज्वालाजी एवं कालेश्वर महादेव अवस्थित हैं।

उपलब्ध पाठ्यक्रम

नियमित पाठ्यक्रम :-

परिसर में निम्नलिखित नियमित पाठ्यक्रम परिचालित हैं-

क्र.सं.	कक्षा का नाम	अवधि	समकक्ष	विषय (शास्त्रीय)	विषय (आधुनिक)
1.	प्राक्शास्त्री	2 वर्ष	बारहवीं	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, दर्शन	हिन्दी, अंग्रेजी, संगणक विज्ञान, इतिहास, अर्थशास्त्र, शारीरिक शिक्षा
2.	शास्त्री	3 वर्ष	बी.ए.	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, वेदान्त	हिन्दी, अंग्रेजी, संगणक विज्ञान, इतिहास, अर्थशास्त्र, शारीरिक शिक्षा, पर्यावरण
3.	आचार्य	2 वर्ष	एम.ए.	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, वेदान्त	
4.	विद्यावारिधि	2 वर्ष	पीएच.डी	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, वेदान्त	
5.	शिक्षा-शास्त्री	1 वर्ष	बी.एड.		प्रस्तावित

पत्राचार पाठ्यक्रम :-

परिसर में मुक्तस्वाध्यायपीठ के स्वाध्याय केन्द्र द्वारा निम्नलिखित पाठ्यक्रम पत्राचार माध्यम से संचालित है।

क्र.सं.	कक्षा का नाम	अवधि	विषय (शास्त्रीय)	विषय (आधुनिक)
1.	प्राक्शास्त्री	2 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण	इतिहास, राजनीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र
2.	शास्त्री	3 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण	इतिहास, राजनीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र
3.	आचार्य	2 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण	
4.	प्राक्शास्त्री सेतु (संस्कृतावतरणी)	6 माह	सामान्य संस्कृत	
5.	शास्त्री सेतु (संस्कृतावगाहनी)	1 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण	
6.	आचार्य सेतु (शास्त्रावगाहनी)	1 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण	

अनौपचारिक पाठ्यक्रम :-

उपर्युक्त नियमित एवं पत्राचार पाठ्यक्रम के अलावा परिसर में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र के माध्यम से सरल संस्कृत सम्भाषण के दो कार्यक्रम संचालित हैं। 1. प्रथम दीक्षा, 2. द्वितीया दीक्षा।

अन्य क्रियाकलाप

1. **हिन्दी दिवस समारोह :-** परिसर में दिनांक 14.09.2012 को हिन्दी दिवस समारोह आयोजित किया गया।
2. **स्थापना दिवस समारोह :-** परिसर में 22.09.2012 को स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया।
3. **अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण :-** परिसर में दिनांक 28.10.2012 को अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया।
4. **राज्यस्तरीय चयन प्रतियोगिता :-** परिसर के द्वारा दिनांक 22-23 नवम्बर, 2012 को राज्यस्तरीय चयन प्रतियोगिता आयोजित की गई।
5. **युवामहोत्सव में प्रतिभागिता :-** परिसर के 50 छात्र-छात्राओं ने संस्थान के भोपाल परिसर में आयोजित अखिल भारतीय युवामहोत्सव में प्रतिभागिता की और पुरस्कृत हुए।
6. **त्रिदिवसीय राष्ट्रिय अद्वैतवेदान्त संगोष्ठी :-** परिसर द्वारा दिनांक 24.12.2012 से 26.12.2012 तक त्रिदिवसीय राष्ट्रिय अद्वैतवेदान्त संगोष्ठी आयोजित की गई।
7. **महिला संस्कृत अध्ययन केन्द्र कार्यक्रम :-** महिला संस्कृत अध्ययन केन्द्र के द्वारा मसलाना गांव में दिनांक 14.01.2013 को तथा मसोट ग्राम में दिनांक 28.01.2013 को महिलाओं का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया।
8. **विद्यावारिधि कार्यशाला :-** परिसर में शोध छात्रों हेतु दिनांक 22.02.2013 से 24.02.2013 तक विद्यावारिधि शोध छात्रों हेतु कार्यशाला आयोजित की गई।
9. **कौमुदी महोत्सव में प्रतिभागिता :-** परिसर के

छात्र–छात्राओं ने नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रिय नाट्यप्रतियोगिता कौमुदीमहोत्सव में मृच्छकटिकम् नाटक प्रस्तुत किया।

10. **विस्तार व्याख्यान माला :**– परिसर में दिनांक 15.02.2013 को साहित्य विभाग में प्रो. शंकर झा ने विशिष्ट व्याख्यान दिया।

11. **वार्षिकोत्सव :**– परिसर में दिनांक 28.02.2013 को वार्षिकोत्सव आयोजित किया गया। इस अवसर पर शिमला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ए. डी. एन. वाजपेयी ने छात्रों को पुरस्कार वितरित किए।

12. **अखिल भारतीय शास्त्रीय प्रतियोगिता एवं पञ्चम नाट्योत्सव :**– परिसर द्वारा दिनांक 02.03.2013 से 04.03.2013 तक अखिल भारतीय शास्त्रीय प्रतियोगिता एवं पंचम नाट्योत्सव आयोजित किया गया।

13. **पुनश्चर्या / अभिविन्यास पाठ्यक्रम / कार्यशाला:**– परिसर के निम्न संकाय सदस्यों द्वारा पुनश्चर्या अभिविन्यास पाठ्यक्रम में सफलतापूर्वक प्रतिभागिता की। मार्च, 2013 में डॉ. गणेश शंकर विद्यार्थी एवं डॉ. अशोक कुमार कछवाह ने भोपाल में आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।

सूचना का अधिकार अधिनियम - 2005

प्रार्थना पत्र - 08

उत्तर प्रेषित - 08

6.9 भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश)

परिसर-परिचय

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के भोपाल परिसर की स्थापना वर्ष 2002 में मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में हुई थी। मध्यप्रदेश के तत्कालीन महामहिम राज्यपाल भाई महावीर जी ने 16 सितम्बर, 2002 को इसका औपचारिक शुभारम्भ किया था। इस परिसर के विकास हेतु मध्यप्रदेश शासन ने बागसेवनिया में 10 एकड़ भूमि निःशुल्क प्रदान की है, जिस पर शैक्षिक, प्रशासनिक, पुस्तकालय एवं प्रेक्षागार निर्माण हेतु तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्री माननीय श्री अर्जुन सिंह जी ने 19 सितम्बर, 2005 को शिलान्यास किया था। अब वह भवन निर्मित हो चुका है, अतः मई, 2010 से परिसर की सभी शैक्षिक गतिविधियाँ इस नवनिर्मित अपने भवन में प्रारंभ हो गई हैं। किन्तु छात्रों/छात्राओं के आवास की व्यवस्था अभी किराये से प्राप्त भवनों में की गई है। अपने परिसर में द्वितीय चरण के अन्तर्गत पुरूष छात्रावास, कन्या छात्रावास, अतिथि गृह एवं आवासीय गृह निर्माण हेतु स्वीकृति प्राप्त हो गयी है तथा निर्माण कार्य की प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी है।

पाठ्यक्रम

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के भोपाल परिसर में पाठ्यक्रम के अन्तर्गत शिक्षण, प्रशिक्षण एवं शोध विभाग संचालित है। शिक्षण विभाग में प्राक्शास्त्री (10+2), शास्त्री (बी.ए.) एवं आचार्य (एम.ए.) की कक्षाओं का अध्यापन होता है। जिनमें साहित्यशास्त्र, व्याकरणशास्त्र एवं ज्योतिषशास्त्र के साथ हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीतिशास्त्र, कम्प्यूटर विज्ञान एवं पर्यावरण की शिक्षा दी जाती है। प्रशिक्षण विभाग में शिक्षाशास्त्र (बी.एड.) का पाठ्यक्रम संचालित है तथा शिक्षाचार्य (एम.एड.) पाठ्यक्रम प्रस्तावित है। शोध विभाग में साहित्यशास्त्र, व्याकरणशास्त्र, शिक्षाशास्त्र एवं संस्कृत विद्या की अन्य धाराओं में विद्यावारिधि (पीएच.डी.) उपाधि हेतु शोध-छात्र अनुसंधान करते हैं।

पाठ्य सहगामी प्रवृत्तियाँ

संविद्-विकास-परिषद्- विद्यार्थियों की वाक्क्षमता, शास्त्रीय पाण्डित्य एवं प्रतिपादन सामर्थ्य के विकास के लिए परिसर में प्रति शुक्रवार संविद् विकास परिषद् का आयोजन होता है, जिसमें विद्यार्थी साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष, शिक्षाशास्त्र एवं अन्य संबधित प्राच्यविद्याओं के अधीत गहन सिद्धांतों की चर्चा एवं व्याख्या करते हैं।

शास्त्रमीमांसा समिति- शास्त्र चर्चा के माध्यम से प्राध्यापकों में शास्त्रीय तेजस्विता के विकास के लिये शास्त्रमीमांसा समिति का संघटन किया गया है। शिक्षकों के संकल्पानुसार प्रतिमास आरम्भिक शुक्रवार को शास्त्रमीमांसा समिति का आयोजन किया जाता है, जिसमें पूर्व निर्धारित विषय पर प्राध्यापकों द्वारा शास्त्रचर्चा प्रस्तुत की जाती है। सत्रान्त में शास्त्रमीमांसा पत्रिका में शोध-पत्रों का प्रकाशन किया जाता है।

शास्त्रार्थ प्रशिक्षण- परिसर में विभिन्न शास्त्रों के मार्मिक एवं दुरूह पक्षों के परिष्कार हेतु विद्यार्थियों को शास्त्रार्थ का प्रशिक्षण दिया जाता है, जिसमें किसी शास्त्र के विशिष्ट सिद्धांत पर पूर्वपक्ष एवं उत्तरपक्ष के साथ शास्त्रसम्मत एवं प्रामाणिक तर्क उपस्थापित होते हैं। उसके अन्त में सैद्धांतिक निष्कर्ष तक पहुंचा जाता है।

शलाका एवं कंठपाठ- अध्येताओं की स्मृति, मेधा एवं अवबोधन शक्ति के परीक्षण हेतु विभिन्न शास्त्रों एवं काव्यों पर आधारित शलाका एवं कंठपाठ का अभ्यास कराया जाता है। शलाका परीक्षा में स्मृति, मेधा एवं अवबोधन तीनों का परीक्षण होता है। जबकि कंठपाठ में केवल स्मृति का ही परीक्षण होता है।

विस्तार व्याख्यानमाला- परिसर में शिक्षासत्र के मध्य विभिन्न शास्त्रों में विस्तार व्याख्यानमाला का आयोजन होता है, जिसमें विभिन्न शास्त्रों के विशिष्ट एवं पारंगत विद्वानों का व्याख्यान होता है, इससे विद्यार्थियों को अपने अधीत शास्त्रों के विस्तार हेतु मार्गदर्शन प्राप्त होता है।

स्मृति व्याख्यानमाला- डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् की स्मृति में उनके जन्म दिवस के अवसर पर 5 सितम्बर को

डॉ. राधाकृष्णन् स्मृति व्याख्यानमाला का आयोजन प्रतिवर्ष होता है।

प्रादेशिक वाक्स्पर्धा- भोपाल परिसर में अधिराज्यीय वाक्स्पर्धा का आयोजन किया जाता है, जिसमें मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ राज्यों के पारम्परिक संस्कृत विद्यार्थियों की निर्धारित आठ शास्त्रों में प्रतियोगिताएँ आयोजित होती हैं। उनमें प्रतिशास्त्र एवं प्रतिराज्य विजेता छात्रों का राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय के द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा के लिए चयन किया जाता है। इस कार्यक्रम में शास्त्रीय शलाका, काव्य शलाका, कंठपाठ एवं श्लोकान्त्याक्षरी की प्रतियोगितायें भी आयोजित होती है।

अखिलभारतीय वाक्स्पर्धा- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय के द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा में भाग लेने के लिये प्रादेशिक वाक्स्पर्धा मे चुने हुए विद्यार्थियों को भोपाल परिसर में शास्त्रीय भाषण, शास्त्रीय शलाका, काव्य शलाका, कंठपाठ एवं श्लोकान्त्याक्षरी का विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है।

क्रीडा एवं योगासन- परिसर में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं के शारीरिक एवं आध्यात्मिक विकास हेतु विभिन्न शारीरिक क्रियाओं, योग एवं क्रीडा का प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रतिवर्ष विजेता छात्रो का अखिल भारतीय युवा महोत्सव हेतु चयन किया जाता है और उन्हें पुरस्कृत किया जाता है।

अखिल भारतीय युवमहोत्सव- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय के द्वारा प्रतिवर्ष अखिल भारतीय युवमहोत्सव का आयोजन किया जाता है, जिसमें परिसरीय प्रतिभावान् युवा विद्यार्थियों को क्रीडा, योग, चित्रांकन, अभिनय, नृत्य, संगीत एवं श्लोक गान आदि विविध पाठ्यसहगामी प्रवृत्तियों के विकास हेतु प्रोत्साहन एवं प्रशिक्षण दिया जाता है।

नाट्याभिनय एवं कलाएँ- परिसर में विद्यार्थियों को पारम्परिक नाट्य शास्त्रीय अभिनय कला का प्रशिक्षण दिया जाता है और ग्रीष्मावकाश में संस्थान के सहयोग से अन्य संस्थाओं में आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रशिक्षण हेतु प्रेषित किया जाता है। प्रशिक्षित विद्यार्थियों के द्वारा संस्कृत नाटकों का रूपायन किया जाता है एवं उन्हें कौमुदी महोत्सव और युवमहोत्सव के अन्तर्गत आयोजित नाट्य प्रतियोगिताओं में प्रस्तुत किया जाता है।

अन्य शैक्षिक गतिविधियाँ

दूरस्थ शिक्षा- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय में मुक्तस्वाध्यायपीठम् स्थापित है, जिसके अंतर्गत परिसर में दूरस्थ शिक्षण केन्द्र संचालित है। यह केन्द्र पंजीकृत स्वाध्यायी अध्येताओं को पाठ्यसामग्री भेजता है और आवश्यकतानुसार अवकाश के दिनों में स्वाध्यायी छात्रों के लिए कक्षाओं का आयोजन भी करता है। इस प्रकार परिसर से दूर अपने गृहनगर में रहने वाले पंजीकृत स्वाध्यायी छात्र भी इस केन्द्र के माध्यम से अध्ययन करके प्राक्शास्त्री, शास्त्री और आचार्य पाठ्यक्रमों की परीक्षा दे सकते हैं तथा उत्तीर्ण होने पर पाठ्यक्रमों का प्रमाणपत्र/उपाधि प्राप्त कर सकते हैं।

नाट्यशास्त्र अनुसन्धान केन्द्र - पारम्परिक एवं सम-कालीन भारतीय रंगकर्म पर अनुसंधान एवं प्रयोग, संस्कृत रंगमंच की प्रायोगिक दिशाओं का अन्वेषण और नाट्यशास्त्रीय अनुसन्धान एवं प्रयोग में कार्यरत देश-विदेश की संस्थाओं से सक्रिय संबंध करने की दृष्टि से राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, भोपाल परिसर में नाट्य शास्त्र अनुसन्धान केन्द्र स्थापित हुआ है। उसके अन्तर्गत नाट्यशास्त्रीय ग्रन्थ का प्रकाशन, नाट्यशास्त्रीय प्रशिक्षण, कार्यशाला, संस्कृतगानमण्डल एवं संस्कृत रंगमण्डल का गठन करके प्रयोग-कार्य प्रचलित हैं।

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण- संस्कृत भाषा, संस्कृत के काव्य एवं संस्कृत शास्त्रों को शिक्षक के बिना स्वयं पढ़ने की क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से संस्थान ने संस्कृत स्वाध्याय पाठ्यक्रम का विकास किया है। इसमें पांच सत्र/दीक्षा हैं। प्रत्येक सत्र/दीक्षा में छह-छह मास अध्ययन करना होगा। निःशुक्ल कक्षा आयोजन की सूचना समय-समय पर समाचार पत्रों के माध्यम से दी जाती है।

भारतीय ज्योतिष परिचय पाठ्यक्रम- भारतीय फलित ज्योतिष में रूचि रखने वाले साधारण शिक्षितों के लिए भारतीय ज्योतिष परिचय का त्रैमासिक पाठ्यक्रम परिसर के द्वारा संचालित है, इस पाठ्यक्रम में अध्ययन करके किसी भी उम्र का कोई भी व्यक्ति फलित ज्योतिष के सामान्य सिद्धान्तों का परिचय प्राप्त कर सकता है। इसकी कक्षायें सायंकालीन होती हैं, जिसमें रूपये 1000/- मात्र पंजीकरण शुक्ल देय है। समाचार पत्रों के माध्यम से इस पाठ्यक्रम में प्रवेश की सूचना प्रसारित की जाती है।

संस्कृत अन्तर्जाल परियोजना- परिसर में संस्कृत के प्राचीन शास्त्रों को अन्तर्जाल में संस्थापित करने हेतु संस्कृत अन्तर्जालपरियोजना प्रचलित है। विभिन्न संस्कृत ग्रंथों को टंकित करके अन्तर्जाल में स्थापित करना इस परियोजना का मुख्य कार्य है। इस योजना के अन्तर्गत परिसर के द्वारा साहित्य दर्पण और अलंकार सर्वस्वम् ग्रंथ की स्थापना

अन्तर्जाल में हो चुकी है। इसी प्रकार संस्कृतविद्वत्परिचायिका (who is who) नाम से संस्कृत विद्वानों की एक पंजिका विश्व संस्कृत सम्मेलन के अवसर पर जनवरी, 2012 में प्रकाशित हो चुकी है और उसे अन्तर्जाल में स्थापित किया गया है।

शब्दकोश-परियोजना- बोली एवं उपबोली शब्दकोश परियोजना के अन्तर्गत परिसर में अभी बुन्देली एवं मालवी बोली संस्कृत शब्दकोश का निर्माण चल रहा है, जिसका यथाशीघ्र प्रकाशन होगा।

संगोष्ठी एवं कार्यशाला- परिसर में विभिन्न शास्त्रों पर राष्ट्रिय एवं क्षेत्रीय शोध संगोष्ठी एवं कार्यशालाओं का सफल आयोजन किया गया है। शास्त्रीय ज्ञान का आदान-प्रदान, शोध तथा वैदुष्य का विकास करना संगोष्ठी एवं कार्यशालाओं का मुख्य उद्देश्य होता है।

प्रशिक्षण- अनौपचारिक संस्कृत भाषा विकास के शिक्षकों का उनके शिक्षण कौशल तथा पाण्डित्य में विकास हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी आयोजन होता है। संस्कृत भाषा एवं शास्त्रों के प्रति रूचि उत्पन्न कराना तथा उस दिशा में प्रावीण्य प्राप्त कराना प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य होता है।

पुस्तक विक्रय केन्द्र- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा प्रकाशित संस्कृत विषय की पाठ्यपुस्तकें एवं अन्य महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ सर्वसाधारण जन को उचित मूल्य पर उपलब्ध कराने के लिए परिसर में विक्रम केन्द्र का संचालन होता है।

विशिष्ट गतिविधियाँ 2012-2013

संस्कृत सप्ताह समारोह

01-03 अगस्त, 2012 भाषण कण्ठपाठ, श्लोकान्त्याक्षरी सूत्रान्त्याक्षरी, प्रश्नमंच आदि अनेक प्रतियोगिता का - आयोजन वत्सराज प्रणीत कर्पूरचरितम् भाण की रंग प्रस्तुति। डॉ. मनमोहन उपाध्याय, अध्यक्ष महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान, भोपाल, श्री जयप्रकाश गौतम, संघटन मंत्री, संस्कृतभारती मध्यभारत का विशिष्ट सम्मान।

श्रीराधाकृष्णस्मृतिव्याख्यान माला

5 सितम्बर, 2012

मुख्यवक्ता - प्रो. श्रीनिवास रथ, उज्जैन।

विषय - बाणभट्टस्य अतिद्वयी कथा।

अध्यक्ष - प्रो. मोहनलाल छिपा, कुलपति, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय भोपाल

राष्ट्रिय संगोष्ठीयाँ

1. 05-07 सितम्बर, 2012

विषय - संस्कृतशिक्षा-अनुसंधान-सर्वेक्षणम्

निदेशक - प्रो. आजद मिश्र, प्राचार्य

अध्यक्ष - प्रो. प. ना. शास्त्री

संयोजक - डॉ. नीलाभ तिवारी

इस संगोष्ठी में 30 से अधिक देश के सारस्वत विद्वान् एवं स्थानीय प्रतिभागियों ने अपने-अपने शोध-पत्र प्रस्तुत किये।

2. 21-23 मार्च, 2013

विषय - शिक्षायां भारतीय चिन्तकानां योगदानम्

निदेशक - प्रो. आजाद मिश्र, प्राचार्य

अध्यक्ष - प्रो. प. ना. शास्त्री

संयोजक - डॉ. वेदनारायण चौधरी

इस संगोष्ठी में 100 से अधिक देश के सारस्वत विद्वान् एवं स्थानीय प्रतिभागियों ने अपने-अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये।

अधिराज्यीय शास्त्रीय-स्पर्धा समागम

11-12 अक्टूबर, 2012

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ राज्य के प्रतिभागी छात्रों में 08 विषयों की प्रतियोगिता का आयोजन।

विषय विशेषज्ञ, निर्णायक, अतिथि—आचार्य रामकिशोर त्रिपाठी, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी, प्रो. रमाशंकर मिश्र, लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ, प्रो. अर्कनाथ चौधरी, रा.सं.सं. जयपुर परिसर।

निर्देशक - प्रो. आजाद मिश्र, प्राचार्य, रा.सं.सं., भोपाल परिसर

अध्यक्ष - प्रो. वासुदेव शर्मा, ज्योतिषविभागाध्यक्ष, भोपाल परिसर।

संयोजक - डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव, साहित्य विभाग भोपाल परिसर।

इस स्पर्धा में चयनित प्रतिभागियों ने वेदव्यास परिसर में

आयोजित अखिलभारतीय शास्त्रीय स्पर्धा में भाग ग्रहण किया।

अन्त:परिसरीय युवमहोत्सव

30 अक्टूबर – 2 नवम्बर 2012

इस सत्र में अन्त:परिसरीय युवमहोत्सव का आयोजन भोपाल परिसर में ही हुआ है।

उद्घाटन समारोह–

मुख्यातिथि – महामहिम श्री रामनरेश यादव, राज्यपाल मध्यप्रदेश

विशिष्टातिथि – माननीय श्री अजय सिंह राहुलभैया, प्रतिपक्षनेता, मध्यप्रदेश विधान सभा

अध्यक्ष – प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति, रा.सं.सं., नई दिल्ली।

सान्निध्य में प्रारम्भ हुआ। इस उत्सव में क्रीडा, शैक्षिक, सांस्कृतिक, चित्र स्पर्धाओं का आयोजन किया गया।

समापन समारोह–

मुख्यातिथि – माननीय डॉ. चरणदास जी महन्त, राज्यमंत्री, कृषि मंत्रालय, भारत शासन

विशिष्टातिथि – श्री सुभाषचन्द्र त्रिपाठी, पूर्व पुलिस महानिदेशक, भोपाल

सारस्वतातिथि – प्रो. निशा दुबे, कुलपति, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में प्रथमवार अन्त:परिसरीय युवमहोत्सव का भव्य समागम हुआ इसमें 700 प्रतिभागियों ने भाग लिया। भोपाल परिसर 11 पदक प्राप्त कर चौथा स्थान में रहा है।

हिन्दी दिवस समारोह

16 सितम्बर, 2012

मुख्यातिथि – प्रो. आशा शुक्ला, अध्यक्ष, महिला अध्ययन केन्द्र, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल

समायोजन – डॉ. अर्चना दुबे, सहायकाचार्य (हिन्दी), अध्यक्ष, आधुनिक विभाग

प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

विस्तारित व्याख्यान

12 अक्टूबर, 2012

विशिष्टवक्ता – प्रो. अर्कनाथ चौधरी, रा.सं.सं., जयपुर परिसर

विषय – पदसामर्थ्य विमर्श:

वसन्त महोत्सव

नाटक – प्रबुद्धरौहिणयेम् (जयदेव कृत)

नाट्यालेख – डॉ. धर्मेन्द्रकुमार सिंहदेव

निदेशक – प्रो. विद्यानन्द झा

संगीत – श्री संजय द्विवेदी

प्रस्तुति – प्रो. आजाद मिश्र, प्राचार्य, रा.सं.सं., भोपाल परिसर

इस नाटक को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। बेस्ट निदेशक प्रो. विद्यानन्द झा, बेस्ट संगीत श्री संजय द्विवेदी को मिला।

संस्कृत साहित्य महोत्सव, उज्जैन

22–24 फरवरी, 2013

उक्त महोत्सव में परिसर के विविध विशेषज्ञ तथा छात्र सम्मिलित हुए हैं। सम्मेलन में आयोजित पुस्तक मेले से पुस्तकालय, नाट्य शास्त्र अनुसंधान केन्द्र एवं दूरस्थ शिक्षाकेन्द्र हेतु पुस्तकों का क्रय किया गया।

शिक्षा दिवस

मौलाना अब्दुल कलाम आजाद के जन्म दिवस उपलक्ष्य में शिक्षा दिवस आयोजित।

निबन्ध स्पर्धा

18 फरवरी, 2013

विषय–भारत-राजनीति में युवाओं की भागीदारी

परियोजना

संस्कृत विद्वत् परिचायिका (Inventory of Sanskrit Scholar)-प्रथम चरण प्रकाशित

उपभाषा कोश

बुन्देली-संस्कृत शब्दकोश (14,000 शब्द संग्रह), मालवी-संस्कृत शब्दकोश (15,000 शब्द संग्रह)

ई-टैक्स्ट्

अलङ्कारसर्वस्वम् प्रस्तुत

परिभाषेन्दुशेखर प्रस्तुत-अभिराजयशोभूषणम् का ई-टैक्स्ट् निर्माण सम्पन्न

संस्कृतशिक्षा अनुसंधानसर्वेक्षण

इस परियोजना के अन्तर्गत भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों में संस्कृत शिक्षा पर आधारित किये गये शोधों का सर्वेक्षण किया जाता है। सन् 1980 से 2012 तक किये गये शोध कार्यों का विवरण टंकित कर प्रकाशन हेतु सामग्री संकलित की जा रही है।

ई-ग्रन्थालय

12,000 ग्रन्थों की प्रविष्टि अन्तर्जाल में उपलब्ध

भारतीय ज्योतिष पाठ्यक्रम शिक्षण

4 फरवरी, 2013 से 3 मई, 2013 तक (सप्तम चक्रम्)

फलित ज्योतिष में 26 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

समन्वयक - प्रो. वासुदेव शर्मा

समन्वयक - फलित ज्योतिष - डॉ. भारतभूषण मिश्र

सहसमन्वयक - डॉ. अशोक कुमार थपलियाल

मुक्तस्वाध्यायकेन्द्र

सत्र 2012-2013 में प्राक्शास्त्रीसेतु, शास्त्रीसेतु, शास्त्री, साहित्याचार्य पाठ्यक्रमों में कुल 44 छात्र अध्ययनरत। इस सत्र में केन्द्र में अध्ययनरत छात्रों के लिए एक पुस्तकालय का प्रावधान किया गया जिसमें साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष कोश आदि 379 ग्रन्थों का क्रय किया गया।

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण

सत्र 2012-2013, 30-शिक्षणार्थी

अध्यापक - श्री दिनेश चौबे,

समन्वयक - डॉ. कैलाशचन्द्र दाश

सारस्वत - प्रो. आजाद मिश्र

प्रकाशन

भोपाल के समय मानदण्ड पर आधारित पंचांग 'भोजराजपंचाङ्गम्' का निर्माण एवं प्रकाशन किया गया। (वि.सं. 2069 सन् 2013-2014 प्रकाशित ISSN 2277-2030)

प्रधान सम्पादक - प्रो. आजाद मिश्र

सम्पादक - प्रो. वासुदेव शर्मा, डॉ. भारत भूषण मिश्र, डॉ. अशोक थपलियाल

6.10 के.जे. सोमैया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)

परिसर-परिचय

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुम्बई परिसर की स्थापना 16 मई, 2002 को तत्कालीन मानव संसाधन विकास मन्त्री, भारत सरकार, डॉ. मुरली मनोहर जोशी द्वारा की गई। परिसर में प्राक्शास्त्री-इण्टर, शास्त्री-बी.ए., आचार्य-एम.ए. एवं पी.एच.डी. (संस्कृत शास्त्रों के) के समकक्ष विद्यावारिधि का शिक्षण साहित्य, व्याकरण एवं ज्योतिष विद्या विशेषों में प्रदान किया जाता है। पारम्परिक विषयों के अतिरिक्त आधुनिक विषय जैसे कि अंग्रेजी, हिन्दी, राजनीति-विज्ञान, कम्प्यूटर-विज्ञान, एवं पर्यावरण-विज्ञान भी संस्थान के पाठ्यक्रम के अनुसार शिक्षक कार्य सम्पन्न होता है। शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम जो एक वर्ष का व्यवसायिक पाठ्यक्रम एवं रोजगार परक पाठ्यक्रम है में प्रशिक्षण संस्कृत हिन्दी एवं अंग्रेजी प्रणाली में 100 विद्यार्थी अध्ययनरत है। यह पाठ्यक्रम शैक्षिक-सत्र 2006-07 से राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (NCTE) की स्वीकृति के पश्चात आरम्भ किया गया था।

समविश्वविद्यालय घोषित होने के उपरान्त राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का नाम पुनः के.जे. सोमैया संस्कृत विद्यापीठम् हुआ। यह मुम्बई परिसर का मुख्य परिसर 405 स्का. मी. में है। भारत सरकार की जनगणना के आधार पर यह परिसर मुम्बई के शहरी क्षेत्र में है। इस विश्वविद्यालय के 18 विभागों में से मुम्बई परिसर में 3 विभाग साहित्य, व्याकरण एवं ज्योतिष तथा व्यवसायिक पाठ्यक्रम शिक्षाशास्त्री है।

परिसर की स्थिति

के.जे. सोमैया संस्कृतविद्यापीठम्, 213, पोलिटेक्निक भवन, विद्याविहार (ई) मुम्बई-400077

संचालित पाठ्यक्रम

इस परिसर में निम्नलिखित पाठ्यक्रम पढाए जाते हैं–

1.	प्राक्शास्त्री (2 वर्षीय)	बारहवीं
2.	शास्त्री (3 वर्षीय)	बी.ए.
3.	आचार्य (2 वर्षीय)	एम्.ए.
4.	शिक्षाशास्त्री (1 वर्षीय)	बी.एड्.
5.	विद्यावारिधि	पी.एच्.डी.

पारम्परिक धारा में व्याकरण, साहित्य और ज्योतिष प्राक्शास्त्री, शास्त्री और आचार्य स्तरों तक पढ़ाई जाती हैं। आधुनिक विषय जैसे राजनीति-विज्ञान, संगणक-विज्ञान, पर्यावरण-विज्ञान एवं आधुनिक भाषाएँ अंग्रेजी और हिन्दी आदि की भी शिक्षा प्रदान की जाती हैं। शिक्षाशास्त्री (बी. एड.) एकवर्षीय कार्यक्रम हैं, जिसमें प्रमुख वैकल्पिक विषय संस्कृत और द्वितीय विकल्प के रूप में हिन्दी और आंग्लभाषा शिक्षण का प्रावधान है। ये पाठ्यक्रम राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् तथा भारत के सभी विश्वविद्यालयों द्वारा मान्यता प्राप्त है।

2012-2013 में विद्यार्थी संख्या निम्नलिखितानुसार थी–

1.	प्राक्शास्त्री	09
2.	शास्त्री	17
3.	आचार्य	27
4.	शिक्षाशास्त्री	57
5.	विद्यावारिधि	02
6.	दूरस्थशिक्षा	49

मुक्त स्वाध्याय केन्द्र में उपलब्ध पाठ्यक्रम

1. प्राक्शास्त्री (द्विवर्षीय) - प्रवेश योग्यता-हायस्कूल/ पूर्वमध्यमा उत्तीर्ण, अनिवार्य विषय-अंग्रेजी, हिन्दी, कम्प्यूटर, राजनीति-विज्ञान, ऐच्छिक विषय-व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष

2. प्राक्शास्त्री सेतु (षाण्मासिक) - प्रवेश योग्यता-10वीं उत्तीर्ण बिना संस्कृत, अनिवार्य विषय-संस्कृत

3. शास्त्री (त्रिवर्षीय) - प्रवेश योग्यता-उत्तरमध्यमा/ संस्कृत के साथ +2 उत्तीर्ण, अनिवार्य विषय-अंग्रेजी, हिन्दी, राजनीति-विज्ञान, ऐच्छिक विषय-व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष

4. शास्त्री सेतु (एकवर्षीय) - प्रवेश योग्यता-12वीं उत्तीर्ण बिना संस्कृत, अनिवार्य विषय-संस्कृत, ऐच्छिक विषय-व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष

5. आचार्य (द्विवर्षीय) - प्रवेश योग्यता-शास्त्री/ बी.ए. संस्कृत के साथ उत्तीर्ण, ऐच्छिक विषय-व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष

6. आचार्य सेतु (एकवर्षीय) - प्रवेश योग्यता-बी.ए. बिना संस्कृत, ऐच्छिक विषय-व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष

सह पाठ्यचर्या गतिविधियाँ/समारोह गोष्ठियाँ आदि का विवरण

शिक्षक दिवस - 5 सितम्बर, 2012 को विद्यापीठ में शिक्षक दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में शिक्षकों का महत्त्व तथा गरिमा पर प्रकाश डाला गया।

हिन्दी पखवाड़ा - मुम्बई परिसर में हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार हेतु दिनांक 14 सितम्बर से 28 सितम्बर, 2012 तक हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया।

युवा महोत्सव - भोपाल परिसर में आयोजित पाँचवे युवा महोत्सव में परिसर छात्रों ने भाग लिया एवं प्रतियोगिताओं में चार स्वर्ण, तीन रजत, दो कांस्य पदक तथा एक विशिष्ट पुरस्कार को प्राप्त किया।

महाराष्ट्र-गोवा राज्यस्तरीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा - मुम्बई परिसर में दिनांक 27 नवम्बर 2012 को महाराष्ट्र-गोवा राज्यस्तरीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा आयोजित की गई, जिसमें प्रो. मल्हार कुलकर्णी, डॉ. ललिता नामजोशी तथा प्रो. वैद्यनाथ झा आदि विद्वान् परीक्षक के रूप में उपस्थित थे।

वाग्वर्धिनी परिषद् - प्रतिवर्ष परिसर में वाग्वर्धिनी परिषद् का गठन किया जाता है, जिसमें छात्रों को शास्त्रीय विषय के सम्यक् परिज्ञान तथा शास्त्र प्रस्तुति कौशल हेतु प्रोत्साहित किया जाता है। इस वर्ष भी वाग्वर्धिनी परिषद् ने अपना कार्यनिर्वाह उत्तम ढंग से किया।

सोमैया महाविद्यालयीय शैकक्षक क्रीडा स्पर्धा - के.जे.सोमैया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में आयोजित संस्कृत भाषणादि विभिन्न प्रतियोगिताओं में परिसर के छात्रों ने बहुत सारे पुरस्कार तथा 'चलवैजयंती' उपाधि जीती।

अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा - दिनांक 2 मार्च से 4 मार्च 2013 तक गरली परिसर में आयोजित अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा महाराष्ट्र राज्य के छात्रों ने दो रजत एवं दो कांस्य पदक प्राप्त किए।

आंतर विश्वविद्यालयीय संस्कृत स्पर्धा - दिनांक 16 मार्च से 18 मार्च 2013 तक आंतर विश्वविद्यालयीय संस्कृत स्पर्धा आयोजित की गई, जिसमें परिसर के छात्रों ने एक स्वर्ण एवं एक रजत पदक प्राप्त किए।

वार्षिक शैक्षिक एवं क्रीडा स्पर्धा - दिनांक 22 मार्च से 25 मार्च 2013 तक वार्षिक शैक्षिक एवं क्रीडा स्पर्धाओं का आयोजन किया गया।

युवा महोत्सव तिरुपति - फरवरी मास में राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति में आयोजित अखिल भारतीय युवा महोत्सव में व्याकरणशास्त्र भाषण स्पर्धा में परिसर की छात्रा मोनिका बोल्ला ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

कौमुदी महोत्सव - दिनांक 5 फरवरी से 7 फरवरी, 2013 तक दिल्ली में आयोजित सर्व परिसरीय कौमुदी महोत्सव में मुम्बई परिसर के छात्रों द्वारा अभिनीत नाटक 'कौमुदी मित्रानन्द' को बहुत सराहा गया।

मुक्त स्वाध्याय केन्द्र - इस वर्ष मुक्त स्वाध्याय केन्द्र, मुम्बई में शैक्षिक-सत्र 2012-2013 में विभिन्न कक्षाओं के पाठ्यक्रमों में 49 छात्रों ने प्रवेश लिया तथा समय-समय पर आयोजित सम्पर्क कक्षाओं में सोत्साह भाग लिया।

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र - अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र, मुम्बई में वर्ष 2012-2013 में प्रथम दीक्षा एवं द्वितीय दीक्षा के पाठ्यक्रम में 50 छात्रों ने प्रवेश लेकर अपना शिक्षण पूर्ण किया।

त्रिदिवसीय व्याकरणशास्त्रीय राष्ट्रिय संगोष्ठी - 20 दिसम्बर से 22 दिसम्बर, 2012 तक त्रिदिवसीय व्याकरणशास्त्रीय राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें भारत के प्रतिष्ठित 36 विद्वानों ने अपने-अपने शोध पत्र एवं शोधविचार प्रस्तुत किए।

राष्ट्रिय ज्योतिष-वास्तुशास्त्र-साहित्यशास्त्र-शिक्षाशास्त्र संगोष्ठी - 22-23 फरवरी, 2013 को द्विदिवसीय राष्ट्रिय ज्योतिष-वास्तुशास्त्र संगोष्ठी, 25-26 फरवरी, 2013 को द्विदिवसीय राष्ट्रिय साहित्यशास्त्र संगोष्ठी तथा 27-28 फरवरी, 2013 को द्विदिवसीय राष्ट्रिय शिक्षाशास्त्र संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

विशिष्ट व्याख्यानमाला - विशिष्ट व्याख्यानमाला के अन्तर्गत ज्योतिषशास्त्र में प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी तथा डॉ. भारतभूषण मिश्र, शिक्षाशास्त्र में प्रो. मुरलीधर शर्मा, प्रो. लक्ष्मीनिवास पाण्डेय तथा साहित्यशास्त्र में प्रो. जी.एस. आर. कृष्णमूर्ति, डॉ. एस. राधा के वैदुष्यपूर्ण व्याख्यान संपन्न हुए।

संस्कृत विज्ञान संग्रहालय - दिनांक 2 फरवरी, 2013 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कुलपति प्रो. राधावल्लभ

त्रिपाठी के करकमलों द्वारा मुम्बई परिसर में संस्कृत विज्ञान संग्रहालय का उद्घाटन हुआ।

ज्योतिष फलित परिचय पाठ्यक्रम – मुम्बई परिसर में त्रैमासिक भारतीय फलित ज्योतिष परिचय पाठ्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। इस पाठ्यक्रम के लिए 20 से अधिक छात्रों ने अपना आवेदन पत्र जमा किया, जिसमें 15 छात्रों ने पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित पंजिकरण प्रक्रिया को पूरा किया।

विद्यारश्मि – मुम्बई परिसर की वार्षिक राष्ट्रिय शोधपत्रिका 'विद्यारश्मि' का प्रकाशन एवं विमोचन विद्यापीठ के वार्षिकोत्सव में संपन्न हुआ।

विद्याश्री – विद्याश्री अर्धवार्षिक चित्रवार्ता पत्रिका का विमोचन 20 दिसम्बर, 2012 को संस्थान के कुलपति प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी जी के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ।

अभिविन्यास पाठ्यक्रम / पुनश्चर्या पाठ्यक्रम

अगस्त, 2012 में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में डॉ. देवदत्त सरोदे ने शिक्षाशास्त्र विषय में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (Refersher Course) में भाग लिया।

नवम्बर, 2012 में पंजाब विश्वविद्यालय में डॉ. गायत्री मुरली कृष्ण ने अभिविन्यास पाठ्यक्रम (Orientation Course) में भाग लिया।

सूचना का अधिकार अधिनियम-2005

प्रार्थना-पत्र प्राप्त – 07

उत्तर प्रेषित – 07

6.11 दिल्ली परिसर, नई दिल्ली

परिसर-परिचय

वर्तमान में दिल्ली परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय के भवन 56-57, सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी, नई दिल्ली-58 में स्थापित किया गया है। पत्राचार पाठ्यक्रम एवं दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम दिल्ली परिसर द्वारा चलाये जा रहे हैं। इस परिसर के पास पुस्तकालय, प्रकाशन खण्ड एवं शोध केन्द्र है। पत्राचार पाठ्यक्रम विभाग हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम से संस्कृत भाषा सीखने के लिये 2 वर्ष की अवधि वाले पत्राचार पाठ्यक्रमों का संचालन दो स्तरों पर करता है। पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से है।

(i) प्रथम वर्षीय कार्यक्रम हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम से।

(ii) द्वितीय वर्षीय कार्यक्रम हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम से।

पत्राचार पाठ्यक्रम में वर्ष 2012-2013 के दौरान कुल 1750 छात्र पंजीकृत हुये, जिसमें से हिन्दी माध्यम : प्रथम वर्ष-1016, द्वितीय वर्ष-35 एवं अंग्रेजी माध्यम : प्रथम वर्ष-674, द्वितीय वर्ष-25 छात्र थे।

दूरस्थ शिक्षा विभाग के कार्यक्रम

दूरस्थ शिक्षा परिषद् (दू.शि.प., इग्नू, नई दिल्ली) से मान्यता प्राप्त है। वर्तमान में मुक्तस्वाध्यायपीठम् के निम्न कार्यक्रम संचालित है।

क्र.सं.	कक्षा का नाम	अवधि	विषय (शास्त्रीय)	विषय (आधुनिक)
1.	प्राक्शास्त्री	2 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण	इतिहास, राजनीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र
2.	शास्त्री	3 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण	इतिहास, राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र
3.	आचार्य	2 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण	
4.	प्राक्शास्त्री सेतु (संस्कृतावतरणी)	6 माह	सामान्य संस्कृत	
5.	शास्त्री सेतु (संस्कृतावगाहनी)	1 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण	
6.	आचार्य सेतु (शास्त्रावगाहनी)	1 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण	

दिल्ली परिसर सहित सभी स्वाध्याय केन्द्रों में 666 छात्र पंजीकृत हुये। संस्थान के सभी परिसरीय एवं संस्थान मुख्यालय में दूरस्थ शिक्षा केन्द्र स्थापित किये गये हैं। दूरस्थ शिक्षा योजना में छात्रों को पुस्तकीय सामग्री के साथ-साथ दृश्यश्रव्य सामग्री भी उपलब्ध करवाई जाती है, जिससे संस्कृत न जानने वाले लोग भी काफी कम समय में सरल संक्षिप्त मार्ग से संस्कृत का सामान्य ज्ञान एवं शास्त्रीय ज्ञान अर्जित कर सके। वर्ष 2010 में दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम का आरम्भ साहित्य, व्याकरण एवं ज्योतिष विषय से आरम्भ हुआ। भविष्य में अन्य शास्त्रीय विषयों की सुचारु व्यवस्था किये जाने की सुनिश्चित योजना है। निम्न प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम अतिशीघ्र आरम्भ करने की योजना है। पालि/प्राकृत में पत्रकारिता, प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम, संस्कृत अनुवाद में प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (संस्कृत से अंग्रेजी, संस्कृत से हिन्दी), शारीरिक शिक्षा, वास्तुशास्त्र एवं भारतीय काव्य-शास्त्र।

दिल्ली परिसर के पास 1 शोध केन्द्र भी है। 07 शोध छात्र विद्यावारिधि की डिग्री प्राप्त करने के लिए विभिन्न विषयों में पंजीकृत है।

7. योजनाएँ

भारत सरकार द्वारा 1956 में नियुक्त संस्कृत आयोग ने यह सिफारिश की थी कि ऐसी महत्त्वपूर्ण सक्रिय निजी शैक्षिक संस्थाओं और निकायों को सहायता तथा संरक्षण दिया जाए जो अपने-अपने क्षेत्र में संस्कृत प्रचार का कार्य कर रहे हैं। उनका पालन करते हुए भारत सरकार ने सम्बद्ध योजनाओं के अन्तर्गत आने वाले आवेदकों को वित्तीय सहायता देकर संस्कृत के प्रोत्साहन हेतु विविध योजनाएँ आरम्भ की हैं। पहले इन योजनाओं को मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार ने प्रारम्भ किया था, पश्चात् विधिवत् गठित सहायता अनुदान समिति की संस्तुति पर इनके निष्पादन एवं कार्यान्वयन हेतु इन्हें संस्थान को सौंप दिया गया है। इन योजनाओं का वर्णन यहाँ नीचे किया गया है :

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा विभिन्न स्थानान्तरित योजनाओं का विवरण-

क्र.सं.	फाईल संख्या	लागू होने की तिथि	योजनाओं का नाम
1.	11-1/91-सं.-1/ भारत सरकार (मा.स.वि.मं.) शिक्षा विभाग नई दिल्ली दिनांक 26.04.1991	1 अप्रैल, 1991 (1991-92)	1. आदर्श संस्कृत पाठशालाओं एवं अन्य स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों में प्रख्यात साहित्यिक विद्वानों की सेवाओं के उपयोग हेतु योजना। 2. विशेष व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना के अन्तर्गत पाण्डुलिपि विज्ञान, पुरालिपि शास्त्र एवं पुरालेख शास्त्र आदि हेतु वित्तीय सहायता। 3. संस्कृत ग्रन्थ क्रय योजना। 4. संस्कृत वाङ्मय सृजन योजना। 5. डक्कन कॉलेज, पूना। 6. संस्कृत, पालि/प्राकृत, अरबी और फारसी विद्वानों को राष्ट्रपति सम्मान पत्र, प्रदान करने की योजना। 7. उच्चमाध्यमिकोत्तर (परम्परागत) छात्रवृत्तियाँ प्रदान करने हेतु योजना। 8. परम्परागत पाठशालओं के छात्रों हेतु शोध छात्रवृत्तियाँ प्रदान करने की योजना। 9. दुर्लभ पाण्डुलिपियों के क्रय एवं प्रकाशन हेतु योजना।
2.	8-3/94-सं.-1 भारत सरकार (मा.स.वि.मं.) शिक्षा विभाग नई दिल्ली दिनांक 16.06.1995	1995-96	1. स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों हेतु वित्तीय सहायता। 2. आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/शोध संस्थान। 3. अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा।

3.	18-32/2007-सं.-2 भारत सरकार (मा.सं.वि.मं.) उच्चत्तर शिक्षा विभाग संस्कृत-2 विभाग शास्त्री भवन नई दिल्ली दिनांक 04.04.2007	2007-08	1. असहाय परिस्थितियों वाले प्रसिद्ध पंडितों को वित्तीय सहायता देने की योजना। 2. माध्यमिक/उच्चत्तर माध्यमिक छात्रों हेतु छात्रवृत्तियॉ 3. विभिन्न सरकारी विद्यालयों में संस्कृत शिक्षकों हेतु वित्तीय सहायता। 4. विभिन्न संस्कृत पाठशालाओं के आधुनिकीकरण हेतु वित्तीय सहायता। 5. विभिन्न राज्यसरकारों को संस्कृत की प्रोन्नति हेतु वित्तीय सहायता। 6. विभिन्न परियोजनाओं हेतु रा.सं.सं./मानित विश्व विद्यालयों/के.मा.शि.बोर्ड/एन.सी.ई.आर.टी./एस.सी.ई.आर.टी. को वित्तीय सहायता।

7.1 संस्कृत के प्रोन्नयन हेतु स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों, संस्थाओं तथा पाठशालाओं को वित्तीय सहायता

कार्यक्षेत्र

इस योजना के अन्तर्गत संस्कृत के प्रचार एवं विकास के क्षेत्र में संगठनों/संस्थाओं/व्यक्तियों को अपनी गतिविधियाँ जारी रखने और/या उनका विस्तार करने या नये क्षेत्रों का उद्घाटन करने हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। ये गतिविधियाँ निम्नलिखित में से किसी एक अथवा अधिक प्रयोजनों से संबद्ध हो सकती है:-

(क) नई संस्थाएं/पाठशालाएं खोलना और/या विकसित पाठशालाओं/संस्थाओं का अनुरक्षण करना।

(ख) संस्कृत शिक्षण की कक्षाएं चलाना।

(ग) संस्कृत शिक्षकों/प्रचारकों का प्रशिक्षण और नियुक्ति।

(घ) संस्कृत पुस्तकालयों तथा वाचनालयों की स्थापना, अनुरक्षण या बढ़ाना।

(ङ) संस्कृत प्रचार हेतु प्रचार उपस्करों को खरीदना।

(च) प्रमुख संस्कृत विद्वानों के व्याख्यानों, संस्कृत वाद-विवाद, वाक्स्पर्धा, संस्कृत नाटकों आदि का आयोजन।

(छ) द्विभाषीय शब्दकोश तैयार करना जिसकी एक भाषा संस्कृत हो।

(ज) संस्कृत पाण्डुलिपियां तैयार करना और प्रकाशित करना।

(झ) संस्कृत की पत्र-पत्रिकाएं तैयार करना, उनका प्रकाशन तथा उनके स्तर का अनुरक्षण तथा उनके सार और गुणवत्ता में सुधार।

(ञ) संस्कृत पढ़ने वाले छात्रों हेतु पुरस्कारों की व्यवस्था।

(ट) भवनों का निर्माण, उनकी मरम्मत तथा उनका विस्तार। (सीमित सहयोग)

(ठ) अनुमोदित संस्कृत परम्पराओं का संगठन

(ड) संस्कृत में अनुसंधान।

(ढ) संस्कृत की समृद्धि, प्रचार और विकास में सहायता देने वाली कोई अन्य क्रियाकलाप।

सहायता का विस्तार

वित्तीय सहायता के लिए आवेदन पत्र (प्रकाशन परियोजनाओं को छोड़कर) इस प्रयोजन के लिए निर्धारित विहित आवेदन-पत्र फार्म पर नियमत: राज्य सरकारों के माध्यम से प्राप्त किए जाते हैं। अखिल भारतीय स्तर के संगठनों से अनुदान के आवेदन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान सीधे भी प्राप्त कर सकता है। यह राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान पर निर्भर है कि वह विशेष मामलों में आवेदन सीधे ही स्वीकार करे। वित्तीय सहायता के सभी आवेदनों पर उनके गुणों के आधार पर विचार किया जाता है और अनुदान केवल कार्य की अनुमोदित मदों के लिए ही स्वीकृत किया जाता है। अखिल भारतीय स्तर के आवेदनों को छोड़कर जिन संगठनों और संस्थाओं के आवेदन सीधे प्राप्त होते हैं, आवश्यकता पड़ने पर उनके लिए राज्य-सरकारों के विचार आमंत्रित किए जा सकते हैं।

कार्य की प्रगति और प्रारंभ परियोजना की प्रकृति के अनुसार अनुदान किस्तों में दिए जा सकते हैं।

आवेदन-पत्र भेजने की प्रक्रिया:

संबंधित राज्य-सरकार संगठन के आवेदन की जांच करेगी और अपनी सिफारिश भेजते हुए यह बताएगी कि–

(क) संगठन सुस्थापित क्षमता और योग्यता रखता है।

(ख) सिफारिश प्राप्त योजना से संस्कृत की अभिवृद्धि/प्रचार/प्रसार होगा (ब्योरे दिये जाएं)।

(ग) प्राक्कलनों की जांच हुई है और उन्हें उचित समझा गया है।

(घ) वह विशेष राशि जिसे राज्य सरकार उस संगठन/संस्था/व्यक्ति को देने हेतु सिफारिश राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान से करती है, तथा

(ङ) सहायता-अनुदान की सिफारिश जिस निकाय हेतु है, वह दूषित भ्रष्टाचार व्यवहार से मुक्त है और प्रतिबन्ध लागू करने के उपाय (लेखा परीक्षा सहित) सोच निकाले हैं।

(च) कोई अन्य लाभदायक सूचना जो राज्य सरकारें संगठन/संस्था/व्यक्ति के आवेदन के बारे में देना चाहें।

किसी आवेदन पर अपनी सिफारिश भेजते वक्त राज्य-सरकारों को संगठन आदि की वास्तविकता और जिस कार्य के लिए अनुदान मांगा गया है, उसकी आवश्यकता और उपयोगिता के विषय में अपनी तसल्ली कर लेनी चाहिए। अनुदान सम्बन्धी प्रत्येक आवेदन पत्र के साथ आवश्यक सूचना और दस्तावेज भेजे जाएँ।

अनुदान देने की शर्तें

स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों/संस्थाओं को संस्कृत के प्रचार और प्रसार हेतु अनुदानों के संबंध में निम्नलिखित शर्तों का पालन करना होगा–

1. वित्तीय सहायता लेने वाली संस्था की जांच राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान या राज्य-शिक्षा-विभाग या भारतीय लेखा-परीक्षा और लेखा-विभाग का कोई अधिकारी किसी भी समय कर सकता है। यदि केन्द्रीय सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा प्रदत्त अनुदान 25,000 रु. से अधिक है तो संस्था की जांच वहां जाकर की जा सकती है।
2. अनुदान लेने से पहले यह वचन देना होगा कि जिस काम के लिए सहायता दी गई है, उसे सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा नियत समय में पूरा किया जाएगा और अनुदान का केवल उसी उद्देश्य के लिए उपयोग होगा जिसके लिए वह स्वीकृत किया जाएगा। ऐसा न करने पर संस्था को पूरा अनुदान केन्द्रीय सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा निर्धारित ब्याज के साथ सरकार/संस्थान को वापस करना होगा।
3. किस्तों में दी जाने वाली अनुदान की बाद की किस्तें तब तक नहीं दी जाएंगी जब तक कि पहली किस्त का अधिकांश भाग खर्च न किया गया हो और जब तक पहली किस्त से किए गए काम की रिपोर्ट के साथ खर्च का प्रमाणित विवरण, अगली किस्त की प्राप्ति-प्रार्थना के साथ न भेजा जाए। काम की प्रगति के बारे में सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के संतुष्ट हो जाने पर ही बाद की किस्त दी जाएगी।
4. भवन निर्माण/प्रकाशन के मामले में अनुदानों के लिए एक उचित समय निर्धारित किया जाना चाहिए। इस अवधि में संस्था को भवन निर्माण/प्रकाशन कार्य पूरा करना होगा, जब तक संस्थान प्रार्थना करने पर अवधि न बढ़ा दे।
5. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान से अनुदान प्राप्त संस्था अपनी सम्पत्ति को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की अनुमति के बिना किसी व्यक्ति/संस्था/संगठन के नाम हस्तांतरित नहीं कर सकती। यदि किसी समय संस्था बन्द हो जाए तो केन्द्रीय सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के अनुदान में से बनाई गई सम्पत्ति या खरीदा गया सामान भारत सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को वापस हो जाएगा।
6. संस्था के लेखे उचित रूप से रखे जाने चाहिए और मांगे जाने पर पेश किए जाएं। इनकी जांच नियन्त्रक और महालेखा परीक्षक कभी भी कर सकता है।
7. यदि राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान/सरकार को यह विश्वास हो जाए कि संस्था का प्रबन्ध सुचारु रूप से नहीं हो रहा है, अथवा स्वीकृत धन का उपयोग अनुमोदित उद्देश्यों हेतु नहीं हो रहा है तो अनुदान की अदायगी रोकी जा सकती है।
8. संस्था, भारत के समस्त नागरिकों के लिए जाति, धर्म या

वर्ग के भेदभाव के बिना खुली रहेगी। जिस राज्य में संस्था स्थित हो उसके बाहर के राज्य के लोगों से व्यक्तिकर या कोई अन्य फीस नहीं ली जाएगी।

9. जिस काम के लिए अनुदान स्वीकृत है, उसके संबंध में संस्था राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के निर्देशों और सुझावों के पालन के लिए बाध्य होगी। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा किसी भी विषय पर कोई सूचना या स्पष्टीकरण मांगे जाने पर संस्था संस्थान द्वारा निर्धारित अवधि के भीतर उसे मन्त्रालय को भेजेगी।
10. संगठन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान/भारत सरकार की पूर्व अनुमति के बिना भारत के बाहर के किसी भी विदेशी को आमन्त्रित नहीं करेगा।

वर्ष 2012-2013 में प्राप्त आवेदनों के आधार पर जिन स्वैच्छिक संगठनों को वित्तीय सहायता स्वीकृत की गई है, उनका राज्य-वार विवरण **संलग्नक-झ** में दिया गया है।

7.2 अखिल भारतीय संस्कृत शास्त्रीय स्पर्धा

संस्कृत पाठशालाओं एवं गुरुकुलों में अध्ययनरत परम्परागत छात्रों के प्रतिभा विकास के लिए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा अखिल भारतीय शास्त्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। राष्ट्रस्तर में भाग्रहण के लिए अर्ह स्पर्धियों के चयन हेतु राज्य स्तर पर भी शास्त्रीय प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती है।

इस कार्यक्रम में प्रत्येक राज्य से आये हुए छात्रदल के सदस्य 22 प्रतियोगिताओं जैसे - 8 विभिन्न शास्त्रीय विषयों पर भाषणस्पर्धा; 7 परम्परागत शास्त्रीय ग्रन्थों से सम्बन्धित विषयों पर विभिन्न शलाका परीक्षा; धातरूप, काव्य, अमरकोश एवं अष्टाध्यायी पर कंठपाठ प्रतियोगिता; शास्त्रार्थ-विचार; समस्यापूर्ति एवं अन्ताक्षरी में भाग लेते हैं।

प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को क्रमशः स्वर्णपदक सहित रु. 10,000/-, रजत पदक सहित रु. 7,000/- एवं कांस्य पदक सहित रु. 5,000/- से पुरस्कृत किया जाता है। इसके अतिरिक्त शलाका परीक्षा में 80% और अधिक एवं प्रथम श्रेणी 65% सहित प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों को विशेष पुरस्कार क्रमशः रु. 2,000/- एवं रु. 1,500/- प्रदान किये जाते हैं।

सभी प्रदर्शनों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले छात्रदल को 'विजयवैजयन्ती' से सम्मानित किया जाता है। प्रतियोगिता का स्वरूप भारत की प्राचीन परम्परा की शास्त्र-शिक्षण-पद्धति से लिया गया है। इस प्रतियोगिता का लक्ष्य परम्परा को पुनः जीवित करना एवं छात्र की बौद्धिक-शक्ति को तीक्ष्ण करना है।

वर्ष 2012-2013 में प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 02-04 मार्च, 2013 में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के वेद व्यास परिसर, बलाहार, हिमाचल प्रदेश में किया गया। निर्णायक मंडल द्वारा कर्णाटक राज्य को प्रथम घोषित किया गया।

7.3 शास्त्रचूडामणि योजना

संस्थान के परिसरों, आदर्श संस्कृत पाठशालाओं और राज्य सरकार द्वारा संचालित अन्य संस्कृत कॉलेजों और स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों में प्रख्यात साहित्यिक विद्वानों की सेवाओं के उपयोग हेतु योजना

उद्देश्य

इस योजना का उद्देश्य उन विभिन्न केन्द्रों में विविध शास्त्रीय विषयों के संस्कृत में गहन अध्ययन को बढ़ावा देना है जहाँ छात्रों को पारम्परिक पद्धति से संस्कृत शिक्षण प्रदान किया जाता है। प्राचीन काल में शिक्षण पद्धति में शिष्य और गुरु के न्यूनतम 12 वर्ष तक साहचर्य का पूर्णकालिक होना ध्यान रखा जाता था। उनके पास विभिन्न दुर्बोध शास्त्रीय विषयों की व्याख्या करने का पर्याप्त समय होता था और छात्रों के पास विषय विशेष पर ध्यान व विस्तृत ढंग से नैपुण्य प्राप्त करने का अवसर रहता था। लेकिन हाल की आधुनिक शिक्षा पद्धति में सीमित अवधि के लिए पाठ्य-पुस्तकों में से चयनित व निर्धारित पाठ्यक्रम होता है। इससे संस्कृत शिक्षण पद्धति भी प्रभावित हुई है। परिणामस्वरूप, जहाँ संस्कृत विषय में छात्रों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे स्नातकोत्तर स्तर पर विशेषज्ञता प्राप्त करें, वहीं समयाभाव के कारण उच्चतर पाठ्य-पुस्तकों को विस्तार से एवं सम्पूर्णता से पढ़ाने की कोई सम्भावना नहीं है। परिणामतः इस पद्धति के अध्येता यद्यपि अपने विषयों के मूलभूत सिद्धान्तों में पूर्ण निपुण होते हैं, तथापि उनमें इन विषयों पर लिखित उच्चतर पुस्तकों के गहन एवं व्यापक ज्ञान का अभाव होता है।

स्नातकोत्तर स्तर की परीक्षा में उत्तीर्ण होने के तुरन्त बाद घरेलू आवश्यकताएँ उन्हें आजीविकोपार्जन हेतु किसी व्यवसाय के लिए बाध्य कर देती हैं। इन्हीं स्नातकोत्तर परीक्षोत्तीर्ण व्यक्तियों में से अब हमें तरुण अध्यापक एवं प्राध्यापक भर्ती करने होते हैं। यद्यपि वे अपनी पढ़ाई आगे जारी रखने में

अत्यधिक रुचि रखते हैं तथापि जिन संस्थाओं में वे नियुक्त होते हैं उनमें ऐसा करने की सुविधाएँ नहीं होतीं। परिणामस्वरूप, ये प्राध्यापक अपने छात्रों को सम्बन्धित परीक्षाओं के लिए तैयारी करवाने से सम्बद्ध अपने कर्त्तव्य का निर्वहण तो प्रवीणता से कर देते हैं, फिर भी उन्हें अपने क्षेत्र में उतनी योग्यता प्राप्त नहीं होती जितनी योग्यता 2 या 3 दशाब्दि पूर्व उनके पूर्ववर्ती प्राप्त करने में सक्षम होते थे। उनकी शैक्षणिक रुचि का शोषण नहीं किया जाना चाहिए और उनकी अध्ययनशील रिक्ति दूर की जानी चाहिए। इससे वे इस उद्देश्य को पूर्ण करने में सक्षम होंगे और छात्रों की एक ऐसी पीढ़ी का निर्माण करने में समर्थ होंगे जो अपने-अपने विषयों में वास्तव में दक्ष होगी।

सौभाग्यवश इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु कुछ पुराने विद्वान् अभी भी जीवित हैं। वे शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से सजग हैं और कुछ अधिक वर्षों के लिए उनका सफल उपयोग किया जा सकता है। यह आवश्यक नहीं है कि वे किसी विश्वविद्यालय की उपाधि या योग्यता के कारण विद्वान् हों। लेकिन फिर भी वे अपने क्षेत्र में निपुण हैं और उनके चरणों में बैठकर तरुण शिक्षकों को अध्ययन करने में कोई अनुताप नहीं होगा। वे संस्था के शैक्षिक वातावरण में वृद्धि करेंगे और अध्यापकों तथा छात्रों के सन्देह-निराकरण करने हेतु सहज ही उपलब्ध रहेंगे।

कार्यान्वयन

इस योजना के अन्तर्गत राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के प्रत्येक परिसर, आदर्श संस्कृत पाठशाला और संस्कृत विश्वविद्यालय में दो विद्वान् और राज्य सरकार द्वारा संचालित अथवा पर्याप्त रूप से वित्तपोषित संस्कृत कालेजों में एवं स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों में एक विद्वान् की नियुक्ति सामान्यतया की जाती है। ऐसी नियुक्तियाँ सम्बद्ध संस्था के माध्यम से प्राप्त आवेदनों के आधार पर विशेषज्ञों से युक्त सहायता अनुदान समिति की संस्तुतियों पर की जाती हैं। इस प्रकार से की गई नियुक्तियां प्रारम्भ में दो वर्ष की अवधि हेतु की जाती हैं। संस्था के प्रधान की विशिष्ट रिपोर्ट के आधार पर समिति द्वारा एक वर्ष का विस्तार प्रदान किया जाता है। नियुक्त विद्वान् को प्रतिमास रु. 6000/- का मानदेय प्रदान किया जाता है।

इस वर्ष विभिन्न संस्थाओं में 91 शास्त्र चूड़ामणि विद्वानों की नियुक्ति की गई।

7.4 व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना

परम्परागत संस्कृत पाठशालाओं/संस्थाओं से शिक्षित छात्रों हेतु "प्रायोगिक प्रशिक्षण" संचालन के लिए पंजीकृत शैक्षिक संगठनों को वित्तीय सहायता

कुछ विशिष्ट विभागों में परम्परागत शिक्षण प्राप्त प्रत्याशियों को आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पंजीकृत शैक्षिक निकायों को वित्तीय सहायता प्रदान करने की योजना आरम्भ की गई। इसके अन्तर्गत पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/संस्थाओं से शिक्षित छात्रों को अल्पकालीन अनुकूलन पाठ्यक्रम प्रदान किए जाते हैं। अध्यापन के विषय पाण्डुलिपि विज्ञान, सूची-निर्माण, पुरालिपि शास्त्र, संस्कृत टंकण व आशुलिपि, ज्योतिष, कर्मकाण्ड व पुरालेखशास्त्र इत्यादि हैं। ये प्रशिक्षण पाठ्यक्रम सामान्यतया तीन से नौ सप्ताह तक की विभिन्न अल्पावधियों के लिए संचालित किए जाते हैं। इस अवधि में छात्रों को शिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से शैक्षिक निकाय से सम्बन्धित क्षेत्रों के विशेषज्ञों को आमन्त्रित किया जा सकता है। इच्छुक संस्थाएँ ऐसे किसी भी कार्यक्रम के आयोजन हेतु निर्धारित आवेदन-पत्र में आवेदन कर सकती हैं। उन्हें अल्पावधि पाठ्यक्रमों हेतु स्थानीय समाचार-पत्रों में भी विज्ञापन देना होता है और इसका लाभ प्राप्त करने के इच्छुक छात्रों से आवेदन आमन्त्रित करने होते हैं। प्रत्येक छात्र से रु. 5/- का सामान्य पंजीकरण शुल्क लिया जा सकता है। प्रत्येक छात्र को प्रशिक्षण दिवसों में रु. 10/- प्रति दिन के हिसाब से फुटकर भत्ता दिया जाता है। विशेषज्ञ प्रशिक्षक को सामान्यत: प्रतिदिन रु. 100/- का मानदेय प्रदान किया जाता है।

योग्यता के आधार पर संस्तुति करने हेतु किसी विशेषज्ञ/सहायता अनुदान समिति द्वारा आवेदनों पर विस्तृत विचार किया जाता है। संस्थान द्वारा सम्बद्ध संस्था को समिति द्वारा अनुमोदित कुल अनुमानित व्यय का 75% अग्रिम के रूप में जारी किया जाता है और अवशिष्ट 25% का निर्मोचन लेखा-परीक्षित लेखों की प्राप्ति होने पर तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की रिपोर्ट मिलने पर किया जाता है।

7.5 संस्कृत शब्दकोश परियोजना

1500 ईसा पूर्व से 1900 ई॰ तक ऐतिहासिक सिद्धान्तों पर अति व्यापक संस्कृत कोश तैयार करने की योजना डेकन कॉलेज, पूना द्वारा आरम्भ की गई है। यह वर्ष 1948 में आरम्भ की गई थी। प्रधान सम्पादक द्वारा संस्कृत शब्दकोश

परियोजना विभाग, डेकन कॉलेज, पूना के नेतृत्व में 9 खण्ड प्रकाशित किए जा चुके हैं। यह योजना मुख्य रूप से भारत सरकार द्वारा और कुछ सीमा तक महाराष्ट्र सरकार द्वारा वित्त-पोषित की गई। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा वर्ष 2012-2013 में संस्कृत शब्दकोश परियोजना हेतु रु. 48.80 लाख की राशि का निर्मोचन किया गया।

7.6 संस्कृत, पालि/प्राकृत, अरबी और फ़ारसी विद्वानों को राष्ट्रपति-सम्मान-पत्र प्रदान करने की योजना

संस्कृत, अरबी और फ़ारसी भाषाओं के विद्वानों को सम्मानित करने के लिए 'राष्ट्रपति-सम्मान-पत्र प्रदान करने की योजना' 1958 में आरम्भ की गई। इस योजना को 1996 में पालि/प्राकृत तक विस्तारित किया गया। विद्वानों को उनके सम्बद्ध क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण योगदान की स्वीकृति में वर्ष में एक बार स्वतन्त्रता दिवस पर सम्मानित किया जाता है। वर्ष 2008 से, एन.आर.आइ. अथवा किसी विदेशी द्वारा संस्कृत के क्षेत्र में उनकी आजीवन उपलब्धि हेतु एक अन्तरर्राष्ट्रीय पुरस्कार सम्मिलित करने के उद्देश्य से इस योजना का विस्तार किया गया। इस योजना के अधीन राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक विद्वान् को एक सनद तथा शाल प्रदान किए जाने के अतिरिक्त संस्कृत के विद्वानों को रु. 5.00 लाख का आर्थिक अनुदान तथा पालि/प्राकृत, फारसी एवं अरबी विद्वानों को आजीवन रु. 50,000/- का वार्षिक अनुदान देने पर विचार किया जाता है।

इस योजना के अन्तर्गत संस्कृत हेतु 15, अरबी और फ़ारसी में से प्रत्येक के लिए 3 और पालि/प्राकृत के लिए एक पुरस्कार है।

वर्ष 2002 से 30-40 वर्ष की आयु वर्ग के युवा विद्वानों के लिए संस्कृत में 5 पुरस्कार तथा पालि/प्राकृत, अरबी और फारसी में से प्रत्येक के लिए एक पुरस्कार आरम्भ किया गया है। इस पुरस्कार का नाम महर्षि बादरायण व्यास सम्मान है। प्रत्येक को सनद तथा शाल के अतिरिक्त रु. 1 लाख का एकमुश्त नकद पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इन युवा विद्वानों से अपेक्षित है कि वे अन्त: विद्या विशेषों के अध्ययन में निपुण हों। इनमें आधुनिकता एवं परम्परा तथा इन भाषाओं में विज्ञान के प्रोत्साहन हेतु कार्यरत वैज्ञानिकों व आइ.टी. व्यावसायिकों के मध्य सह-क्रिया की प्रक्रिया में संस्कृत अथवा प्राचीन भारतीय प्रज्ञा का योगदान सम्मिलित है।

प्रतिवर्ष इन पुरस्कारों हेतु निम्नलिखित से प्रस्ताव आमन्त्रित किए जाते हैं :

(अ) भारत सरकार के सभी सचिव।

(आ) सभी राज्य सरकारों/संघ शासित प्रदेशों के मुख्य सचिव।

(इ) सभी राज्य सरकारों/संघ शासित प्रदेशों के शिक्षा-सचिव।

(ई) सभी भारतीय विश्वविद्यालयों और मानित विश्वविद्यालयों के कुलपति।

(उ) राष्ट्रपति सम्मान प्राप्त विद्वान्।

(ऊ) बाह्य मामले सम्बन्धी मन्त्रालय (सभी भारतीय दूतावासों हेतु)

सर्वप्रथम संस्तुतियों की जाँच मानव संसाधन विकास मन्त्री द्वारा अनुमोदित प्राथमिक चयन समिति करती है। सदस्य अपने-अपने कार्य क्षेत्र कि अत्यन्त प्रख्यात विद्वान् हैं।

प्राथमिक चयन समिति द्वारा की गई संस्तुतियाँ फिर मानव संसाधन विकास मन्त्री, प्रधान मन्त्री और तब अन्त में भारत के राष्ट्रपति को स्वीकृति हेतु भेजी जाती हैं।

7.7 संस्कृत वाङ्मय सृजन योजना

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान संदर्भ ग्रन्थ, मूल लेखन, शोध-प्रबन्ध, अनुवाद, हस्तलिपियों की विवरणात्मक सूची, समीक्षात्मक संस्करण, दुर्लभ अप्राप्य ग्रन्थों के पुनर्मुद्रण संस्करण और अन्य किसी भी प्रकार के प्रकाशन जो संस्कृत भाषा तथा साहित्य के प्रोत्साहन हेतु प्रेरक रूप में वैयक्तिक रूप से स्वीकृत हों—जैसे संस्कृत आधारित ग्रन्थों के प्रकाशन के लिए पंजीकृत संगठनों, लेखकों, सम्पादकों एवं अनुवादकों या विशिष्ट व्यक्तियों अथवा विचाराधीन ग्रन्थ का प्रकाशनाधिकार रखने वाले और उस ग्रन्थ के प्रकाशन के इच्छुक व्यक्तियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इस योजना के अन्तर्गत सहायता राशि मूल लेखन के मामले में रचना की वास्तविक लागत की अधिकतम 80% स्वीकृत की जाती है और शोध-प्रबन्ध के मामले में यह अधिकतम 50% स्वीकृत की जाती है। तथापि, दुर्लभ हस्तलिपियों की विवरणात्मक सूची के लिए सहायता कुल व्यय का 100% तक हो सकती है।

आवेदकों को निर्धारित आवेदन प्रपत्र में प्रकाशन अनुदान हेतु आवेदन करना होता है। साथ में दो भिन्न-भिन्न मुद्रकों से रचना की अनुमानित लागत और प्रस्तावित कार्य के लगभग पैंतीस पृष्ठ भी प्रस्तुत करने होते हैं। इस प्रकार से प्राप्त नमूना पृष्ठों को प्रस्तावित कार्य की उपयोगिता पर विशेषज्ञों की राय

जानने हेतु भेजा जाता है। फिर प्रस्ताव और विशेषज्ञों की राय को आवश्यक संस्तुतियाँ करने हेतु सहायता अनुदान समिति के समक्ष रखा जाता है। स्वीकृत प्रस्तावों के आवेदकों को संस्वीकृति आदेश की तारीख से दो साल की अवधि के अन्दर ही ग्रन्थ को प्रकाशित करना होता है। मुद्रण के बाद ग्रन्थ की नमूना प्रति और मुद्रक बिल की जाँच विशेषज्ञ अभिकरण द्वारा की जाती है जो रचना की वास्तविक लागत का हिसाब लगाता है। उसके आधार पर निश्चित फॉर्मूला के अनुसार एक प्रति की कीमत निश्चित की जाती है। वास्तविक संस्वीकृत अनुदान सहित इसकी सूचना आवेदक को भेजी जाती है। अनुदान के बदले में आवेदकों को मामले के अनुसार ग्रन्थ की कुछ प्रतियाँ डाक द्वारा सूचीबद्ध पुस्तकालयों को नि:शुल्क भेजनी होती हैं। संस्थान डाक प्रभार अदा करता है और संस्वीकृत अनुदान जारी करता है। इसके साथ, संस्कृत पत्रिकाओं/समाचार-पत्रों के लिए वार्षिक संस्वीकृत प्रकाशन अनुदान भी जारी किया जाता है।

इसके अतिरिक्त, समय-समय पर सहायता अनुदान समिति की सिफारिशों पर संस्थान दुर्लभ संस्कृत ग्रंथों के पुनर्मुद्रण हेतु कुछ शर्तों के आधार पर किसी विश्वविद्यालय अथवा पंजीकृत स्वैच्छिक संगठन या सुप्रतिष्ठित व्यावसायिक प्रकाशक की सहायता कर सकता है। ऐसी सहायता अनुमोदित निम्न कीमत पर ऐसे प्रत्येक पुनर्मुद्रण की 500 प्रतियाँ खरीद कर की जा सकती है, बशर्ते कि प्रकाशक प्रथम क्रय आदेश की तारीख से तीन वर्ष के भीतर उसी कीमत पर 300 अतिरिक्त प्रतियों की आपूर्ति का वचन देता है।

वर्ष 2012-2013 में वित्तीय सहायता से प्रकाशित एवं प्रकाशन अनुदान हेतु संस्वीकृत प्रस्तावों का विवरण क्रमश: **संलग्नक ञ और ट** में दिया गया है।

7.8 ग्रन्थ क्रय योजना

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान लेखकों, प्रकाशकों, पुस्तकों के विक्रेताओं, संगठनों आदि से संस्कृत भाषा और साहित्य से सम्बद्ध पुस्तकों की प्रतियाँ थोक में खरीद कर उनको वित्तीय सहायता प्रदान करता है, बशर्ते कि ऐसी पुस्तकें संस्थान की किसी अन्य योजना के अन्तर्गत सहायता पाकर प्रकाशित नहीं हुई हैं। हालांकि, जिन पुस्तकों के लिए नकद राज्य पुरस्कारों के माध्यम से अथवा प्रशंसात्मक उल्लेख के माध्यम से मान्यता दी गई है वे भी इसके पात्र हैं।

आवेदक निर्धारित आवेदन-प्रपत्र में संस्थान को आवेदन भेजते हुए पुस्तकों की कम-से-कम दो प्रतियाँ मानार्थ भेजें। ये मानार्थ प्रतियाँ प्रत्यावर्तनीय नहीं हैं। सहायता अनुदान समिति की सिफारिशों पर आवेदकों को क्रय आदेश के साथ उन पुस्तकालयों की सूची भी भेजी जाती है जिन्हें निर्धारित संख्या में पंजीकृत पार्सल के द्वारा प्रतियाँ भेजनी हैं। आवेदक से अपेक्षित है कि वह न्यूनतम 25% व्यापारिक बट्टा प्रदान करे। आवेदक बिल में पैकिंग व्यय और पंजीकृत पार्सल व्यय जोड़ सकता है जिनका वहन भी संस्थान करता है। आवेदक प्रतियों के प्रेषण-सम्बन्धी मूल डाक रसीदों सहित सम्बन्धित बिल भुगतान की संस्वीकृति हेतु प्रस्तुत किया जाता है।

वर्ष 2012-2013 में इस योजना के अन्तर्गत रुपये 45,35,790 लाख की राशि का उपयोग किया गया।

7.9 आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों के रूप में मान्यता-प्राप्त संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु योजना

उद्देश्य

इस योजना का उद्देश्य पारम्परिक संस्कृत विद्या तथा शोध को सहायता देना एवं प्रोत्साहित करना है। इस योजना के अन्तर्गत इसी प्रयोजन से, संस्कृत महाविद्यालयों को प्राक्शास्त्री, शास्त्री एवं आचार्य स्तर पर पाठ्यक्रमों का संचालन करने हेतु और शोध संस्थानों को पी-एच.डी. एवं पी-एच.डी. से उच्च स्तरों पर शोध का आयोजन तथा संचालन हेतु सहायता प्रदान की जाती है। ऐसी अनुदानग्राही संस्थाएं स्वीकृत आवर्ती का 95%, स्वीकृत अनावर्त्ती का 75% प्राप्त करती हैं।

मान्यता एवं वित्तीय सहायता की शर्तें :

इस योजना के अन्तर्गत केवल संस्कृत महाविद्यालयों अथवा शोध संस्थानों के रूप में मान्यता-प्राप्त संस्थाएँ वित्तीय सहायता हेतु विचारणीय हैं। हालांकि, मान्यता के कारण किसी भी संस्था को स्वत: वित्तीय सहायतार्थ अधिकार नहीं मिलता और न ही सहायता अनुदान का जारी रहना अधिकार की बात होती है।

कोई भी पंजीकृत स्वैच्छिक संगठन जो संस्कृत महाविद्यालय या शोध संस्थान का अनुरक्षण करता हो, यदि वह सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम के अन्तर्गत 'सोसाइटी' अथवा 'पंजीकृत न्यास' है, तो वह मान्यता हेतु आवेदन कर सकता है। निम्नलिखित शर्तों को पूरा करने पर ही भारत सरकार द्वारा मान्यता देने पर विचार किया जाता है।

(i) महाविद्यालय में पारम्परिक पद्धति से प्राक्शास्त्री, शास्त्री, आचार्य अथवा समकक्ष पाठ्यक्रमों का अध्यापन होता हो। शोध संस्थान में विभिन्न पारम्परिक संस्कृत विद्या विशेषों में क्रियात्मक शोध जारी रखा जाता हो;

(ii) महाविद्यालय/शोध संस्थान ऊपर (i) में उल्लिखित स्तर पर कम-से-कम सात साल से अस्तित्व में होना चाहिए। हालांकि, पहली योजना के अन्तर्गत वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले महाविद्यालयों/शोध संस्थानों का इस संशोधित योजना के अन्तर्गत वित्तीय सहायता प्राप्त करने का अधिकार बना रहेगा;

(iii) संस्थाओं के पास उपयुक्त भवनों तथा परिसरों का स्वामित्व एवं नियन्त्रण होना चाहिए। संस्थाओं के पक्ष में 99 वर्ष का पट्टा भी स्वीकार्य होगा;

(iv) इस योजना के अन्तर्गत भविष्य में मान्यता एवं वित्तीय सहायता हेतु आवेदन करने वाले पंजीकृत मूल निकाय को सावधि जमा खाते में न्यूनतम रु. 2.00 लाख की राशि जमा करवानी होगी। हालांकि, पुरानी योजना के अधीन पहले से सहायता प्राप्त जिन संस्थाओं ने महाविद्यालय/शोध संस्थान के पक्ष में रुपये 1 लाख जमा करवाए हैं, उन्हें इस शर्त से छूट दी जाएगी;

(v) महाविद्यालय/शोध संस्थान या तो केन्द्रीय सरकार अथवा राज्य सरकार द्वारा अधिनियम बनाकर विधिवत् संस्थापित किसी विश्वविद्यालय से या राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान से सम्बद्ध होना चाहिए;

(vi) एक महाविद्यालय में छात्रों की संख्या 50 से कम नहीं होनी चाहिए, एक शोध संस्थान में 12 सक्रिय शोधकर्त्ताओं से कम संख्या नहीं होनी चाहिए।

मान्यता प्रदान करने हेतु आवेदन मिलने पर सरकार तत्काल निरीक्षण करवाएगी और विशेषज्ञ समिति द्वारा उसका आकलन होगा तथा मान्यता हेतु इसका निर्णय आवेदनकर्त्ता संगठन को सूचित किया जाएगा। इसके पश्चात् विशेषत: इस उद्देश्य से संगठित अनुवीक्षण समिति द्वारा वर्तमान स्टाफ की छानबीन की जाएगी।

इस योजना के अन्तर्गत सभी मान्यता-प्राप्त संस्कृत महाविद्यालय/शोध संस्थान वित्तीय सहायता हेतु विचार किए जाने के पात्र होंगे, बशर्ते कि वे इस योजना में बताई गई शर्तों का पालन करने हेतु वचनबद्ध हों। इसके अतिरिक्त उन्हें योजना में उल्लिखित अनुसार प्रबन्धन समिति के स्वरूप एवं संरचना, इसके कार्य, स्टाफ का स्वरूप, उपयोज्य अनुदान आदि से सम्बद्ध शर्तों का भी अनुपालन करना होगा।

संस्थान से वार्षिक अनुदान प्राप्त करने वाले आदर्श महाविद्यालयों/शोध संस्थानों की सूची **संलग्नक-'ठ'** में दी गई है।

7.10 शोध एवं उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्तियाँ प्रदान करने हेतु योजना

इस योजना के अन्तर्गत शिक्षा की + 2 पद्धति, स्नातक, स्नातकोत्तर और पारम्परिक पद्धति के समकक्ष पाठ्यक्रमों एवं पी-एच.डी. की मार्गदर्शक शोध अथवा संस्कृत अध्ययन में समकक्ष उपाधि जिसमें पाली व प्राकृत भाषाएँ भी एक विषय के रूप में सम्मिलित हैं-इन सभी के नियमित छात्रों को छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। प्रत्येक वर्ष में प्रदत्त छात्रवृत्तियों की संख्या निधि की उपलब्धता पर निर्भर है। आरक्षण समय-समय पर सरकार की नीति के अनुसार प्रदान किया जाता है। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नौवीं व दसवीं अथवा समकक्ष स्तर के छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करता है।

संस्कृत में न्यूनतम 60% अंक लेकर अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण परीक्षार्थी इन छात्रवृत्तियों के पात्र हैं। आरक्षित वर्ग के परीक्षार्थियों के मामले में अंकों की प्रतिशतता की अर्हता को घटाकर 50% किया जा सकता है। प्रार्थी छात्रों से अपेक्षित है कि वे छात्रवृत्तियाँ पाने हेतु अपने आवेदन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को उन संस्थाओं के माध्यम से भेजें जिनमें वे अपना अध्ययन/शोध जारी रखने के इच्छुक हों। ये छात्रवृत्तियाँ इस उद्देश्य से गठित चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर प्रदान की जाती है। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम तक के छात्रों हेतु ये छात्रवृत्तियाँ 10 मास के एक शैक्षिक वर्ष के लिए समर्थनीय हैं। क्योंकि ये वार्षिक परीक्षा परिणामों के आधार पर प्रदान की जाती हैं, अत: छात्रों को प्रति वर्ष नये सिरे से आवेदन करना होता है। शोध छात्रवृत्ति दो पूर्ण वर्षों के लिए दी जाती है और दूसरे वर्ष की छात्रवृत्ति उपयोगिता प्रमाण-पत्र एवं छात्र के कार्य की प्रगति की रिपोर्ट प्राप्त होने पर प्रदान की जाती है।

जो छात्र किसी अन्य संस्था से कोई भी छात्रवृत्ति प्राप्त करता है या छात्रवृत्ति के कार्यकाल में किसी अन्य वृत्तिकारी कार्य में संलग्न रहता है, या किसी अन्य पाठ्यक्रम का

अध्ययन करता है जिसमें संस्कृत अध्ययन का प्रावधान नहीं हो, उसे छात्रवृत्ति के अधिकार से वंचित कर दिया जाता है। प्रत्येक प्रत्याशी से सभी आवश्यक शर्तों को प्रमाणित करने की अपेक्षा की जाती है।

अध्ययन के विभिन्न पाठ्यक्रमों हेतु छात्रवृत्ति की निम्नलिखित दरें हैं :

(1) संस्कृत के साथ नवम एवं दशम कक्षाएँ तथा समकक्ष पाठ्यक्रम रु. 250/- प्रतिमाह।

(2) संस्कृत के साथ ग्यारहवीं एवं बारहवीं कक्षाएँ तथा समकक्ष पाठ्यक्रम रु. 300/- प्रतिमाह।

(3) बी.ए./बी.ए. (आनर्स) तथा त्रिवर्षीय समकक्ष पाठ्यक्रम रु. 400/- प्रतिमाह।

(4) संस्कृत/पालि/प्राकृत में एम.ए. तथा इसके समकक्ष स्नातकोत्तर उपाधि रु. 500/- प्रतिमाह।

(5) संस्कृत/पालि/प्राकृत में पी-एच.डी. और समकक्ष रु. 1500/- प्रतिमास + रु. 2000/- प्रतिवर्ष आनुषंगिक अनुदान के रूप में (दो वर्ष तक)।

7.11 असहाय परिस्थितियों वाले प्रसिद्ध संस्कृत पंडितों को सम्मान राशि देने की योजना

इस योजना के अन्तर्गत, 55 वर्ष की आयु से अधिक वाले प्रसिद्ध उन योग्य विद्वानों को सम्मान राशि दी जाती है, जिन्होंने संस्कृत को अपना जीवन समर्पित कर दिया है, लेकिन कोई स्थायी आय-स्रोत नहीं है। ऐसे सुझाव राज्य-सरकारों से सीधे प्राप्त होते हैं अथवा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के माध्यम से पहुंचते हैं। प्रत्येक चयनित विद्वान को रुपये 24000/- प्रतिवर्ष, अन्य आय की कटौती बिना दिये जाते हैं। इस उद्देश्य हेतु केवल उन्हीं पंडितों पर विचार किया जाता है जिसकी आय रुपये 24000/- प्रतिवर्ष से कम है। किसी अन्य गुणवत्ता का निर्धारण नहीं है। संस्कृत पंडितों को यह वित्तीय सहायता 'राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान', नई दिल्ली के माध्यम से बांटा जाता है तथा लाभार्थी व्यक्ति के बैंक खाते में जमा किया जाता है।

प्राप्तकर्ता की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु की दशा में, यह सहायता उसके पति/पत्नी को मृत्युपर्यन्त लगातार दी जाती है।

योजना व्यय पर खर्च (वर्ष 2012-2013)

क्र.सं.	योजना का नाम	व्यय (रू लाख में)
1.	आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/शोध संस्थान	2386.43
2.	राष्ट्रपति पुरस्कार	248.60
3.	आधुनिक/संस्कृत अध्यापकों को अनुदान	144.99
4.	परम्परागत संस्कृत पाठशाला/स्वैच्छिक संस्कृत संगठन	1218.96
5.	सम्मान राशि	65.28
6.	गै.स.सं./गै.स.सं. विश्वविद्यालयों	19.75
7.	संस्कृत वाङ्मय सृजन योजना	13.39
8.	छात्रवृत्ति	650.02
9.	अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र	167.16
10.	ग्रन्थ क्रय योजना	45.03
11.	शास्त्रचूडामणि	45.37
12.	व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	3.01
13.	अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा	45.47
14.	उच्चतर माध्यमिक/माध्यमिक विद्यालयों के संस्कृत अध्यापकों का अनुदान	23.13
15.	उत्तरपूर्वी राज्य	283.89
16.	दूरस्थ शिक्षा योजना	130.17
17.	डेकेन कॉलेज-पूना	48.80
18.	पालि-प्राकृत	59.78
	कुल योग	**5599.23**

8. 2012-2013 वर्ष की प्रमुख गतिविधियाँ

8.1 सम्मान समारोह (19 जून, 2012)

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रतिवर्ष संस्कृत, पालि, प्राकृत, फारसी तथा अरबी भाषा में निपुणता एवं शास्त्रीय पाण्डित्य के लिए विद्वानों का राष्ट्रपति सम्मान हेतु चयन किया जाता है। साथ ही महर्षि बादरायण व्यास सम्मान हेतु युवा-विद्वानों को भी राष्ट्रपति सम्मान से प्रोत्साहित किया जाता है। प्रत्येक वर्ष स्वतन्त्रता दिवस की पूर्व सन्ध्या पर भारत के महामहिम राष्ट्रपति महोदय सम्मानित विद्वानों की घोषणा करते हैं। इसी क्रम में वर्ष- 2010 एवं 2011 का राष्ट्रपति सम्मान समारोह दिनांकः 19.6.2012 को राष्ट्रपति भवन में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ, जिसमें महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटील महोदया द्वारा निम्नलिखित विद्वानों को उनके द्वारा दिए गए संस्कृत, फारसी, अरबी तथा पालि/प्राकृत भाषा में योगदान के लिए राष्ट्रपति सम्मान पत्र से सम्मानित किया -

भारत की राष्ट्रपति महामहिम श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटील के साथ वर्ष 2010 के लिये राष्ट्रपति समानपत्र तथा महर्षि बादरायण व्यास सम्मान से सम्मानित विद्वानों का सामूहिक चित्र।

भारत की राष्ट्रपति महामहिम श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटील के साथ वर्ष 2011 के लिये राष्ट्रपति समानपत्र तथा महर्षि बादरायण व्यास सम्मान से सम्मानित विद्वानों का सामूहिक चित्र।

महामहिम श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटील, भारत की माननीय राष्ट्रपति,
सम्मान पत्र प्रदान करती हुई - वर्ष 2010

महामहिम श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटील, भारत की माननीय राष्ट्रपति,
सम्मान पत्र प्रदान करती हुई - वर्ष 2011

8.2 राष्ट्रीय मूल्याकंन प्रत्यायन परिषद, बैंगलूरु द्वारा निरीक्षण (9-26 अप्रैल, 2012)

राष्ट्रीय मूल्याकंन प्रत्यायन परिषद् (NAAC), बैंगलूरु की निरीक्षण समिति द्वारा 09 अप्रैल से 26 अप्रैल, 2012 तक राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली एवं उसके अधीनस्थ परिसरों का निरीक्षण किया गया यथा - निरीक्षण समिति द्वारा 9.4.2012 को संस्थान मुख्यालय, नई दिल्ली का निरीक्षण सम्पन्न हुआ तथा अन्य परिसरों का निरीक्षण निम्नलिखितानुसार निर्धारित किया गया-

क्रम.सं.	समिति सदस्य	परिसर	कार्यक्रम तिथि
1.	**प्रथम दल**		
	* प्रो. पंकज चान्दे, रामटेक-अध्यक्ष	मुख्यालय	09 अप्रैल, 2012
	* प्रो. के.के. शर्मा, वाराणसी-सदस्य	जयपुर परिसर	17-18 अप्रैल, 2012
	* प्रो. अरूणा गोयल, चण्ड़ीगढ़-सदस्य	वेद व्यास परिसर, बलहार	20-21 अप्रैल, 2012
		श्री रणवीर परिसर, जम्मू	23-24 अप्रैल, 2012
2.	**द्वितीय दल**		
	* प्रो. के.वी. रामाकृष्णाम् आचार्यलू, तिरुपति-सदस्य	मुख्यालय	09 अप्रैल, 2012
	* प्रो. श्रीनिरुद्ध दास, चेन्नई-सदस्य	भोपाल परिसर, भोपाल	11-12 अप्रैल, 2012
	* प्रो. सी.एस. राधाकृष्णन्, पॉण्डेचेरी-सदस्य	लखनऊ परिसर, लखनऊ	14-15 अप्रैल, 2012
		गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद	17-18 अप्रैल 2012
		मुम्बई परिसर, मुम्बई	23-24 अप्रैल, 2012
3.	**तृतीय दल**		
	* प्रो. अशोक कालिया, लखनऊ-सदस्य	मुख्यालय	09 अप्रैल, 2012
	* प्रो. सुधा रानी पाण्डेय, हरिद्वार-सदस्य	गुरुवायूर परिसर, पुरनाटुक्करा	11-12 अप्रैल, 2012
	* प्रो. मानवेन्दु बैनर्जी, कोलकता-सदस्य	श्री राजीव गाँधी परिसर, शृंगेरी	14-15 अप्रैल, 2012
		श्री सदाशिव पसिर, पुरी	23-24 अप्रैल, 2012

समिति के अतिरिक्त नेक कार्यालय बैंगलूरु से नामित डॉ. गणेश हेगडे तथा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के प्रतिनिधि के रूप में डॉ. के.बी. सुब्बरायुडु, प्रभारी कुलसचिव, डॉ. शुक्ला मुखर्जी, परियोजनाधिकारी, प्रो. सुदेश कुमार शर्मा, डॉ. वाई.एस. रमेश, एवं डॉ. लक्ष्मीनिवास पाण्डेय भी समिति सदस्यों के साथ उपस्थित थे।

उपरोक्त परिसरों का निरीक्षण करने के पश्चात् राष्ट्रीय मूल्याकंन प्रत्यायन परिषद् दल के सभी सदस्य 26 अप्रैल, 2012 को मुख्यालय में संस्थान के अधीनस्थ परिसरों से सम्बन्धित पृथक-पृथक मूल्याकंन प्रतिवेदन पर समीक्षा हेतु उपस्थित हुए। प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के द्वारा समिति सदस्यों का अभिनन्दन किया गया।

नैक प्रतिवेदन प्रस्तुत करने हेतु संस्थान की परिचालन समिति के अध्यक्ष प्रो. वेम्पटि कुटुम्ब शास्त्री तथा सदस्यों के रूप में प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु, डॉ. शुक्ला मुखर्जी, डॉ. वाई.एस. रमेश और उप-समिति के सदस्य प्रो. सुदेश कुमार शर्मा, डॉ. लक्ष्मीनिवास पाण्डेय नेक मुख्यालय, बैंगलूरु में उपस्थित हुए।

राष्ट्रीय मूल्याकंन प्रत्यायन परिषद् (NAAC), बैंगलूरु द्वारा दिनांकः 5.7.2012 के दिन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (सम.वि.वि.), नई दिल्ली को 'ए' श्रेणी से सम्मानित किया गया।

प्रमाण पत्र लेते हुए प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

8.3 राष्ट्रीय प्राकृत संगोष्ठी (10-12 मई, 2012)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली एवं श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनांक 10 से 12 मई, 2012 तक राष्ट्रीय प्राकृत संगोष्ठी 'भारतीय परम्परा में प्राकृत भाषा और साहित्य का अवदान' का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का उद्घाटन 10 मई, 2012 को भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आई. आई.एफ.टी.), नई दिल्ली में सम्पन्न हुआ जिसमें मुख्यातिथि के रूप में केन्द्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री श्री प्रदीप जैन 'आदित्य', विशिष्टातिथि, उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश एवं श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के कुलाधिपति न्यायमूर्ति डॉ. मुकुन्दकाम शर्मा, सारस्वतातिथि जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय, लाडनूँ की कुलपति समणी डॉ. चारित्रप्रज्ञा एवं इन्दिरागाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, वाराणसी के परामर्शदाता प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी उपस्थित हुए। समारोह की अध्यक्षता संस्थान के कुलपति प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी ने की। समारोह में श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली के कुलसचिव डॉ. बी. के. महापात्र ने स्वागत भाषण द्वारा उद्बोधन किया।

उद्घाटन समारोह

त्रिदिवसीय संगोष्ठी में प्राकृत के विभिन्न वर्गों में कुल 25 शैक्षणिक-सत्रों में 150 शोध-पत्रों का वाचन प्रतिभागी विद्वानों द्वारा किया गया। वर्गों के नाम इस प्रकार है :-

1. आगम साहित्य (Canonical Literature)
2. रूपक साहित्य (Drammatical Literature)
3. काव्य साहित्य (Poetic Literature)
4. कथा साहित्य (Fiction Literature)
5. भाषिक एवं इतिवृत्त (Lingual History and Classification)
6. व्याकरण साहित्य (Grammatical Literature)
7. अभिलेखीय साहित्य (Inscriptional Literature)
8. लाक्षणिक साहित्य (Charactersitic Literature)
9. पाण्डुलिपि (Manuscripts)

प्राकृत संगोष्ठी का समापन समारोह 12 मई, 2012 को श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली के सभागार में सम्पन्न हुआ। समारोह में मुख्यातिथि रूप में प्रो. अभिराज राजेन्द मिश्र, भूतपूर्व कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, सारस्वतातिथि के रूप में प्रो. रामजी सिंह, भूतपूर्व कुलपति जैन विश्व भारती, लाडनूँ (राजस्थान) तथा पूर्व सांसद, पटना (बिहार) ने उपस्थित होकर अपने वक्तव्यों में प्राकृत-अकादमी की स्थापना एवं विश्व प्राकृत सम्मेलन तथा विश्व प्राकृत प्रतिभा समवाय के आयोजन की अनुशंसा की।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के प्रभारी कुलसचिव प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु ने समारोह की अध्यक्षता की तथा प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

समापन समारोह

8.4 अखिल भारतीय संस्कृत कवि समवाय (11 मई, 2012)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा अपना पाचवाँ अखिल भारतीय संस्कृत कवि समवाय (कविभास्करी) दिनांकः 11.5.2012 को संस्थान मुख्यालय के सारस्वत सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के कुलपति प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी महोदय ने की। मुख्यातिथि के रूप में जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय, लाडनूँ, राजस्थान के भूतपूर्व कुलपति तथा पूर्व सासंद, पटना के आचार्य रामजी सिंह तथा सारस्वतातिथि रूप में श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली के ज्योतिष विभागाध्यक्ष से अवकाश प्राप्त आचार्य रामदेव झा उपस्थित हुए। डॉ. भागीरथी नन्द ने कार्यक्रम का शुभारम्भ मंगलाचण से किया। ईरान दूतावास के अधिकारी श्री अलीरज़ादस्ज़े महोदय का सम्मान कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं संस्थान के कुलपति प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी ने किया। इस कार्यक्रम में प्रो. त्रिपाठी महोदय द्वारा 'कपोलकूपकम्' सुन्दर गज़ल का गायन किया गया। इस अवसर पर जगदगुरु रामानन्दचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर के कुलपति आचार्य रामानुज देवनाथन् द्वारा 'इक्षुदण्डकच्छन्दसा' कविता के माध्यम से श्रीकृष्ण का वर्णन सुनाया गया तथा गुजरात प्रान्त के विख्यात कवि आचार्य हर्षदेव माधव महोदय द्वारा 'मुख्याकृति ग्रन्थ' (फेसबुक) कविता प्रस्तुत की गई। डॉ. रामकुमार शर्मा, डॉ. विष्णुकान्त झा, आचार्य रमेश कुमार पाण्डेय, डॉ. बलराम शुक्ल, डॉ. रमाकान्त शुक्ल ने भी अपनी नवीन रचनाओं से सभागार में उपस्थित कवियों एवं श्रोताओं को उदबोधित किया। अन्ततः संस्थान के प्रभारी कुलसचिव आचार्य के.बी. सुब्बरायुडु महोदय ने समस्त कवियों एवं सभागार में उपस्थित विद्वानों को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन डॉ. रमाकान्त पाण्डेय महोदय ने किया।

कविभास्करी

8.5 राष्ट्रीय प्राकृत संस्कृतच्छाया सम्पादन/संशोधान कार्यशाला (14-21 मई, 2012)

14-21 मई, 2012 तक राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के सारस्वत सभागार में राष्ट्रीय प्राकृत संस्कृतच्छाया सम्पादन/संशोधन कार्यशाला का आयोजन किया गया। उद्घाटन-सत्र की अध्यक्षता प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली तथा समापन-सत्र में मुख्यातिथि के रूप में प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र, पूर्वकुलपति सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय उपस्थित हुए। इस कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में आचार्य जानकी प्रसाद द्विवेदी (वाराणसी), आचार्य दामोदर शास्त्री (लाडनूं), डॉ. जयकुमार जैन (मुजफ्फरनगर), आचार्य हरिशंकर पाण्डेय (वाराणसी), आचार्य कमलेश कुमार जैन (वाराणसी), आचार्य दीनानाथ शर्मा (अहमदाबाद), आचार्य जगतराम भट्टाचार्य, (लाडनूं), आचार्य वृषभ प्रसाद जैन (लखनऊ) तथा आचार्य संघसेन सिंह (दिल्ली) उपस्थित हुए।

8.6 राष्ट्रीय संगोष्ठी (21-22 मई, 2012)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली एवं कॉटन महाविद्यालय, गुवाहाटी के संयुक्त तत्वावधान में असम राज्य की राजधानी गुवाहाटी में भारत गौरव आनन्दराम बडुआ महोदय के 162वें जन्मदिन के अवसर पर 21-22 मई, 2012 की तिथियों में द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का उद्घाटन दिनांक 21.5.2012 को के.वी.आर सभागार, कॉटन कॉलेज, गुवाहाटी में आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि रूप में श्री पवन सिंह घटवार, राज्यमन्त्री, पूर्वोत्तर-प्रान्त-विकास, भारत सरकार, अध्यक्ष रूप में न्यायमूर्ति डॉ. मुकुन्दकामशर्मा, कुलाधिपति, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली तथा विशिष्टातिथि रूप में श्री रं. वं. तेरां, सभापति, असम साहित्य सभा, गुवाहाटी उपस्थित हुए।

कार्यक्रम के मुख्य भाषण में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के कुलपति प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी महोदय ने 'भारत गौरव आनन्दराम बडुआ महोदय द्वारा संस्कृत के लिए दिए गए योगदान' पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। इस अवसर पर शैक्षिणक-सत्र के अतिरिक्त सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी हुआ।

उद्घाटन-सत्र

शैक्षिणक-सत्र

कार्यक्रम के समापन समारोह में मुख्यातिथि श्री एच. बी. शर्मा, माननीय शिक्षामंत्री, असम सरकार उपस्थित थे। साथ ही अध्यक्ष न्यायमूर्ति डॉ. मुकुन्दकामशर्मा, कुलाधिपति, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली तथा विशिष्टातिथि के रूप में डॉ. निरदा देवी, प्राचार्य, कॉटन महाविद्यालय, गुवाहाटी, श्री दीपक शर्मा, कुलपति, के.बी.वी.एस. विश्वविद्यालय, नलबारी, असम सारस्वतातिथि भी उपस्थित थे। इस अवसर पर संस्थान के कुलपति प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी महोदय ने आनन्दराम बडुआ महोदय के जन्म-वर्षगाँठ पर निष्कर्ष भाषण प्रस्तुत किया। इस सम्पूर्ण कार्यक्रम की व्यवस्था संस्थान की परियोजनाधिकारी डॉ. शुक्ला मुखर्जी एवं कॉटन महाविद्यालय, गुवाहाटी ने

समापन-सत्र में सांस्कृतिक कार्यक्रम

8.7 अखिल भारतीय ग्रीष्मकालीन प्राकृत भाषा एवं साहित्य अध्ययन कार्यशाला (20 मई से 10 जून, 2012)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली एवं भोगीलाल लहेरचन्द प्राच्य विद्या संस्थान, दिल्ली के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनांकः 20 मई, 2012 से 10 जून, 2012 तक बाईसदिवसीय '24वीं अखिल भारतीय ग्रीष्मकालीन प्राकृत भाषा एवं साहित्य अध्ययन कार्यशाला' का आयोजन हुआ। कार्यशाला के उद्घाटन-सत्र (20 मई, 2012) के मुख्यातिथि डॉ. वेनु वी. आई.ए.एस. संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार तथा अध्यक्ष श्री वी.बी. प्यारेलाल, आई.ए.एस. संयुक्त सचिव, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, नई दिल्ली थे।

संस्था के निदेशक प्रो. फूलचन्द जैन 'प्रेमी' ने प्राकृत अध्ययन कार्यशाला के उद्देश्य से सभी प्रतिभागियों और

विद्वानों को अवगत कराया तथा संस्था के उपाध्यक्ष डॉ. जितेन्द्र बी. शाह ने भी सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए प्राकृत भाषा के विकास में संस्थान के विशिष्ट योगदान को प्रस्तुत किया। अध्ययनशाला में आचार्य दामोदर शास्त्री, आचार्य जगतरामभट्टाचार्य, आचार्य जितेन्द्र शाह, डॉ. कमलेश कुमार जैन, डॉ. अनेकान्तकुमार जैन आदि विद्वानों ने शिक्षण कार्य सम्पादित किया। इसके अतिरिक्त विख्यात विद्वान् आचार्य गयाचरण त्रिपाठी, डॉ. विजयशंकर शुक्ल, आचार्य निहाल चन्द्र जैन, आचार्य सुदीप कुमार जैन, आचार्य विद्यालंकार तथा आचार्य एच.सी. जैन भी इस कार्यक्रम में उपस्थित हुए।

इस कार्यशाला की एक बड़ी उपलब्धि यह भी रही कि डॉ. श्रीमती इन्दु जैन, के अथक प्रयासों से दिनांकः 5.6.2012 को दिल्ली दूरदर्शन के डी.डी. भारती चैनल पर 36 देशों में प्राकृत भाषा पर आधारित 'मेरी बात' परिचर्चा का सजीव प्रसारण किया गया। दिनांकः 10.6.2012 को अध्ययनशाला का समापन समारोह आयोजित हुआ, जिसमें मुख्यातिथि प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली, अध्यक्ष श्री लक्ष्मी शंकर वाजपेयी, निदेशक, आकाशवाणी केन्द्र, नई दिल्ली एवं विशिष्टातिथि प्रो. के.बी. सुब्बारायुडु, प्रभारी कुलसचिव, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली ने उपस्थित होकर प्राकृत भाषा एवं उसके विकास पर अपने वक्तव्यों को प्रस्तुत किया। समापन समारोह में उपस्थित आमन्त्रित सभी विद्वानों का धन्यवाद ज्ञापन डॉ. धनेश जैन ने किया।

8.8 संस्कृत सप्ताहोत्सव (28 जुलाई से 06 अगस्त, 2012)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली ने 28.07.2012 से 06.08.2012 तक 'संस्कृत सप्ताह महोत्सव' कार्यक्रम का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न किया। इस साप्ताहिक कार्यक्रम में संस्कृत के निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किये गये :-

उद्घाटन समारोह एवं कविसपर्या कार्यक्रम - (28.7.2012)

अध्यक्ष	-	कुलपति
सम्मान्य कवि	-	प्रो. रेवा प्रसाद द्विवेदी, वाराणसी
वक्ता	-	प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र, शिमला
	-	प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी, वाराणसी

कविसपर्या कार्यक्रम

- प्रो. रमेश पाण्डेय, दिल्ली
- डॉ. सदाशिव कुमार द्विवेदी, वाराणसी·

संस्कृत पत्रकार सम्मेलन (30.7.2012) कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें देश के विभिन्न प्रान्तों से संस्कृत के कुल 25 पत्रकारों ने भाग लिया।

संस्कृत पत्रकार सम्मेलन

विद्वत्सपर्या कार्यक्रम (31.7.2012)

सम्मान्य - प्रो. दयानन्द भार्गव, जयपुर

वक्ता - प्रो. रामानुज देवनाथ्न, कुलपति, ज.रा.सं.विश्वविद्यालय, जयपुर

- प्रो. श्रीकृष्ण शर्मा, जोधपुर विश्वविद्यालय, जोधपुर
- डॉ. सरोज कोशल, संस्कृतविभाग, जोधपुर विश्वविद्यालय, जोधपुर
- डॉ. रमाकान्त पाण्डेय, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली

विद्वत्सपर्या कार्यक्रम

विद्यालयस्तीय छात्र/छात्राओं के लिए दिनांकः 01.8.2012 एवं 03.8.2012 को संस्कृत प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के दौरान होने वाली स्तोत्रपाठ, भाषण एवं निबन्ध प्रतियोगिताओं में दिल्ली और एन.सी.आर. के 112 विद्यालयों के छात्र/छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

संस्कृत प्रतियोगिताएँ

संस्कृत दिवस समारोह (02.8.2012)

अध्यक्ष	-	पद्मभूषण आचार्य सत्यव्रत शास्त्री, ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त संस्कृत विद्वान
मुख्यातिथि	-	श्री पवन सिंह घटवार, राज्यमन्त्री, पूर्वोत्तर राज्य विकास, भारत सरकार
विशिष्टातिथि	-	प्रो. रमाकान्त गोस्वामी, उद्योग-श्रम-निर्वाचन मन्त्री, दिल्ली सरकार
सारस्वत अतिथि	-	श्री तरुण विजय, सांसद, राज्यसभा

संस्कृत दिवस समारोह

संस्कृत दिवस समारोह का आयोजन नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय संग्रहालय के सभागार में आयोजित हुआ। इस अवसर पर संस्थान के कुलपति आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी महोदय ने अपने स्वागत भाषण में संस्कृत के उत्थान के लिए विभिन्न परियोजनाओं की चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान एवं श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के प्रकाशन योजना के अन्तर्गत नवीन मुद्रित पुस्तकों एवं अप्रकाशित पाण्डुलिपि ग्रन्थों का भी लोकार्पण हुआ।

संस्कृत दिवस समारोह में संस्कृत से भिन्न क्षेत्र के होते हुए भी संस्कृत जगत के लिए विशेष योगदान देने वाले विद्वानों को संस्कृत सेवाव्रती सम्मान से सम्मानित किया गया। साथ ही उन्हें एक लाख रूपये की एक मुश्त किस्त से सम्मानित भी किया। सम्मानित विद्वान् निम्न प्रकार से है :-

1. प्रो (डॉ.) गोपाल मित्र, शिल्पकार
2. डॉ. प्रशान्त कुमार मिश्र, वनस्पति वैज्ञानिक
3. श्री वेद प्रकाश शर्मा एवं श्रीमती मंजु शर्मा (संयुक्त), पत्रकार·

संस्कृत सेवाव्रती सम्मान

संस्कृत सप्ताह महोत्सव का समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण समारोह (6.8.2012)

अध्यक्ष - न्यायमूर्ति मुकुन्दकाम शर्मा, कुलाधिपति, श्री ला.ब.शा. राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली

सान्निध्य - प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली

समापन समारोह

दिनांकः 6.8.2012 को आयोजित संस्कृत सप्ताहोत्सव के समापन समारोह में श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली के कुलाधिपति न्यायमूर्ति डॉ. मुकुन्दकाम शर्मा महोदय द्वारा स्तोत्रपाठ, भाषण एवं निबन्ध प्रतियोगिताओं में सफल प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्रों से पुरस्कृत किया गया। इस सप्ताहव्यापी कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण संस्थान की परियोजनाधिकारी डॉ. शुक्ला मुखर्जी महोदया ने प्रस्तुत किया। अन्त में धन्यवाद ज्ञापन संस्थान के उप-नियंत्रक (परीक्षा) डॉ. गोपी रमण मिश्र महोदय ने किया।

पुरस्कृत छात्र एवं छात्राएँ

8.9 हिन्दी पखवाड़ा (14-30 सितम्बर, 2012)

संस्थान मुख्यालय में 14 से 30 सितम्बर, 2012 की तिथियों में हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया। प्रत्येक वर्ष भारत में '14 सितम्बर' का दिन हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर दिनांकः 14.9.2012 को उद्घाटन कार्यक्रम में हिन्दी भाषा के प्राचीन काव्यों का पाठ किया गया, जिसमें श्री कृष्णदत्त पालीवाल, पूर्व आचार्य, हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली मुख्यातिथि रूप में एवं डॉ. रमाकान्त शुक्ल, पूर्व आचार्य, हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली विशिष्टातिथि रूप में उपस्थित होकर प्राचीन कवियों की मार्मिक कविताएँ की। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के कुलपति प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी महोदय ने की।

हिन्दी भाषा की लोकप्रियता हेतु विभिन्न तिथियों में कार्यालयीय कर्मचारियों के लिए निम्नलिखित हिन्दी प्रतियोगिताएँ भी आयोजित की गई। कविता पाठ (विषय- मेरा राष्ट्र मेरी हिन्दी), गीत-संगीत, निबन्ध, नोटिंग एण्ड ड्राफ्टिंग, श्रुतलेख, सुलेख, आशुभाषण, वाद-विवाद तथा प्रश्नमंच। प्रस्तुत प्रतियोगिताओं के निर्णायकों के रूप में हिन्दी भाषा के मर्मज्ञों को आमन्त्रित किया गया। इन प्रतियोगिताओं में सफल प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं दो सांत्वना पुरस्कारों सहित हिन्दी साहित्य की पुस्तकों से स्थापना दिवस (15 अक्तूबर, 2012) कार्यक्रम में सम्मानित भी किया गया।

हिन्दी दिवस का उद्घाटन कार्यक्रम

8.10 पण्डित परिषद् व्याख्यानमाला (01-03 अक्तूबर, 2012)

अखिल भारतीय प्राच्य विद्या सम्मेलन के 46वें सत्र का आयोजन 01 से 3 अक्तूबर, 2012 तक कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा पण्डित परिषद् व्याख्यानमाला का आयोजन हुआ। तीन दिनों में अधोलिखित विषयों के उपविषयों पर नवीन युग के विद्वानों द्वारा अपना-अपना व्याख्यान दिया गया यथा-

प्रथम सत्र - आधुनिक युग में वेदान्त एवं ज्योतिष

उप-विषय- 1. नवीन वेदान्त और भौतिक शास्त्र, 2. वेदान्त और सापेक्षत सिद्धान्त, 3. वेदान्त और आधुनिक दिक्काल विमर्श, 4. ज्योतिष एवं आधुनिक खगोल शास्त्र

वक्ता - आचार्य विन्ध्येश्वरी प्रसाद मिश्र

द्वितीय सत्र - आधुनिक युग में न्याय दर्शन

उप-विषय- 1. नव्यन्याय की संगणक यन्त्रों में उपयोगिता, 2. न्याय दर्शन और पाश्चात्य तर्कशास्त्र

वक्ता - डॉ. नवीन होल्ला
आचार्य वेङ्कटराम बी.वी. शास्त्री
डॉ. सुब्राय वी. भट्ट

तृतीय सत्र - संस्कृत व्याकरण और नवीन भाषा सिद्धान्त

उप-विषय- 1. पाणिनि और चाम्स्की, 2. यान्त्रिक अनुवाद के लिए संस्कृत व्याकरण, 3. व्याकरण अध्यापन में पाणिनीय प्रविधि

वक्ता - आचार्य आजाद मिश्र
आचार्य अर्कनाथ चौधरी
डॉ. ललित कुमार त्रिपाठी

सत्रों की अध्यक्षता - आचार्य के.बी. सुब्बरायुडु, आचार्य श्रीपादसुब्रह्मण्य शास्त्री एवं डॉ. पुष्पा दीक्षित महोदया द्वारा की गई।

8.11 संस्कृत अनुवाद लेखन कार्यशाला (06-15 अक्तूबर, 2012)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 06 से 15 अक्तूबर, 2012 की तिथियों में संस्कृत अनुवाद लेखन कार्यशाला (Workshop on Sanskrit Translation Writings) का आयोजन मुख्यालय के सारस्वत सभागार में किया गया। इस कार्यशाला में प्रो. पुष्पा दीक्षित, निदेशिका, पाणिनी शोध संस्थान, बिलासपुर तथा डॉ. रमाकान्त शुक्ल, चूड़ामणि सम्मान राशि प्राप्त विद्वान् विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित हुए। प्रस्तुत कार्यशाला में देश के विविध प्रान्तों से आए बीस से अधिक युवा विद्वानों ने विविध ग्रन्थों का संस्कृत में अनुवाद किया।

बायें से - प्रो. रमाकान्त पाण्डेय, प्रो. पुष्पा दीक्षित, प्रो. अभिराजराजेन्द्र मिश्र, प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, प्रो. के. बी. सुब्बरायुडु, डॉ. रमाकान्त शुक्ल

8.12 स्थापना दिवस महोत्सव (15 अक्तूबर, 2012)

दिनांकः 15 अक्तूबर, 2012 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली ने अपना '43वाँ स्थापना दिवस महोत्सव' संस्थान के सारस्वत सभागार में आयोजित किया। इस कार्यक्रम के मुख्यातिथि आचार्य अभिराज राजेन्द्र मिश्र, भूतपूर्व कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी थे। विशिष्टातिथि रूप में डॉ. पुष्पा दीक्षित, निदेशिका, पाणिनी शोध संस्थान, बिलासपुर, डॉ. रमाकान्त शुक्ल, महासचिव, देववाणी परिषद्, नई दिल्ली तथा अध्यक्ष के रूप में आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली उपस्थित हुए। प्रो. त्रिपाठी महोदय ने अपने अध्यक्षीय भाषण में संस्कृत के प्रचार-प्रसार में संस्थान की 1970 से भूमिका का उल्लेख करते हुए उसकी उपब्धियों से सभागार में उपस्थित विद्वानों को अवगत कराया। कार्यक्रम के अवसर पर हिन्दी पखवाड़े की प्रतियोगिताओं में सफल कार्यलयीय कर्मचारियों को भी पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया।

स्थापना दिवस

हिन्दी प्रतियोगिताओं हेतु पुरस्कार वितरण समारोह

8.13 युवा महोत्सव (30 अक्तूबर से 02 नवम्बर, 2012)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा अपने अधीनस्थ परिसरों में अध्ययन कर रहे छात्र/छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए पंचम अन्तःपरिसरीय युवा महोत्सव-2012 का आयोजन 30 अक्तूबर से 02 नवम्बर, 2012 पर्यन्त भोपाल परिसर, भोपाल में सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया गया। इस चतुर्दिवसीय महोत्सव का उद्घाटन महामहिम श्री रामनरेश यादव, राज्यपाल, मध्यप्रदेश शासन के करकमलो से हुआ। उद्घाटन में विशिष्टातिथि रूप में माननीय श्री अजय सिंह 'राहुल भैया', प्रतिपक्ष-नेता, मध्य प्रदेश विधान सभा भी उपस्थित हुए।

युवा महोत्सव के दौरान चार दिन तक चलने वाले विभिन्न शास्त्रीय, चित्र, सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा स्पर्धाओं में 400 से अधिक छात्र-छात्राओं ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया -

उद्घाटन-समारोह

क्रीडास्पर्धा

1. योगासनम् (*Yogasanam*)
2. 100 मीटरधावनम्
3. 200 मीटरधावनम्
4. 400 मीटरधावनम्
5. 800 मीटरधावनम्
6. 1500 मीटरधावनम्
7. दीर्घकूर्दनम् (*Long Jump*)
8. उच्चकूर्दनम् (*High Jump*)
9. गोलकक्षेपणम् (*Shot put*)
10. चक्रक्षेपणम् (*Discus throw*)
11. कुन्तक्षेपणम् (*Javaline throw*)
12. बैडमिण्टन् (*Badminton*) - एकक एवं युगल
13. हस्तकन्दुकम् (*Volleyball*)
14. मल्लयुम् (*Wrestling 50, 55, 60, 66, 74*)
15. कबड्डी (*Kabaddi*)
16. चतुरङ्ग (*Chess*)
17. खो-खो

शास्त्रीयस्पर्धा

शैक्षिकस्पर्धा

1. संस्कृतसुभाषितकण्ठपाठः
2. वादविवादस्पर्धा
3. स्फूर्तिस्पर्धा
4. साहित्यरचना
5. संगणकीयसंस्कृत

चित्रस्पर्धा

1. आशुचित्रणम्
2. व्यङ्गयचित्रम्
3. भित्तिपत्रकम्
4. रङ्गवल्ली

सांस्कृतिकस्पर्धा

1. एककसंस्कृतगीतम्

2.एककशास्त्रीयगायनम्

3. एककशास्त्रीयवादनम्
4. एककशास्त्रीयनृत्यम्
5. एकपात्राभिनयः
6. संस्कृतसंघनृत्यम्

युवा महोत्सव की स्पार्धाओं के दृश्य

अन्तः परिसरीय युवा महोत्सव में इस वर्ष जयपुर परिसर को प्रथम स्थान एवं विजय वैजयन्ती प्राप्त हुई। श्री राजीव गाँधी परिसर, शृंगेरी को द्वितीय स्थान और के.जे. सोमैया संस्कृत विद्यापीठ, मुम्बई परिसर को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

दिनांकः 02.11.2012 को युवा महोत्सव का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित हुआ, जिसमें मुख्यातिथि रूप में माननीय डा. चरणदास महन्तः राज्यमंत्री, कृषि मंत्रालय, भारत शासन एवं सम्मानितातिथि के रूप में माननीय श्री प्रदीप जैन 'आदित्य', राज्यमंत्री, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत शासन, विशिष्टातिथि के रूप में श्री सुभाष चन्द्र त्रिपाठी, पूर्व पुलिस महानिदेशक, सारस्वातिथि के रूप में प्रो. निशा दुबे, कुलपति, बरकत उल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल उपस्थित हुए।

समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह

उक्त दोनों ही कार्यक्रमों में संस्थान के माननीय कुलपति महोदय अध्यक्ष रूप में उपस्थित रहें तथा कुलसचिव प्रो. के. बी. सुब्बरायुडु, डॉ. शुक्ला मुखर्जी, परियोजनाधिकारी एवं प्रो. आजाद मिश्र, प्राचार्य, भोपाल परिसर, भोपाल ने विशिष्ट भूमिका का निर्वाह करते हुए कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया।

8.14 दीक्षान्त समारोह (21 जनवरी, 2013)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली ने 21 जनवरी, 2013 को 'चतुर्थ दीक्षान्त-समारोह' नई दिल्ली के सिरीफोर्ट सभागार में भव्य रूप में सम्पन्न किया। इस समारोह की अध्यक्षता केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री तथा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के अध्यक्ष माननीय डॉ. एम.एम. पल्लम राजू महोदय ने की। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एवं

समारोह की झलक, बीच में मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार डॉ. एम.एम. पल्लम राजू

श्री लाल बहादुर राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली के कुलाधिपति, न्यायमूर्ति माननीय श्री मुकुन्दकाम शर्मा जी ने दीक्षान्त भाषण दिया। समारोह के आरम्भ में गणमान्य अतिथियों का केरल के पारम्परिक वाद्य पंचवाद्यम् से स्वागत किया गया। तत्पश्चात् संस्थान के कुलपति प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी ने अपने स्वागत भाषण तथा प्रतिवेदन में बताया कि राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा स्थापित विश्व का सबसे बड़ा एवं एकमात्र बहुपरिसरीय संस्कृत विश्वविद्यालय है। संस्थान के दस परिसर तथा 25 आदर्श संस्कृत महाविद्यालय और आदर्श शोध संस्थान देश के विभिन्न प्रान्तों में चल रहे हैं। इनमें पुस्तकालय, प्रयोगशालाओं और छात्रावासों के साथ स्नातकोत्तर स्तर तक अध्ययन-अध्यापन और शोध की सुविधायें हैं।

प्रो. त्रिपाठी ने दीक्षान्त समारोह में वर्ष-2010, 2011 एवं 2012 में उपाधि प्राप्त करने वाले छात्रों को बधाई दी। इस दीक्षान्त समारोह में 9133 छात्रों को विद्यावारिधि (पीएच्.डी), आचार्य (एम.ए.) शिक्षाचार्य (एम.एड.) आदि उपाधियाँ प्रदान की गई। योग्यता-सूची में स्थान पाने वाले 66 छात्रों को स्वर्ण पदक भी प्रदान किये गये। आचार्य रामकरण शर्मा द्वारा स्थापित नव्यव्याकरणाचार्य में सर्वप्रथम स्थान प्राप्त छात्र को एक स्वर्ण पदक तथा श्री एन.जी. कौशल द्वारा अपनी बहन श्रीमती संयुक्ता कौशल/केवलकृषण कौशल की स्मृति में वर्ष-2009 से स्थापित विशेष स्वर्ण पदक सभी स्नातकोत्तर कक्षाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री ने अपने करकमलों से सम्मानित किया। इस अवसर पर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा विद्या-वाचस्पति और शास्त्रों के प्रकाण्ड पंडित तथा विश्वविख्यात संस्कृत विद्वान् आचार्य पी. रामचन्द्ररुडु शर्मा तथा आचार्य रामशंकर त्रिपाठी जी को 'शास्त्र कल्पद्रुम' की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। अपने अध्यक्षीय भाषण में माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री जी ने संस्कृत शिक्षा को आधुनिक बनाने पर जोर दिया। उन्होंने संस्कृत को देश की अमूल्य धरोहर बताया। अपने दीक्षान्त-भाषण में न्यायमूर्ति डॉ. मुकुन्दकाम शर्मा ने कहा कि राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की संस्कृत के विकास के लिए महत्वपूर्ण राष्ट्रव्यापी भूमिका रही है तथा भारत सरकार को इस संस्था को प्रोत्साहित करना चाहिए।

इस अवसर पर संस्थान के नवीन प्रकाशनों का विमोचन भी हुआ। दीक्षान्त-समारोह में संस्थान के विभिन्न परिसरों के एक हजार से अधिक विद्यार्थी, प्राध्यापक तथा गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

दीक्षान्त समारोह

8.15 संस्कृत नाट्य महोत्सव (05-07 फरवरी, 2013)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा प्रत्येक वर्ष अन्तः परिसरीय संस्कृत नाट्य महोत्सव (कौमुदी महोत्सव) का अयोजन किया जाता है। इसी क्रम में दशमः अन्तः परिसरीय संस्कृत नाट्य महोत्सव-2012 का बृहद् अयोजन 05 से 07 फरवरी, 2013 की तिथियों में एल.टी.जी. प्रेक्षागृह, कॉपरनिक्स मार्ग, नई दिल्ली में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन माननीया डॉ. किरण वालिया, शिक्षा-भाषा-समाज-कल्याण एवं महिला बाल विकास मंत्री, दिल्ली सरकार द्वारा किया गया। दिनांकः 7.2.2013 को कार्यक्रम का समापन पूर्व केन्द्रीय मन्त्री तथा भूतपूर्व अध्यक्षा, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली की परम आदरणीया डॉ. (श्रीमती) सरोजिनी महिषी द्वारा किया गया।

उद्घाटन-समारोह

इस त्रिदिवसीय महोत्सव में संस्थान के अधीनस्थ 10 परिसरों में अध्ययन कर रहे छात्र/छात्राओं ने निम्नलिखित संस्कृत नाट्यों की प्रस्तुति कीः-

इलाहाबाद परिसर-मुद्रितमुदचन्द्रपकरण

शृंगेरी परिसर-मृच्छकटिक (अंक 1-2)

गुरूवायूर परिसर-मृच्छकटिक (अंक 3-5)

गरली परिसर-मृच्छकटिक (अंक 6-7)

जम्मू परिसर-मृच्छकटिक (अंक-8)

लखनऊ परिसर-मृच्छकटिक (अंक 9-10)

पुरी परिसर-मल्लिकामकरन्दप्रकरण

जयपुर पसिर-मालतीमाधव

भोपाल परिसर-प्रबुद्धरौहिणेय

मुम्बई परिसर-कौमुदीमित्रानन्दप्रकरण

अन्तः परिसरीय नाट्य-स्पर्धा में निर्णायकों का निर्णय इस प्रकार रहा -

प्रथम स्थान - भोपाल परिसर, भोपाल एवं श्री राजीव गाँधी परिसर, शृंगेरी

द्वितीय स्थान - गुरुवायूर परिसर, पुरनाटुक्करा, त्रिचूर

तृतीय स्थान - जयपुर परिसर, जयपुर एवं श्री सदाशिव परिसर, पुरी

श्रेष्ठ निर्देशन - प्रो. विद्यानन्द झा, भोपाल परिसर, भोपाल

श्रेष्ठ संगीत निर्देशन - श्री संजय द्विवेदी, भोपाल परिसर, भोपाल

श्रेष्ठ प्रकाश व्यवस्था - श्री राजेश सी. एस., गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर

श्रेष्ठ आहार्य और मञ्च व्यवस्था - श्री राकेश टी, श्री राजीव गाँधी परिसर, शृंगेरी

सर्वोत्तम अभिनेता - श्री पुरुषोत्तम दास, श्री रणवीर परिसर, जम्मू

सर्वोत्तम अभिनेत्री - कु. अन्तिमबाला जैन, जयपुर परिसर, जयपुर

समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह

सभी सफल प्रतिभागियों को नकद धनराशि एवं स्मृति चिन्हून के साथ प्रमाण-पत्र से प्रोत्साहित किया गया।

8.16 राष्ट्रीय संगोष्ठी (09-10 फरवरी, 2013)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली एवं श्री अरविन्दो इन्ट्रीयूट ऑफ इण्डियन कल्चर, शिलांग के संयुक्त तत्त्वावधान में 09 से 10 फरवरी, 2013 तक 'Inter Relation between Sanskrit and Indian Culture with special reference to Sri Aurobindo' विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन शिलांग में किया गया। इस संगोष्ठी के उद्घाटन-सत्र के मुख्यातिथि रूप में महामहिम श्रीरञ्जित-शेखर, मुशाहारी, राज्यपाल, मेघालय शासन तथा सारस्वतातिथि श्री पी.पी. श्रीवास्वत, आई.ए.एस., पूर्व सचिव, गृह मंत्रालय, भारत शासन एवं सदस्य पूर्वोत्तर परिषद् रहे। कार्यक्रम का समापन समारोह 10 फरवरी, 2013 को आयोजित हुआ, जिसमें मुख्यातिथि डॉ. ब्रह्मदत्त तिवारी, आई.ए.एस. संयुक्त सचिव, ग्रामीण विकास मंत्रालय, मेघालय शासन तथा सारस्वतातिथि आचार्य सीतानाथ दे, राष्ट्रपति सम्मान सम्मानित एवं पूर्व कला वाणिज्य विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, अगरतला उपस्थित हुए। उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो.के.बी. सुब्बरायुडु, प्रभारी कुलसचिव, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली ने की। इस द्विदिवसीय संगोष्ठी में देश के अनेक प्रान्तों से कई विद्वानों एवं प्रतिभागियों ने भाग लिया और कुल 28 शोध पत्रों का वाचन हुआ। समापन समारोह की अध्यक्षता संस्थान के कुलपति ने की।

उद्घाटन-सत्र

8.17 अखिल भारतीय संस्कृत शास्त्रीय स्पर्धा एवं अखिल भारतीय संस्कृत नाट्य उत्सव (02-04 मार्च, 2013)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के वार्षिक कलेन्डर-2012 के अनुसार संस्थान द्वारा 51वें अखिल भारतीय संस्कृत शास्त्रीय स्पर्धा (All India Elocution Contest) तथा पंचम अखिल भारतीय संस्कृत नाट्यमहोत्सव-2012 (5th All India Sanskrit Drama Festival) का बृहद् आयोजन अपने अधीनस्थ वेद व्यास परिसर, बलहार, गरली में दिनांकः 02.03.2013 से 04.03.2013 तक किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन-सत्र में मुख्यातिथि प्रो. रामचन्द्र भट्ट कोटेमाने, कुलपति, श्री विवेकानन्द योग विश्वविद्यालय, बैंगलूरु एवं समापन-सत्र में श्री सुधीर शर्मा, शहरी एवं ग्रामीण विकास मंत्री, हिमाचल सरकार उपस्थित हुए। इस त्रिदिवसीय नाट्य महोत्सव में समानन्तर, 333, करनालगंज, इलाहाबाद संस्था द्वारा 'स्वप्नवासवदत्तम (हि.अनु.)' नाटक की प्रस्तुति 02 मार्च, 2013 की तिथि में की गई तथा 'उत्तररामचरितम्' नाटक की प्रस्तुति 03 मार्च, 2013 को नाट्यशास्त्र अनुसंधान केन्द्र, भोपाल परिसर, भोपाल द्वारा की गई। इसी श्रेणी में पण्डित श्रीगदाधर दाश, पुरी स्थित संस्था द्वारा ''संस्कृत पाला'' नाटक की प्रस्तुति भी 03 मार्च, 2013 की तिथि में सम्पन्न हुई।

अखिल भारतीय संस्कृत शास्त्रीय स्पर्धा

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, वेद व्यास परिसर में सम्पन्न हुए 51वें अखिल भारतीय संस्कृत शास्त्रीय स्पर्धा में कुल 280 छात्र/छात्राओं ने प्रतिभागी रूप में भाग लिया। इन सभी प्रतिभागी छात्रों को राज्य स्तरीय 22 विभिन्न स्पर्धाओं द्वारा चयनित किया गया।

8.18 अखिल भारतीय अन्तर संस्कृत विश्वविद्यालय युवा महोत्सव (16-18 मार्च, 2013)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली एवं गौहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी के संयुक्त तत्वावधान में अखिल भारतीय अन्तर संस्कृत विश्वविद्यालय युवा महोत्सव का आयोजन 16-18 मार्च, 2013 में पूर्वोत्तर राज्य असम की राजधानी गुवाहाटी में सम्पन्न किया गया। इस त्रिदिवसीय महोत्सव के उद्घाटन में प्रो. अखिल कुमार मेधि, कुलपति, गौहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी मुख्यातिथि के रूप में तथा माननीय कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली अध्यक्ष रूप में गुवाहाटी में उपस्थित हुए। मंच पर आसीन विद्वानों में प्रो. भवेन्द्र झा, प्रभारी कुलपति, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली, प्रो. सरोज भाटे, महासचिव, भण्डारकर ओरियेन्टल रिसर्च इन्स्टीट्यूट, पूणे, डॉ. पुरूषोत्तम दास, कुलसचिव, गौहाटी विश्वविद्यालय, गोवाहाटी एवं प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु, कुलसचिव, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली रहे। महोत्सव के दौरान खेलकूद प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त सांस्कृतिक, चित्रण एवं शैक्षिक प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। जिसमें राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली एवं गौहाटी विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग की टीमों के अतिरिक्त देश के विभिन्न राज्यों से निम्नलिखित 05 संस्कृत विश्वविद्यालयों की टीमों के 360 प्रतिभागी छात्र गुवाहाटी में उपस्थित हुए -

1. कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा, बिहार
2. श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली
3. सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, जूनागढ़, गुजरात
4. श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, कालडी, केरल
5. श्री जगतगुरू रामानन्दाचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

उद्घाटन से पूर्व प्रतिभागियों द्वारा शोभायात्रा (मार्चपास्ट) तथा अध्यक्ष द्वारा ध्वजोत्तोलन किया गया तत्पश्चात् निम्नलिखित प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ :-

उद्घाटन-सत्र

स्पर्धाएँ

क्रीड़ा स्पर्धा- वालीवाल, कबड्डी, बैडमिन्टन (पुरूष एवं महिला), चैस (शतरंज), मल्लयुद्ध, खेलकूद (एथलेटिक्स),योगासन

चित्र स्पर्धा - आशुचित्र, व्यंग्य चित्र, रंगोली

शैक्षिक स्पर्धा - संस्कृत सुभाषित कण्ठपाठ, साहित्यरचना, आशुभाषण, वादविवाद, स्फूर्तिस्पर्धा (Quiz)

सांस्कृतिक स्पर्धा -एकक शास्त्रीय गीत, वाद्य, नृत्य, एकक संस्कृत गीत, एकपात्राभिनय एवं संघनृत्य

कार्यक्रम के समापन समारोह में डॉ. वी. वी. दत्ता, पूर्व सांसद की अध्यक्षता में प्रो. भवेन्द्र झा, कुलपति श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली, प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली, प्रो. के. बी. सुब्बरायुडु, कुलसचिव, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली एवं प्रो. मुक्ता विश्वास, विभागाध्यक्षा (संस्कृत विभाग), गौहाटी विश्वविद्यालय, गोवाहाटी मंच पर उपस्थित हुए। इस अवसर पर सभी संस्कृत विश्वविद्यालयों के प्रतिभागी छात्र/छात्राओं को आर्शीवचन देते हुए प्रतियोगिता के सफल प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र सहित स्वर्णपदक, रजतपदक एवं कांस्य पदक के साथ नकद धनराशि से सम्मानित किया गया।

खेलकूद एवं सांस्कृतिक स्पर्धाओं के परिणाम के आधार पर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली को सर्वविजेता घोषित किया गया।

गुवाहाटी में आयोजित अन्तर संस्कृत विश्वविद्यालय युवा महोत्सव के अवसर पर विजेताओं को पुरस्कार देते हुए

सर्वविजेता-राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

8.19 व्याख्यानमालाओं का आयोजन

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली ने निम्नलिखित विद्वानों और महान व्यक्तियों की स्मृति में विशेष व्याख्यानों का आयोजन किया-

1. 14.4.2012 - डॉ. बी.आर. अम्बेडकर स्मृति व्याख्यानमाला, लखनऊ
2. 07.6.2012 - पं. मण्डन मिश्र स्मृति व्याख्यानमाला, इलाहाबाद
3. 22.8.2012 - प्रो. वी. राघवन स्मृति व्याख्यानमाला, चैन्ने
4. 05.9.2012 - डॉ. राधाकृष्णन् स्मृति व्याख्यानमाला, भोपाल
5. 7.9.2012 - पं. गोपीनाथ कविराज स्मृति व्याख्यानमाला, लखनऊ
6. 3.10.2012 - प्रो. हीरालाल जैन स्मृति व्याख्यानमाला, जयपुर
7. 7.10.2012 - एम.एम. मधुसूदन ओझा स्मृति व्याख्यानमाला, जयपुर
8. 2.2.2013 - पं. गौरीनाथ शास्त्री स्मृति व्याख्यानमाला, कोलकता
9. 23.2.2013 - श्री कुरियाक्कोस् स्मृति व्याख्यानमाला, गुरूवायूर
10. श्री राजीव गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय व्याख्यानमाला, श्रृंगेरी

प्रबन्ध मण्डल के सदस्यों की सूची

1.	प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी कुलपति राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली।	अध्यक्ष
2.	प्रो. लोकेश चन्द्र (भूतपूर्व संसद सदस्य लोक सभा) जे-22, हौज खास एंक्लेव, नई दिल्ली-110016	सदस्य
3.	प्रो. डी. प्रहलादाचार 120/2, 15वां क्रॉस, गंगामा लेआऊट, बीएसकेएस प्रथम स्टेज, बेंगलुरू (कर्नाटक)	सदस्य
4.	श्री ओ.पी. आचार्य निदेशक, आचार्य नित्यानन्द स्मृति संस्कृत शिक्षा शोध संस्थान गिरिजा निकेतन, ए-136, लेक गार्डन, कोलकता-700045	सदस्य
5.	डॉ. (श्रीमति) सरोजा भाटे भूतपूर्व आचार्या, संस्कृत विभाग, पूना विश्वविद्यालय, पूना वर्तमान- सचिव भंडारकर प्राच्या शोध संस्थान पूना (महाराष्ट्र)	सदस्य
6.	प्रो. शारदा शर्मा (वि.अ.आ. द्वारा नामित) संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली-110007	सदस्य

क्रमशः....

7.	वित्त सलाहकार उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001	सदस्य
8.	निदेशक (भाषाएं) उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001	सदस्य
9.	डॉ. जी. गंगन्ना प्राचार्य राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) श्री सदाशिव परिसर पुरी-7522001 (उडीसा)	सदस्य
10.	डॉ. एस. राधा उपाचार्या, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के. जे. सोमैया संस्कृत विद्यापीठम्, द्वितीय तल, SIMSR भवन, विद्या विहार, मुम्बई-400077 (महाराष्ट्र)	सदस्य
11.	श्रीमती गौरीप्रिय दाश सहायकाचार्य, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) वेद व्यास परिसर बलाहर, पोस्ट ऑफिस सुहीन (गरली)-177108 जिला-कांगडा (हिमाचल प्रदेश)	सदस्य
12.	प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु प्रभारी कुलसचिव राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), जनकपुरी, नई दिल्ली-110058	सदस्य-सचिव

वित्त समिति के सदस्यों की सूची

1.	प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी कुलपति राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली	अध्यक्ष
2.	श्री जे.वीरा राघवन निदेशक, भारतीय विद्याभवन, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।	सदस्य (अध्यक्ष द्वारा नामित)
3.	प्रो. डी. प्रहलादाचार 120/2, 15वां क्रॉस, गंगामा लेआऊट, बीएसकेएस प्रथम स्टेज, बेंगलूरू (कर्नाटक)	सदस्य (प्रबन्ध मंडल द्वारा नामित)
4.	डॉ. बी.के. महापात्र कुलसचिव, श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-110016	सदस्य (प्रबन्ध मंडल द्वारा नामित)
5.	निदेशक (वित्त) उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001	सदस्य (सरकारी प्रतिनिधि)
6.	निदेशक (भाषाएँ) उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001	विशेष सदस्य
7.	श्री नारायण सिंह भूतपूर्व संयुक्त सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एच-3/21, बंगाली कॉलोनी, महावीर एंक्लेव, नई दिल्ली-110045	सदस्य (वि.अ.आ. द्वारा नामित)
8.	प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु प्रभारी कुलसचिव, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली-110058	सदस्य-सचिव

क्रमशः....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (सम विश्वविद्यालय) के संकाय-सदस्यों का परिसर-वार विवरण

1. श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद (उ.प्र.)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. सर्वनारायण झा	प्राचार्य	ज्योतिष
2.	प्रो. शैल कुमारी मिश्र	प्राचार्य (का.)	साहित्य
3.	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी	आचार्य	व्याकरण
4.	प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय 'मणि'	आचार्य	साहित्य
5.	डॉ. उदयनाथ झा	एसो. प्रोफेसर	साहित्य
6.	प्रो. विश्वम्भर नाथ गिरि	आचार्य	साहित्य
7.	प्रो. बनमाली बिश्वाल	आचार्य	व्याकरण
8.	प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय 'परमहंस'	आचार्य	धर्मशास्त्र
9.	डॉ. अपराजिता मिश्र	सहायक आचार्य	साहित्य
10.	डॉ. शैलजा पाण्डेय	सहायक आचार्य	व्याकरण
11.	डॉ. रामजी पाण्डेय	सहायक आचार्य	व्याकरण
12.	डॉ. सुरेश पाण्डेय	सहायक आचार्य	व्याकरण

2. श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओडिशा)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	डॉ. जी. गंगन्ना	प्राचार्य	अद्वैत वेदान्त
2.	प्रो. अतुल कुमार नन्द	आचार्य	धर्मशास्त्र
3.	प्रो. हरेकृष्ण महापात्र	आचार्य	नव्यव्याकरण
4.	प्रो. खगेश्वर मिश्र	आचार्य	धर्मशास्त्र
5.	प्रो. विमल प्रसाद महान्ति	आचार्य	शारीरिक शिक्षा
6.	प्रो. श्रीमती मिनती रथ	आचार्य	पुराणइतिहास
7.	प्रो. सूर्यमणि रथ	आचार्य	साहित्य
8.	प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति	आचार्य	सर्वदर्शन
9.	प्रो. श्रीमती गौरप्रिया दाश	आचार्य	सर्वदर्शन

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
10.	डॉ. सी.एच.एन.भी. प्रसाद राव	उपाचार्य	अद्वैतवेदान्त
11.	डॉ. के. रघुनाथन	उपाचार्य	सर्वदर्शन
12.	डॉ. उदयनाथ झा	उपाचार्य	साहित्य
13.	डॉ. श्रीमती निर्मला पाणिग्राही	सह-आचार्य	शिक्षाशास्त्री
14.	डॉ. रमाकान्त मिश्र	सह-आचार्य	शिक्षाशास्त्री
15.	डॉ. वृन्दावन पात्र	सह-आचार्य	शिक्षाशास्त्री
16.	डॉ. शम्भुनाथ महालिक	सह-आचार्य	अद्वैतवेदान्त
17.	डॉ. भगवान सामन्तराय	सह-आचार्य	अद्वैतवेदान्त
18.	डॉ. बी.पी. श्रीनिवास	सह-आचार्य	शिक्षाशास्त्री
19.	डॉ. दुर्गाचरण षड़ङ्गी	सह-आचार्य	नव्य व्याकरण
20.	डॉ. भी.के. निरमल	सह-आचार्य	ज्योतिष
21.	डॉ. सुशान्त कुमार राज	सह-आचार्य	साहित्य
22.	डॉ. महेश झा	सह-आचार्य	नव्यन्याय
23.	डॉ. गणपति शुक्ल	सह-आचार्य	नव्यन्याय
24.	डॉ. अशोक कुमार मीना	सह-आचार्य	सांख्ययोग
25.	डॉ. मखलेश कुमार	सह-आचार्य	पुराणेतिहास
26.	डॉ. विश्वरञ्जन पति	सह-आचार्य	ज्योतिष
27.	डॉ. श्रीमती राधामणि प्रतिहारि	सह-आचार्य	पुराणेतिहास
28.	डॉ. श्रीमती केतकी महापात्र	सह-आचार्य	हिन्दी
29.	डॉ. नृसिंह चरण साहु	सह-आचार्य	ओड़िआ
30.	श्री पूर्णचन्द्र महापात्र	सह-आचार्य	इतिहास
31.	श्री दुर्गाप्रसाद दासमहापात्र	सह-आचार्य	इतिहास
32.	डॉ. उमेश चन्द्र मिश्र	सह-आचार्य	नव्यव्याकरण
1.	डॉ. श्रीमती बिजयलक्ष्मी महापात्र	अनु. शिक्षक	फलितज्योतिष
2.	डॉ. श्रीमती सुकान्ति बारिक	अनु. शिक्षक	सांख्ययोग
3.	डॉ. राघवेन्द्र पाठक	अनु. शिक्षक	साहित्य
4.	डॉ. प्रियरञ्जन रथ	अनु. शिक्षक	धर्मशास्त्र
5.	डॉ. पीताम्बर मिश्र	अनु. शिक्षक	नव्यन्याय
6.	डॉ. भरत कुमार पण्डा	अनु. शिक्षक	शिक्षाशास्त्री
7.	डॉ. वसन्त कुमार मुद्रा	अनु. शिक्षक	साहित्य

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
8.	डॉ. दयानन्द पाणिग्राही	अनु. शिक्षक	अद्वैतवेदान्त
9.	डॉ. श्रीमती विकासिनी गुमानसिंह	अनु. शिक्षक	सांख्ययोग
10.	डॉ. नन्दिघोष महापात्र	अनु. शिक्षक	सर्वदर्शन
11.	डॉ. एस.एस. वाजपेयी	अनु. शिक्षक	फलितज्योतिष
12.	डॉ. एस. चिपुंकर	अनु. शिक्षक	साहित्य
13.	डॉ. के. बी. द्विवेदी	अनु. शिक्षक	नव्यन्याय
14.	डॉ. पङ्कज कुमार तिवारी	अनु. शिक्षक	सांख्ययोग
15.	डॉ. ओम नारायण मिश्र	अनु. शिक्षक	शिक्षाशास्त्री
16.	डॉ. पवन व्यास	अनु. शिक्षक	सर्वदर्शन
17.	डॉ. जितेन्द्र कुमार शर्मा	अनु. शिक्षक	शिक्षाशास्त्री
18.	श्री सुशान्त कुमार शतपथी	अतिथि शिक्षक	संगणक
19.	श्री विश्वनाथ मिश्र	अतिथि शिक्षक	संगणक
20.	डॉ. प्रमोद कुमार दलेई	अतिथि शिक्षक	साहित्य
21.	डॉ. विपिन विहारी रायगुरु	अतिथि शिक्षक	नव्यन्याय
22.	डॉ. नवीन कुमार प्रधान	अतिथि शिक्षक	साहित्य
23.	श्रीमती रश्मि मिश्र	अतिथि शिक्षक	अंग्रेजी
24.	श्री कौलेश शर्मा	अतिथि शिक्षक	शिक्षाशास्त्री
25.	डॉ. अनिल कुमार	अतिथि शिक्षक	फलितज्योतिष
26.	डॉ. कृष्णचन्द्र कवि	अतिथि शिक्षक	पुराणेतिहास
27.	श्रीमती स्नेहलता मिश्र	अतिथि शिक्षक	शिक्षा आचार्य
28.	सुश्री रञ्जिता बारिक	अतिथि शिक्षक	अंग्रेजी
29.	डॉ. अजय कुमार दाश	अतिथि शिक्षक	नव्यव्याकरण
30.	श्री अजयानन्द साहु	अतिथि शिक्षक	नव्यव्याकरण
31.	डॉ. मनोज कुमार साहु	अतिथि शिक्षक	धर्मशास्त्र
32.	श्री महेश कुमार पाणिग्राही	अतिथि शिक्षक	शिक्षा आचार्य
33.	डॉ. भाग्यसिंह गुर्जर	अतिथि शिक्षक	शिक्षा आचार्य

3. श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	डॉ. मनोज कुमार मिश्रा	प्राचार्य	वेद

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
2.	डॉ. हरी नारायण तिवारी	एसो. प्रोफेसर	व्याकरण
3.	श्री शरतचन्द्र शर्मा	एसो. प्रोफेसर	अंग्रेजी
4.	डॉ. प्रभात कुमार महापात्रा	एसो. प्रोफेसर	फलित ज्योतिष
5.	डॉ. जगदीश राज शर्मा	एसो. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
6.	डॉ. नगेन्द्र नाथ झा	एसो. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
7.	डॉ. विजय पाल कछवाह	असि. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
8.	डॉ. सी.एम. रैना	असि. प्रोफेसर	फलित ज्योतिष
9.	डॉ. सतीश कुमार कपूर	असि. प्रोफेसर	साहित्य
10.	श्रीमती निर्मल गुप्ता	असि. प्रोफेसर	डोगरी
11.	डॉ. सच्चिदानन्द शर्मा	असि. प्रोफेसर	व्याकरण
12.	डॉ. राम दास संगोत्रा	असि. प्रोफेसर	फलित ज्योतिष
13.	डॉ. सवित्री शतपथी	असि. प्रोफेसर	सर्व-दर्शन

4. गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर (केरल)

1.	प्रो. च.ल.न. शर्मा	प्रचार्य	शिक्षा शास्त्र
2.	प्रो. वी. के. शैलजा	असि. प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष	व्याकरण
3.	प्रा.सि.एल.सिसिली	आचार्या	व्याकरण
4.	डॉ. प्रसन्ना उन्निथान	सहायकाचार्य	व्याकरण
5.	डॉ. विजयलक्ष्मी राधाकृष्णन्	सहायकाचार्य	व्याकरण
6.	डॉ. नन्दकिशोर तिवारी	सहायकाचार्य	व्याकरण
7.	प्रो. पी.सी. मुरलीमाधवन	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	साहित्य
8.	डॉ. के. कृष्णन् नम्बूदिरि	एसो. प्रो.	साहित्य
9.	डॉ. ई. एम. राजन	एसो. प्रो.	साहित्य
10.	डॉ. पी. इन्दिरा	एसो. प्रो.	साहित्य
11.	डॉ. के. विश्वनाथन	सहायकाचार्य	साहित्य
12.	डॉ. सि. शान्ता	सहायक आचार्या	साहित्य
13.	डॉ. पी.वी श्रीदेवी	असि. प्रो.	साहित्य
14.	डॉ. महाबलेश्वर पी. भट्ट	एसो. प्रो. एवं विभागाध्यक्ष	अद्वैत वेदान्त
15.	डॉ. एस. सुब्रह्मण्य शर्मा	एसो. प्रो.	अद्वैत वेदान्त

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
16	डॉ. गायत्री देवी जी	सहायक प्राध्यापिका (संविदा)	अद्वैत वेदान्त
17.	श्री राधाकान्त पण्डा	सहायक प्राध्यापक (संविदा)	अद्वैत वेदान्त
18.	डॉ. आर. बालमुरुगन	सहायक आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	न्याय
19.	डॉ. एन. आर. श्रीधरन	असि. प्रो.	न्याय
20.	डॉ. ओ. आर. विजयराघवन	असि. प्रो.	न्याय
21.	डॉ. विजयानन्द अडिगा बी.	अतिथि प्राध्यापक	ज्योतिष
22.	डॉ. के. के. षैन	असि. प्रो. एवं विभागाध्यक्ष	शिक्षा शास्त्र
23.	डॉ. के.के. हर्षकुमार	असि. प्रो.	शिक्षा शास्त्र
24.	डॉ. के. गिरिधर राव	असि. प्रो.	शिक्षा शास्त्र
25.	डॉ. सुशान्तकुमार राय	संविदागत अध्यापक	शिक्षा शास्त्र
26.	डॉ. वेणुगोपाल राव	संविदागत अध्यापक	शिक्षा शास्त्र
27.	डॉ. विद्याधर पी.	संविदागत अध्यापक	शिक्षा शास्त्र
28.	डॉ. इक्कूरत्ति वेङ्कटेश्वरलु	अतिथि अध्यापक	शिक्षा शास्त्र

5. जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	डॉ. प्रकाश पाण्डेय	प्राचार्य	
2.	प्रो. शिवकान्त झा	प्रोफेसर	व्याकरण
3.	प्रो. कमलचन्द्र योगी	प्रोफेसर	व्याकरण
4.	प्रो. श्रीधर मिश्र	प्रोफेसर	व्याकरण
5.	डॉ. विष्णुकान्त पाण्डेय	एसो. प्रोफेसर	व्याकरण
6.	श्री पंकज पुरोहित	अतिथि प्राध्यापक	व्याकरण
7.	सुश्री साधना शर्मा	अतिथि प्राध्यापक	व्याकरण
8.	प्रो. इन्द्रमणि दास	प्रोफेसर	ज्योतिष
9.	प्रो. वासुदेव शर्मा	प्रोफेसर	ज्योतिष
10.	डॉ. शुभस्मिता मिश्रा	असि. प्रोफेसर	ज्योतिष
11.	डॉ. विजेन्द्र कुमार शर्मा	असि. प्रोफेसर	ज्योतिष
12.	डॉ. रामेश्वरदयाल शर्मा	असि. प्रोफेसर (संविदा)	ज्योतिष
13.	डॉ. प्रवेश व्यास	असि. प्रोफेसर (संविदा)	ज्योतिष
14.	डॉ. नीरज त्रिवेदी	असि. प्रोफेसर (संविदा)	ज्योतिष

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
15.	प्रो. रामकुमार शर्मा	प्रोफेसर	साहित्य
16.	डॉ. किशोर कुमार दलाई	असि. प्रोफेसर	साहित्य
17.	डॉ. हरीशचन्द्र तिवाड़ी	असि. प्रोफेसर	साहित्य
18.	श्रीमती आरती शर्मा	अ. प्राध्यापिका (संविदा)	साहित्य
19.	प्रो. भगवती सुदेश	प्रोफेसर	धर्मशास्त्र
20.	डॉ. सिद्धार्थ शंकर दास	असि. प्रोफेसर (संविदा)	धर्मशास्त्र
21.	डॉ. श्रीमती कृष्णा शर्मा	असि. प्रोफेसर (संविदा)	धर्मशास्त्र
22.	प्रो. श्रीयांश कुमार सिंघई	प्रोफेसर	जैनदर्शन
23.	डॉ. कमलेश कुमार जैन	प्रोफेसर	जैनदर्शन
24.	डॉ. आनन्द कुमार जैन	असि. प्रोफेसर (संविदा)	जैनदर्शन
25.	प्रो. वैद्यनाथ झा	प्रोफेसर	सर्वदर्शन
26.	प्रो. (श्रीमती) सत्यम कुमारी	प्रोफेसर	सर्वदर्शन
27.	श्री प्रदीप कुमार साहू	असि. प्रोफेसर (संविदा)	सर्वदर्शन
28.	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
29.	प्रो. फतह सिंह	प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
30.	प्रो. सोहनलाल पाण्डेय	प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
31.	प्रो. वाई.एस्.रमेश	प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
32.	डॉ. बत्तीलाल मीणा	असि. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
33.	डॉ. दरियाव सिंह	असि. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
34.	डॉ. शीशराम	असि. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
35.	डॉ. लीना तिवारी	असि. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
36.	डॉ. हरिओम शर्मा	असि. प्रोफेसर (संविदा)	शिक्षाशास्त्र
37.	डॉ. विजय कुमार दाधीच	असि. प्रोफेसर (संविदा)	शिक्षाशास्त्र
38.	डॉ. परमेश कुमार शर्मा	असि. प्रोफेसर (संविदा)	शिक्षाशास्त्र
39.	डॉ. कैलाशचन्द्र सैनी	असि. प्रोफेसर (संविदा)	शिक्षाशास्त्र
40.	डॉ. धर्मेन्द्र कुमार पाठक	असि. प्रोफेसर (संविदा)	शिक्षाशास्त्र
41.	प्रो. गजेन्द्र प्रसाद शर्मा	प्रोफेसर	शारीरिक-शिक्षा
42.	डॉ. सीमा अग्रवाल	असि. प्रोफेसर	राजनीतिविज्ञान
43.	डॉ. रेखा पाण्डेय	असि. प्रोफेसर	हिन्दी
44.	डॉ. सुभाषचन्द्र	असि. प्रोफेसर (संविदा)	हिन्दी
45.	डॉ. विनी शर्मा	असि. प्रोफेसर (संविदा)	राजनीतिविज्ञान

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
46.	श्रीमती रूचि शर्मा	असि. प्रोफेसर (संविदा)	अंग्रेजी
47.	डॉ. नमिता मित्तल	असि. प्रोफेसर (संविदा)	कम्प्यूटर
48.	श्री मोहित झालानी	असि. प्रोफेसर (संविदा)	कम्प्यूटर
49.	डॉ. धर्मेन्द्र कुमार जैन	विकास अधिकारी	प्राकृत
50.	डॉ. सुदर्शन मिश्र	वरिष्ठ शोध-अध्येता	प्राकृत
51.	डॉ. सुमत कुमार जैन	वरिष्ठ शोध-अध्येता	प्राकृत
52.	श्री पुलक गोयल	वरिष्ठ शोध-अध्येता	प्राकृत

6. लखनऊ परिसर, लखनऊ

1.	प्रो. अर्कनाथ चौधरी	प्र. प्राचार्य	
2.	प्रो. सुरेन्द्र पाठक	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	व्याकरण
3.	प्रो. भारतभूषण त्रिपाठी	आचार्य	व्याकरण
4.	डॉ. धनीन्द्र कुमार झा	सह-आचार्य	व्याकरण
5.	डॉ. यदुवीर स्वरूप	संविदागत अध्यापक	व्याकरण
6.	श्री प्रवीण कुमार चौधरी	संविदागत अध्यापक	व्याकरण
7.	प्रो. रामलखन पाण्डेय	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	साहित्य
8.	डॉ. ग़ज़ाला अंसारी	सहायक आचार्य	साहित्य
9.	डॉ. पवन कुमार	सहायक आचार्य	साहित्य
10.	डॉ. राम बहादुर दुबे	सहायक आचार्य	साहित्य
11.	डॉ. माला चन्द्रा	सहायक आचार्य	साहित्य
12.	प्रो. मदन मोहन पाठक	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	ज्योतिष
13.	डॉ. अमित कुमार शुक्ला	सहायक आचार्य	ज्योतिष
14.	डॉ. ज्योति प्रसाद दास	संविदागत अध्यापक	ज्योतिष
15.	डॉ. उमेश चन्द्र पाण्डेय	संविदागत अध्यापक	ज्योतिष
16.	डॉ. चन्द्र श्री पाण्डेय	संविदागत अध्यापक	ज्योतिष
17.	प्रो. विजय कुमार जैन	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	बौद्धदर्शन
18.	डॉ. अवधेश कुमार चौबे	सह आचार्य	बौद्धदर्शन
19.	डॉ. गुरुचरण सिंह नेगी	सहायक आचार्य	बौद्धदर्शन
20.	सुश्री कृष्णा कुमारी	संविदागत अध्यापिका	बौद्धदर्शन

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
21.	डॉ. संतोष प्रियदर्शी	संविदागत अध्यापक	बौद्धदर्शन
22.	प्रो. शिशिर कुमार पाण्डेय	संकायाध्यक्ष एवं आचार्य	हिन्दी
23.	डॉ. रमेश सिंह	सह आचार्य	शारीरिक-शिक्षा
24.	श्री जगन्नाथ झा	सहायक आचार्य	राजनीति-शास्त्र
25.	डॉ. एस.पी. सिंह	सहायक आचार्य	अर्थशास्त्र
26.	डॉ. कविता विसारिया	कनिष्ठ-व्याख्याता	अंग्रेजी
27.	डॉ. प्रोमिला बहादुर	अतिथि अध्यापक	संगणक
28.	श्री जसवन्त कुमार	अतिथि अध्यापक	संगणक
29.	प्रो. लोकमन्य मिश्र	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	शिक्षाशास्त्र
30.	प्रो. अवनीश अग्रवाल	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
31.	डॉ. बच्चा भारती	सह आचार्य	शिक्षाशास्त्र
32.	डॉ. देवी प्रसाद द्विवेदी	सह आचार्य	शिक्षाशास्त्र
33.	डॉ. कुलदीप शर्मा	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
34.	श्री वाचस्पति नाथ झा (मणि)	संविदागत अध्यापक	शिक्षाशास्त्र
35.	श्री कालिका शुक्ल	अतिथि अध्यापक	शिक्षाशास्त्र

7. श्री राजीव गान्धी परिसर, शृंगेरी (कर्णाटक)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	डॉ. एन्. आर्. कण्णन्	प्राचार्य	न्याय
2.	प्रो. ए. पी. सच्चीदानन्द	प्रोफेसर	शिक्षा-शास्त्री
3.	प्रो. डॉ. सुब्राय वी. भट्ट	आचार्य	मीमांसा
4.	प्रो. डॉ. के. ई. मधुसूदनन्	आचार्य	नव्य न्याय
5.	डॉ. आर्. प्रतिभा	असि. प्रोफेसर	अद्वैत-वेदान्त
6.	डॉ. ईश्वर भट्ट	एसो. प्रोफेसर	प. ज्योतिष्य
7.	डॉ. सी.एस्.एस्.एन्.मूर्ति	एसो. प्रोफेसर	व्याकरण
8.	डॉ. चन्द्रकान्त भट्ट	असि. प्रोफेसर	शिक्षा-शास्त्री
9.	डॉ. रामाचन्द्रुला बालाजी	असि. प्रोफेसर	शिक्षा-शास्त्री
10.	डॉ. नवीन होल्ला	असि. प्रोफेसर	नव्य-न्याय
11.	डॉ. चन्द्रशेखर भट्ट	असि. प्रोफेसर	व्याकरण
12.	डॉ. के. ए. पद्मानाभम्	असि. प्रोफेसर	व्याकरण

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
13.	डॉ. गणेश ईश्वर भट्ट	असि. प्रोफेसर	अद्वैत-वेदान्त
14.	डॉ. राघवेन्द्र भट्ट	असि. प्रोफेसर	साहित्य
15.	डॉ. हरीप्रसाद्. के	असि. प्रोफेसर	शिक्षा-शास्त्री
16.	डॉ. सोमनाथ साहु	असि. प्रोफेसर	शिक्षा-शास्त्री
17.	डॉ. चन्द्रकला आर् कोण्डी	असि. प्रोफेसर	साहित्य
18.	डॉ. रामचन्द्र जोईसा	असि. प्रोफेसर	साहित्य
19.	डॉ. सूर्यनारायण भट्ट	असि. प्रोफेसर	मीमांसा
20.	डॉ. गणेश टी पण्डित	असि. प्रोफेसर	शिक्षा-शास्त्री
21.	डॉ. वेंकटरमण एस् भट्ट	असि. प्रोफेसर	शिक्षा-शास्त्री
22.	श्री वेंकटेश ताताचार्य	असि. प्रोफेसर	मीमांसा
23.	श्री विनय एम्. एस्	संविदागत अध्यापक	अंग्रेजी
24.	श्री भट्टविनायकरजत एम. गणेश	संविदागत अध्यापक	व्याकरण
25.	श्री मुरलीकृष्ण	संविदागत अध्यापक	प. ज्योतिष्य
26.	डॉ. के. विनयकुमार	संविदागत अध्यापक	साहित्य
27.	श्री प्रभाकर एम्. ए	संविदागत अध्यापक	इतिहास
28.	श्री गणपती वी हेगडे	संविदागत अध्यापक	अद्वैत-वेदान्त
29.	श्री आर्. नवीन	संविदागत अध्यापक	नव्य-न्याय
30.	श्रीमती एस्. कविता	संविदागत अध्यापक	कन्नड
31.	श्री रामकृष्ण पेजत्ताय	संविदागत अध्यापक	ज्योतिष
32.	श्री श्रीकर जी. एन.	संविदागत अध्यापक	अद्वैतवेदान्त
33.	डॉ. राजेश कुमार शुक्ल	संविदागत अध्यापक	हिन्दी
34.	डॉ. श्यामसुन्दर	संविदागत अध्यापक	नव्य-न्याय
35.	श्री. शशिधर के. वी.	अतिथि अध्यापक	कम्प्यूटर
36.	श्री रामचन्द्र एच्. डी.	अतिथि अध्यापक	शारीरिक शिक्षा
37.	श्री रवीश एन्.	अतिथि अध्यापक	कम्प्यूटर
38.	डॉ. कुमार	अतिथि अध्यापक	शिक्षाशास्त्र
39.	डॉ. श्रीनिवास मूर्ति	अतिथि अध्यापक	साहित्य

8. वेदव्यास परिसर, बलहार (हिमाचल प्रदेश)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	के.वी. सोमयाजुलु	आचाय	व्याकरण

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
2.	डॉ. अशोक चन्द्र गौड	उपाचार्य	व्याकरण
3.	डॉ. मधुकेश्वर भट्ट	सहायकाचार्य	व्याकरण
4.	श्री वैद्य सुब्रह्मण्यन्	अतिथि प्राध्यापक	व्याकरण
5.	श्री श्रीनाथधर द्विवेदी	अतिथि प्राध्यापक	व्याकरण
6.	प्रो. विजयपाल शास्त्री	आचार्य	साहित्य
7.	डॉ. सुज्ञान कु. माहान्ति	सहायकाचार्य	साहित्य
8.	राधावल्लभ शर्मा	अनुबन्धित प्राध्यापक	साहित्य
9.	श्री विपिन कुमार झा	अनुबन्धित प्राध्यापक	साहित्य
10.	डॉ. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम्	सहायकाचार्य	ज्योतिष
11.	डॉ. एच.एन. द्विवेदी	सहायकाचार्य	ज्योतिष
12.	डॉ. मनोज श्रीमाल	अनुबन्धित प्राध्यापक	ज्योतिष
13.	श्री नरेश कुमार	अनुबन्धित प्राध्यापक	ज्योतिष
14.	डॉ. श्रद्धांजलि महापात्र	अनुबन्धित प्राध्यापिका	अद्वैत-वेदान्त
15.	श्री वासुमोहन	अतिथि प्राध्यापक	अद्वैत-वेदान्त
16.	श्री जानकी शरण	अतिथि प्राध्यापक	अद्वैत-वेदान्त
17.	प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय	आचार्य एवं प्रभारी प्राचार्य	शिक्षाशास्त्र
18.	डॉ. गणेश शंकर विद्यार्थी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
19.	डॉ. अशोक कुमार कछवाह	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
20.	डॉ. दयानिधि शर्मा	अनुबन्धित प्राध्यापक	शिक्षाशास्त्र
21.	डॉ. सुशान्त होता	अनुबन्धित प्राध्यापक	शिक्षाशास्त्र
22.	डॉ. सागरिका नन्दा	अनुबन्धित प्राध्यापिका	शिक्षाशास्त्र
23.	श्री पुरुषोत्तम	अनुबन्धित प्राध्यापक	शिक्षाशास्त्र
24.	डॉ. अनूप कुमार पाण्डेय	अतिथि प्राध्यापक	शिक्षाशास्त्र
25.	डॉ. आर.एन. ठाकुर	अतिथि प्राध्यापक	इतिहास
26.	श्रीमती प्रीति शर्मा	अतिथि प्राध्यापिका	हिन्दी
27.	डॉ. गोपाल वर्मा	अतिथि प्राध्यापक	अंग्रेजी
28.	श्रीमती मोनिका शर्मा	अतिथि प्राध्यापक	अर्थशास्त्र
29.	डॉ. संजय	अतिथि प्राध्यापक	शारीरिक शिक्षा
30.	कु. मनकोटिया	अतिथि प्राध्यापिका	शारीरिक शिक्षा
31.	श्री अमित वालिया	अतिथि प्राध्यापक	संगणक

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
32.	श्री राकेश कुमार	अतिथि प्राध्यापक	संगणक

9. भोपाल परिसर, भोपाल (म.प्र.)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. आजाद मिश्र	प्राचार्य	--
2.	डॉ. सुबोध शर्मा	सहाचार्य एवं विभागाध्यक्ष	व्याकरण
3.	डॉ. ब्रजभूषण ओझा	सहायकाचार्य	व्याकरण
4.	डॉ. प्रदीप कुमार पाण्डेय	सहायकाचार्य	व्याकरण
5.	डॉ. कैलाशचन्द्र दाश	सहायकाचार्य	व्याकरण
6.	डॉ. नरेश कुमार पाण्डेय	सहायकाचार्य	व्याकरण
7.	प्रो. विद्यानन्द झा	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	साहित्य
8.	डॉ. सनन्दन कुमार त्रिपाठी	सहायकाचार्य	साहित्य
9.	डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव	सहायकाचार्य	साहित्य
10.	सुश्री मोहिनी अरोरा	सहायकाचार्य	साहित्य
11.	डॉ. संगीता गुन्देचा	सहायकाचार्य	साहित्य
12.	डॉ. भारत भूषण मिश्र	सहाचार्य	ज्योतिष
13.	प्रो. हंसधर झा	प्रोफेसर	ज्योतिष
14.	डॉ. अशोक थपलियाल	सहायकाचार्य	ज्योतिष
15.	प्रो. संतोष मित्तल	प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
16.	प्रो. वी.एन. चौधरी	एसो. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
17.	प्रो. डी. चौधरी	एसो. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
18.	प्रो. जे. भानूमूर्ति	एसो. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
19.	डॉ. के. के. हर्षकुमार	असि. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्रा
20.	डॉ. नीलाभ तिवारी	असि. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
21.	प्रो. ओ.पी. बन्धन	प्रोफेसर	शारीरिक-शिक्षा
22.	डॉ. अर्चना दुबे	सहायकाचार्य	हिन्दी

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
23.	डॉ. अवधेश कुमार श्रोत्रिय	सहायकाचार्य (संविदा)	ज्योतिष
24.	डॉ. अर्चना चौहान	सहायकाचार्य (संविदा)	राजनीतिशास्त्र
25.	सुमित सक्सेना	सहायकाचार्य (संविदा)	संगणक
26.	कु. शफीना अंसारी	सहायकाचार्य (संविदा)	संगणक
27.	डॉ. अवनी शर्मा	सहायकाचार्य (संविदा)	अंग्रेजी
28.	डॉ. नीलमाधव दास	सहायकाचार्य (संविदा)	ज्योतिष
29.	डॉ. नितिन जैन	सहायकाचार्य (संविदा)	शिक्षाशास्त्र
30.	डॉ. डमरुधर पति	सहायकाचार्य (संविदा)	शिक्षाशास्त्र
31.	डॉ. दाताराम पाठक	सहायकाचार्य (संविदा)	शिक्षाशास्त्र
32.	कु. रजनी वी.जी.	सहायकाचार्य (संविदा)	शिक्षाशास्त्र
33.	डॉ. मंजू सिंह	सहायकाचार्य (संविदा)	इतिहास
34.	डॉ. पंकज कुमार जैन	सहायकाचार्य (संविदा)	जैन दर्शन

10. के.जे. सोमैया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. एम्. चन्द्रशेखर	प्राचार्य (प्र.)	
2.	प्रो. प्रकाशचन्द्र	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	व्याकरण
3.	प्रो. बोध कुमार झा	आचार्य (एम.ए.), पीएच.डी	आचार्य
4.	डॉ. माधवदत्त पाण्डेय	संविदा अध्यापक	व्याकरण
5.	डॉ. नवीन कुमार मिश्र	संविदा अध्यापक	व्याकरण
6.	डॉ. नारायणन्. ई. आर्न्	सहायकाचार्य एवं विभागाध्यक्ष	साहित्य
7.	डॉ. स्वर्ग कुमार मिश्र	संविदा अध्यापक	साहित्य
8.	डॉ. राकेश कुमार जैन	संविदा अध्यापक	साहित्य
9.	श्री धनंजय मिश्र	संविदा अध्यापक	साहित्य
10.	डॉ. सुभाष चन्द्र मिश्र	संविदाध्यापक एवं विभागाध्यक्ष	ज्योतिष
11.	श्री भरत गर्ग	अतिथि अध्यापक	ज्योतिष
12.	श्री आशिष कुमार चौधरी	संविदा अध्यापक	ज्योतिष
13.	प्रो. मदन मोहन झा	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	शिक्षाशास्त्र

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
14.	डॉ. देवदत्त सरोदे	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
15.	डॉ. वी.एस.वी. भास्कर रेड्डी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
16.	डॉ. गायत्री मुरली कृष्ण	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
17.	डॉ. सोमाशी लक्ष्मी सीताराम शर्मा	संविदा अध्यापक	शिक्षाशास्त्र
18.	डॉ. प्रेम सिंह सिकरवार	संविदा अध्यापक	शिक्षाशास्त्र
19.	श्री राम सेवक झा	संविदा अध्यापक	शिक्षाशास्त्र
20.	डॉ. (श्रीमती) श्वेता सूद	संविदा अध्यापक	आधुनिक विषय
21.	डॉ. (श्रीमती) गीता दूबे	संविदा अध्यापक	आधुनिक विषय
22.	डॉ. रंजय कुमार सिंह	संविदा अध्यापक	आधुनिक विषय
23.	श्री संतोष ता. जाधव	अतिथि अध्यापक	
24.	श्री शंकर बाबुराव आंधले	अतिथि अध्यापक	

11. दिल्ली परिसर, नई दिल्ली

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	डॉ. रमाकान्त पाण्डेय	उपाचार्य/निदेशक (मुक्तस्वाध्यायपीठम्)	साहित्य
2.	डॉ. एस. एन. तिवारी	सहाचार्य	साहित्य
3.	श्री रमेश सिंह	सहाचार्य	शारीरिक-शिक्षा
4.	डॉ. जय प्रकाश नारायण	सहायकाचार्य	साहित्य
5.	डॉ. श्यामदेव मिश्र	सहायकाचार्य	ज्योतिष
6.	डॉ. रत्न मोहन झा	सहायकाचार्य	दूरस्थ शिक्षा
7.	श्री कू. वेंकेटेश मूर्त्ति	सहायकाचार्य	दूरस्थ शिक्षा
8.	डॉ. अजय कुमार मिश्र	सहायकाचार्य	दूरस्थ शिक्षा
9.	डॉ. छोटी बाई मीणा	सहायकाचार्य	साहित्य
10.	डॉ. परमानन्द वत्स	सहायकाचार्य	साहित्य
11.	डॉ. सुनीता गुप्ता	सहायकाचार्य	साहित्य
12.	डॉ. मो. हनीफ खान	सहायकाचार्य	साहित्य
13.	डॉ. प्रफुल्ल गड़पाल	सहायकाचार्य	साहित्य
14.	डॉ. तङ्कल्लपल्लि महेन्द्रा	सहायकाचार्य	साहित्य
15.	डॉ. अभिजित दीक्षित	संविदागत अध्यापक	भाषा-तकनीक

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
16.	श्री चन्द्रप्रकाश उप्रेती	कनिष्ठ शोधअध्येता मुक्तस्वा. (संविदा)	साहित्य
17.	श्री अनूप पाण्डेय	कनिष्ठ शोधअध्येता मुक्तस्वा. (संविदा)	साहित्य
18.	श्री उमाकान्त तिवारी	कनिष्ठ शोधअध्येता मुक्तस्वा. (संविदा)	ज्योतिष
19.	डॉ. रजनीश शुक्ल	विकास अधिकारी (संविदा.)	पालि एवं प्राकृत
20.	श्री अजय कुमार सिंह	कनिष्ठ शोध अध्येता (संविदा.)	पालि
21.	श्री सतेन्द्र कुमार जैन	वरिष्ठ शोध अध्येता (संविदा.)	प्राकृत
22.	डॉ. प्रभात कुमार दास	कनिष्ठ शोध अध्येता (संविदा.)	प्राकृत
23.	श्री देवमणि पाण्डेय	कनिष्ठ शोध अध्येता (संविदा.)	प्राकृत

12. एकलव्य परिसर, अगरतला

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. के.बि. सुब्बरायुडु	प्राचार्य	
2.	प्रो. ललित साहु	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	धर्मशास्त्र
3.	डॉ. इतिश्री महापात्र	सहायकाचार्य (संविदा)	धर्मशास्त्र
4.	प्रो. रञ्जितकुमार बर्मन	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	अद्वैत-वेदान्त
5.	श्री सम्बित महापात्र	सहायकाचार्य (संविदा)	अद्वैत-वेदान्त
6.	डॉ. अनुपमा पृष्टि	सहाचार्य एवं विभागाध्यक्ष	व्याकरण
7.	श्री भानुशर्मा	सहायकाचार्य (संविदा)	व्याकरण
8.	श्री अमरनाथ शर्मा	सहायकाचार्य (संविदा)	व्याकरण
9.	डॉ. कृपाशङ्कर शर्मा	सहायकाचार्य एवं विभागाध्यक्ष	साहित्य
10.	श्री मूलचन्द्र शुक्ल	सहायकाचार्य (संविदा)	साहित्य
11.	डॉ. अरुण कुमार	सहायकाचार्य एवं विभागाध्यक्ष (संविदा)	ज्योतिष
12.	श्री दीप कुमार	सहायकाचार्य (संविदा)	ज्योतिष
13.	श्री प्राणशङ्कर मजूमदार	सहायकाचार्य एवं विभागाध्यक्ष	बौद्ध-दर्शन
14.	डॉ. श्रीगोविन्दपाण्डेय	सहायकाचार्य एवं विभागाध्यक्ष	शिक्षाशास्त्र
15.	डॉ. पवन कुमार	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
16.	श्री गौराङ्ग बाघ	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
17.	डॉ. जितेन्द्र रायगुरु	सहायकाचार्य (संविदा)	शिक्षाशास्त्र
18.	डॉ. बिचित्ररञ्जनपण्डा	सहायकाचार्य (संविदा)	शिक्षाशास्त्र
19.	डॉ. मन्था श्रीनिवासु	सहायकाचार्य (संविदा)	शिक्षाशास्त्र
20.	डॉ. आर. शिवरामकृष्ण सिंहा	सहायकाचार्य (संविदा)	शिक्षाशास्त्र
21.	श्री समुन आचार्जी	सहाकयाचार्य (संविदा)	अंग्रेजी
22.	सुश्री अनिता कलई	सहायकाचार्य (संविदा)	हिन्दी
23.	सुश्री पौलोमि चक्रवर्ती	सहायकाचार्य (संविदा)	राजनीतिविज्ञान
24.	श्रीमती प्रवीन देबबर्मा	सहायकाचार्य (संविदा)	कम्प्यूटर
25.	सुश्री वीणापाणि चन्दा	सहायकाचार्य (संविदा)	बांग्ला
26.	श्री राजीव घोष	सहायकाचार्य (संविदा)	शारीरिक-शिक्षा

संलग्नक-घ

विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) उपाधि प्राप्त शोध छात्रों का विवरण

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
1.	श्री जगदीश (956)	लखनऊ परिसर लखनऊ	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुद्याः कारकप्रकरणस्य विविधटीकाश्रितमध्ययनम	व्याकरण
2.	श्री शिव कुमार शास्त्री (960)	जयपुर परिसर, जयपुर	वैदिकविवाहसंस्कारानुशीलनम्	धर्मशास्त्र
3.	श्री यशु वशिष्ठ (907)	श्रीमहावीर वि.वि. नई दिल्ली	भारतीयदर्शनेष्वेकानेकात्मवादयोस्तुलनात्मक-मध्ययनम्	दर्शन
4.	श्री अनिल कुमार (962)	भोपाल परिसर भोपाल	मधुसूदनओझाप्रणीतस्य कादम्बिनीग्रन्थस्यानु-शीलनम्	फलित-ज्योतिष
क्र.	**शोध छात्र**	**शोध केन्द्र**	**शीर्षक**	**विषय**
5.	श्री प्रियव्रत वेहेरा (964)	पुरी परिसर पुरी	महामहिमोपाध्यायपण्डितकृष्णमाधवझा-शर्मणः नव्यन्यायेऽवदानम्	नव्यन्यायः
6.	कु. रोहिणी मिश्रा (966)	गंगानाथझा परिसर इलाहाबाद	संस्कृतवाङ्मये लहरीकाव्यपरम्परा-एकमध्ययनम्	साहित्य

क्रमशः....

7.	श्री मदन मोहन शर्मा (967)	जयपुर परिसर जयपुर	श्रीमणिरामदीक्षितविरचितस्यवत्सरलस्य समीक्षात्मकं सम्पादनम्	धर्मशास्त्र
8.	श्री सुरेश कुमार शर्मा (968)	जयपुर परिसर जयपुर	याज्ञवल्क्याचाराध्यायस्य नीलकण्ठीयाचार-मयूखेन सह तुलनात्मकमध्ययनम्	धर्मशास्त्र
9.	श्री प्रकाश चन्द्र पन्त (977)	लखनऊ परिसर लखनऊ	विविधासुशिक्षणसंस्थासु कार्यरतानां शिक्षकाणां संस्कृतप्रत्यभिवृत्तिः तस्याः व्यावहारिकानु-प्रयोगस्य च तुलनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
10.	श्री दयानन्द पाणिग्राही (984)	पुरी परिसर पुरी	अतिबडिजगन्नाथदासकृतभागवते वेदान्त-तत्त्वानां समीक्षणम्	अद्वैतवेदान्त
11.	श्री राहुल शर्मा (959)	वेदव्यास परिसर गरली	रुचकरचितस्य काव्यप्रकाशसंकेतस्य समीक्षात्मकं सम्पादनम्	साहित्य
12.	श्री प्रह्लाद जोशी (979)	पूर्णप्रज्ञसंशोधनमन्दिर बेंगलूरु	श्रीभगवन्तरायकृतायाः ऐतरेयोपनिषद्भाष्य-व्याख्यायाः (भवप्रदीपाभिधायाः) सविमर्श पाठसमीक्षात्मकं सम्पादनम्	वेदान्तशास्त्र
13.	श्री हरीश कुमार वर्मा (982)	जयपुर परिसर, जयपुर	पाणिनिव्याकरणशास्त्रे दीक्षितपुष्पायाः अवदानम्	व्याकरण
14.	श्री विष्णुप्रिया दाश (983)	पुरी परिसर, पुरी	ज्योतिषसारसंग्रहस्य समीक्षात्मकं सम्पादनम्	ज्योतिष
15.	श्री शम्भू दयाल मिश्र (954)	लखनऊ परिसर लखनऊ	संहितास्कन्धमनुसृत्य वृष्टि वृष्टिकाल वृष्टि-प्रमाणनां विचारः तेषामाधुनिक दृष्ट्या समीक्षणञ्च	ज्योतिष
16.	श्री नवीन शर्मा (971)	लखनऊ परिसर लखनऊ	ज्योतिषशास्त्रीय-शिल्पि (अभियन्तृ-इंजीनियर)-योगानां समीक्षणम् (अद्यतनसर्वेक्षणः)	ज्योतिष
17.	श्री नन्दिघोष महापात्र (981)	पुरी परिसर पुरी	वेदान्तपरम्परायां भीमभोइविरचितब्रह्मनिरूपण-गीतायाः समीक्षणम्	सर्वदर्शन
18.	श्री कुलदीप शर्मा (976)	लखनऊ परिसर लखनऊ	माध्यमिकस्तरेसंस्कृतशिक्षणाय प्रयुक्तभाषा-माध्यमस्य किशोराणां व्यक्तित्वे शैक्षिकोपलब्धौ च जायमानस्य प्रभावस्याध्ययनम	शिक्षाशास्त्र
19.	श्री दीप्तांशु भास्कर (978)	लखनऊ परिसर लखनऊ	माध्यमिकस्तरीयसंस्कृतसंस्कृतेत्तरछात्रेषु पर्यावरणजागरूकतायाः तुलनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
20.	श्री जितेन्द्र कुमार पाण्डेय (933)	गंगानाथझा परिसर इलाहाबाद	सावित्रपुराणेषु (अग्निब्रह्मवैतर्त-ब्रह्माण्ड-भविष्यपुराणेषु) सूर्यतत्त्वविमर्शः	पुराणेतिहास
21.	श्री राम बाबू शर्मा (805)	जयपुर परिसर जयपुर	वैयाकरणभूषणसारशब्दशक्ति प्रकाशिकायो-स्तुलनात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
22.	श्री केशव देव (980)	रा.सं.सं., नई दिल्ली	कालिदासवाङ्मये पदप्रयोगसमीक्षणम्	साहित्य

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
23.	श्री देवी शरण (965)	गंगानाथझा परिसर इलाहाबाद	पातंजलसूत्र-योगवार्तिकयोगमणिप्रभयोस्तुल-नात्मकं परिशीलनम्	दर्शन
24.	श्री अनूप कुमार पाण्डेय (993)	जयपुर परिसर जयपुर	जयपुरस्थानां स्त्री-पुरुष शिक्षकप्रशिक्षणार्थिनां जीवनमूल्य-सांवेगिकबुद्धि-नेतृत्वक्षमतानां तुलनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
25.	कु. मनीषा शर्मा (973)	जयपुर परिसर जयपुर	भट्टश्रीमथुरानाथशास्त्रीप्रणीतगीतिकाव्यानां समीक्षणम्	साहित्य
26.	श्री राजेश कुमार यादव (977)	जयपुर परिसर जयपुर	कामदूताख्य-गीतिकाव्यस्य समीक्षात्मक-मध्ययनम्	साहित्य

संलग्नक-ङ

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (सम विश्वविद्यालय) से सम्बद्ध संस्थाएं

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
बिहार		
1.	जगदीश नारायण ब्रह्मचर्या आश्रम संस्कृत विद्यालय, पोस्ट अफिस-लगमा वाया-लोहना रोड़, जिला दरभंगा-847407(बिहार)	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम उत्तरमध्यमा-प्रथम
2.	देवग्रहा बाबा भक्त शिव शंकर संस्कृत महाविद्यालय (संस्कृतनगर) रामचन्द्रपुर, अन्धैल, पो. पटेली, वाया-ऊजियारपुर, जिला-समस्तीपुर, पिन-848132 (बिहार)	प्रथमा-तृतीय, पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
3.	डॉ. रामजी मेहता संस्कृत महाविद्यालय मालीघाट, मुजफ्फरपुर (बिहार) 842001	प्रथमा-तृतीय, पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण, प्राचीन व्याकरण, फलित

क्रमशः....

		ज्योतिष, सिद्धान्त ज्योतिष, सर्वदर्शन)
4.	राजकुमारी गणेश शर्मा आदर्श संस्कृत विद्यापीठ जिला–दरभंगा (बिहार) 846003	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, सिद्धान्त ज्योतिष, नव्यव्याकरण)।
5.	सरस्वती आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, जिला-बेगूसराय, बिहार–851101	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
6.	रामसुन्दर संस्कृत विश्व विद्या प्रतिष्ठान रमोल बेलान (लक्ष्मीनाथ नगर) वाया बहेरा, जिला–दरभंगा 847407 (बिहार)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय, आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, वेद, ज्योतिष)
7.	डॉ. मंडन मिश्र संस्कृत महाविद्यालय, संजात, जिला–बेगुसराय (बिहार)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
8.	अजित कुमार संस्कृत शिक्षण संस्थान, उमाकान्त नगर, पो. लढोरा, जिला–समस्तीपुर–848302 (बिहार)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (व्याकरण, साहित्य फलित ज्योतिष)
9.	लक्ष्मी हरिकान्त प्राथमिक संस्कृत प्राथमिक सहमाध्यमिक विद्यालय झंझारपुर, जिला–मधुबनी, बिहार–847404	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
10.	दीनानाथ मिथिला संस्कृत विद्यापीठ, ग्राम-कालीधाम, पो. कथरा जिला–दरभंगा (बिहार) 847423	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
11.	जे.एन.बी. आदर्श संस्कृत महाविद्यालय पो. ऑ. लगमा, वाया लोहना रोड, जिला–दरभंगा (बिहार) 847407	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, वेद, व्याकरण

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
		और धर्मशास्त्र)।
दिल्ली		
12.	श्री मोतीनाथ संस्कृत महाविद्यालय, रमेश नगर, नई दिल्ली–110015	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य– (साहित्य, व्याकरण, न्याय)
13.	ब्रह्मर्षि राम प्रपन्नाचार्य संस्कृत वेद वेदांग महाविद्यालय राजघाट के पीछे, पुराना पावर हाऊस, नई दिल्ली–2	प्रथमा–प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय
14.	श्रीराम ज्योतिष कर्मकाण्ड महाविद्यालय, (राम विद्या मन्दिर एजुकेशन सोसायटी के अन्तर्गत) मंडावली, दिल्ली–110092	आचार्य–प्रथम, द्वितीय (फलित ज्योतिष, सिद्धान्त ज्योतिष, कर्मकाण्ड, पौरोहित्य)
15.	वसंत ग्राम आदर्श संस्कृत विद्यालय वसंत विहार, नई दिल्ली–110057	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
16.	राम दल संस्कृत महाविद्यालय 1612 दरीबा कलाँ, दिल्ली–6	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
17.	शारदा देवी संस्कृत विद्यापीठ, 1021-1024, गली शक्ति मन्दिर दरियागंज, नई दिल्ली–110002	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
18.	समन्त भद्र संस्कृत महाविद्यालय दरियागंज, नई दिल्ली–110002	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, जैन-दर्शन)
19.	श्री महावीर विश्व विद्यापीठ	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
	ए-6, पश्चिम विहार, चौधरी बलबीर सिंह मार्ग, नई दिल्ली–110063	उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, सर्वदर्शन)
20.	श्री हनुमान संस्कृत महाविद्यालय एफ-487/3, रघुवीर नगर नई दिल्ली–110027	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
21.	आर्य कन्या गुरुकुल न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली–110060	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
22.	राम ऋषि संस्कृत महाविद्यालय करावला, दिल्ली–110081	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
23.	आदर्श संस्कृत विद्यापीठ हरेवली, दिल्ली–110039	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय (परम्परागत शास्त्र एवं आधुनिक ऐच्छिक विषय)
24.	बाल विद्या मन्दिर (नजदीक रोहिणी-सेक्टर-20), पूठ कलाँ दिल्ली–110041	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
गुजरात		
25.	श्री रघुवर रामानंद वेदांत महाविद्यालय श्री कौशलेन्द्र मठ, सुरखेज रोड, पो. पलाडी, अहमदाबाद, गुजरात–380007	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (रामानंद वेदांत)
हरियाणा		
26.	आलोक संस्कृत महाविद्यालय चौधरी बलबीर सिंह मार्ग, महेन्द्रगढ़ (हरियाणा) – 123039	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
27.	हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ पो. बघौला, तहसील–पलवल	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
	जिला–फरीदाबाद (हरियाणा) 121102	आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
28.	श्री रामानन्द ब्रह्मर्षि संस्कृत महाविद्यालय विराट नगर, पिंजौर (हरियाणा) 134102	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
29.	श्री लज्जाराम संस्कृत महाविद्यालय तीर्थ, पाण्डु पिण्डारा, जीन्द (हरियाणा)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
	जम्मू व कश्मीर	
30.	श्री गुरु गंगादेव संस्कृत महाविद्यालय, शिवकाशी, सुन्दरवनी जिला–राजौरी, जम्मू	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष वेद)
	झारखण्ड	
31.	लक्ष्मी देवी शर्राफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, काली रेखा, वैद्यनाथ धाम देवघर, झारखण्ड, पिन : 814112	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय
	कर्नाटक	
32.	पूर्णप्रज्ञ संशोधन मन्दिर पूर्णप्रज्ञा विद्यापीठ, पूर्णप्रज्ञा नगर, कठरीगुप्पा मेन रोड, बैंगलोर–560028	विद्यावारिधि
	केरल	
33.	भारतीय संस्कृत महाविद्यालय पिल्हारा रोड, वाया मंडुर जिला–कन्नूर – 670501 (केरल)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य)
34.	श्री रामकृष्ण आदर्श संस्कृत महाविद्यालय रामकृष्ण मठ, पो.–अरुणापुरम, पलै	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय

क्रमशः....

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
	जिला–कोट्टायम – 686574 (केरल)	आचार्य–प्रथम, द्वितीय (अद्वैत वेदान्त)
35.	श्री शंकर संस्कृत विद्यापीठ पो. इड्डाकाडोम, वा. इजहूकोन, जिला–क्वीलोन (केरल) 691505	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य)
36.	कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, पो. बालूसरी, जिला–कालीकट – 673612	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, अद्वैत वेदान्त)
37.	कोंडगलूर विद्वत्पीठम् पैलेस रोड, पो. कोडंगलूर जिला–त्रिचूर (केरल) - 680664	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य)
38.	वूमेंस चैरिटेबल सोसाइटी, श्री शंकर संस्कृत विद्यापीठ, ओवर बिज जंक्शन, एम.जी. रोड़ तिरुवन्तपुरम, 695003 केरल	प्राक् शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
39.	महेश्वरी संस्कृत कॉलेज गाँव व पो. कक्कुर जिला–कोजीकोड–673619 (केरल)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
	महाराष्ट्र	
40.	मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय भारतीय विद्याभवन, के.एम. मुन्शी मार्ग मुम्बई–400007	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय, आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, अद्वैत वेदान्त)
41.	श्री अंबाजी संस्कृत महाविद्यालय निवेतिया रोड, मलाड (पूर्व) मुम्बई (महाराष्ट्र) – 400097	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
	मणिपुर	
42.	मणिपुर संस्कृत महाविद्यालय डी.एम. कॉलेज कैम्पस, इम्फाल, मणिपुर–795001	पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय, उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय, प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
43.	राधा माधव संस्कृत महाविद्यालय,	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय

क्रमांक संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
पो. नाम्बोल, मणिपुर–795134	उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण, फलित ज्योतिष व सर्वदर्शन)
पंजाब	
44. बाबा हरदित गिरि संस्कृत विद्यालय संस्कृत-प्रचारिणी श्रीदसनामी अखाड़ा सरहिन्द शहर, जिला–फतेहगढ़ साहिब, पंजाब 140406	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य)
45. श्री सरस्वती संस्कृत कॉलेज पो0 खन्ना, जिला–लुधियाना (पंजाब) 141401	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
राजस्थान	
46. नवजागृति संस्कृत विद्यापीठ, सिंधी कालोनी, गंगापुर सिटी, जिला–सवाई माधोपुर (राजस्थान) 322201	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–द्वितीय
उत्तर-प्रदेश	
47. रानी पद्मावती तारा योग तंत्र आदर्श महाविद्यालय, इन्द्रपुर, (शिवपुर) वाराणसी उत्तरप्रदेश	उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष, सिद्धान्त ज्योतिष, कर्मकाण्ड, सर्वदर्शन एवं वेद)
48. श्री बटुकनाथ संस्कृत महाविद्यालय बी-22/195, द्वारिकाधीश मन्दिर, शंकुलधारा, वाराणसी–221010	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्यव्याकरण)
49. गिन्नी देवी संस्कृत विद्यापीठ, मोदीनगर, जिला गाजियाबाद–201204 उत्तर प्रदेश	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
50. श्री टिबरीनाथ सांगवेद संस्कृत महाविद्यालय, नैनीताल रोड, बरेली, उत्तर प्रदेश–248005	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
51.	गान्धी संस्कृत महाविद्यालय, पँवरी गौहनिया, पो. जसरा, इलाहाबाद-212107 (उ.प्र.)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण)
52.	अनन्ता देवी संस्कृत महाविद्यालय ग्रा. व पो. कौंधियार, इलाहाबाद (उ.प्र.)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण)
53.	रानी पद्मावती योग तन्त्र उच्च माध्यमिक विद्यालय इन्द्रपुर (शिवपुर), वाराणसी (उ.प्र.)	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
उत्तराखण्ड		
54.	ज्वाल्पा देवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय श्री. ज्वल्पाधाम, पो. पाटीसैण जिला-पौडी गढ़वाल-246167 उत्तराखण्ड	शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
55.	आदर्श संस्कृत विद्यापरिषद् सल्ड महादेव, तहसील-धूमाकोट जिला–पौडी गढ़वाल–246279 उत्तराखण्ड	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
पश्चिम बंगाल		
56.	पगलानन्द संस्कृत विद्यालय (स्कूल लेवल) आचार्य भवन, प्लाट नं. 216, ग्राम व पो. दरुआ, थाना-कान्ताई, जिला-पूरबा, मेदिनीपुर-721401	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
57.	श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, 7/2 पी.डब्ल्यू.डी. रोड, कोलकाता–700035	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, नव्यन्याय, अद्वैत वेदान्त, वेद, ज्योतिष, बौद्ध दर्शन, धर्म-शास्त्र)
58.	हरेश्वर संस्कृत महाविद्यालय लिंग्से, दार्जीलिंग हरलोक लिंग्से, वाया रीनोक (प. बं.) – 737133	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
59.	कालियाचक विक्रम किशोर	प्रथमा-तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
	आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, गाँव–कालियाचक पोस्ट ऑफिस हेरिया जिला–मिदनापुर (पश्चिम बंगाल) – 721430	उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (व्याकरण, साहित्य, धर्मशास्त्र और अद्वैत वेदान्त)
60.	मदर उषा मेमोरियल ओरियन्टल सैन्ट्रल इंस्टीट्यूशन एण्ड आगम (तंत्र) रिसर्च सेन्टर, ग्राम व प्रो. तेनोहरी, जिला–उत्तर दीनाजपुर (पश्चिम बंगाल) – 733123	प्रथमा–प्रथम, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
61.	भारती चतुष्पठी संस्कृत महाविद्यालय, श्री श्रीगुरु कर्ण निकेतन, अमूल्य पारा, नवद्वीप, नादिया, (पश्चिम बंगाल) – 741302	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण, अद्वैत वेदान्त)
62.	रामकृष्ण मठ विवेवकानन्द वेद विद्यालय, पो. ओ. वेलूर मठ जिला–हावड़ा (पश्चिम बंगाल) – 711202	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
63.	ठाकुर गदधर संस्कृत विद्यापीठ पोस्ट ऑफिस आरामबाग (कलिपुर) जिला हुगली (पश्चिम बंगाल)-712601	प्रथमा-तृतीय, पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय

उन सरकारों के नामों की सूची जिन्होंने संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता दे दी है

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
1.	भारत सरकार, कैबिनेट सचिवालय, कार्मिक विभाग, नई दिल्ली नं. 6/12/71 स्थापना (डी)	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल 2. मध्यमा-उच्चतर माध्यमिक 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्.
2.	मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग नं. 796/786/1 (3)/72 दिनांक 5.12.1972	–वही–
3.	पंजाब सरकार, नं. 472-468-II/72/2686 दिनांक जनवरी, 1971	–वही–
4.	गोआ, दमन व दीव, विशेष-स्थापना-2065-II दिनांक 23 अक्तूबर, 1972	–वही–
5.	भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय/शिक्षा, नई दिल्ली सं.एफ. 7-2/83-संस्कृत-2, दि. 31.12.1992	शिक्षा आचार्य-एम.एड.
6.	तमिलनाडु सरकार, ज्ञापन सं. 94120/एच-172-2-शिक्षा पत्र संख्या-एल.डिस 35033/04 दिनांक 2 जनवरी, 1973	1. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 2. प्रथमा-मिडिल स्कूल 3. मध्यमा-उच्चतर माध्यमिक 4. पूर्वमध्यमा-मैट्रिक
7.	महाराष्ट्र सरकार, 82/ दिनांक 24-9-92 अनुशेष सं. एस.एस.एन. 3371/137427-ई दिनांक 23 अक्तूबर, 1972	1. उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री-उच्चविद्यालय प्रमाणपत्र
8.	उत्तर प्रदेश सरकार, सं. 10/3/1972 नियुक्ति (4)	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल (आठवीं कक्षा) 2. पूर्वमध्यमा-हाई स्कूल

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
	लखनऊ, दिनांक 27 अगस्त, 1973	3. उत्तरमध्यमा-इण्टर 4. शास्त्री-बी.ए. 5. आचार्य-एम.ए. 6. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 7. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 8. वाचस्पति-डी.लिट्
9.	हरियाणा सरकार, सं. 278, जी. शिक्षा (4ई) 74/14620 चंडीगढ़, दिनांक 13.5.1974 ज्ञापन सं.-डी 4/50-73-सीओ(2) चंडी दिनांक 21.10.1986	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी या इण्टरमीडिएट 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 6. वाचस्पति-डी.लिट् 7. शिक्षाशास्त्री-ओ.टी. (संस्कृत)
10.	गुजरात सरकार, प्रस्ताव सं. एसएसएन-3266/72127 (73) ई 78583-जी सचिवालय, गान्धीनगर, दिनांक 30 अप्रैल 1986	1. शिक्षा-शास्त्री-बी.एड.
11.	हिमाचल प्रदेश सरकार, सं. 23-62/70/सेक्रे/ एजु-ए वोल् 3 दिनांक 17.3.1973	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्
12.	त्रिपुरा सरकार, सं. एफ. 83 (4-12) डीई/73 अगरतला, दिनांक 15.7.1972	–वही–
13.	राजस्थान सरकार, पी 9 (75) एस.पी./71/शिक्षा-5 दिनांक 18.3.1975 शिक्षा (ग्रुप 8) सं. एफ 10 व 74 शिक्षा (ग्रुप 4)/72 दिनांक 22 मई, 1978	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
14.	जम्मू व कश्मीर सरकार, सं एजु. - 9/ई/74 स्वीकृत दिनांक 22.6.1975	1. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी अथवा पी.यू.सी. 2. शास्त्री-बी.ए. 3. आचार्य-एम.ए. 4. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 5. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 6. वाचस्पति-डी.लिट्
15.	ओडिशा सरकार 176/10/ईवाइई दिनांक 19.6.1975 सं. 20/32/75/828	1. शास्त्री-बी.ए. 2. आचार्य-एम.ए.
16.	पश्चिम बंगाल सरकार, शिक्षा विभाग सेक. ब्राँच, सं. 441 - एजु. (एस) 6 सी-II/89	शिक्षाशास्त्री-बी.एड.
17.	बिहार सरकार, संकल्प सं. 8/आर.-2003/86 के.ए. 9139/पटना दि. 25-6-1987	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-पूर्व मैट्रिक (अंग्रेजी रहित) मैट्रिक (अंग्रजी सहित 3. शास्त्री-(अंग्रेजी सहित) बी.ए. 4. आचार्य-(बी.ए. अंग्रेजी सहित उत्तीर्ण) एम.ए.

उन विश्वविद्यालयों के नामों की सूची जिन्होंने संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता दे दी है

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
1.	महाराजा सायाजीराव बडौदा विश्वविद्यालय, पत्र सं. एसी/II/221 दिनांक 4.9.73	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
2.	सागर विश्वविद्यालय, सागर, पत्र सं. सामान्य/मान्यता/974 दिनांक 16.6.73 तथा दिनांक 9.4.1973	मध्यमा शास्त्री आचार्य	इंटरमीडिएट बी.ए. एम.ए.
3.	विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.) पत्र सं. प्रशासन/मान्यता/73 दिनांक 9 अगस्त, 1973	शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्
4.	आन्ध्र विश्वविद्यालय, पत्र सं. 1 (6) 3925/72 दिनांक 27.9.73 वाल्टेयर	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
5.	राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर पत्र सं. एफ-4-1/72 शैक्षिक-II/1146/ए दिनांक 22.5.73	शास्त्री	बी.ए.
6.	कालीकट विश्वविद्यालय संदर्भ सं. जी ए (डी 4) 899/72 दिनांक 28.11.1973	शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. (संस्कृत मुख्य) एम.ए. (संस्कृत मुख्य) बी.एड. (संस्कृत) पी-एच.डी. डी.लिट्
7.	श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति संख्या-सी.आई. 33017/73 दिनांक 19.1.76	शास्त्री	बी.ए. (एम.ए. (संस्कृत) में प्रवेश के प्रयोजन से)

क्रमशः....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
8.	मगध विश्वविद्यालय, बोध गया	मध्यमा	हायर सेकेण्डरी
	पत्र सं. 4767/48-23 डी II/बोध गया	शास्त्री	बी.ए.
	दिनांक 4.12.73	आचार्य	एम.ए.
		शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
		विद्यावारिधि	पी-एच.डी.
9.	जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू	मध्यमा	प्री-यूनिवर्सिटी
	पत्र संख्या-एफ शैक्षिक/V/153/74/4195-99	शास्त्री-भाग-1	बी.ए. (भाग-1)
	दिनांक 14.2.1974	शास्त्री-भाग-3	बी.ए. (अंतिम वर्ष)
		आचार्य	एम.ए., संस्कृत या साहित्याचार्य
10.	अन्नामलाई विश्वविद्यालय	शास्त्री	बी.ए.
	एल. डिस्. पी-बी 21/83/73	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 22.2.1974		
11.	बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान	मध्यमा	विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम
	आर.सी.आई/सम/141/376/74		
	दिनांक 24.6.74	शास्त्री	कला-स्नातक परीक्षा (त्रिवर्ष)
		आचार्य	एम.ए.
		विद्यावारिधि	डी.फिल्.
		वाचस्पति	डी.लिट्
12.	कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुर	शास्त्री	बी.ए.
	पी एस के वी/बोर्ड/4318/74-75	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 22.11.74		
13.	उत्कल विश्वविद्यालय, पत्र सं.	शास्त्री	बी.ए. (द्रष्टव्य क्रम सं. 32 भी)
	ए सी-1/आर.एम./171/51046/75		
	दिनांक 1.7.1975		
14.	पूना विश्वविद्यालय, पूना	प्राक्शास्त्री	प्री-डिग्री
	ईएलजी/सम-109/3949	शास्त्री	बी.ए. (संस्कृत)
	दिनांक 26.4.1975	आचार्य	एम.ए. (संस्कृत)
		शिक्षाशास्त्री	बी.एड. (संस्कृत)
15.	जयपुर विश्वविद्यालय,	शास्त्री	बी.ए.
	पत्र सं. ई./3013	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 13.5.1975		

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
16.	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र	शास्त्री	बी.ए., शास्त्री
	पत्र सं. ए सी एम-II/6115	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 6.6.1975 और ए सी		
	एम/II/137/76/18904		
	दिनांक 7.8.76, ए सी एम-II/137/81/4139		
	दिनांक 19.3.81		
	ए सी एम-II/08/एफ/37/3695 दिनांक 1-4-08	प्राक्शास्त्री	+2 स्तर परीक्षा
	ए सी एम-II/08/एफ/37/4788 दिनांक 25-4-08	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
17.	गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद,	शास्त्री	बी.ए.
	परीक्षा/बी. मान्यता सं. 32482 दिनांक 17.9.1975	आचार्य	एम.ए.
18.	केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली	प्रथमा	आठवीं
	देखिए डी.ओ.सं. 80628	पूर्वमध्यमा द्वितीय वर्ष	दसवीं
	दिनांक 27-5-1988	उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री-II	बारहवीं
	सी बी.एस.इ./कोआर्ड/एसओसीडी/		
	2009/6147 दिनांक 3.3.09		
19.	केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेन्द्रम	शास्त्री	बी.ए.
	पत्र सं. सी.-3/720/76	आचार्य	एम.ए.
	जिला त्रिवेन्द्रम दिनांक 22.3.76,	विद्यावारिधि	पी-एच.डी.
	एसी. सी 3/1600/77	वाचस्पति	डी.लिट्
	दिनांक 3.1.81		
20.	विश्व भारती सं. जी-4-43	शास्त्री	बी.ए.
	दिनांक 23.4.76	आचार्य	एम.ए.
		विद्यावारिधि	पी-एच.डी.
		वाचस्पति	डी.लिट्
21.	भारतीय विश्वविद्यालय संघ	शास्त्री	बी.ए.
	संघ पत्र सं. ईवी II/(227)/76/32765	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 7.2.76 नई दिल्ली		
22.	हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला	शास्त्री	बी.ए.
	पत्र सं. 3-8-74-एच पी यू (शैक्षिक)	शिक्षा-शास्त्री	बी.एड.
	दिनांक 2.7.77, 3-27/79	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 4.7.80	विद्यावारिधि	पी-एच.डी.
		वाचस्पति	डी.लिट्
23.	दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	शास्त्री	बी.ए. पासकोर्स
	पत्र सं.-1/मान्यता/डी/84		(एम.ए. संस्कृत में प्रवेश
	दिनांक 14.11.84		के प्रयोजन से)
		आचार्य	एम.ए.

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
24.	संभलपुर विश्वविद्यालय, संभलपुर पत्र सं. 11727/शैक्षिक दिनांक 4.5.79, 6824/शैक्षिक दिनांक 27.9.85 संभलपुर	शास्त्री	बी.ए. पासकोर्स (एम.ए. संस्कृत में प्रवेश के प्रयोजन हेतु)
		आचार्य	एम.ए.
25.	श्री कामेश्वर सिंह दरभंगा विश्वविद्यालय पत्र संख्या-9356/74 दिनांक 4.10.74	मध्यमा	मध्यमा
		शास्त्री	शास्त्री
		आचार्य	आचार्य
		शिक्षाशास्त्री	शिक्षाशास्त्री
		विद्यावारिधि	विद्यावारिधि
		वाचस्पति	विद्या वाचस्पति
26.	कर्णाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ पत्र सं.-मान्यता/के-108/शैक्षिक/1504 दिनांक 12.7.79	शास्त्री	बी.ए.
		आचार्य	एम.ए.
27.	गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर पत्र सं. सामान्य/मान्यता/3920 दिनांक 22.4.1980	शास्त्री	बी.ए.
		आचार्य	एम.ए.
28.	मद्रास विश्वविद्यालय पत्र सं. सी आर-III/मान्यता/1925 दिनांक 17.3.1980	शास्त्री	बी.ए.
		आचार्य	एम.ए. (यदि पाठ्यक्रम में अंग्रेजी एक विषय के रूप में हो)
29.	पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ पत्र सं. एस-16981 दिनांक 28.11.1980	प्रथमा	प्राज्ञ
		मध्यमा	विशारद
		शास्त्री	शास्त्री
		आचार्य	आचार्य
30.	श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय पत्र सं. 5163/84/एस.जे.एस.बी. दिनांक 10.8.84	प्रथमा	प्रथमा
		पूर्वमध्यमा	मध्यमा
		उत्तरमध्यमा	उपशास्त्री
		शास्त्री	शास्त्री
		आचार्य	आचार्य
		विद्यावारिधि	विद्यावारिधि
		वाचस्पति	वाचस्पति
31.	बरहामपुर विश्वविद्यालय/भंज विहार, बरहामपुर, जिला-गंजाम उड़ीसा पत्र सं. 5131/शैक्षिक-II/बी यू/84 दिनांक 16.4.84 सं 5/01/शैक्षिक-I दिनांक 3.6.2005	शास्त्री	बी.ए. (पास)
		आचार्य	एम.ए. (संस्कृत)
		शिक्षा शास्त्री	बी.एड.

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
32.	उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर (उड़ीसा) पत्र सं. ए सी/आर एम/171ए/16292 दिनांक 31.3.84, ए सी/ मान्यता/सामान्य/ए-16178/84 दिनांक 29.3.84	आचार्य शिक्षा-शास्त्री	एम.ए. (संस्कृत) बी.एड.
33.	त्रिभुवन विश्वविद्यालय मछली टेकू, काठमांडू, नेपाल पत्र सं. 372/04 दिनांक 19.9.84	प्राक्शास्त्री शास्त्री	उत्तरमध्यमा शास्त्री
34.	संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी पत्र सं. जी-458/4019/74-85 दिनांक 28.5.85	प्रथमा/पूर्वमध्यमा प्राक्शास्त्री/उत्तरमध्यमा शास्त्री/आचार्य शिक्षा-शास्त्री/शिक्षा-आचार्य	प्रथमा/पूर्वमध्यमा उत्तरमध्यमा शास्त्री/आचार्य शिक्षा-शास्त्री/शिक्षा-आचार्य
35.	भोपाल विश्वविद्यालय, भोपाल पत्र सं. 1112/बी यू/शैक्षिक/85 दिनांक 15.3.85	शास्त्री/आचार्य शिक्षा-शास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए./एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्
36.	संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी पत्र सं. शै.-1722/92 दिनांक 22.12.92	आचार्य विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) वाचस्पति (डी.लिट्)	आचार्य विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) वाचस्पति (डी.लिट्)
37.	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र पत्र सं.-एसीएम/II/137/92/32489 दिनांक 28.12.92	शास्त्री (अंग्रेजी विषय के साथ) शास्त्री आचार्य	बी.ए. (पास) टी डी सी (10+1+3 योजना के अंतर्गत) परंतु विद्यार्थी को अंग्रेजी विषय के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए। शास्त्री एम.ए. (यदि विद्यार्थी बी.ए. अंग्रेजी विषय के साथ पास हुआ हो)
38.	गांधीजी विश्वविद्यालय, कोट्टायम् सं.एसी.ए. I/3/305/86 (3) दि. 24.10.86	प्राक्शास्त्री तथा उत्तरमध्यमा शास्त्री शिक्षाशास्त्री आचार्य विद्यावारिधि एवं वाचस्पति	प्री.डिग्री (संस्कृत) बी.ए. (संस्कृत) बी.एड. एम.ए. पी.एच.डी.

क्रमशः....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
39.	मणिपुर विश्वविद्यालय कांचीपुर, इम्फाल सूचना दिनांक 3 जनवरी, 1992	शास्त्री (अंग्रेजी सहित)	बी.ए.
40.	अजमेर विश्वविद्यालय, अजमेर पत्र सं. एफ 14 (193) शैक्षिक-II/यू ओ ए/92/3400/3506 दिनांक 6 फरवरी, 1992	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
41.	नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर, द्वारा सं. परीक्षा/मान्यता/ए/3667 दिनांक 1.4.78	शास्त्री	बी.ए. (एम.ए. भाग I में प्रवेश प्राप्ति हेतु)
42.	उदयपुर विश्वविद्यालय, उदयपुर, द्रष्टव्य सं. ई/3013 दिनांक 13.5.75	शास्त्री आचार्य	बी.ए. (यदि बी.ए. स्तर के अंग्रेजी विषय में उत्तीर्ण) एम.ए. (यदि बी.ए. स्तर का अंग्रेजी विषय उत्तीर्ण हो)
43.	ओसमानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, द्रष्टव्य सं. 1866/1-942/II/शैक्षिक दिनांक 20.4.73 सं. 265/एल/2001/शै.दि. 27.1.2001	शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि शिक्षाशास्त्री	बी.ए. एम.ए. पी-एच.डी. बी.एड.
44.	महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक, द्रष्टव्य सं. ए सी-/III/आर./81/2472 दिनांक 2.3.81	शास्त्री और आचार्य	उपलब्ध उच्चतर पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु
45.	हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी, द्रष्टव्य सं.ए.पी.बी./10000/472/ प्रकाश/25-9-03 दिनांक 19.5.05	पूर्व मध्यमा उत्तर मध्यमा/प्राक् शास्त्री	मैट्रिक सीनियर सेकण्डरी
46.	शिक्षा निदेशक, दिल्ली एफ-32/1/25/शिक्षा/72 दिनांक : 28.8.72	प्रथमा मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षा शास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	मिडिल स्कूल उच्च माध्यमिक बी.ए. एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्.
47.	शिक्षा निदेशक, मणिपुर II/3/71-एस.ई. दि. 30 अगस्त 1972	-वही-	-वही-

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय में कर्मचारियों की अनुभागवार कार्यरत संख्या

1.	**शैक्षणिक अनुभाग**		
	I	उप-निदेशक	1
	II	अनुभाग अधिकारी	1
	III	अवर श्रेणी लिपिक	1
	IV	ग्रुप-सी	1
2.	**शोध एवं प्रकाशन अनुभाग**		
	I	सहायक आचार्य	1
	II	सहायक निदेशक	1
	III	सहायक	1
3.	**दूरस्थ शिक्षा विभाग**		
	I	सहआचार्य	3
	II	सहायकाचार्य	7
	III	प्रवर श्रेणी लिपिक	1
	IV	कनिष्ठ श्रेणी लिपिक	1
4.	**परीक्षा अनुभाग**		
	I	उपनियंत्रक	1
	II	सहायक निदेशक	1
	III	अनुभाग अधिकारी	1
	IV	अनुदेशक	1
	V	सहायक	1
	VI	प्रवर श्रेणी लिपिक	1
	VII	कनिष्ठ श्रेणी लिपिक	3
	VIII	ग्रुप-सी	2
5.	**प्रशासन अनुभाग**		
	I	उपनिदेशक	1
	II	विशेष कार्याधिकारी	1
	III	अनुभाग अधिकारी	2

क्रमशः....

	IV	सहायक	2
	V	प्रवर श्रेणी लिपिक	3
	VI	कनिष्ठ अशुलिपिक	1
	VII	कनिष्ठ श्रेणी लिपिक	4
	VIII	दफ्तरी	1
	IX	ग्रुप-सी	8
6.	**वित्त अनुभाग**		
	I	उपनिदेशक	1
	II	लेखा अधिकारी	1
	III	अनुभाग अधिकारी	1
	IV	सहायक	1
	V	प्रवर श्रेणी लिपिक	2
	VI	कनिष्ठ श्रेणी लिपिक	2
	VII	ग्रुप-सी	2
7.	**योजना अनुभाग**		
	I	अनुभाग अधिकारी	1
	II	सहायक	2
	III	प्रवर श्रेणी लिपिक	1
	IV	ग्रुप-सी	1
8.	**पुस्तकालय**		
	I	पुस्तकालयाध्यक्ष	1
	II	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	1
9.	**आदर्श पाठशाला योजना एकक**		
	I	अनुभाग अधिकारी	1
	II	सहायक	1
	III	कनिष्ठ श्रेणी लिपिक	1
10.	**छात्रवृत्ति अनुभाग**		
	I	अनुभाग अधिकारी	1
	II	कनिष्ठ श्रेणी लिपिक	3
	III	ग्रुप-सी	1

11.	**कुलपति एवं कुलसचिव कार्यालय**		
	I	अनुभाग अधिकारी	2
	II	वरिष्ठ अशुलिपिक	1
	III	कनिष्ठ श्रेणी लिपिक	2
	IV	स्टॉफ कार ड्राईवर	2
	V	ग्रुप-सी	3
12.	**पत्राचार पाठ्यक्रम**		
	I	सहायक आचार्य	1
	II	सहायक निदेशक	1
	III	सहायक	1
	IV	अनुदेशक	2
	V	प्रवर श्रेणी लिपिक	1
13.	**विक्रय ईकाई**		
	I	सहायक	1
14.	**परियोजना विभाग**		
	I	परियोजना अधिकारी	1
	II	प्रवर श्रेणी लिपिक	1

संलग्नक-ञ

संस्थान की वित्तीय सहायता से प्रकाशित प्रकाशनों का विवरण

क्रमांक	अनुदानप्राप्तकर्ता/लेखक	शीर्षक	प्रदत्त अनुदानराशि (रुपयों में)
1.	डॉ. संजू मिश्र	पद्मपुराण का साहित्यक अनुशीलन (पातालखण्ड)	22,659.00
2.	डॉ. शत्रुघन त्रिपाठी	हृद्रोगसमीक्षणम्	23,747.00
3.	डॉ. साधुराम शर्मा	श्रीदादुरामोदयकाव्यम् (तस्य च समीक्षा)	42,548.00
4.	प्रो. शिवशंकर त्रिपाठी	संस्कृत पाली साहित्य रचना का आधा इतिहास	53,225.00
5.	डॉ. अर्चना तिवारी	आधुनिक संस्कृत कथाएँ : स्थिति और प्रवृति	50,547.00
6.	डॉ. धर्मवीर	वेदाङ्गशिक्षा (एक ध्वनिवैज्ञानिक अध्ययन)	19,216.00
7.	डॉ. पुष्पा दीक्षित	धातुरूप कोश (दो भाग)	2,58,565.00
8.	डॉ. प्रताप कुमार मिश्र	मुगलसम्राट अकबर और संस्कृत	1,16,725.00
9.	डॉ. प्रदीप कुमार पाण्डेय	भाणपरम्परायां पञ्चायुधप्रपञ्चभाणस्य पर्यालोचनम्	23,037.00
10.	डॉ. बृजेन्द्र कुमार पाण्डेय	सूर्यसिद्धान्त (भूधरी टीका सहित)	19,043.00

संलग्नक-ट

प्रकाशन-अनुदान हेतु संस्वीकृत प्रस्तावों का विवरण

क्रमांक	आवेदक का नाम व पता	शीर्षक	रचना की अनुमानित लागत
1.	डॉ. अशोक चन्द्र गौड शास्त्री गरली (हि.प्र.)	भारतीय संस्कृतितत्त्व विमर्श	1,00,850.00
2.	डॉ. उदय नाथ झा 'अशोक' इलाहाबाद (उ.प्र.)	मिथिला में वेद और वेदाङ्ग	45,975.00
3.	डॉ. रमाशंकर त्रिपाठी जौनपुर (उ.प्र.)	वैदिक वाङ्मय के आलोक में संस्कार मीमांसा	3,71,498.00
4.	डॉ. प्रवीण कुमार मिश्र वाराणसी (उ.प्र.)	अद्वैतामृतमञ्जरी (शतकत्रयी)	36,740.00

क्रमशः....

क्रमांक	आवेदक का नाम व पता	शीर्षक	रचना की अनुमानित लागत
5.	डॉ. शेख अब्दुल गनी पाण्डी नगर (आ.प्र.)	संस्कृत साहित्य को मुसलमानों का योगदान	68,128.00
6.	डॉ. सन्जू मिश्र बैग्लूरु (कर्णाटक)	श्रीमद्भागवतमहापुराणसम्पादनम्	5,32,750.00
7.	डॉ. वी.श्रीनिवास गोपालन चैन्नई	पूर्वसूरिचरित चम्पू	1,61,678.00
8.	डॉ. परमानन्द झा जनकपुरी (नई दिल्ली)	त्रिवेणी	40,000.00
9.	डॉ. महेन्द्र कुमार कांगडा (हि.प्र.)	कविकल्पद्रुमस्य 'काव्यकामधेनु'	1,15,200.00
10.	डॉ. विनय कुमार पाण्डेय वाराणसी (उ.प्र.)	सवाई जयसिंहस्य ज्योतिषेऽवदानम्	85,110.00
11.	डॉ. शिवसागर त्रिपाठी जयपुर (राज.)	कथाषोडशी	37,124.00
12.	डॉ. कमलेश झा वाराणसी (उ.प्र.)	जयपुरविलास काव्य	51,553.00
13.	डॉ. शिवचरण शर्मा जयपुर (राज.)	महाकविधनदेश्वरस्य कामाभिनन्दनमहाकाव्यम्	51,000.00
14.	डॉ. एस. साम्बशिवराव् हैदराबाद (आ.प्र.)	शूद्रकस्यमृच्छकटिकस्य भाषादृष्टयापरिशीलनम्	80,000.00
15.	डॉ. नारायण दास पूर्वी मिदनापुर (प.ब.)	अलंकारशास्त्रे अप्पय्यजगन्नाथयोः शब्दार्थचारुत्वविमर्शः	75,000.00
16.	डॉ. कौमुदी श्रीवास्तव इलाहाबाद (उ.प्र.)	अद्वैतवेदान्त में जीव की अवधारणा	87,700.00
17.	डॉ. स्वामी धर्मानन्द पो. कराकोडे (केरल)	Living Tradition of Advaita Vedanta in Kerala	2,25,700.00
18.	डॉ. दीप्ति विष्णु इलाहाबाद (उ.प्र.)	बौद्ध एवं जैन कथा साहित्य परिशीलन	50,000.00
19.	श्री मोरेश्वर घासिस पूना (महाराष्ट्र)	ऋग्वेद संहिता	8,00,000.00

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) से वार्षिक अनुदान प्राप्तकर्ता आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों का विवरण

1. कालीकट
आदर्श संस्कृत विद्यापीठ,
पो. बालुसरी,
जिला-कोजीकोड,
केरल-673612

2. श्री रंगलक्ष्मी
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
वृन्दावन, उत्तर प्रदेश-281121

3. हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ,
पो. बघोला, (पलवल),
जिला-फरीदाबाद,
हरियाणा

4. जे.एन.बी. आदर्श
संस्कृत महाविद्यालय,
पो. लगमा,
वाया-लोहना रोड,
जिला-दरभंगा,
बिहार-847407

5. श्री भगवानदास आदर्श
संस्कृत महाविद्यालय,
पो. गुरुकुल कांगड़ी,
जिला-हरिद्वार,
उत्तराञ्चल

6. मद्रास संस्कृत कॉलेज
एवं एस.एस.वी. पाठशाला
84, रोयपेटा हाई रोड,
मइलापुर, चेन्नई-600004,
तमिलनाडु

7. लक्ष्मी देवी सर्राफ
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
काली रेखा, जिला-देवघर,
झारखण्ड-814112

8. श्री एकरसानन्द
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
जिला-मैनपुरी,
उत्तर प्रदेश-205001

9. मुम्बा देवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय
द्वारा भारतीय विद्या भवन,
के.एम. मुंशी मार्ग, मुम्बई
महाराष्ट्र-400007

10. एस.डी. आदर्श संस्कृत कॉलेज,
डोहगी, जिला-ऊना,
हिमाचल प्रदेश-174307

11. हिमाचल आदर्श संस्कृत महाविद्यालय
जांगला (रोहड़ू), जिला-शिमला
हिमाचल प्रदेश-171207

12. श्री दीवान कृष्ण किशोर
एस.डी. आदर्श संस्कृत कॉलेज,
अम्बाला कैंट, हरियाणा-133001

13. राजकुमारी गणेश शर्मा
संस्कृत विद्यापीठ, कोलहन्टा, पटोरी,
जिला-दरभंगा, बिहार-846003

14. स्वामी प्राङ्कुशाचार्य आदर्श संस्कृत
महाविद्यालय, हुलासगंज, गया,
बिहार-804407

क्रमशः....

15. श्री सीताराम वैदिक
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
7/2 पी.डब्ल्यू.डी. रोड,
कोलकाता-700035
पश्चिम बंगाल

16. रामजी मेहता आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
मालीघाट, मुजफ्फरपुर,
बिहार-842001

17. कालियाचक विक्रम किशोर
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
ग्राम-कालियाचक, पो. हरिया
जिला-पूर्वमेदिनीपुर,
पश्चिम बंगाल-721430

18. रानी पद्मावती तारा योग तन्त्र
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
इन्द्रपुर (शिवपुर), वाराणसी
उत्तर प्रदेश-221003

19. अहोबिला मठ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय
मदुरान्तकम्,
चेन्नई (तमिलनाडु)

20. श्री राम सुन्दर संस्कृत विश्वा विद्या प्रतिष्ठान,
लक्ष्मी नाथ नगर, रामाउली-सैलोन,
वाया-बेहार, जिला-दरभंगा, बिहार-847201

21. राधा माधव संस्कृत महाविद्यालय, नम्बोल,
मणीपुर-795134

शोध संस्थान

22. वैदिक संशोधन मंडल,
तिलक विद्यापीठ,
गुलटेकड़ी,
पुणे-400037

23. पूर्णप्रज्ञा संशोधन मंदिरम,
काठीगुप्पा मेन रोड, बंगलोर,
कर्नाटक-560028

24. संस्कृत अकादमी
(शोध संस्थान)
ओसमानिया यूनिवर्सिटी,
हैदराबाद, आन्ध्र प्रदेश

25. चिन्मय इंटरनेशनल फाउंडेशन शोध संस्थान
वेलियानाद, एरनाकुलम् (केरल)

आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/शोध संस्थान

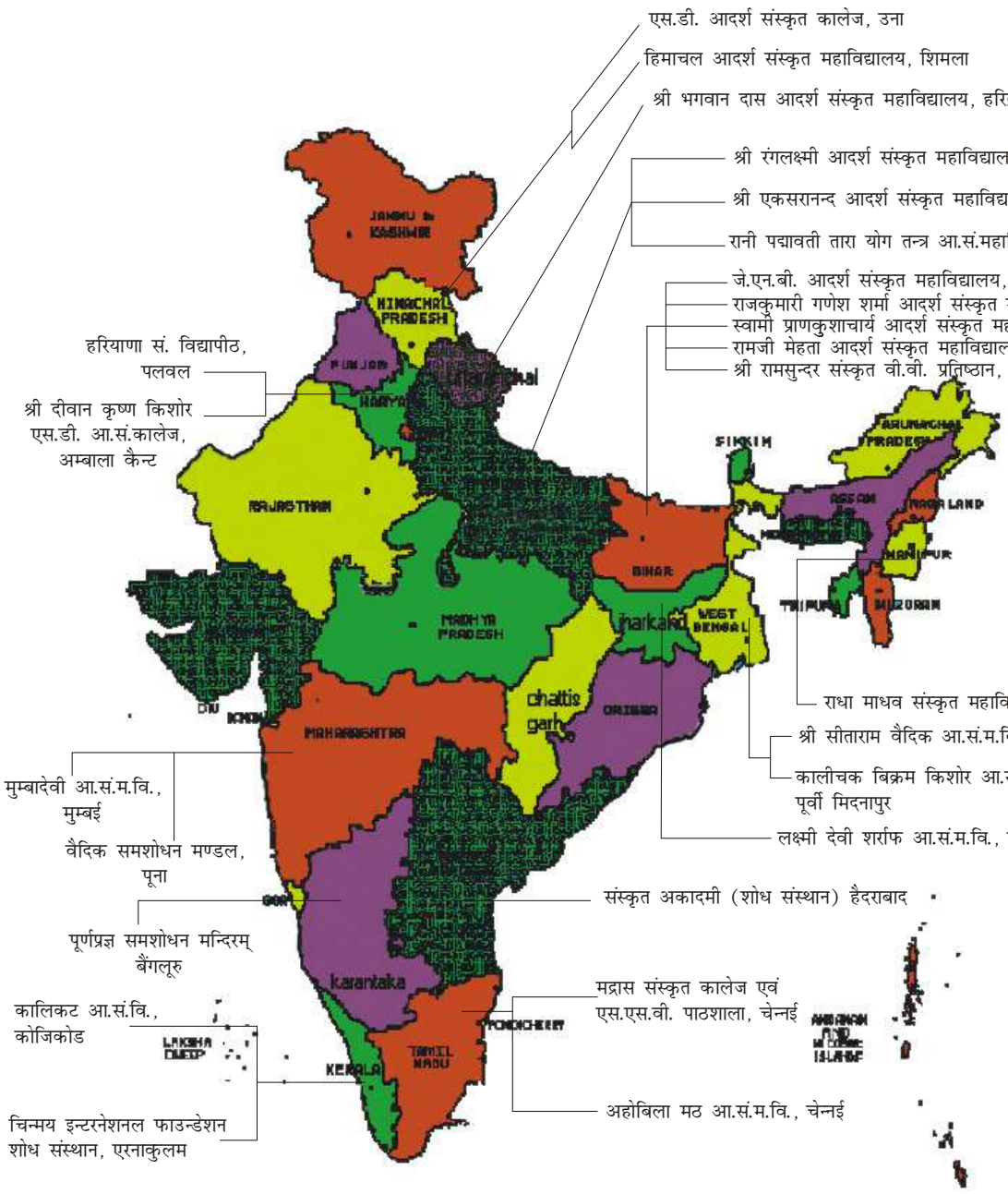

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

नई दिल्ली

31 मार्च 2013 का समेकित तुलन पत्र

राशि रुपयों में

समग्र/पूंजी निधि एवं देनदारियाँ	मुख्य खाता	सा.भ.नि. खाता	न.पें.यो. खाता	विद्यार्थी निधि	योग
1. समग्र/पूंजी निधि	1263345657.00				1263345657.00
2. चिन्हित/अक्षय निधि (दान)	821717.00				821717.00
3. वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	3043698.00				3043698.00
4. सामान्य भविष्य निधि देयता	225139367.00	225139367.00			450278734.00
5. मुम्बई परिसरीय-देयता	100000.00				100000.00
6. नई पेंशन योजना	763582.00		763582.00		1527164.00
7. विद्यार्थी निधि				6636835.00	6636835.00
8. अक्षय निधि-गुरुवायुर	173334.00				173334.00
9. विश्व संस्कृत सम्मेलन					0.00
10. मुक्त स्वाध्याय पीठ	620149.00				620149.00
11. सावधि जमा भविष्य निधि	47000000.00				47000000.00
योग	**1541007504.00**	**225139367.00**	**763582.00**	**6636835.00**	**1773547288.00**
परिसम्पतियाँ					
1. सावधि परिसम्पतियाँ	386565044.00				386565044.00
2. जमा/अक्षय निधि/निवेश	886391.00				886391.00
3. चालू परिसम्पतियाँ, ऋण, अग्रिम आदि	7739254.00				7739254.00
4. **अन्तिम शेष**					0.00
ए. हाथ में रोकड़	514116.00				514116.00
वी. बैंक में रोकड़	198698274.00				198698274.00
सी. हाथ में रोकड़ (मुक्त स्वाध्याय पीठ)	8105.00				8105.00
डी. बैंक में रोकड़ (मुक्त स्वाध्याय पीठ)	436254.00				436254.00
5. आशंकित लेखा	569000.00				569000.00
6. आशंकित खाता (नकद)	59122.00				59122.00
7. निर्माण कार्य प्रगति पर	648942413.00				648942413.00
8. सा.भ.नि. देयता	225139367.00	225139367.00			450278734.00
9. नई पेंशन योजना	763582.00		763582.00		1527164.00
10. विद्यार्थी निधि				6636835.00	6636835.00
11. अक्षय निधि-गुरुवायुर	173033.00				173033.00
12. सावधि जमा (भविष्य निधि/सामान्य)	70500000.00				70500000.00
13. अन्य मद	13549.00				13549.00
योग	**1541007504.00**	**225139367.00**	**763582.00**	**6636835.00**	**1773547288.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

नई दिल्ली

31 मार्च 2013 तक समेकित आय एवं व्यय का लेखा

राशि रुपयों में

	आय	मुख्य खाता	सा.भ.नि. खाता	न.पें.यो. खाता	योग
i.	**अनुदान/सहायता**	1555800000.00	0.00		1555800000.00
ii.	**निवेश से आय**				
	ए. अक्षय निधि पर ब्याज (दान)	3801075.00			3801075.00
	बी. सावधि जमा पर ब्याज		16786449.00	8359.00	16794808.00
iii.	**अर्जित ब्याज**				
	ए. बचत खाता पर	968947.00	4345153.00	842092.00	6156192.00
	बी. ऋण/अग्रिम (कर्मचारी) पर	101037.00			101037.00
iv.	**अन्य आय**				
	ए. प्रकाशनों का विक्रय	779096.00	0.00		779096.00
	बी. प.पा. प्राप्ति	58803.00	0.00		58803.00
	सी. परीक्षा प्राप्ति	265094.00	0.00		265094.00
	डी. पू.शि.शा. परीक्षा प्राप्ति	60817.00	0.00		60817.00
	ई. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षा	276114.00	0.00		276114.00
	एफ. ज्ञान दर्शन	414681.00	0.00		414681.00
	जी. अवकाश वेतन एवं पेंशन अंशदान	324580.00	0.00		324580.00
	एच. पुस्तकालय		0.00		0.00
	आई. मुक्त स्वाध्याय पीठ	3582857.00			
	जे. वाहन के लिए प्राप्ति	2518900.00	0.00		2518900.00
v.	**अन्य विविध-प्राप्तियाँ**	7792631.00	72560.00		7865191.00
	योग (ए)	**1576744632.00**	**21204162.00**	**850451.00**	**1595216388.00**
	व्यय				
1.	स्थापना व्यय	416209733.00	3754132.00	8359.00	419972224.00
2.	अन्य प्रशासनिक व्यय	261387580.00	0.00		261387580.00
3.	**विविध-परियोजनाओं/योजनाओं के लिए भुगतान**				
	ए. योजनाएँ/परियोजनाएँ	535838551.00	0.00		535838551.00
4.	**बैंक प्रभार**		7409.00	1764.00	9173.00
5.	**सा.भ.निधि पर प्रदत्त ब्याज**		881120.00		881120.00
6.	**मूल्य ह्रास**	61486805.00	0.00		61486805.00
	योग (बी)	**1274922669.00**	**4642661.00**	**10123.00**	**1279575453.00**
	अधिक आय पर अधिक व्यय शेष (ए-बी)	**301821963.00**	**16561501.00**	**840328.00**	**315640935.00**
	अधिक व्यय पर अधिक आय शेष (ए-बी)				
	शेष अधिशेष/समग्र/पूंजी निधि घाटा	**301821963.00**	**16561501.00**	**840328.00**	**315640935.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

नई दिल्ली

31 मार्च 2013 की समेकित प्राप्तियों एवं भुगतान का विवरण

राशि रुपयों में

प्राप्तियां	मुख्य खाता	सा.भ.नि.खाता	न.पें.यो.खाता	विद्यार्थी निधि	योग	भुगतान	मुख्य खाता	सा.भ.नि.खाता	न.पें.यो.खाता	विद्यार्थी निधि	योग
i. पूर्व बकाया						**1. व्यय**					
a) हाथ में रोकड़	337671.00				337671.00	a. स्थापना व्यय	416209733.00				416209733.00
b) बैंक में शेष	81854473.00	24703010.00	1829485.00	9318211.00	117705179.00	b. प्रशासनिक व्यय	261387580.00				261387580.00
c) हाथ में रोकड़ (मु.स्वा.पी.)	10266.00	0.00	0.00	0.00	10266.00	**ii. विभिन्न परियोजनायें/योजनाओं**					
d) बैंक में शेष (मु.स्वा.पी.)	609883.00				609883.00	**के लिये भुगतान**					
e) वि.अ.आ. की छात्रवृत्ति	84400.00				84400.00						
ii. अनुदान प्राप्त						a. योजनायें/परियोजनायें	541886709.00				541886709.00
a. भारत सरकार से प्राप्त	1555800000.00				1555800000.00	b. परिसरों को निर्गत अनुदान					0.00
b. वि.अ.आ. (कनिष्ठ/वरिष्ठ शोध छात्रवृत्ति)	5177000.00				5177000.00	**iii. सावधि परिसम्पतियों पर व्यय एवं**					
iii. निवेश पर ब्याज						**पूंजीगत कार्य प्रगति पर**					
a. अक्षय निधि-(दान)					0.00	a. सावधि परिसम्पतियों का क्रय	31267395.00				31267395.00
b. सावधि जमा	3801075.00	16778625.00	8359.00		20588059.00	b. सावधि परिसम्पतियों पर व्यय	216428654.00				216428654.00
iv. अर्जित ब्याज						**iv. अन्य भुगतान**					
a. बचत खाते पर	968947.00	1401938.00	842092.00		3212977.00	a. प्रेषित राशि	110772010.00				110772010.00
b. ऋण एवं अग्रिम (कर्मचारी) पर	101037.00				101037.00	b. वि.अ.आ. (कनिष्ठ/वरिष्ठ शोध छात्रवृत्ति)					0.00
c. सा.भ.नि. पर निवेश		881120.00			881120.00	c. सा.भ.नि. अग्रिम		9483841.00			9483841.00
d. नई पेंशन योजना					0.00	d. सा.भ.नि. निकासी		22639431.00			22639431.00
v. अन्य आय						e. सा.भ.नि./न.पें.यो. शेष अन्य परिसरों में स्थानांतरित		38155266.00	372199.00		38527465.00
a. छुट्टी वेतन* एवं पेंशन अंशदान (यदि कोई हो)	324580.00				324580.00	f. न.पें.यो. निधि खाता			23164908.00		23164908.00
b. प्रकाशनों की बिक्री					0.00	f. सावधि जमा पुनर्निवेश/क्रय	780000000.00	77135869.00	800000.00		857935869.00
b.1 मंत्रालय	131778.00				131778.00	g. ब्याज अदायगी		881120.00			881120.00
b. 2 संस्थान	647318.00				647318.00	h. बैंक प्रभार		7409.00	1764.00		9173.00
c. बिक्री/नीलामी की प्रक्रिया					0.00	i. ऋण एवं अग्रिम (कर्मचारी)	21956343.00				21956343.00
d. प.पा. से प्राप्ति	58803.00				58803.00	j. सा.भ.नि./न.पें.यो. ब्याज का मुख्य खाते में स्थानांतरित		3754132.00	8359.00		3762491.00
e. परीक्षा से प्राप्ति	265094.00				265094.00	**v. अन्तिम शेष**					
f. पू.शि.शा. परीक्षा	60817.00				60817.00	a. हाथ में नकद	514116.00				514116.00
g. ज्ञान दर्शन	414681.00				414681.00	b. बैंक में नगद	198698274.00	24096965.00	123037.00	9318211.00	232236487.00
h. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण	276114.00				276114.00	c. हाथ में नकद (मु.स्वा.पी.)	8105.00				8105.00
i. अन्य स्रोतों से प्राप्ति					0.00	d. बैंक में नकद (मु.स्वा.पा.)	436254.00				436254.00
j. वि.सं.सम्मेलन					0.00	i) अन्य (दूरस्थ)					0.00
vi. अन्य प्राप्तियाँ						ii) वि.अ.आ. (कनिष्ठ/वरिष्ठ शोध छात्र वृत्ति)					0.00
a. प्रेषित राशि	111457665.00				111457665.00						
b. वि.अ.आ. (कनिष्ठ/वरिष्ठ शोध छात्रवृत्ति)					0.00						
c. इंदिरा गांधी स्नाकोत्तर छात्रवृत्ति					0.00						
d. वापसी (ऋण एवं अग्रिम) कर्मचारी	23289183.00	8698444.00			31987627.00						
e. दान (यदि कोई हो)					0.00						
f. सामान्य भविष्यनिधि पर अंशदान		35228651.00			35228651.00						
i. पुस्तकालय पुस्तक					0.00						
ii. अन्य परिसरों को स्थानांतरित राशि		37168097.00			37168097.00						
iii. सावधि जमा योजना		48971166.00	12443434.00		61414600.00						
g. डायक सासायटी					0.00						
h. बयाना राशि व सुरक्षा जमा					0.00						
i. अन्य विविध प्राप्तियाँ	7792631.00				7792631.00						

क्रमश.....

j. सावधि जमा (अक्षय निधि)		760000000.00				760000000.00							
k. समेकित प्राप्ति		20000000.00				20000000.00							
l. वाहन के लिए प्राप्त राशि		2518900.00				2518900.00							
m. पूर्व वर्ष त्रुटियां			253063.00			253063.00							
n. मु.स्वा.पी. प्राप्ति		3582857.00				3582857.00							
o. न.पें.यो. योगदान						0.00							
	i. सरकारी			4716711.50		4716711.50							
	ii.कर्मचारी			4630185.50		4630185.50							
vii. मुख्य खाते सा.भ.नि. पर ब्याज स्थानांतरण			2069919.00			2069919.00							
		2579565173.00	**176154033.00**	**24470267.00**	**9318211.00**	**2789507684.00**		**2579565173.00**	**176154033.00**	**24470267.00**	**9318211.00**	**2789507684.00**	

* अवकाश वेतन एवं पेंशन योगदान तथा पूर्व शिक्षा शास्त्री परीक्षा

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

नई दिल्ली

31 मार्च 2013 की प्राप्तियां एवं भुगतान का विवरण

राशि रुपयों में

प्राप्तियां	अनुसूची	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	भुगतान	अनुसूची	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1. पूर्व बकाया				**1. व्यय**			
a) हाथ में रोकड़		337671.00	294137.00	ए. स्थापना व्यय	(2)	416209733.00	356174330.00
b) बैंक में शेष		81854473.00	42511570.00	बी. प्रशासनिक व्यय	(2)	261387580.00	169179583.00
c) हाथ में रोकड़ (मु.स्वा.पी.)		10266.00					
d) बैंक में रोकड़ (मु.स्वा.पी.)		609883.00		**ii. विभिन्न परियोजनाओं/योजनाओं**			
e) वि.अ.आ. की छात्रवृत्ति		84400.00	243196.00	**के लिए भुगतान**			
ii) अनुदान प्राप्ति				ए. योजनायें/परियोजनाओं	(2)	541886709.00	403079637.00
a. भारत सरकार से		1555800000.00	1080000000.00	बी. परिसरों के लिये निर्गत अनुदान			
b) वि.अ.आ. (कनिष्ठ/वरिष्ठ शोध छात्र वृत्ति)		5177000.00	5981563.00	**iii. सावधि परिसम्पतियों एवं पूंजी कार्य**			
iii. निवेश पर ब्याज				**के प्रगति पर व्यय**			
a) अक्षय निधि (दान)		0.00	61939.00	a. सावधि-परिसम्पतियों का क्रय	(2)	31267395.00	34064392.00
b) सावधि जमा	(1)	3801075.00	9924309	b. पूंजी कार्य के प्रगति पर व्यय	(2)	216428654.00	85048579.00
iv. ब्याज की प्राप्ति				**iv. अन्य भुगतान**			
a) बचत खाता पर	(1)	968947.00	5094966.00	a. प्रेषित राशि	(2)	110772010.00	93287941.00
b) ऋण/बकाया (कर्मचारी) पर	(1)	101037.00	93974.00	b. वि.अ.आ. (कनिष्ठ/वरिष्ठ शोध छात्र वृत्ति)			
c) सा.भ.नि. के निवेश पर				c. सा.भा.नि. अग्रिम/निकासी			
d) नई पेंशन योजना पर				d. अन्य परिसरों को सा.भ.नि. शेष स्थानांतरण			
v. अन्य आय				e. न.पें.यो. निधि खाता			
a) छुट्टी वेतन एवं पेंशन अंशदान (यदि कोई हो)	(1)	324580.00	458546.00	j. सा.ज. योजना पुनः निवेशित/क्रय	(2)	780000000.00	51154226.00
b) प्रकाशनों की बिक्री				g. ब्याज भुगतान			
b.1 मंत्रालय	(1)	131778.00	1296103.00	h. बैंक प्रभार			
b. 2संस्थान	(1)	647318.00	1923029.00	i. ऋण एवं अग्रिम (कर्मचारी)	(2)	21956343.00	16488106.00
सी) बिक्री/निलामी की प्रक्रिया				j.सा.भ.नि. ब्याज का मुख्य लेखा में स्थानान्तरण			
डी) प.पा. प्राप्ति	(1)	58803.00	722957.00	**v. अन्तिम शेष**			
ई) परीक्षा प्राप्ति	(1)	265094.00	4025683.00	a. हाथ में रोकड़	(2)	514116.00	337671.00
एफ) पू.शि.शा.प.*	(1)	60817.00	2158940.00	b. बैंक में नगद	(2)	198698274.00	81854473.00
जी) ज्ञान दर्शन	(1)	414681.00	545373.00	c) हाथ में रोकड़ (मु.स्वा.पी.)	(2)	8105.00	0.00
एच) अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण	(1)	276114.00	1143583.00	d) बैंक में रोकड़ (मु.स्वा.पी.)	(2)	436254.00	0.00
आई) अन्य स्रोतों से आय			0.00	iii) अन्य (दूरस्थ)			0.00
जे) वि.सं.सं.			0.00	iv) वि.अ.आ. (कनिष्ठ/वरिष्ठ शोध छात्र वृत्ति)	(2)	0.00	84400.00

क्रमश.....

vi. अन्य प्राप्तियाँ										
ए) प्रेषित राशि		**(1)**	111457665.00	92950714.00						
बी) वि.अ.आ. (कनिष्ठ/वरिष्ठ शोध छात्र वृत्ति)										
सी) इं.गाँ. स्नातकोत्तर छात्रवृत्ति										
डी) वापसी (ऋण/अग्रिम कर्मचारियों से)		**(1)**	23289183.00	15694621.00						
ई) दान (यदि कोई हो)										
एफ) सा.भ.नि. अंशदान										
जी) पुस्तकालय पुस्तके		**(1)**	0.00	1689.00						
एच) अन्य परिसरों में स्थानान्तरित										
आई) डोएक सोसाइटी										
जे) बयाना राशि एवं सुरक्षा जमा										
के) अन्य विविध-प्राप्तियाँ		**(1)**	7792631.00	7084209.00						
एल) सावधि जमा योजना (अक्षय निधि)		**(1)**	760000000.00	17766891.00						
एम) निरस्त चैक (के.लो.नि.वि.)				775346.00						
एन) समेकित प्राप्तियां		**(1)**	20000000.00							
ओ) वाहन हेतु प्राप्तियां		**(1)**	2518900.00							
पी) मु.स्वा.पी. प्राप्तियां		**(1)**	3582857.00							
क्यू) नई पेंशन योजना में योगदान										
	i. सरकारी									
	ii. कर्मचारी									
vii. गबन राशि की वापसी				0.00						
			2579565173.00	**1290753338.00**				**TOTAL**	**2579565173.00**	**1290753338.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

नई दिल्ली

31 मार्च 2013 की आय एवं व्यय का विवरण

राशि रुपयों में

	आय	अनुसूची	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
i. अनुदान/सहायता			1555800000.00	1080000000.00
ii. निवेश पर आय				
	ए. अक्षय निधि पर ब्याज (दान)			0.00
	बी. सावधि जमा पर ब्याज	**(3)**	3801075.00	0.00
	सी. उपार्जित ब्याज			0.00
iii. अर्जित ब्याज				
	ए. बजत खाता पर	**(3)**	968947.00	5094966.00
	बी. ऋण/अग्रिम (कर्मचारी)	**(3)**	101037.00	93974.00
iv. अन्य आय				
	ए. प्रकाशनों की बिक्री	**(3)**	779096.00	3219132.00
	बी. प.पा. प्राप्ति	**(3)**	58803.00	722957.00
	सी. परीक्षा प्राप्ति	**(3)**	265094.00	4025683.00
	डी. पू.शि.शा.प.	**(3)**	60817.00	2158940.00
	ई. विक्रय/निलामी की प्रक्रिया		0.00	0.00
	एफ. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण	**(3)**	276114.00	1143583.00
	जी. ज्ञान-दर्शन	**(3)**	414681.00	545373.00
	एच. डोएक सोसाइटी		0.00	
	आई. छुट्टी वेतन एवं पेंशन अंशदान	**(3)**	324580.00	458546.00
	जे. सा.भ.नि. के ब्याज का मुख्य लेखे में स्थानान्तरण		0.00	
	के. अन्य स्रोतों से आय		0.00	0.00
	एल. पुस्तकालय		0.00	1689.00
	एम. मु.स्वा.पी.	**(3)**	3582857.00	
	एन. के.लो.नि.वि. से वापसी (चैकों का निरस्तीकरण)			497529.00
	ओ. वाहन हेतु प्राप्तियां	**(3)**	2518900.00	
v. अन्य विविध-प्राप्तियां		**(3)**	7792631.00	7084209.00
	योग (ए)		**1576744632.00**	**1105046581.00**
	व्यय			
1. स्थापना व्यय		**(4)**	416209733.00	356174330.00
2. अन्य प्रशासकीय व्यय		**(4)**	261387580.00	169179583.00

क्रमश.....

3. विविध-परियोजनाओं/योजनाओं के लिए भुगतान									
	a. योजनायें/परियोजनाओं						**(4)**	535838551.00	391965980.00
	b. परिसरों के लिये निर्गत अनुदान							0.00	0.00
4. बैंक प्रभार								0.00	0.00
5. सा.भ.नि. लेखो पर प्रदत्त ब्याज								0.00	0.00
6. मूल्य ह्रास							**(5)**	61486805.00	25565429.00
						योग (बी)		**1274922669.00**	**942885322.00**
अधिक आय पर अधिक व्यय शेष (ए-बी)								**301821963.00**	**162161259.00**
अधिक व्यय पर अधिक आय शेष (ए-बी)									
शेष अधिशेष/समग्र/पूंजी निधि घाटा								**301821963.00**	**162161259.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

नई दिल्ली

31 मार्च 2013 का तुलन पत्र

राशि रुपयों में

समग्र/पूंजी निधि एवं देनदारियाँ		अनुसूची	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1. समग्र/पूंजी निधि		(6)	1263345657.00	962302790.00
2. चिह्नित/अक्षय निधि-(दान)		(8)	821717.00	821717.00
3. वर्तमान देयताएँ/प्रावधान		(9)	3043698.00	2442443.00
4. सा.भ.नि. देयता			225139367.00	210885965.00
5. मुम्बई परिसरीय देयता			100000.00	100000.00
6. नई पेंशन योजना			763582.00	13968059.00
7. विद्यार्थी निधि				
8. अक्षय निधि-गुरुवायूर			173334.00	173334.00
9. मु.स्वा.पी. प्रारंभिक शेष			620149.00	0.00
10. सावधि जमा (भविष्य निधि)		(10)	47000000.00	27000000.00
योग			**1541007504.00**	**1217694308.00**
परिसम्पत्तियाँ				
1. सावधि-परिसम्पतियाँ		(5)	386565044.00	415844651.00
2. जमा/अक्षय निधि/निवेश		(11)	886391.00	886391.00
3. चालू परिसम्पत्तियाँ, ऋण, अग्रिम आदि		(12)	7739254.00	9072094.00
4. अन्तिम शेष				
	ए. हाथ में रोकड़		514116.00	337671.00
	बी. बैंक में रोकड़		198698274.00	81854473.00
	सी. वि.अ.आ. (कनिष्ठ/वरिष्ठ शोध छात्रवृत्ति)			84400.00
	डी. हाथ में रोकड़ (मु.स्वा.पी.)		8105.00	0.00
	ई. बैंक में रोकड़ (मु.स्वा.पी.)		436254.00	0.00
5. आशंकित लेखा			569000.00	569000.00
6. आशंकित लेखा (नकद)			59122.00	59122.00
7. निर्माण कार्य प्रगति पर		(7)	648942413.00	433445900.00
8. सा.भ.नि. देयता			225139367.00	210885965.00
9. नई पेंशन योजना			763582.00	13968059.00
10. विद्यार्थी निधि				
11. अक्षय निधि-गुरुवायुर			173033.00	173033.00
12. सावधि-जमा (सा.भ.नि./सामान्य)		(10)	70500000.00	50500000.00
13. अन्य मद			13549.00	13549.00
योग			**1541007504.00**	**1217694308.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

वर्ष 2012-13 की समेकित प्राप्ति एवं भुगतान लेखा अनुसूची

अनुसूची (1)

प्राप्तियाँ		चालू वर्ष			
क्र.सं.		योजना	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष
	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
1.	**विविध प्राप्तियाँ**				
	प.पा. प्राप्ति	0.00	58803.00	58803.00	722957.00
	परीक्षा प्राप्ति	3250.00	261844.00	265094.00	4025683.00
	अन्य विविध प्राप्ति	1142032.00	6650599.00	7792631.00	7084209.00
	ऋण/अग्रिम पर ब्याज (कर्मचारी)	500.00	100537.00	101037.00	93974.00
	पू.शि.शा.प. प्राप्ति	0.00	60817.00	60817.00	2158940.00
	संस्थान प्रकाशन	0.00	647318.00	647318.00	1923029.00
	मन्त्रालय प्रकाशन	131778.00	0.00	131778.00	1296103.00
	अवकाश वेतन एवं पेंशन अंशदान	104720.00	219860.00	324580.00	458546.00
	अनौपचारिक संस्कृत शिक्षा	276114.00	0.00	276114.00	1143583.00
	ज्ञान दर्शन/संस्कृत नेट	414681.00	0.00	414681.00	545373.00
	पुस्तकालय	0.00	0.00	0.00	1689.00
	सावधि जमा पर ब्याज	0.00	3801075.00	3801075.00	9924309.00
	अन्य स्त्रोतों से आय	0.00	0.00	0.00	0.00
	डोएक सोसाइटी	0.00	0.00	0.00	0.00
	बचत खाते पर ब्याज	597656.00	371291.00	968947.00	5094966.00
	विश्व संस्कृत सम्मेलन	0.00	0.00	0.00	0.00
	चैक निरस्त (के.लो.नि.वि.)	0.00	0.00	0.00	775346.00
	समेकित प्राप्तियां	0.00	20000000.00	20000000.00	0.00
	मू.स्वा.पी.	3582857.00	0.00	3582857.00	0.00
	वाहन हेतु प्राप्तियां	2518900.00	0.00	2518900.00	0.00
	कुल	**8772488.00**	**32172144.00**	**40944632.00**	**35248707.00**
	अक्षय निधि				
i.	सावधि जमा पर ब्याज (दुबे पुरुस्कार)	0.00	0.00	0.00	418.00
ii.	सावधि जमा पर ब्याज (जिन्दल ट्रस्ट)	0.00	0.00	0.00	10341.00
iii.	सावधि जमा पर ब्याज (सोम्मया ट्रस्ट)	0.00	0.00	0.00	51180.00
iv.	सावधि जमा पर ब्याज (शुक्ला पुरुस्कार)	0.00	0.00	0.00	0.00
	योग	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**61939.00**
2.	**प्रेषित राशि**				
	आयकर	7386122.00	19412863.00	26798985.00	23837652.00
	सामान्य भविष्य निधि	8326567.00	43737306.00	52063873.00	44554486.00
	नई पेंशन योजना	3583089.00	3393049.00	6976138.00	3316435.00
	सामूहिक बीमा योजना	209637.00	448533.00	658170.00	871632.00
	सामूहिक बीमा योजना (किश्त)	0.00	340553.00	340553.00	424236.00
	अन्य विभागों को प्रेषित राशि	6314402.00	14749483.00	21063885.00	15975621.00

क्रमश.....

	जीवन बीमा निगम (वेतन योजना)	39422.00	2123467.00	2162889.00	2077411.00
	मियादी जमा (डाकघर)	0.00	0.00	0.00	0.00
	टी.डी.एस.	19680.00	920124.00	939804.00	1098284.00
	छात्रकोश	0.00	139000.00	139000.00	121800.00
	सुरक्षा राशि की वापसी	0.00	0.00	0.00	0.00
	जीवन बीमा निगम	0.00	0.00	0.00	0.00
	डाक जीवन बीमा	0.00	53668.00	53668.00	311203.00
	अर्जित राशि एवं जमा	145200.00	80400.00	225600.00	288054.00
	जीवन बीमा निगम (किस्त)	0.00	0.00	0.00	0.00
	अंशदायी भविष्य निधि	0.00	0.00	0.00	0.00
	वि.अ.आ. (कनिष्ठ/वरिष्ठ शोध छात्रवृत्ति)	0.00	0.00	0.00	0.00
	व्यावसायिक कर	0.00	0.00	0.00	0.00
	पुस्तकालय जमानती राशि	0.00	35100.00	35100.00	73900.00
	योग	**26024119.00**	**85433546.00**	**111457665.00**	**92950714.00**
3.	**सावधि जमा**				
	सावधि-जमा परिपक्व (पी.एफ.)		760000000.00	760000000.00	17075691.00
	सावधि-जमा (जिन्दल ट्रस्ट)		0.00	0.00	148226.00
	सावधि-जमा (दुबे पुरुस्कार)		0.00	0.00	6000.00
	सावधि-जमा (सोम्मया ट्रस्ट)		0.00	0.00	286974.00
	सावधि-जमा (राम करण शर्मा)		0.00	0.00	250000.00
	योग	**0.00**	**760000000.00**	**760000000.00**	**17766891.00**
4.	**अग्रिम लेखा**				
	अवकाश यात्रा रियायत	295000.00	2033470.00	2328470.00	490100.00
	यात्रा भत्ता	1644020.00	5102404.00	6746424.00	5809056.00
	त्योहार	66900.00	398725.00	465625.00	390900.00
	वाहन	90700.00	1141172.00	1231872.00	1164599.00
	आकास्मिक	3045168.00	8188895.00	11234063.00	6572332.00
	गृह निर्माण अग्रिम	75992.00	352109.00	428101.00	348629.00
	चिकित्सा	0.00	20000.00	20000.00	211125.00
	संगणक	135820.00	698808.00	834628.00	707880.00
	दूरस्थ शिक्षा	0.00	0.00	0.00	0.00
	परीक्षा	0.00	0.00	0.00	0.00
	योग	**5353600.00**	**17935583.00**	**23289183.00**	**15694621.00**
	कुल योग	**40150207.00**	**895541273.00**	**935691480.00**	**161722872.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

वर्ष 2012-13 की समेकित प्राप्ति एवं भुगतान लेखा अनुसूची

अनुसूची (2)

भुगतान — चालू वर्ष

क्र.सं.		योजना	योजनेत्तर	कुल	पूर्व वर्ष
	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
1.	**स्थापना व्यय**				
	i. वेतन एवं भत्ते	90462682.00	269049590.00	359512272.00	300061273.00
	ii. सेवानिवृत्ति लाभ				
	a. पेंशन/पेंशन का परिवर्तित मूल्य	866936.00	34839492.00	35706428.00	33265613.00
	b. उपदान	0.00	7701996.00	7701996.00	7051614.00
	c. अवकाश नकदीकरण	25997.00	4995611.00	5021608.00	4120873.00
	iii. अवकाश वेतन एवं पेंशन अंशदान	13520.00	179542.00	193062.00	810548.00
	iv. सामान्य भविष्य निधि-अंशदान पर ब्याज	241932.00	1827987.00	2069919.00	6321871.00
	v. भविष्य निधि-पर अंशदान	0.00	0.00	0.00	0.00
	vi. नई पेंशन योजना पर संस्थान हिस्सा	2625678.00	3306210.00	5931888.00	3806915.00
	vii. नई पेंशन योजना पर कर्मचारी को ब्याज	0.00	0.00	0.00	0.00
	viii. नई पेंशन योजना निधि कोष	0.00	0.00	0.00	735623.00
	ix. अंशदायी भविष्य निधि (परिसर)	72560.00	0.00	72560.00	0.00
	योग	**94309305.00**	**321900428.00**	**416209733.00**	**356174330.00**
2.	**प्रशासनिक व्यय**				
	किराया दर एवं कर	1603004.00	880802.00	2483806.00	2497924.00
	मरम्मत एवं रखरखाव	1317822.00	10119929.00	11437751.00	9907315.00
	डाक, टेलिफोन एवं संचार पर	349727.00	2452256.00	2801983.00	2691051.00
	यात्रा भत्ता एवं वाहन भत्ता व्यय	4231707.00	13576157.00	17807864.00	11700598.00
	विज्ञापन	186279.00	1400048.00	1586327.00	1283731.00
	स्टेशनरी एवं मुद्रण	543067.00	4474645.00	5017712.00	4027132.00
	लेखा-परीक्षण शुल्क	58925.00	175150.00	234075.00	518759.00
	जल एवं विद्युत	2170377.00	7451527.00	9621904.00	6056759.00
	विविध-आकस्मिक व्यय	7295688.00	27667304.00	34962992.00	27234441.00
	परीक्षा आकस्मिक व्यय	220840.00	9439473.00	9660313.00	11503644.00
	प.पा.आकस्मिक व्यय	106169.00	432486.00	538655.00	87740.00
	वर्दियाँ	4217.00	34700.00	38917.00	46158.00
	विधिक व्यय	2700.00	1474670.00	1477370.00	1318460.00
	स्टॉफ कार व्यय	429576.00	1268086.00	1697662.00	1726176.00
	पूर्व शिक्षा शास्त्री परीक्षा	0.00	766775.00	766775.00	717038.00
	संगणक शिक्षा	840487.00	76050.00	916537.00	2510061.00
	कार्यशाला/गोष्ठी	3073248.00	987621.00	4060869.00	2937368.00
	दीक्षान्त/वार्षिक समारोह	369627.00	3709011.00	4078638.00	2322881.00
	विश्व संस्कृत सम्मेलन	454342.00	0.00	454342.00	26134488.00
	वसन्तोत्सव/कौमुदी महोत्सव	2087818.00	220635.00	2308453.00	2273926.00
	युवा महोत्सव	4994907.00	2003569.00	6998476.00	2331130.00
	कवि भास्करी	531187.00	0.00	531187.00	43899.00

क्रमश.....

	कवि सम्मेलन	0.00	0.00	0.00	0.00
	कन्टेंट जनरेशन	0.00	0.00	0.00	15377.00
	मु.स्वा.पी.	13016684.00	0.00	13016684.00	7947564.00
	अनौपचारिक संस्कृत शिक्षा	16716126.00	0.00	16716126.00	21574466.00
	एन.एम.ई.-आई.सी.टी. परियोजना	0.00	0.00	0.00	4963500.00
	भाषामन्दाकिनी	489787.00	0.00	489787.00	378571.00
	शोध प्राविधि	0.00	99864.00	99864.00	0.00
	ज्ञान दर्शन	1225687.00	0.00	1225687.00	1995344.00
	पालि एवं प्राकृत	5978374.00	0.00	5978374.00	5896506.00
	पालि शोध केन्द्र (गुलबर्ग)	100000000.00	0.00	100000000.00	0.00
	सी.डैक परियोजना	0.00	0.00	0.00	1700672.00
	चिकित्सा प्रतिपूर्ति	650208.00	3348776.00	3998984.00	4836904.00
	ई-पुस्तक	0.00	379466.00	379466.00	0.00
	अखिल भारतीय नाट्य महोत्सव	0.00	0.00	0.00	0.00
	योग	**168948580.00**	**92439000.00**	**261387580.00**	**169179583.00**
3.	**योजनायें**				
	शास्त्र चूड़ामणि	4536800.00	0.00	4536800.00	5457600.00
	विशेष ओरियटेशन पाठ्यक्रम	301205.00	0.00	301205.00	536400.00
	संस्कृत ग्रन्थों का क्रय	4503234.00	0.00	4503234.00	51198.00
	संस्कृत ग्रन्थों का पुर्नमुद्रण	786758.00	0.00	786758.00	432479.00
	संस्कृत साहित्य की वृद्धि/संवर्द्धन	1339160.00	0.00	1339160.00	2121489.00
	डेक्कन कॉलिज, पूना	4880025.00	0.00	4880025.00	3000000.00
	राष्ट्रपति पुरस्कार	13098255.00	11761866.00	24860121.00	25854086.00
	आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	147676123.00	90967161.00	238643284.00	203435285.00
	छात्रवृत्ति	50873634.00	14128054.00	65001688.00	30081468.00
	स्वैच्छिक संस्कृत संगठन	121896415.00	0.00	121896415.00	69572626.00
	अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा	4456680.00	89,964.00	4546644.00	3387967.00
	उत्तर पूर्वी राज्य	28389395.00	0.00	28389395.00	17893431.00
	गैर सरकारी संगठन/गैर सरकारी संगठन, विश्वविद्यालय	1975112.00	0.00	1975112.00	11404526.00
	आधुनिक शिक्षकों को अनुदान	14499110.00	0.00	14499110.00	5976000.00
	माध्यामिक/उच्चतर माध्यमिक को अनुदान	2313000.00	0.00	2313000.00	4072542.00
	कनिष्ठ शोध-छात्रवृत्ति	5261400.00	0.00	5261400.00	6140359.00
	सम्मान राशि	6528000.00	0.00	6528000.00	5563970.00
	विशिष्ठ सेवा संस्कृत सम्मान	300000.00	0.00	300000.00	0.00
	अखिल भारतीय प्राच्य संगोष्ठी, पूना	358105.00	0.00	358105.00	0.00
	उर्दू संस्कृत परियोजना	357761.00	0.00	357761.00	1712118.00
	नैक/आर.जी.सी. शुल्क	2372781.00	357895.00	2730676.00	20195.00
	डायलक्ट/सब डायलक्ट	781470.00	0.00	781470.00	0.00
	सांख्य योग	409122.00	0.00	409122.00	0.00
	कम्प्यूटर कार्यक्रम	255336.00	0.00	255336.00	0.00
	धर्मकोश परियोजना	444846.00	0.00	444846.00	0.00
	पुस्तक मेला	103375.00	0.00	103375.00	0.00
	महिला अध्ययन (संस्कृत)	428385.00	0.00	428385.00	500570.00

क्रमश.....

	डी.ई.ओ/ई-ग्रन्थालय/ई-बुक	2515871.00	0.00	2515871.00	3355328.00
	परियोजना (हू इज हू/साहित्य)	170411.00	0.00	170411.00	10000.00
	नाट्य शास्त्र	2770000.00	0.00	2770000.00	2500000.00
	पण्डित परिषद	0.00	0.00	0.00	0.00
	योग	**424581769.00**	**117304940.00**	**541886709.00**	**403079637.00**
4.	**प्रेषित राशि**				
	i. आय कर	7164476.00	19252438.00	26416914.00	24000888.00
	ii. सामान्य भविष्य निधि	8326567.00	43737306.00	52063873.00	44554486.00
	iii. नई पेंशन योजना	3583089.00	3393049.00	6976138.00	3316435.00
	iv. समूह बीमा योजना	167215.00	447273.00	614488.00	1019877.00
	v. समूह बीमा अंशदान	0.00	45573.00	45573.00	359286.00
	vi. अन्य विभागों को प्रेषित राशि	6251525.00	14684133.00	20935658.00	16445042.00
	vii. जीवन बीमा निगम (वेतन योजना)	39422.00	2107768.00	2147190.00	2074840.00
	viii. मियादी जमा (डाकघर)	0.00	0.00	0.00	0.00
	ix. टी.डी.एस.	19680.00	920124.00	939804.00	1098284.00
	x. बयाना राशि एवं सुरक्षा जमा	120000.00	330804.00	450804.00	0.00
	xi. पुस्तकालय जमा रकम	0.00	48100.00	48100.00	34100.00
	xii. छात्रकोष	0.00	79800.00	79800.00	73500.00
	xiii. जीवन बीमा निगम	0.00	0.00	0.00	0.00
	xiv. डाक जीवन बीमा	0.00	53668.00	53668.00	311203.00
	xv. जीवन बीमा (अंशदान)	0.00	0.00	0.00	0.00
	xvi. अंशदायी भविष्य निधि	0.00	0.00	0.00	0.00
	xvii. वि.अ.आ. (कनिष्ठ/वरिष्ठ शोध छात्रवृत्ति)	0.00	0.00	0.00	0.00
	योग	**25671974.00**	**85100036.00**	**110772010.00**	**93287941.00**
5.	**पूंजीगत व्यय**				
	i. भवन (निर्माण कार्य प्रगति पर)	215496513.00	932141.00	216428654.00	85048579.00
	ii. फर्नीचर एवं फिक्चर	6975843.00	5412877.00	12388720.00	11436642.00
	iii. मशीनरी एवं उपकरण	1553755.00	7166333.00	8720088.00	9734511.00
	iv. पुस्तकालय की पुस्तकें	1054043.00	1313426.00	2367469.00	3806740.00
	v. प्रकाशन	483635.00	2348179.00	2831814.00	4220326.00
	vi. प्रयोगशाला यन्त्र	0.00	0.00	0.00	452309.00
	vii. कार	2655114.00	690329.00	3345443.00	631930.00
	viii. भूमि	0.00	0.00	0.00	532125.00
	ix. संगणक	1613861.00	0.00	1613861.00	3249809.00
	योग	**229832764.00**	**17863285.00**	**247696049.00**	**119112971.00**
6.	**सावधि जमा**				
	i. सावधि जमा क्रय (भविष्य निधि)		20000000.00	20000000.00	27000000.00
	ii. सावधि जमा क्रय (सामान्य)		760000000.00	760000000.00	23500000.00
	iii. सावधि जमा क्रय (जिन्दल ट्रस्ट)		0.00	0.00	148226.00
	iv. सावधि जमा क्रय (दुबे पुरस्कार)		0.00	0.00	6000.00
	v. सावधि जमा क्रय (सोमैया ट्रस्ट)		0.00	0.00	250000.00
	vi. सावधि जमा क्रय (रामकरण शर्मा)		0.00	0.00	250000.00
	योग	**0.00**	**780000000.00**	**780000000.00**	**51154226.00**

क्रमश.....

अनुसूची (2)

7.	**अग्रिम लेखा**				
	i. अवकाश यात्रा रियायत	465600.00	1965908.00	2431508.00	379160.00
	ii. यात्रा भत्ता	1539020.00	5311850.00	6850870.00	5604056.00
	iii. त्योहार	79650.00	307800.00	387450.00	378750.00
	iv. वाहन	64300.00	1038326.00	1102626.00	947000.00
	v. आकस्मिक	3078912.00	6768085.00	9846997.00	7998735.00
	vi. चिकित्सा	171000.00	10000.00	181000.00	221125.00
	vii. अग्रिम गृह निर्माण	75992.00	635200.00	711192.00	371280.00
	viii. संगणक	42100.00	402600.00	444700.00	588000.00
	योग	**5516574.00**	**16439769.00**	**21956343.00**	**16488106.00**
8.	**अन्तिम शेष**				
	i. हाथ में रोकड़	181528.00	332588.00	514116.00	337671.00
	ii. हाथ में रोकड़ (मु.स्वा.पी.)	8105.00		8105.00	
	बैंक शेष				
	i. बचत खाता	148993004.00	49705270.00	198698274.00	81854473.00
	ii. बचत खाता (मु.स्वा.पी.)	436254.00		436254.00	
	i. कनिष्ठ शोध-छात्रवृत्ति	0.00		0.00	84400.00
	कुल योग	**1098035498.00**	**1481085316.00**	**2579565173.00**	**1290753338.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

आय की अनुसूची

अनुसूची (3)

क्र.सं.		योजना	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष
	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
1.	**विविध प्राप्तियाँ**				
	प.पा. से प्राप्ति	0.00	58803.00	58803.00	722957.00
	परीक्षा से प्राप्ति	3250.00	261844.00	265094.00	4025683.00
	अन्य विविध प्राप्तियाँ	1142032.00	6650599.00	7792631.00	7084209.00
	ऋण/अग्रिम पर ब्याज (कर्मचारी)	500.00	100537.00	101037.00	93974.00
	पूर्व.शि.शा.प्र. से प्राप्ति	0.00	60817.00	60817.00	2158940.00
	संस्थान प्रकाशन	0.00	647318.00	647318.00	1923029.00
	मंत्रालय प्रकाशन	131778.00	0.00	131778.00	1296103.00
	अवकाश वेतन/पेंशन अंशदान	104720.00	219860.00	324580.00	458546.00
	अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण	276114.00	0.00	276114.00	1143583.00
	ज्ञान दर्शन/संस्कृत नेट	414681.00	0.00	414681.00	545373.00
	पुस्तकालय	0.00	0.00	0.00	1689.00
	सावधि जमा पर ब्याज	0.00	3801075.00	3801075.00	0.00
	अन्य स्त्रोतों से आय	0.00	0.00	0.00	0.00
	डोएक सोसाइटी	0.00	0.00	0.00	0.00
	बचत खाते पर ब्याज	597656.00	371291.00	968947.00	5094966.00
	वाहन हेतु प्राप्तियां	2518900.00	0.00	2518900.00	0.00
	मु.स्वा.पी.	3582857.00	0.00	3582857.00	0.00
	चैक निरस्त (के.लो.नि.वि.)	0.00	0.00	0.00	497529.00
	योग	**8772488.00**	**12172144.00**	**20944632.00**	**25046581.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

व्यय की अनुसूची

अनुसूची (4)

क्र.सं.		योजना	योजनेत्तर	कुल	पूर्व वर्ष
	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
1.	**स्थापना व्यय**				
	वेतन एवं भत्ते	90462682.00	269049590.00	359512272.00	300061273.00
	सेवा निवृत्ति लाभ				
	पेंशन/पेंशन का परिवर्तित मूल्य	866936.00	34839492.00	35706428.00	33265613.00
	उपदान	0.00	7701996.00	7701996.00	7051614.00
	अवकाश नगदीकरण	25997.00	4995611.00	5021608.00	4120873.00
	अवकाश वेतन एवं पेंशन अंशदान	13520.00	179542.00	193062.00	810548.00
	सामान्य भविष्य निधि पर अंशदान	241932.00	1827987.00	2069919.00	6321871.00
	सामान्य भविष्य निधि अंशदान पर ब्याज	2625678.00	3306210.00	5931888.00	3806915.00
	नई पेंशन योजना पर संस्थान का हिस्सा	0.00	0.00	0.00	735623.00
	अंशदायी भविष्यनिधि (परिसर)	72560.00	0.00	72560.00	0.00
	योग	**94309305.00**	**321900428.00**	**416209733.00**	**356174330.00**
2.	**प्रशासनिक व्यय**				
	किराया दर एवं कर	1603004.00	880802.00	2483806.00	2497924.00
	मरम्मत एवं रखरखाव	1317822.00	10119929.00	11437751.00	9907315.00
	पोस्ट एवं टेलिफोन संचार व्यय	349727.00	2452256.00	2801983.00	2691051.00
	यात्रा भत्ता एवं वाहन भत्ता व्यय	4231707.00	13576157.00	17807864.00	11700598.00
	विज्ञापन	186279.00	1400048.00	1586327.00	1283731.00
	स्टेशनरी एवं मुद्रण	543067.00	4474645.00	5017712.00	4027132.00
	लेखा-परीक्षा शुल्क	58925.00	175150.00	234075.00	518759.00
	जल एवं विद्युत	2170377.00	7451527.00	9621904.00	6056759.00
	विविध-आकस्मिक व्यय	7295688.00	27667304.00	34962992.00	27234441.00
	परीक्षा आकस्मिक	220840.00	9439473.00	9660313.00	11503644.00
	प.पा. आकस्मिक व्यय	106169.00	432486.00	538655.00	87740.00
	वर्दियाँ	4217.00	34700.00	38917.00	46158.00
	विधिक व्यय	2700.00	1474670.00	1477370.00	1318460.00
	स्टाफ कार व्यय	429576.00	1268086.00	1697662.00	1726176.00
	पूर्व शिक्षा शास्त्री परीक्षा	0.00	766775.00	766775.00	717038.00
	सगंणक शिक्षा	840487.00	76050.00	916537.00	2510061.00
	कार्यशाला/गोष्ठी	3073248.00	987621.00	4060869.00	2937368.00
	दीक्षान्त/वार्षिक समारोह	369627.00	3709011.00	4078638.00	2322881.00
	विश्व संस्कृत सम्मेलन	454342.00	0.00	454342.00	26134488.00
	वसन्तोत्सव/कौमुदी महोत्सव	2087818.00	220635.00	2308453.00	2273926.00
	युवा महोत्सव	4994907.00	2003569.00	6998476.00	2331130.00
	कवि भास्करी	531187.00	0.00	531187.00	43899.00
	कंटेंट जनरेशन	0.00	0.00	0.00	15377.00

क्रमश.....

अनुसूची (4)

	मु.स्वा.पी.	13016684.00	0.00	13016684.00	7947564.00
	अनौपचारिक संस्कृत शिक्षा	16716126.00	0.00	16716126.00	21574466.00
	एन.एम.ई.आई.सी.टी. परियोजना	0.00	0.00	0.00	4963500.00
	भाषा मन्दाकिनी	489787.00	0.00	489787.00	378571.00
	शोध-प्राविधि	0.00	99864.00	99864.00	0.00
	ज्ञानदर्शन	1225687.00	0.00	1225687.00	1995344.00
	पालि एवं प्राकृत	5978374.00	0.00	5978374.00	5896506.00
	पालि शोध केन्द्र (गुलबर्ग)	100000000.00	0.00	100000000.00	0.00
	सीडैक परियोजना	0.00	0.00	0.00	1700672.00
	चिकित्सा क्षतिपूर्ति	650208.00	3348776.00	3998984.00	4836904.00
	ई-पुस्तक	0.00	379466.00	379466.00	0.00
	योग	**168948580.00**	**92439000.00**	**261387580.00**	**169179583.00**
3.	**योजनाएं**				
	शास्त्र चूडामणि	4536800.00	0.00	4536800.00	5457600.00
	विशेष प्राच्य पाठ्यक्रम	301205.00	0.00	301205.00	536400.00
	संस्कृत ग्रन्थों का क्रय	4503234.00	0.00	4503234.00	51198.00
	संस्कृत साहित्य का संवर्धन	1339160.00	0.00	1339160.00	2121489.00
	डेकन कॉलेज, पूना	4880025.00	0.00	4880025.00	3000000.00
	राष्ट्रपति पुरस्कार	13098255.00	11761866.00	24860121.00	25854086.00
	आदर्श स.महा.वि.	147676123.00	90967161.00	238643284.00	203435285.00
	छात्रवृत्ति	50873634.00	14128054.00	65001688.00	30081468.00
	स्वैच्छिक संस्कृत संगठन	121896415.00	0.00	121896415.00	69572626.00
	अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा	4456680.00	89,964.00	4546644.00	3387967.00
	उत्तर पूर्वी राज्य	28389395.00	0.00	28389395.00	17893431.00
	गैर सरकारी संगठन/गैरसरकारी संगठन वि.वि.	1975112.00	0.00	1975112.00	11404526.00
	आधुनिक शिक्षक अनुदान	14499110.00	0.00	14499110.00	5976000.00
	वरिष्ठ माध्यामिक/उच्च विद्यालय को अनुदान	2313000.00	0.00	2313000.00	4072542.00
	सम्मान राशि	6528000.00	0.00	6528000.00	1023151.00
	विशिष्ठ सेवा संस्कृत सम्मान	300000.00	0.00	300000.00	0.00
	अखिल भारतीय प्राच्य संगोष्ठी	358105.00	0.00	358105.00	0.00
	उर्दू संस्कृत परियोजना	357761.00	0.00	357761.00	1712118.00
	नैक/आर.जी.सी. शुल्क	2372781.00	357895.00	2730676.00	20195.00
	डायलेक्ट/सब डायलेक्ट	781470.00	0.00	781470.00	0.00
	सांख्य योग	409122.00	0.00	409122.00	0.00
	कम्प्युटर कार्यक्रम	255336.00	0.00	255336.00	0.00
	धर्म कोष परियोजना	444846.00	0.00	444846.00	0.00
	पुस्तक मेला	103375.00	0.00	103375.00	0.00
	महिला अध्ययन संस्कृत में	428385.00	0.00	428385.00	500570.00
	डी.ई.ओ./ई. ग्रन्थालय/ई बुक	2515871.00	0.00	2515871.00	3355328.00
	परियोजना (ह्यू इज ह्यू/ साहित्य)	170411.00	0.00	170411.00	10000.00
	नाट्य शास्त्र	2770000.00	0.00	2770000.00	2500000.00
	योग	**418533611.00**	**117304940.00**	**535838551.00**	**391965980.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

अनुसूची (5) संलग्नक ड (क्रमश.....)

सावधि परिसम्पतियाँ एवं मूल्य ह्रास चार्ट	ओ.बी.	वर्तमान वित्तीय वर्ष में क्रय	विक्रय	योग	वर्तमान वर्ष में मूल्य ह्रास	31 मार्च तक वर्तमान मूल्य
भूमि						
भवन	303172578.00	0.00	0.00	303172578.00	30317258.00	272855320.00
प्लांट एवं मशीनरी एवं उपकरण (25 प्रतिशत)						
a. जनरेटर	24472497.00	8720088.00	0.00	33192585.00	8298146.00	24894439.00
b. प्रयोगशाला उपकरण	756513.00	0.00	0.00	756513.00	189128.00	567385.00
वाहन (15 प्रतिशत)						
a. स्टॉफ कार	1748899.00	3345443.00	0.00	5094342.00	764151.00	4330191.00
फर्नीचर एवं फिक्चर (10 प्रतिशत)	43511569.00	12388720.00	0.00	55900289.00	5590029.00	50310260.00
a. कैबिनेटस/आलमारियाँ/फाईलिंग रैकस						
b. एयर कंडिशनर्स/एयर कंडिशनिग प्लांट						
c. एयर कूलर्स						
d. वाटर कूलर्स						
e. टेबल/कुर्सियाँ/सोफा/कारपेट्स						
f. लकड़ी का बाड़ा/अस्थायी ढांचा		932141.00	0.00	932141.00	93214.00	838927.00
g. वोल्टेज स्टेबलाईजर्स, यू.पी.एस. सिस्टम						
h. अन्य वस्तुएँ						
कार्यालयीय उपकरण						
a. टाईपराईटर्स						
b. फोटोकापी/डूपलीकेटर्स						
c. फैक्स मशीन						
कम्प्यूटर/बाह्य उपकरण	3335473.00	1613861.00	0.00	4949334.00	494933.00	4454401.00
विद्युत स्थापना						
a. विद्युत मशीनरी						
b. विद्युत प्रकाश/पंखा						
c. स्विच गियर उपकरण						
d. ट्रांसफार्मर						
e. विद्युत वाईरिंग एवं फिटिंग						
सभी पुस्तकालीय पुस्तकें (60 प्रतिशत)	22245699.00	2367469.00	0.00	24613168.00	14767901.00	9845267.00
प्रकाशन (5 प्रतिशत)						
a. मंत्रालय प्रकाशन						
b. संस्थान प्रकाशन	10911150.00	2831814.00	647318.00	13095646.00	654782.00	12440864.00
संस्कृत पुस्तकों (पुर्नमुद्रण) का क्रय	5690273.00	786758.00	131778.00	6345253.00	317263.00	6027990.00
कुल योग	**415844651.00**	**32986294.00**	**779096.00**	**448051849.00**	**61486805.00**	**386565044.00**

*** वर्ष 2012-13 में कुल मूल्य ह्रास** **61486805.00 ***

ह० ह० ह० ह०

अनुभाग अधिकारी (वित्त) **लेखा अधिकारी** **उप निदेशक (वित्त)** **कुलसचिव**

क्रमश.....

अनुसूची (6)

समग्र/पूंजीगत निधि की अनुसूची	ओ.बी.	चालू वर्ष		योग
		जोड़ा	घटाया	
प्रारंभिक शेष	455667536.00	0.00	779096.00	454888440.00
जोड़ा- आय से अधिक व्यय	220553613.00	301821963.00		522375576.00
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में जमा	286081641.00			286081641.00
				1263345657.00

अनुसूची (7)

परिसम्पतियों की अनुसूची		ओ.बी.	चालू वर्ष		योग
			जोड़ा	घटाया	
पूंजीगत कार्य प्रगति पर		433445900.00	215496513.00	0.00	**648942413.00**
					648942413.00

अनुसूची (8)

चिन्हित अनुसूची/अक्षय निधि (दान)	योजना	योजनेत्तर	योग
जिन्दल ट्रस्ट (पूर्व शेष)		186600.00	
जोड़ (ब्याज)		0.00	
कम उपभोग/व्यय		0.00	
योग			**186600.00**
दुबे पुरुस्कार (पूर्व योग शेष)		8534.00	
जोड़ (ब्याज)		0.00	
कम उपयोग/व्यय		0.00	
योग			**8534.00**
सोमैया ट्रस्ट (पूर्व शेष)		371583.00	
जोड़ (ब्याज)		0.00	
कम उपभोग/व्यय		0.00	
योग			**371583.00**
शुक्ला ट्रस्ट (पूर्व शेष)		5000.00	
जोड़ (ब्याज)		0.00	
कम उपयोग/खर्च		0.00	
योग			**5000.00**
रामकरण शर्मा (पूर्व शेष)		250000.00	
जोड़ (ब्याज)		0.00	
कम उपयोग/खर्च		0.00	
योग			**250000.00**
		821717.00	**821717.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

अनुसूची (9)

वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान की अनुसूची	ओ.बी.	चालू वर्ष		योग
		जोड़ा	घटाया	
समूह बीमा निगम	105193.00	658170.00	614488.00	148875.00
समूह बीमा निगम अंशदान	258637.00	340553.00	45573.00	553617.00
अन्य परिसर/विभागों से प्रोषित राशि	1044515.00	21063885.00	20935658.00	1172742.00
वि.अनु.आ. कनिष्ठ/वरिष्ठ छात्रवृत्ति	84400.00	5177000.00	5261400.00	0.00
अर्जित राशि एवं सुरक्षा जमा	348389.00	225600.00	450804.00	123185.00
पुस्तकालय सुरक्षा राशि	229357.00	35100.00	48100.00	216357.00
छात्रकोश	183400.00	139000.00	79800.00	242600.00
आयकर	-163036.00	26798985.00	26416914.00	219035.00
जीवन बीमा निगम (वेतन योजना)	-50767.00	2162889.00	2147190.00	-35068.00
नई पेंशन योजना	407930.00	6976138.00	6976138.00	407930.00
टी.डी.एस.	-5575.00	939804.00	939804.00	-5575.00
	2442443.00	**64517124.00**	**63915869.00**	**3043698.00**

अनुसूची (10)

सावधि जमा/भविष्य निधि की अनुसूची	ओ.बी.	चालू वर्ष		योग
		जोड़ा	घटाया	
सावधि जमा (सा.भ.नि.)	27000000.00	20000000.00	0.00	47000000.00
सावधि जमा (सामान्य)	23500000	0.00	0	23500000.00
	50500000.00	**20000000.00**	**0.00**	**70500000.00**

अनुसूची (11)

जमा राशि की अनूसूची अक्षय निधि/निवेश	
डी.ए.वी.पी. के पास जमा	53100.00
बी.एस.ई.एस.के पास जमा	174065.00
अक्षय निधि/निवेश (जिन्दल ट्रस्ट)	148226.00
आचार्य के विद्यार्थियों हेतु मैडल/निवेश (दूबे पुरस्कार)	6000.00
अक्षय निधि ,, (सोमैया ट्रस्ट)	250000.00
,, (शुक्ला पुरस्कार)	5000.00
,, (रामकरण शर्मा)	250000.00
योग	**886391.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

अनुसूची (12)

वर्तमान परिसम्पतियां, ऋण, अग्रिम (पेशगी) आदि की अनुसूची		ओ.बी.	चालू वर्ष		योग
			जोड़ा	घटाया	
a. अन्य निधियों में निवेश					
b. वर्तमान परिसम्पतियाँ, ऋण, अग्रिम आदि					
	i. वि.अ.आ. कनिष्ठ/वरिष्ठ शोध छात्रवृत्ति (अव्ययित राशि)				
	ii. आकस्मिक अग्रिम (शेष मूल राशि)	1156160.00	9846997.00	11234063.00	-230906.00
	iii. अवकाश यात्रा रियायत (शेष मूल राशि)	-39670.00	2431508.00	2328470.00	63368.00
	iv. भवन निर्माण अग्रिम (शेष मूल राशि)	1954561.00	711192.00	428101.00	2237652.00
	v. संगणक अग्रिम (शेष मूल राशि)	1635408.00	444700.00	834628.00	1245480.00
	vi. यात्रा अग्रिम (शेष मूल राशि)	290458.00	6850870.00	6746424.00	394904.00
	vii. वाहन अग्रिम (शेष मूल राशि)	3704243.00	1102626.00	1231872.00	3574997.00
	viii. चिकित्सा अग्रिम (शेष मूल राशि)	163394.00	181000.00	20000.00	324394.00
	ix. त्योहार अग्रिम (शेष मूल राशि)	207540.00	387450.00	465625.00	129365.00
	योग	**9072094.00**	**21956343.00**	**23289183.00**	**7739254.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों एवं टिप्पणी के लिए खातों पर अनुसूची

1. वर्ष 2012-13 के लिए संस्थान के वार्षिक खातों को नये स्वरूप के रूप में सी.जी.ए. द्वारा निर्धारित हैं और वर्ष 2002-03 के बाद से भारत के सी.ए.जी. द्वारा किए गए अनुमोदन पर तैयार किये गये हैं।
2. संस्थान पूरी तरह से अनुदान सहायता पर संचालित है इसलिए वित्त पोषण संगठन पर आयकर लागू नहीं है।
3. सरकारी अनुदान/सब्सिडी प्राप्ति आधार पर जिम्मेवार है।
4. कर योग्य आय नहीं होने के दृष्टव्य में यह आवश्यक माना गया है कि यहाँ आयकर अधिनियम 1961, आयकर के लिए कोई प्रावधान नहीं है।
5. खातो को नगदी आधार पर तैयार किया गया है (केवल 2012-13 के लिए) जहाँ कहीं भी आवश्यक हो समझा जाये।
6. अनुसूचियाँ जहाँ आवश्यक हों, सलंग्न हैं।
7. सम्पति पर आयकर अधिनियम 1961 में निर्दिष्ट दरों के अनुसार मूल्यह्रास ह्रासमान शेष पद्धति द्वारा तैयार किया गया है।
8. निर्माण कार्य केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जा रहा है।
9. यह कोई लाभप्रद संगठन नहीं है लेकिन मूल्यांकन के बाद देश में संस्कृत के समग्र विकास एवं सवंर्द्धन के लिए बनायी गयी है।
10. प्रत्येक वर्ष में निवेश का कार्यक्रम तैयार किया जाता है।
11. सेवानिवृत्ति लाभ भारत सरकार के नियमानुसार लागू है।
12. नई पेंशन योजना 132 कर्मचारियों के उपर लागू है।
13. प्राप्ति-भुगतान लेखा में वर्ष 2011-12 में समकेतिकरण के दौरान गरली परिसर द्वारा 70,000/- को प्राप्ति भाग में टी.ए. अग्रिम को एल.टी.सी. अग्रिम में दर्शाया गया था। वर्ष 2012-13 के लेखा में इसमें आवश्यक सुधार कर दिया गया है।
14. प्राप्ति-भुगतान लेखा में समकेतिकरण के समय पुरी परिसर द्वारा प्राप्ति भाग में व्यवसायिक कर रु. 1,60,425/- को 'आयकर' शीर्ष के स्थान पर 'प्रेषित' शीर्ष में दर्शाया गया था। वर्ष 2012-13 के लेखा में इसमें आवश्यक सुधार कर दिया गया है।
15. प्राप्ति-भुगतान लेखा में समकेतिकरण के समय मुम्बई परिसर द्वारा भुगतान भाग में रु. 1,00,600/- को एल.टी.सी. अग्रिम शीर्ष के स्थान पर 'प्रेषित' शीर्ष में दर्शाया गया था। वर्ष 2012-2013 के लेखा में इसमें आवश्यक सुधार कर दिया गया है।
16. प्राप्ति-भुगतान लेखा में वर्ष 2011-2012 में समकेतिकरण के दौरान मुम्बई परिसर द्वारा भुगतान भाग में 15,000/- को त्योहार अग्रिम शीर्ष के स्थान पर प्रेषित शीर्ष में दर्शाया गया था। वर्ष 2012-2013 के लेखा में आवश्यक सुधार कर दिया गया है।
17. वर्ष 2011-2012 में 'मुक्तस्वाध्यायपीठम्' के अन्तिम शेष रु. 6,20,149/- को मुख्य खाता में नहीं दर्शाया गया। इस वर्ष मुक्त स्वाध्यायपीठ के राशि को मुख्य खाते के अन्तिम शेष के साथ विलय किया गया है एवं 'मुक्तस्वाध्याय' के तुलन पत्र पर इसे आदि शेष में लिया गया है।
18. तुलन पत्र पर मुम्बई परिसर में गबन से सम्बन्धित राशि 6,28,122/- को उचंती खाता में दर्शाया गया है, चूँकि इस प्रकरण पर अन्तिम निर्णय नहीं किया गया है अतएव उक्त राशि को उचंती खाता में ही रखा गया है।
19. संस्थान के वार्षिक खातों पर वर्ष 2012-13 के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा अर्थात् वित्त समिति/बोर्ड आफ मैनेंजमेंट द्वारा 28.6.2013 को अनुमोदित है।

ह०	ह०	ह०	ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)	लेखा अधिकारी	उप निदेशक (वित्त)	कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

नई दिल्ली

वर्ष 2012-13 की सामान्य भविष्य निधि/अंशदायी भविष्य निधि की समेकित प्राप्ति एवं भुगतान का लेखा विवरण

प्राप्तियाँ

राशि रुपयों में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	मुख्यालय	पुरी	जम्मू	इलाहाबाद	गुरुवायुर	जयपुर	लखनऊ	श्रृंगेरी	गरली	भोपाल	मुम्बई	कुलयोग
1.	आदि शेष	5521316.00	6062253.00	1690937.00	652349.00	278364.00	2573061.00	176169.00	101997.00	949868.00	3541312.00	3155384.00	**24703010.00**
2.	सा.भ.नि. अंशदान	8791664.00	4301800.00	3087380.00	2500100.00	2562151.00	4848900.00	3659000.00	660570.00	1421000.00	1901426.00	1422100.00	**35156091.00**
3.	सा.भ.नि. अग्रिम से वसूली	1161424.00	1610315.00	618799.00	414440.00	1462303.00	1243225.00	1216400.00	216935.00	557978.00	68750.00	0.00	**8570569.00**
4.	सा.भ.नि. अग्रिम से वसूली (नगद)	0.00	0.00	0.00	0.00	127875.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	**127875.00**
5.	सावधि जमा परिपक्व	0.00	6110793.00	18703456.00	15756917.00	0.00	0.00	2000000.00	1900000.00	4000000.00	500000.00	0.00	**48971166.00**
6.	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज	2666730.00	4359674.00	3352781.00	1716764.00	1519193.00	0.00	930517.00	881951.00	464912.00	886103.00	0.00	**16778625.00**
7.	बचत खाता पर ब्याज	177366.00	252124.00	82539.00	0.00	74915.00	93540.00	30443.00	0.00	55711.00	139657.00	495643.00	**1401938.00**
8.	अन्य संस्थाओं से प्राप्त राशि	2210348.00	1971506.00	5134958.00	793095.00	2502763.00	7411650.00	2444598.00	2077808.00	6585558.00	4367000.00	1668813.00	**37168097.00**
9.	संस्थान का योगदान	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	72560.00	**72560.00**
10.	मुख्य खाते से सा.भ.नि. ब्याज का स्थानान्तरण	0.00	1227509.00	0.00	0.00	0.00	0.00	600478.00	7824.00	0.00	0.00	234108.00	**2069919.00**
11.	पूर्व वर्ष त्रुटि											253063.00	**253063.00**
12.	अंशदायी भविष्य निधि पर ब्याज	0.00		0.00	0.00	0.00	93540.00	0.00	0.00	787580.00	0.00	0.00	**881120.00**
	योग	**20528848.00**	**25895974.00**	**32670850.00**	**21833665.00**	**8527564.00**	**16263916.00**	**11057605.00**	**5847085.00**	**14822607.00**	**11404248.00**	**7301671.00**	**176154033.00**
	भुगतान												
1.	अन्तिम भुगतान	12515465.00	500000.00	1555000.00	2619760.00	1890206.00	2469000.00	940000.00	150000.00	0.00		0.00	**22639431.00**
2.	सा.भ.नि. अग्रिम	665507.00	1323070.00	1024128.00	152800.00	2761481.00	1319275.00	1009500.00	541180.00	516080.00		170820.00	**9483841.00**
3.	सावधि-जमा की खरीद	0.00	3500000.00	19447081.00	17265695.00	1600000.00	5000000.00	7730517.00	4200000.00	9092576.00	4300000.00	5000000.00	**77135869.00**
4.	अन्य परिसरों को स्थानान्तरित राशि	5907093.00	11315219.00	8328636.00	1569855.00	2041227.00	5577235.00	21770.00	921047.00	668832.00	301937.00	1502415.00	**38155266.00**
5.	मुख्य खाते में सा.भ.नि. ब्याज स्थानान्तरण	0.00	3754020.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	112.00	0.00	0.00	**3754132.00**
6.	बैंक प्रभार	1115.00	0.00	0.00	0.00	1079.00	0.00	0.00	0.00	0.00	4035.00	1180.00	**7409.00**
7.	अंशदायी को देय ब्याज	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	93540.00	0.00	0.00	787580.00	0.00	0.00	**881120.00**
	नगद शेष	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0
8.	बैंक में रोकड़	1439668.00	5503665.00	2316005.00	225555.00	233571.00	1804866.00	1355818.00	34858.00	3757427.00	6798276.00	627256.00	**24096965.00**
	योग	**20528848.00**	**25895974.00**	**32670850.00**	**21833665.00**	**8527564.00**	**16263916.00**	**11057605.00**	**5847085.00**	**14822607.00**	**11404248.00**	**7301671.00**	**176154033.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

नई दिल्ली

वर्ष 2012-13 की सामान्य भविष्य निधि की समेकित प्राप्ति एवं भुगतान का लेखा विवरण

प्राप्तियाँ | भुगतान | राशि रुपयों में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1	आदि शेष	24703010.00	15713893.00	1	अन्तिम भुगतान	22639431.00	24858485.00
2	सा.भ.नि. से अंशदान	35156091.00	33219663.00	2	सा.भ.नि. अग्रिम	9483841.00	9670495.00
3	सा.भ.नि. अग्रिम से वसूली	8570569.00	8144974.00	3	सावधि जमा की खरीद	77135869.00	60179412.00
4	सा.भ.नि. अग्रिम से वसूली (नकद)	127875.00	0.00	4	अन्य परिसरों को स्थान्तारित राशि	38155266.00	24436234.00
5	सावधि जमा परिपक्वता	48971166.00	46094263.00	5	मुख्य खाते मं स.भ.नि. ब्याज स्थानान्तरित	3754132.00	345955.00
6	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज	16778625.00	13671840.00	6	बैंक प्रभार	7409.00	6578.00
7	बचत खाता पर ब्याज	1401938.00	2104874.00	7	अशंदायी को देय ब्याज	881120.00	0.00
8	अन्य संस्थाओं से प्राप्त राशि	37168097.00	20045935.00		**नगद शेष**		
9	अंशदान पर संस्थान का हिस्सा	72560.00	0.00		बैंक में रोकड़	24096965.00	24703011.00
10	मुख्य खाते में सा.भ.नि. पर ब्याज का स्थानान्तरण	2069919.00	5204728.00				
11	सा.भ.नि. अंशदान पर अर्जित ब्याज	881120.00	0.00				
12	पूर्व वर्ष त्रुटियां	253063.00					
	कुल योग	**176154033.00**	**144200170.00**		**कुल योग**	**176154033.00**	**144200170.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

नई दिल्ली

वर्ष 2012-13 की सामान्य भविष्य निधि की समेकित आय एवं व्यय का लेखा विवरण

आय		
अर्जित ब्याज		**चालू वर्ष**
क्र.सं.	**लेखा शीर्ष**	**रुपये**
	सावधि जमा पर ब्याज	16778625.00
1	बचत खाता	1401938.00
2	मुख्य खाते से स्थानान्तरित ब्याज	2069919.00
3	सा.भ.नि. पर अर्जित ब्याज	881120.00
4	अंशदान पर संस्थान का हिस्सा	72560.00
	कुल योग (ए)	**21204162.00**
व्यय		
क्र.सं.	**लेखा शीर्ष**	
1	मुख्य खाते में सा.भ.नि. पर ब्याज का स्थानान्तरण	3754132.00
2	बैंक प्रभार	7409.00
3	ग्राहको को दिया गया ब्याज	881120.00
	कुल योग (बी)	**4642661.00**
	व्यय से अधिक आय (ए-बी)	**16561501.00**
	संतुलन हेतु अधिशेष को सामान्य में आरक्षित	**16561501.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय
नई दिल्ली
वर्ष 2012-13 की सामान्य भविष्य निधि का समेकित तुलन पत्र

देनदारियां		
क्र.सं.	लेखा शीर्ष	रुपये
1	आदि शेष	24703729.00
2	जोड़ा-अन्य परिसरों से स्थानान्तरित सा.भ.नि. अग्रिम और अंशदान वसूली	81275695.00
3	घटा - अन्य परिसरों को सा.भ.नि. के अग्रिम एवं निकासी का स्थानान्तरण	70278538.00
4	घटा - पूर्व वर्ष त्रुटियां	719.00
5	31.03.2012 को देनदारियां	172877699.00
6	जोड़ा-आय से अधिक व्यय	16561501.00
	योग	**225139367.00**
सम्पत्तियां		
क्र.सं.	लेखा शीर्ष	
1	सावधि जमा	201042402.00
2	वर्तमान सम्पत्तियां	201042402.00
3	बैंक में रोकड़	24096965.00
	योग	**225139367.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय
नई दिल्ली
वर्ष 2012-13 की नई पेंशन योजना लेखा में समेकित प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियाँ

राशि रुपयों में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	मुख्यालय	पुरी	जम्मू	इलाहाबाद	गुरुवायुर	जयपुर	लखनऊ	शृंगेरी	गरली	भोपाल	मुम्बई	योग
i)	आदि शेष	135580.00		990428.00		43909.00			49515.00			610053.00	**1829485.00**
ii)	कर्मचारी अंशदान	625947.00	694394.00	55479.50	313650.00	502673.00	596024.00	479129.00	944490.00	418399.00		86526.00	**4716711.50**
iii)	संस्थान/परिसर का अंशदान	625947.00	694394.00	55479.50	313650.00	502673.00	596024.00	479129.00	944490.00	418399.00			**4630185.50**
iv)	परिसरों से नई पे.यो. पर ब्याज												**0.00**
v)	पूर्व शेष												**0.00**
v)	बचत खाते से प्राप्त ब्याज	4524.00				17336.00			797736.00			22496.00	**842092.00**
vi)	अन्य परिसरों के प्राप्त राशि												**0.00**
vii)	सावधि जमा परिपक्व					4851493.00			6750000.00		87222.00	754719.00	**12443434.00**
viii)	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज										8359.00		**8359.00**
ix)	ब्याज का अन्तर												**0.00**
x)	टी.आर												**0.00**
xi)	पूर्व त्रुटि												**0.00**
	कुल योग	**1391998.00**	**1388788.00**	**1101387.00**	**627300.00**	**5918084.00**	**1192048.00**	**958258.00**	**9486231.00**	**836798.00**	**95581.00**	**1473794.00**	**24470267.00**
	भुगतान												
i)	सावधि जमा क्रय								800000.00				**800000.00**
ii)	अन्य परिसरों को स्थानान्तरित राशि					372199.00							**372199.00**
iii)	सरकारी खाते में स्थानान्तरित ब्याज										8359.00		**8359.00**
iv)	बैंक प्रभार	1708.00							56.00				**1764.00**
v)	अन्तिम भुगतान												**0.00**
vi)	परिसरीय खातों में स्थानानन्तरण F/W												**0.00**
vii)	अंशदायी से अधिक राशि की वापसी												**0.00**
viii)	नई पेंशन योजना न्यास निधि लेखा	1368616.00	1388788.00	1101387.00	627300.00	5545885.00	1192048.00	958258.00	8584812.00	836798.00	87222.00	1473794.00	**23164908.00**
	बैंक में शेष	21674.00							101363.00				**123037.00**
	कुल योग	**1391998.00**	**1388788.00**	**1101387.00**	**627300.00**	**5918084.00**	**1192048.00**	**958258.00**	**9486231.00**	**836798.00**	**95581.00**	**1473794.00**	**24470267.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय
नई दिल्ली
वर्ष 2012-13 की नई पेंशन योजना लेखा में समेकित प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियाँ | भुगतान

राशि रुपयों में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	योजना	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	योजना	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष
1	**नगद शेष**					1	सावधि जमा क्रय	800000.00	0.00	800000.00	5376119.00
						2	अन्य परिसरों को स्थानान्तरित राशि	0.00	372199.00	372199.00	12535.00
i)	आदि शेष	659568.00	1169917.00	1829485.00	1827618.00	3	सरकारी खाते में स्थानान्तरित ब्याज	8359.00	0.00	8359.00	49529.00
ii)	कर्मचारी अंशदान	1449415.00	3267296.50	4716711.50	3684597.00	4	बैंक प्रभार	56.00	1708.00	1764.00	1755.00
iii)	संस्थान का योगदान	1362889.00	3267296.50	4630185.50	3108332.00	5	अन्तिम भुगतान	0.00	0.00	0.00	0.00
iv)	परिसरों से नई पेंशन योजन पर ब्याज	0.00	0.00	0.00	757877.00	6	परिसरीय खातों में स्थानान्तरण F/W	0.00	0.00	0.00	0.00
v)	बचत खाते पर ब्याज	820232.00	21860.00	842092.00	73004.00	7	अंशदायी को अधिक राशि की वापसी	0.00	0.00	0.00	0.00
vi)	पूर्व शेष	0.00	0.00	0.00	0.00	8	नई पेंशन न्यास निधि लेखा	10982626.00	12182282.00	23164908.00	3981143.00
vii)	अन्य परिसरों से प्राप्त राशि	0.00	0.00	0.00	0.00	9	**बैंक में शेष**	101363.00	21674.00	123037.00	1829485.00
viii)	सावधि जमा की परिपक्वता	7591941.00	4851493.00	12443434.00	1385836.00						
ix)	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज	8359.00	0.00	8359.00	413302.00						
x)	ब्याज पर अन्तर	0.00	0.00	0.00	0.00						
xi)	टी.आर.	0.00	0.00	0.00	0.00						
xii)	पूर्व त्रुटि	0.00	0.00	0.00	0.00						
	कुल योग	**11892404.00**	**12577863.00**	**24470267.00**	**11250566.00**		**कुल योग**	**11892404.00**	**12577863.00**	**24470267.00**	**11250566.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

नई दिल्ली

वर्ष 2012-13 की नई पेंशन योजना लेखा में समेकित आय एवं व्यय

राशि रुपयों में

आय		
अर्जित ब्याज		**चालू वर्ष**
क्र.सं.	**लेखा शीर्ष**	**रुपये**
1	सावधि जमा पर ब्याज	8359.00
2	बचत खाते पर अर्जित ब्याज	842092.00
	कुल योग (ए)	**850451.00**
व्यय		
क्र.सं.	**लेखा शीर्ष**	
1	मुख्य खाते में स्थानांतरित ब्याज	8359.00
2	बैंक संग्रहण प्रभार	1764.00
3	अनुमोदनकर्ता को दिया ब्याज	0.00
	कुल योग (बी)	**10123.00**
	व्यय से अधिक आय	**840328.00**
	संतुलन हेतु अधिशेष को सामान्य में आरक्षित	**840328.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय
नई दिल्ली
वर्ष 2012-13 हेतु नई पेंशन योजना का समेकित तुलन पत्र

देयताएं

राशि रुपयों में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष
1.	<u>पूंजी निधि</u>	
i)	पूर्व शेष	1684080.00
ii)	जोड़ा-योगदान+अंशदान	9346897.00
iii)	जोड़ा वर्ष में समायोजन त्रुटि	145405.00
iv)	घटाया - एन.एस.डी.एल. को भुगतान एवं अन्य परिसरों को स्थानान्तरित	-23537107.00
v)	31.3.12 में जमा देनदारियां	12283979.00
vi)	व्यय से अधिक आय	840328.00
	कुल योग	**763582.00**
सम्पत्तियाँ		
क्र.सं.	**लेखा शीर्ष**	**चालू वर्ष**
i)	सावधि जमा	640545.00
ii)	वर्तमान सम्पत्तियां	640545.00
iii)	बैंक में शेष	123037.00
	कुल योग	**763582.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

नई दिल्ली

वर्ष 2012-13 हेतु मुक्तस्वाध्यायपीठम् का प्राप्ति एवं भुगतान विवरण

प्राप्तियां

भुगतान

राशि रुपयों में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	योजना	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	योजना
1	**आदि शेष**		1	परिसरों को अवमुक्त राशि-	
i)	हाथ में रोकड़	10266.00	i	पुरी परिसर	500000.00
ii)	बैंक मे जमा	609883.00	ii	जम्मू परिसर	500000.00
iii)	प्राप्त अनुदान	6660000.00	iii	इलाहाबाद परिसर	600000.00
	विविध प्राप्तियाँ		iv	गुरुवायुर परिसर	500000.00
i)	पंजीकरण शुल्क	3504258.00	v	जयपुर परिसर	1000000.00
ii)	ब्याज	77375.00	vi	लखनऊ परिसर	500000.00
iii)	विक्रय	1224.00	vii	श्रृंगेरी परिसर	500000.00
	योग	**10863006.00**	viii	गरली परिसर	500000.00
			ix	भोपाल परिसर	500000.00
			x	मुम्बई परिसर	500000.00
				योग	**5600000.00**
			2	**स्थापना व्यय**	
			i	वेतनादि एवं भत्ते	687038.00
				योग	**687038.00**
			3	**प्रशासनिक व्यय**	
				डाक एवं तार	246798.00
				मरम्मत एवं रखरखाव	6210.00
				यात्रा एवं मंहगाई भत्ता	1830373.00
				विज्ञापन	23000.00
				स्टेशनरी एवं मुद्रण	330709.00
				विविध आकस्मिकता	514718.00
				परीक्षा आकस्मिकता	537445.00
				दूरभाष खर्च	1960.00
				कार्यशाला/संगोष्ठी	181771.00
				संस्थान प्रकाशन	458625.00
				योग	**4131609.00**
			4	**पूर्व शेष**	
			i	हाथ में रोकड़	8105.00
				बैंक में शेष	
			i	बचत खाता	436254.00
				योग	**444359.00**
	कुल योग	**10863006.00**		**कुल योग**	**10863006.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

31 मार्च 2012 को समाप्त वर्ष के लिए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के लेखों पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की पृथक् लेखा-रिपोर्ट

1. हमने राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (रा.स.स.) के 31 मार्च, 2012 के संलग्न तुलनपत्र और 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखों/प्राप्ति एवं भुगतान लेखों की लेखा-परीक्षा, नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कार्य, शक्तियाँ व सेवा शर्तें) अधिनियम की धारा 20 (1) के अन्तर्गत सम्पन्न की हैं। लेखा-परीक्षा 2012-13 तक की अवधि के लिए सौंपी गई हैं। ये वित्तीय विवरण संस्थान के कार्यकर्ताओं का उत्तरदायित्व है। इन वित्तीय विवरणों में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के दस एककों के लेखे सम्मिलित हैं। हमारा उत्तरदायित्व इन वित्तीय विवरणों का लेखा-परीक्षा के आधार पर मूल्यांकन प्रकट करना है।

2. इस पृथक् लेखा-परीक्षा रिपोर्ट में भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सी.ए.जी.) की टिप्पणी केवल लेखा-विवेचन पर है जो श्रेष्ठ लेखा रीतियों, लेखा-मानकों एवं प्रकटन मानदंडों आदि सहित वर्गीकरण समनुरूपता से सम्बद्ध हैं। विधि, नियम तथा विनियम (उपयुक्तता और नियमितता) के अनुपालन से संबधित वित्तीय लेन-देन तथा कार्यक्षमता-सह-निष्पादन पहलुओं आदि पर लेखा-परीक्षा टिप्पणी कोई हो, निरीक्षण रिपोर्टों/सी.ए.जी. की लेखा-परीक्षा रिपोर्टों के माध्यम से पृथक् रूप से सूचित की जाती है।

3. हमने अपनी लेखा-परीक्षा सामान्यत: भारत में स्वीकृत लेखा-परीक्षा मानकों के अनुरूप सम्पन्न की है। इन मानकों में अपेक्षित है कि वित्तीय विवरणों के आर्थिक, अयथार्थ विवरणों से मुक्त होने के बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए हम लेखा-परीक्षा आयोजित एवं सम्पन्न करें। लेखा-परीक्षा के वित्तीय विवरणों में राशियों तथा प्रकटन समर्थक साक्ष्यों की नमूना आधार पर जांच शामिल है। प्रयुक्त लेखा-सिद्धान्तों तथा प्रबन्धन द्वारा किए गए महत्त्वपूर्ण प्राक्कलनों और वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन भी लेखा-परीक्षा में अन्तर्विष्ट है। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखा-परीक्षा हमारे विचार को उचित आधार प्रदान करती है।

4. हमारी लेखा-परीक्षा के आधार पर हम सूचित करते हैं कि:-

   (i) हमारी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार हमने लेखा-परीक्षा के लिए आवश्यक समस्त सूचना एवं स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं।

   (ii) इस प्रतिवेदन के तुलन-पत्र, आय एवं व्यय लेखे/प्राप्ति एवं भुगतान लेखे भारत सरकार वित्त मन्त्रालय द्वारा निर्धारित फार्मेट में तैयार **नहीं** किए गए हैं।

   (iii) हमारा विचार है कि राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने उचित लेखा बहियों तथा अन्य सम्बद्ध रिकार्डों का अनुरक्षण किया है। हमारे द्वारा अब तक परीक्षित ऐसी बहियों से यहीं प्रकट होता है।

   (iv) हम आगे सूचित करते हैं कि:-

क. तुलन-पत्र

क.1 स्थायी परिसम्पत्तियाँ

क.1.1 स्थायी परिसम्पत्तियों में न्यूनोक्ति

(i) रु. 2.22 करोड़ मूल्य की पुस्तकालय पुस्तकों पर मूल्य-ह्रास नहीं लगाया गया है परिणाम स्वरूप परिसम्पतियों को अधिक करके एवं रु 1.33 करोड़ (2.22 करोड़ का 60%) व्यय को कम करके दर्शाया गया है।

क्रमश:....

क.1.2 निवेश (सामान्य भविष्य निधि)

वित्त मंत्रालय, भारत सरकार की अधिसूचना सं. - 5/88/2006 - ई.पी.आर., दिनांकित 14.8.08 ने भविष्य निधि का निवेश करने के लिये निर्धारित स्वरूप नियत किया है। तथापि राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने भविष्य निधि का सम्पूर्ण धन रूपये 17.29 करोड़ केवल बैंक में सावधि जमा के रूप में जमा किया है।

ख. सामान्य

ख.1 संस्थान के सामान्य भविष्य निधि खातों की समीक्षा से निम्लनिलिखत कमियों का पता चला।

रूपये 63,21,871 का भुगतान मुख्य खाते से सामान्य भविष्य निधि अंशदान के ब्याज के रूप में किया गया किन्तु सामान्य भविष्य निधि के समेकित तुलन पत्र में प्राप्तियों एवं भुगतान लेखे में रु 52,04,728 मुख्य खाते में स्थानांतरित किया गया है। रु. 11,17,143 के अन्तर का लेखा समाधान आवश्यक है।

सामान्य भविष्य निधि के तुलन पत्र में मूलधननिधि को योगदानकर्त्ताओं के प्रति कुल देनदारियों के आधार पर मूल विवरण के अनुसार नहीं बनाया गया है अर्थात् योगदानकर्त्ताओं से प्राप्त कुल योगदान, योगदान कर्त्ताओं को देय/प्रदत्त ब्याज, अग्रिम एवं निकासी का समायोजन, इत्यादि। इसके स्थान पर निवेश तथा बैंक शेष को मूलधन निधि के रूप में लिया गया है। इसलिए सामान्य भविष्यनिधि के खाते में अधिशेष घटा सामान्य भविष्यनिधि के खाते पर योगदानकर्ता की ओर कुल देयता लेखा-परीक्षा में सत्यापित नहीं किया जा सकता है।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुम्बई परिसर में रूपये 11.99 लाख (अनन्तिम राशि) का गबन वर्ष 2008-2009 में हुआ, जिसमें से रूपये 6.28 लाख की राशि आशंकित खाते में दर्शाइ गई है। तुलन पत्र में सामान्य भविष्य निधि से सम्बन्धित रूपये 5.71 लाख की राशि को हिसाब में सम्मिलित नहीं किया गया है। वर्ष 2009-10 के दौरान रूपये 1 लाख की वसूली हुई जो कि लेखे में दर्शायी गई। वर्ष 2010-11 एवं 2011-12 में कोई भी वसूली नही हुई। मामले की वर्तमान स्थिति को लेखों पर आख्या में प्रकट नहीं किया गया है।

ख.2 नई पेंशन योजना की प्राप्तियों एवं भुगतान लेखे में अंशदान में संस्थान का हिस्सा रु. 31,08,332 दर्शाया गया है जबकि मुख्य लेखे के प्राप्ति एवं भुगतान लेखे में आय-व्यय खाते में रु. 38,06,915 दर्शाया गया है। रु. 6,98,583 के अन्तर का लेखा समाधान आवश्यक है।

ख.3 नई पेंशन योजना के प्राप्ति एवं भुगतान लेखे में आरम्भिक रोकड़ बकाया रु. 18,27,618 दर्शाया गया है जबकि पूर्व वर्ष में अन्तिम रोकड़ बकाया रु. 16,82,213 है। रु. 1,45,405 के अन्तर का लेखा समाधान आवश्यक है।

जैसा कि प्राप्तियाँ एवं भुगतान लेखे में अन्तिम रोकड़ बकाया रु. 18,29,485 दर्शाया गया है जबकि पूर्व के तुलन पत्र में अन्तिम रोकड़ बकाया रु. 16,84,080 दर्शाया गया है। रु. 1,45,405 के अन्तर का लेखा समाधान आवश्यक है।

ख.4 आय एवं व्यय लेखें में रु. 108 करोड़ अनुदान राशि रु. 8.27 करोड़ कैपिटल अनुदान के साथ दर्शाया गया है। जिसके परिणामस्वरूप अनुदान की अत्युक्ति आय एवं व्यय लेखे में है।

ग. सहायता अनुदान

वर्ष 2011-12, में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय से कुल रु. 108.00 करोड़ (योजना रु. 53.50 करोड़, योजनेत्तर रु. 49.00 करोड़ तथा उत्तरपूर्वी राज्यों रुपये 5.50 करोड़) का अनुदान प्राप्त किया जिसमें से रु. 12.94 करोड़ (योजना रु. 4.00 करोड़ और योजनेत्तर रु.

8.94 करोड़) मार्च 2012 में प्राप्त किये गये। संस्थान द्वारा पूर्व वर्ष का रु. 4.28 करोड़ (योजना रु. 2. 63 करोड़ तथा योजनेत्तर रु. 1.65 करोड़) अव्ययित शेष था। संस्थान ने रु. 2.64 करोड़ (योजना रु. 0. 60 करोड़ और योजनेत्तर रु. 2.04 करोड़) की आय अपने स्त्रोतों से अर्जित की। इन्होंने रु. 106.70 करोड़ (योजना रु. 56.46 करोड़ तथा योजनेत्तर रु. 50.24 करोड़) का उपयोग कर रु. 8.22 करोड़ (योजना रु. 5.77 करोड़ तथा योजनेत्तर रु. 2.45 करोड़) अपव्ययित शेष रहा।

घ. प्रबन्धन पत्र

उपचारी/सुधारात्मक कार्यवाही के लिए पृथक् प्रबन्धन-पत्र जारी किया गया। उसमें उन कमियों की सूचना कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को दी गई जिन्हें लेखा-परीक्षा रिपोर्ट में सम्मिलित नहीं किया गया है।

(v) पूर्ववर्ती पैराग्राफों की हमारी टिप्पणी के अधीन, हम सूचित करते हैं कि रिपोर्ट से सम्बन्धित तुलन-पत्र और आय-व्यय एवं लेखा/प्राप्ति एवं भुगतान लेखा की लेखा बहियों से अनुरूपता है।

(vi) हमारे विचार में तथा हमें उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार उक्त वित्तीय विवरण, लेखंकन नीतियों और खातों पर टिप्पणी के साथ मिलकर करें। उपर्युक्त महत्त्वपूर्ण मामलों एवं प्रस्तुत लेखा-परीक्षा रिपोर्ट के संलग्नक में उल्लिखित अन्य मामलों के अधीन, भारत में स्वीकृत लेखांकन सिद्धान्तों के समनुरूप सत्य एवं स्पष्ट दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं।

(अ) जहाँ तक यह 31 मार्च 2012 के अनुसार राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कार्यकलापों के तुलनपत्र से सम्बद्ध है; एवं

(ब) जहां तक यह उक्त दिनांक को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष के आय-व्यय लेखे से संबद्ध है।

कृते एवं की ओर से

स्थान - नई दिल्ली
दिनांक - 27-11-2012

ह०
महानिदेशक लेखा-परीक्षा
केन्द्रीय व्यय

नोट: 'प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक् लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।'

लेखा-परीक्षा रिपोर्ट का संलग्नक

1. आन्तरिक लेखा-परीक्षा की पर्याप्तता

आन्तरिक लेखा परीक्षा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय एवं परिसरों में से गठित कर्मचारियों द्वारा किया गया।

वर्ष 2011-12 के दौरान 10 परिसरों में से 9 परिसरों का लेखा-परीक्षण किया गया।

आपत्तियों के निस्तारण हेतु उचित कदम नहीं उठाये गए।

2. आन्तरिक नियन्त्रण-प्रणाली की पर्याप्तता

नियन्त्रण वातावरण

वित्त अधिकारी का आवश्यक पद 2002 से रिक्त है।

अनुवीक्षण

लेखा-परीक्षा की आपत्तियों के प्रति प्रबन्धन की अनुक्रिया प्रभावकारी न होने से वर्ष 2000-01 से 2010-11 तक की अवधि के 28 पैराग्राफ बकाया है।

3. परिसम्पत्तियों के प्रत्यक्ष सत्यापन की प्रणाली

स्थायी परिसम्पत्तियों का प्रत्यक्ष सत्यापन सितम्बर, 2010 में किया गया।

4. सामान-सूची के प्रत्यक्ष सत्यापन की प्रणाली

पुस्तकों एवं प्रकाशनो का प्रत्यक्ष सत्यापन की प्रक्रिया जारी है एवं लेखन तथा उपभोज्य सामग्रियों का सत्यापन सितम्बर, 2010 के बाद नही किया गया।

5. सांविधिक देय राशि के भुगतान की नियमितता

31-3-2012 को उपलब्ध लेखा के अनुसार सांविधिक देय से सम्बन्धित कोई भी भुगतान छ: महीने से अधिक समय तक बकाया नहीं था।